THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 365 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.14 2083 बुधवार, 1 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सोनिया गांधी को अस्पताल से मिली छुट्टी

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को एक सप्ताह बाद आज दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। इलाज के बाद उनकी हालत में सुधार देखा गया और उन्हें घर पर ही आगे की देखभाल और निगरानी के लिए छुट्टी दे दी गई है। उन्हें 24 मार्च को एक गंभीर संक्रमण और बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बता दें कि सोनिया गांधी पहले भी खराब स्वास्थ्य के चलते अस्पताल में भर्ती हो चुकी हैं। उनका इलाज और फॉलो-अप अब घर पर ही जारी रहेगा।

तेलंगाना आरबीआई से लिए कर्ज पर निर्भर?

> एसडीएफ के तहत निकाली 27 हजार करोड़ से अधिक राशि

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 में अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से बड़े पैमाने पर अल्पकालिक उधार लिया है। राज्य ने दो दिनों को छोड़कर, पूरे 363 दिनों के लिए 27,730 करोड़ रुपये की विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ) का लाभ उठाया। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) द्वारा लेखापरीक्षित वार्षिक खातों में यह जानकारी सामने आई है।

कैग रिपोर्ट के अनुसार, राज्य ने 298 दिनों के लिए 64,188 करोड़ रुपये की राशि के वेज एंड मीन्स एडवांसेज (डब्ल्यूएमए) का भी उपयोग किया। वित्तीय वर्ष के अंत में बकाया डब्ल्यूएमए की राशि 5,842 करोड़ रुपये थी। एसडीएफ और डब्ल्यूएमए आरबीआई द्वारा प्रदान किए गए अल्पकालिक उधार तंत्र हैं जो राज्य सरकारों को केंद्रीय बैंक के पास आवश्यक न्यूनतम नकदी शेष बनाए रखने में मदद करते हैं। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता ने मंगलवार को कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार ने राज्य को ऐसी स्थिति में धकेल दिया है जहां उसे नियमित खर्चों के लिए भी आरबीआई की सहायता पर निर्भर रहना पड़ता है।

वित्तीय स्थिति पर सीएजी रिपोर्ट :

राज्य विधानसभा में पेश की गई सीएजी रिपोर्ट में कहा गया है कि तेलंगाना सरकार ने वर्ष के दौरान 123 दिनों के लिए कुल 37,457 करोड़ रुपये का ओवरड्राफ्ट लिया। तेलंगाना राज्य में नकदी की मात्रा आरबीआई द्वारा निर्धारित न्यूनतम सीमा एक दशमलव तीन आठ करोड़ रुपये से कम होने पर, एसडीएफ और डब्ल्यूएमए विकल्पों का उपयोग करने के बाद भी, ओवरड्राफ्ट का सहारा लिया जाता है। यह स्थिति राज्य की कमजोर वित्तीय स्थिति को दर्शाती है।

के. कविता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि राज्य सरकार द्वारा प्रति माह 12,000 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित करने के बावजूद, सरकार दैनिक खर्चों के लिए आवश्यक न्यूनतम एक दशमलव तीन आठ करोड़ रुपये का नकद शेष बनाए रखने में विफल रही। उन्होंने कहा कि यह स्थिति चिंताजनक है और सरकार को अपनी वित्तीय प्रबंधन नीतियों पर पुनर्विचार करना चाहिए। राज्य का आरबीआई पर अत्यधिक निर्भरता उसकी वित्तीय स्थिरता पर सवाल उठाती है।

गुजरात में सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन

पीएम ने 'मेड इन इंडिया-मेक फॉर द वर्ल्ड' का मंत्र दिया

अहमदाबाद, 31 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के साणंद में केन्स सेमीकॉन प्लांट का उद्घाटन किया। यह सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह देश का दूसरा ऐसा प्लांट है। उद्घाटन करने के बाद पीएम मोदी ने प्लांट का जायजा लिया। साथ ही उन्होंने ऑपरेटर्स और इंजीनियरों से बातचीत की।

मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड का संदेश :

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि पिछले महीने के अंतिम दिन भी मैं साणंद में था और इस महीने के अंतिम दिन भी मैं साणंद में हूं। यह केवल संयोग नहीं है बल्कि यह संकेत देता है कि भारत कितनी तेज गति से सेमिकंडक्टर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। पीएम ने कहा कि साणंद और सिलिकॉन वैली के बीच एक नया सेतु स्थापित हुआ है। उन्होंने बताया कि यहां निर्मित उत्पादों का बड़ा हिस्सा निर्यात के लिए पहले ही बुक हो चुका है, जिससे मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड का संदेश वैश्विक स्तर पर गूंजेगा। पीएम मोदी ने कहा कि केन्स जैसी भारतीय कंपनी अब वैश्विक सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन का मजबूत हिस्सा बन चुकी है। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले समय में कई भारतीय कंपनियां दुनिया को एक भरोसेमंद और मजबूत सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन उपलब्ध कराएंगी। उन्होंने कहा कि इस प्लांट में उत्पादन शुरू होने के साथ ही भारत ने खुद को एक विश्वसनीय सेमीकंडक्टर सप्लायर के रूप में स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया है। मोदी ने कहा कि इस दशक में महामारी, संघर्ष और वैश्विक सप्लाई चेन बाधाओं ने दुनिया को प्रभावित किया है, खासकर चिप्स, रेयर अर्थ मिनरल्स और ऊर्जा क्षेत्र में। ऐसे समय में भारत जैसे लोकतांत्रिक देश का इस दिशा में आगे बढ़ना वैश्विक विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

'गोली का जवाब गोली से देंगे, हिसाब चुकाना होगा'

> अमित शाह ने लोकसभा में नक्सलियों को दे डाली चेतावनी

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एक बार फिर से लोकसभा में काफी आक्रामक मूड में मजर आए। उन्होंने नक्सलियों को सीधी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि हथियार नहीं रखोगे तो हिसाब चुकाना होगा। हम गोली का जवाब गोली से देंगे।

अमित शाह ने क्लियर करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की नीति केवल हथियार डालने वालों के साथ बातचीत करने की है न कि हिंसा का रास्ता अपनाने वालों के साथ, इसके लिए सुरक्षा बलों को करारा जवाब देने की खुली छूट दी गई है। जो गोली चलाएगा, उसे गोली से ही जवाब देंगे। इसलिए हथियार डाल दो तो पुनर्वास की व्यवस्था की जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मैं उन 'अर्बन नक्सलियों' से एक सवाल पूछना चाहता हूं जो इन व्यक्तियों के समर्थन में आगे आए हैं। पिछले छह दिनों में मैंने लगभग दो हजार लेखों की समीक्षा की है और इन सभी लेखों का मुख्य विषय यही है कि सरकार को उन नक्सलियों से बातचीत करनी चाहिए जो हथियार लेकर घूमते हैं, कि वे न्याय के लिए लड़ रहे हैं और उन्हें मारा नहीं जाना चाहिए।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि उन्होंने (राहुल गांधी) 2010 में ओडिशा में लाडो शिकोका के साथ मंच साझा किया, शिकोका ने उसी मंच से भड़काऊ भाषण दिया और राहुल गांधी को माला भी पहनाई।

2018 में हैदराबाद में गुमड़ी विट्ठल राव उर्फ गद्दार से मुलाकात की, जो विचारधारा के करीब रहे। मई 2025 को-ऑर्डिनेशन कमिटी ऑफ पीस... इसके साथ मुलाकात की।

अब कानूनन आंध्र प्रदेश की राजधानी बनेगी अमरावती

> लोकसभा में आज पेश होगा बिल > लंबे समय से हो रही थी मांग

अमरावती, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश की राजधानी के भविष्य को लेकर वर्षों से चल रहा सियासी और कानूनी घमासान अब अपने अंतिम मुकाम पर पहुंच गया है। टीडीपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की योजना के मुताबिक, 1 अप्रैल को लोकसभा में 'आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2026' पेश किया जाएगा। अमरावती को कानूनी तौर पर आंध्र प्रदेश की एकमात्र राजधानी घोषित करना ही इस बिल का मकसद है।

मुख्यमंत्री कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, इसके बाद राज्य की राजधानी को लेकर चल रहा हर तरह का कानूनी असमंजस हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा। एनडीए सरकार का विजन है कि अमरावती विश्व स्तरीय शहर बने।

क्या-क्या होगा बदलाव :

दरअसल, यह विधेयक 'आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014' में संशोधन के लिए लाया जा रहा है। इस नए संशोधन बिल के जरिए कानून में एक नई लाइन जोड़ी जाएगी। उसमें लिखा होगा कि अमरावती ही आंध्र प्रदेश की नई राजधानी होगी। वर्ष 2014 में आंध्र प्रदेश से अलग होकर तेलंगाना बना था। उस वक्त कानून में एक व्यवस्था की गई थी कि हैदराबाद अधिकतम 10 वर्ष के लिए ही दोनों राज्यों की साझा राजधानी रहेगा। इसके बाद हैदराबाद पूरी तरह तेलंगाना का हिस्सा बन जाएगा। आंध्र प्रदेश को अपनी एक नई राजधानी बनानी होगी। हालांकि, कानून में अमरावती के नाम का सीधा जिक्र नहीं था। बाद में राजनीतिक विवाद खड़े हुए। अब इसी कमी को दूर किया जा रहा है। 28 मार्च को आंध्र प्रदेश विधानसभा ने अमरावती को इकलौती राजधानी बनाने के समर्थन में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया था। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने सदन में प्रस्ताव रखा था। इसके बाद इस प्रस्ताव को राज्यसभा के सभापति, लोकसभा अध्यक्ष और केंद्रीय गृह मंत्री सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को भेजा गया था। विधानसभा में सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि अमरावती ही आंध्र प्रदेश की एकमात्र और स्थायी राजधानी है।

सीएम ममता बनर्जी ने चुनाव आयुक्त को फिर लिखा पत्र

> बंगाल में फर्जी वोटरों से लोकतंत्र पर खतरा

कोलकाता, 31 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले एक बार फिर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) को पत्र लिखकर राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की कोशिश की जा रही है, जिससे असली वोटरों के अधिकार प्रभावित हो सकते हैं।

ममता बनर्जी ने अपने पत्र में कहा कि बंगाल में लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों के खिलाफ एक बड़ी साजिश रची जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े लोग हजारों फर्जी फॉर्म-6 आवेदन जमा कर बाहरी लोगों को मतदाता सूची में शामिल करने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया वोटर हाइजैकिंग की कोशिश है। उन्होंने दावा किया कि इस तरह की रणनीति पहले महाराष्ट्र और दिल्ली में भी अपनाई गई थी। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अभी भी 60 लाख से अधिक वास्तविक मतदाता जांच प्रक्रिया में फंसे हैं, जबकि बड़ी संख्या में फर्जी आवेदन तेजी से स्वीकार किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रक्रिया के कारण अब तक 200 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है, जिसे उन्होंने बेहद चिंताजनक बताया।

हमसे खरीदें तेल या होर्मुज पर करें कब्जा

> दुनिया को संकट में डाल डबल गेम खेलने लगे ट्रंप > फ्रांस पर भी भड़के

वॉशिंगटन, 31 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को अपनी एक सोशल मीडिया पोस्ट में पश्चिमी देशों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन जैसे जो देश होर्मुज जलडमरूमध्य के कारण जेट ईंधन नहीं पा रहे हैं, जिन्होंने ईरान के खिलाफ कार्रवाई में हिस्सा लेने से इनकार किया था, उनके लिए उनके पास दो सुझाव हैं।

> जिन देशों के पास जेट ईंधन नहीं है, उनके लिए मेरे पास दो सुझाव हैं। पहला- ऐसे देश अमेरिका से ईंधन खरीद सकते हैं और दूसरा- खुद होर्मुज जलडमरूमध्य जाकर उसे नियंत्रण में ले सकते हैं।
>
> - डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिकी राष्ट्रपति

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने बयान में क्या कहा?

ब्रिटेन जैसे जो देश होर्मुज जलडमरूमध्य की वजह से जेट ईंधन नहीं पा रहे हैं, जिन्होंने ईरान के खिलाफ कार्रवाई में शामिल होने से इनकार किया, उनके लिए मेरा सुझाव है: पहला-अमेरिका से खरीदो, हमारे पास बहुत है। दूसरा-हिम्मत जुटाओ, जलडमरूमध्य पर जाओ और उसे अपने कब्जे में ले लो। अब तुम्हें खुद अपने लिए लड़ना सीखना होगा, अमेरिका अब तुम्हारी मदद के लिए नहीं आएगा, जैसे तुम हमारे लिए नहीं आए। ईरान लगभग तबाह हो चुका है। मुश्किल काम खत्म हो गया है। जाओ, अपना तेल खुद हासिल करो। उन्होंने आगे लिखा, फ्रांस ने इस्राइल जा रहे सैन्य सामान से भरे विमानों को अपने हवाई क्षेत्र से गुजरने नहीं दिया। फ्रांस ने 'ईरान के कसाई' के मामले में बहुत ही खराब सहयोग किया, जिसे सफलतापूर्वक खत्म कर दिया गया है। अमेरिका इसे याद रखेगा।

ईरान को दी थी चेतावनी

इससे पहले, सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि उनका देश ईरान में अपने सैन्य अभियानों को समाप्त करने के लिए एक और अधिक समझदार शासन के साथ गंभीरता से बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में काफी प्रगति हुई है।

लेकिन अगर किसी भी वजह जल्द ही कोई समझौता नहीं हो पाता है (जिसकी बहुत अधिक संभावना है) और अगर होर्मुजजलडमरूमध्य व्यापार के लिए नहीं खुलता है, तो हम उनके सभी बिजली उत्पादन संयंत्रों, तेल कुओं और खर्ग द्वीप को पूरी तरह तबाह कर देंगे, जिन्हें हमने जानबूझकर अभी तक छुआ नहीं है।

उन्होंने लिखा, यह उन असंख्य सैनिकों और अन्य लोगों का बदला होगा, जिन्हें ईरान ने पिछले शासन के 47 वर्षों के आतंक के दौरान बेरहमी से मार डाला था।

'दादा की लाश नहीं मिली श्राद्ध तक नहीं कर पाया'

निशिकांत दुबे ने बताई नक्सलवाद की आपबीती

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे के दादा नक्सलवाद का शिकार हो गए थे। 35 साल पहले हुई इस घटना के बाद आज तक उनके दादा की लाश भी नहीं मिल पाई है। नक्सलवाद को लेकर अपनी आपबीती निशिकांत दुबे ने खुद संसद में बताई है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) सांसद निशिकांत दुबे ने बताया कि वह उस परिवार से आते हैं, जहां उनके दादा नक्सलवाद की भेंट चढ़ गए। आज भी उनकी लाश नहीं मिली। पिछले 35 साल से वे अपने दादा को ढूंढ रहे हैं। उनका श्राद्ध तक नहीं हो पाया है।

दरअसल, एक दिन पहले (सोमवार) देश के गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में भाषण देते हुए देश से नक्सलवाद के खात्मे का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि भारत से नक्सलवाद की समाप्ति की डेडलाइन 31 मार्च तय की गई थी और देश से नक्सलवाद की समस्या अब खत्म हो चुकी है। नक्सलवाद के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पिछले 60 साल से कांग्रेस ने भारत पर शासन किया, लेकिन आदिवासी इसके बाद भी अब तक विकास से दूर बने रहे। उन्होंने सवाल पूछा कि आखिर ऐसा क्यों हुआ। नक्सलवाद की असली वजह बताते हुए अमित शाह ने कहा कि इसका मुख्य कारण विकास का न होना नहीं है। नक्सलवाद तो एक विचारधारा है।

केरल में कांग्रेस का चुनाव प्रचार

सीपीएम अब वामपंथी नहीं : राहुल गांधी अदाणी का नाम लेकर भाजपा पर भी बरसे

> अदाणी भाजपा के वित्तीय आधार हैं। अमेरिका में उनके खिलाफ एक आपराधिक केस दर्ज किया गया है, लेकिन मुकदमा अदाणी को निशाना बनाकर नहीं किया गया है। इसका असली निशाना प्रधानमंत्री और भाजपा हैं।
>
> राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

तिरुवनंतपुरम, 31 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, यह चुनाव दो विचारधाराओं के बीच की लड़ाई है। राहुल गांधी केरल के कन्नूर में रैली संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह लड़ाई वाम मोर्चा (सीपीएम) की विचारधारा, यूडीएफ की विचारधारा और कांग्रेस पार्टी की विचारधारा की बीच है। पहली बार हम देख रहे हैं कि भाजपा और वाम मोर्चा के बीच गठबंधन हो रहा है। सामान्य तौर पर, किसी वामपंथी दल का किसी अति दक्षिणपंथी दल के साथ गठबंधन करना काफी आश्चर्यजनक होता।

सबरीमाला के बारे में क्यों नहीं बोलते

इसके साथ ही उन्होंने रैली को संबोधित करते हुए भाजपा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, जब हिंदू धर्म के तथाकथित रक्षक (प्रधानमंत्री) केरल आते हैं, तो सबरीमाला के बारे में कुछ नहीं कहते। उन्होंने कहा, भाजपा मुख्यमंत्री (पिनारयी विजयन) का समर्थन कैसे कर रही है? पहली बात तो यह है कि प्रधानमंत्री जहां भी जाते हैं, मंदिरों, धर्म और देवी-देवताओं की बात करते हैं। लेकिन जब वे केरल आते हैं, तो सबरीमाला मंदिर का मुद्दा नहीं उठाते। सीपीएम नेताओं ने सबरीमाला मंदिर से सोना चुराया, लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। प्रधानमंत्री मोदी चाहते हैं कि केरल विधानसभा चुनाव में एलडीएफ की जीत हो। केरल में राहुल गांधी ने कहा कि सीपीआई (एम) अब वामपंथी पार्टी नहीं बल्कि अति दक्षिणपंथी पार्टी है।

आगे उन्होंने कहा, अदाणी भाजपा की वित्तीय संरचना का आधार है। इसीलिए अमेरिका में अदाणी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया है, लेकिन यह मामला अदाणी को निशाना नहीं बना रहा है। यह मामला मोदी और भाजपा को निशाना बना रहा है।

'हम शिकार करने आ रहे हैं'

✻ 3 अप्रैल को भारतीय नौसेना में शामिल होगा स्टील्थ युद्धपोत तारागिरी

✻ चीन-पाकिस्तान को टेंशन तय

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना 3 अप्रैल का बड़ा इतिहास रचने जा रही है। भारतीय नौसेना में 3 अप्रैल, 2026 को स्वदेशी स्टील्थ युद्धपोत तारागिरी को शामिल किया जा रहा है। नौसेना के प्रवक्ता ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर यह जानकारी दी है। नौसेना ने 'द डेयरिंग ईगल' टाइटल देकर कहा है कि आत्मनिर्भर भारत का नया अध्याय शुरू हो रहा है। भारतीय नौसेना का स्वदेशी विकसित स्टील्थ युद्धपोत तारागिरी को 3 अप्रैल, 2026 को कमीशंड किया जाएगा। उस वक्त इसे चलाने वाले क्रू कहेंगे और समंदर सुनेंगे।

6,670 टन का युद्धपोत है तारागिरी :

प्रोजेक्ट 17ए क्लास के चौथे प्लेटफॉर्म के रूप में तारागिरी केवल एक जहाज नहीं है। यह 6,670 टन का युद्धपोत है, जो मेक इन इंडिया के जज्बे को बताता है। साथ ही यह भारत के स्वदेशी शिपयॉर्ड्स की इंजीनियरिंग क्षमता को भी दर्शाता है। इस युद्धपोत के नौसेना के जंगी बेड़े में शामिल होने से पाकिस्तान और चीन को टेंशन जरूर होगी।

मझगांव डाक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, मुंबई में तारागिरी को बनाया गया है। यह दुश्मन के रडार से बचाने वाले घातक स्टील्थ टेक्नोलॉजी से लैस है। तारागिरी डीजल-गैस प्रपल्शन तकनीक से चलेगा। यह हाई स्पीड-हाई एंड्योरेंस विविधताओं से लैस है। यह बहुआयामी समुद्री क्षमताओं से लैस है। इसमें सतह से सतह मार करने वाली मिसाइलें भी लगी हैं। साथ ही इसे एंटी सब मरीन जंग के लिहाज से भी डिजाइन किया गया है।

किरेन रिजिजू का दावा : वामपंथी उग्रवादियों को जानते हैं राहुल गांधी

> कई कांग्रेस नेता का नक्सलियों से संबंध

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। देश में नक्सलवाद के मुद्दे पर सियासत तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस और उसके वरिष्ठ नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के कुछ नेताओं के वामपंथी उग्रवादियों और माओवादियों से संबंध रहे हैं। उनके इस बयान से राजनीतिक माहौल गरमा गया है और आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है।

किरेन रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी वामपंथी उग्रवादियों को जानते हैं और कांग्रेस के कुछ नेताओं ने ऐसे समूहों से संपर्क भी बनाए रखा था। उन्होंने यह भी कहा कि यह विडंबना है कि एक तरफ कांग्रेस सार्वजनिक रूप से उग्रवाद के खिलाफ बात करती है, वहीं दूसरी तरफ उसके कुछ नेताओं पर ऐसे आरोप लग रहे हैं।

क्या राहुल गांधी का वामपंथी उग्रवादियों से संबंध है :

रिजिजू ने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी की अगुवाई वाली राष्ट्रीय सलाहकार परिषद के समय कुछ लोग वामपंथी उग्रवादी विचारधारा से जुड़े थे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी इन लोगों को जानते हैं। हालांकि उन्होंने कोई ठोस सबूत सार्वजनिक नहीं किया, लेकिन उनके बयान ने राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है।

> सोनिया गांधी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय सलाहकार परिषद में कई ऐसे लोग भी जुड़े थे, जिनका वामपंथी उग्रवादी विचारधाराओं से संबंध था। राहुल गांधी इन लोगों को जानते हैं।
>
> किरेन रिजिजू, केंद्रीय मंत्री

केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस के कुछ नेताओं ने माओवादियों से मुलाकात भी की थी और उनसे संपर्क बनाए रखा था। उन्होंने इसे गंभीर मामला बताते हुए कहा कि यह देश की सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। उनके अनुसार, यह स्थिति चिंताजनक है और इसकी जांच होनी चाहिए।

क्या नक्सलवाद अब खत्म होने की कगार पर है :

इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में कहा था कि देश नक्सलवाद से लगभग मुक्त होने की स्थिति में पहुंच चुका है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के बस्तर जैसे इलाके, जो पहले नक्सलवाद के गढ़ माने जाते थे, अब विकास की राह पर आगे बढ़ रहे हैं।

कांगड़ा में भूकंप के झटके सुबह-सुबह थरथराई धरती; जान-माल का कोई नुकसान नहीं

कांगड़ा, 31 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में आज सुबह का सन्नाटा एक हल्की सी थरथराहट से टूटा। 31 मार्च 2026 को सुबह 04:33 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के मीटरों ने तुरंत इस हलचल को दर्ज किया। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे, 32.171 एन अक्षांश और 76.241 ई देशांतर पर था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 2.8 मापी गई। इससे पहले 15 जनवरी 2026 को मंडी में भूकंप आया था। भूकंप का केंद्र बिंदु मंडी में जमीन से 5 किलोमीटर नीचे पाया गया था।

'बिना पसंदीदा अपशब्दों का प्रयोग किए 90 मिनट तक दिया भाषण'

कांग्रेस का गृहमंत्री अमित शाह पर तंज

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस ने मंगलवार को गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधता। कांग्रेस ने कहा उन्होंने लोकसभा में एक चमत्कार कर दिखाया। उन्होंने 90 मिनट तक बिना एक बार भी अपने पसंदीदा अपशब्द का इस्तेमाल किए उग्र भाषण दिया। विपक्षी दल का यह कटाक्ष शाह की ओस उस घोषणा के एक दिन बाद आया है।

इसमें उन्होंने कहा था कि माओवादियों के सर्वोच्च निकाय और केंद्रीय ढांचे को लगभग पूरी तरह से ध्वस्त कर दिए जाने के बाद देश नक्सलियों से मुक्त हो गया है। इसके

साथ ही कहा कि कांग्रेस ने उग्रवादियों की हिंसा के लंबे दौर को समाप्त करने के लिए कुछ नहीं किया है। लोकसभा में देश को वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) से मुक्त करने के प्रयासों पर बहस हुई। इसका जवाब देते हुए शाह ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कई बार सार्वजनिक रूप से नक्सल समर्थकों के साथ देखा गया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल से माओवादियों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण वीडियो भी पोस्ट किए।

शाह पर निशाना साधते हुए कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, कल लोकसभा में गृह मंत्री ने चमत्कार कर दिखाया। उन्होंने 90 मिनट तक जमकर भाषण दिया और एक बार भी अपने पसंदीदा अपशब्द का इस्तेमाल नहीं किया, जिसे पहले कई बार रिकॉर्ड से हटाना पड़ा था।

मुंबई को मिली नई बीएमसी कमिश्नर

अश्विनी भिड़े के हाथों में कमान

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई महानगरपालिका की नई कमिश्नर के तौर पर अश्विनी भिड़े की नियुक्ति की गई है। प्रशासनिक अनुभव और सख्त कामकाज शैली के लिए जानी जाने वाली भिड़े को महाराष्ट्र सरकार का एक मजबूत और भरोसेमंद चेहरा माना जाता है। देवेंद्र फडणवीस की करीबी आईएएस अधिकारियों में शामिल अश्विनी भिड़े इससे पहले मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) में सचिव के पद पर भी कार्यरत रह चुकी हैं। मुंबई के महत्वाकांक्षी भूमिगत मेट्रो प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी संभालते हुए उन्होंने बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई थी। इसके अलावा, बीएमसी में एडिशनल कमिश्नर के रूप में भी उनका अनुभव रहा है, जिससे उन्हें नगर प्रशासन की गहरी समझ है। अश्विनी भिड़े को एक तेज तर्रार अधिकारी माना जाता है। वह अपनी सख्त शैली के लिए जानी जाती हैं।

'पैटरनिटी लीव' को कानूनी अधिकार बनाए सरकार

संसद में राघव चड्ढा ने उठाया एक और बड़ा मुद्दा

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। संसद में आजकल सबसे अधिक चर्चा में रहने वाले कोई नेता हैं तो वह हैं आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा । जी हां राघव चड्ढा आए दिन एक से एक जनहित का मुद्दा उठाते आ रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने एक बार फिर से राज्यसभा में पैटरनिटी लीव को लेकर आवाज उठाई है। उन्होंने सरकार से पैटरनिटी लीव को कानूनी अधिकार देने की मांग रखी है। उन्होंने कहा कि बच्चे के जन्म पर माता-पिता दोनों को बधाई दी जाती है। लेकिन देखभाल की जिम्मेदारी एक पर होती है, सिर्फ मां पर।

ऐसे में सिर्फ माता पर बोझ देना सही नहीं है। आप सांसद राघव चड्ढा ने अपने एक्स हैंडल पर लिखते हुए कहा कि मैंने संसद में मांग रखी है कि भारत में पितृत्व अवकाश (पैटरनिटी लीव) एक कानूनी अधिकार होना चाहिए। बच्चे के जन्म होने पर माता-पिता दोनों को बधाई दी जाती है। लेकिन देखभाल की जिम्मेदारी एक पर होती है, केवल मां पर। पिता को अपने नवजात शिशु की देखभाल और नौकरी के बीच चुनाव नहीं करना चाहिए और मां को अपने पति के सहयोग के बिना प्रसव और प्रसवोत्तर अवधि से नहीं गुजरना चाहिए। प्रसव के तुरंत बाद महिला को अपने पति की उपस्थिति की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। पत्नी के प्रति पति की देखभाल की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। मैंने संसद में यह मुद्दा इसलिए उठाया क्योंकि देखभाल एक साझा जिम्मेदारी है। हमारे कानूनों में यह बात झलकनी चाहिए।

इससे पहले राघव चड्ढा ने राज्यसभा में भारत के प्रमुख शहरों में बिगड़ती यातायात स्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यात्रियों को हर साल यातायात जाम में 100 से 168 घंटे का नुकसान होता है और शहरी यातायात की समस्या से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्तर के समाधान की आवश्यकता पर बल दिया।

ज्यादा कीमत पर बेची स्कूल किताबें, एफआईआर

ग्वालियर, 31 मार्च (एजेंसियां)। ग्वालियर में एमआरपी से अधिक कीमत पर किताबें और स्टेशनरी बेचने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए आदर्श स्टेशनरी स्टोर और कंगारू किड्स स्कूल के संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। मामला उस समय सामने आया जब एक अभिभावक ने पुस्तक मेले में शिकायत की कि आदर्श स्टेशनरी स्टोर द्वारा बेची गई किताबों और स्टेशनरी पर एमआरपी और प्रकाशक का नाम मुद्रित नहीं था। शिकायत पर कलेक्टर रुचिका चौहान के निर्देश पर शिक्षा विभाग ने कंगारू किड्स स्कूल का औचक निरीक्षण किया। जांच में शिकायत सही पाई गई। इसके बाद आदर्श स्टेशनरी स्टोर, दर्पण कॉलोनी के संचालक धनराज सेवानी और कंगारू किड्स स्कूल, सिटी सेंटर के निदेशक उदित गायकवाड़ के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत गोला का मंदिर थाने में मामला दर्ज किया गया है।

कम विकलांगता के बाद भी पेंशन

हाईकोर्ट का फैसला आर्मी अफसर को राहत, केंद्र सरकार की याचिका खारिज

चंडीगढ़, 31 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने सशस्त्र बलों के कर्मियों की डिसएबिलिटी पेंशन से जुड़े एक मामले में केंद्र सरकार को झटका देते हुए उसकी याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि किसी सैन्य अधिकारी को सेवा के दौरान हुई बीमारी के कारण समय से पहले सेवा से हटना पड़े तो भले ही विकलांगता 20 प्रतिशत से कम आंकी गई हो, उसे न्यूनतम 20 प्रतिशत मानते हुए पेंशन का लाभ दिया जाएगा। मामले की सुनवाई जस्टिस हरसिमरन सिंह सेठी और जस्टिस दीपक मंचंदा की खंडपीठ ने की। यह याचिका केंद्र सरकार द्वारा दायर की गई थी, जिसमें आर्म्ड फोर्सेज ट्रिब्यूनल के 11 अप्रैल 2023 के आदेश को चुनौती दी गई थी। ट्रिब्यूनल ने लेफ्टिनेंट कर्नल अमृता को डिसएबिलिटी पेंशन देने का आदेश दिया था, जिसमें उनकी विकलांगता (15-19%) को 50 प्रतिशत तक राउंड ऑफ कर लाभ प्रदान किया गया था। केंद्र सरकार का तर्क था कि चूंकि मेडिकल बोर्ड ने विकलांगता 20 प्रतिशत से कम आंकी है, इसलिए पेंशन का लाभ नहीं दिया जा सकता। हालांकि, हाईकोर्ट ने इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि यह निर्विवाद तथ्य है कि संबंधित अधिकारी 'प्लूरो पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस' जैसी बीमारी से ग्रस्त थीं, जो सैन्य सेवा से जुड़ी मानी गई और इसी कारण उन्हें सेवा से हटाना पड़ा। अदालत ने माना कि ऐसी स्थिति में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जा सकता कि केवल प्रतिशत कम होने के कारण पेंशन से वंचित किया जाए।

साइबर ठगी के पैसों को ठिकाने लगाने का नया पैंतरा, पेट्रोल पंप के जरिए कैश में बदल रहे थे रकम

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। साइबर अपराधियों ने ठगी से हासिल रकम को निकालने का नया तरीका अपनाया है। अब सीधे पैसे निकालने के बजाय वे रकम को कई बैंक खातों में घुमाकर अंत में पेट्रोल पंप के माध्यम से नकद में बदल रहे हैं। मुंबई की सर जेजे मार्ग पुलिस ने इस तरह के एक संगठित नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान राहुल कुमार शैतानमल सेन (23 वर्ष) के रूप में हुई है।

प्राथमिक रूप से मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी मूल रूप से राजस्थान के पाली का रहने वाला है और कमीशन के बदले पेट्रोल पंप के जरिए संदिग्ध खातों में पैसों के लेन-देन में शामिल था।

स्विमिंग पूल में डूबे सगे भाई-बहन की मौत

राजकोट, 31 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के राजकोट से एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां स्विमिंग पूल में डूबने से सगे भाई-बहन की मौत हो गई। यह घटना रैयाधार इलाके स्थित 'सोपान हाइट्स' बिल्डिंग की है, जहां खेलते-खेलते दो मासूम बच्चों की जान चली गई। मृतकों की पहचान 7 साल के दीपेश भंडारी और उसकी 5 साल के बहन दीपिक्षा भंडारी के रूप में हुई है। दोनों बच्चे एक नेपाली परिवार से थे, जिससे पूरे परिवार और इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।

जानकारी के मुताबिक, बच्चों के माता-पिता उसी बिल्डिंग में सफाई का काम करते हैं। घटना के समय दोनों बच्चे स्विमिंग पूल के पास खेल रहे थे। खेलते-खेलते अचानक दोनों पानी में गिर गए। स्विमिंग पूल गहरा होने के कारण वे बाहर नहीं निकल सके और डूबने से उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही माता-पिता और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद दोनों बच्चों को बाहर निकाला।

'एक तकनीकी चूक के कारण 17 साल की सुनवाई बेकार नहीं जा सकती'

सुप्रीम कोर्ट ने पलटा एचसी का फैसला

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। किसी छोटी तकनीकी चूक के कारण पूरे केस को दोबारा चलाना सही नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। एक मामले में ट्रायल कोर्ट की ओर से आरोप तय करने वाले आदेश पर जज के हस्ताक्षर न होने की मामूली चूक के कारण 17 वर्षों की सुनवाई निरर्थक हो गई। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मामले के निर्णायक चरण में पहुंचने के बावजूद पुनर्विचार का आदेश दिया।

इस पूरे मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य न्याय को बढ़ावा देना है, न कि तकनीकी खामियों के आधार पर इसे बाधित करना। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और आर महादेवन की पीठ ने कहा कि ट्रायल कोर्ट की यह चूक इतनी गंभीर नहीं थी कि पूरी सुनवाई रद्द हो जाए। 2007 के हत्या मामले में, जिसमें नौ आरोपी थे,

निचली अदालत ने 2009 में आरोप तय किए थे, लेकिन एक आरोपी की अनुपस्थिति के कारण इस आदेश पर हस्ताक्षर नहीं हो पाए थे। हालांकि, मामले की सुनवाई 15 वर्षों तक सुचारू रूप से चलती रही और यह मुद्दा 2024 में बिल्कुल अंत में उठाया गया, जिसके कारण इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पुनर्विचार का आदेश दिया।

हाई कोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

हाई कोर्ट के फैसले को पलटते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसी देर से उठाई गई आपत्तियां और उन्हें मान लेना आपराधिक कानून के उद्देश्य को विफल कर देगा। उद्देश्य न्याय को बढ़ावा देना है, न कि तकनीकी आधार पर इसे बाधित करना। सुप्रीम कोर्ट ने मुकदमे के अंतिम चरण में, वह भी प्रमुख चश्मदीदों की मृत्यु के बाद, इस मुद्दे को उठाने के लिए अभियुक्तों के आचरण पर भी सवाल उठाया। मामले के आखिरी में जज का हस्ताक्षर न होना कोई बड़ी कानूनी गलती नहीं, ऐसी गलती पर पूरा ट्रायल अमान्य नहीं होता। कानून का मकसद न्याय दिलाना है, तकनीकी गलती के कारण पूरे केस को दोबारा चलाना सही नहीं।

सुप्रीम कोर्ट ऐसे में सुनवाई अमान्य नहीं हो जाती: एससी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आदेश पर हस्ताक्षर न होने से पूरी सुनवाई अमान्य नहीं हो जाती। क्योंकि आरोप तय किए जा चुके थे, दर्ज किए जा चुके थे, पढ़े जा चुके थे और न्यायालय तथा पक्षों द्वारा उन पर कार्रवाई की जा चुकी थी। रिकॉर्ड स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि अभियुक्तों को आरोपों की पूरी जानकारी थी और उन्होंने अभियोजन पक्ष के मामले का प्रभावी ढंग से विरोध किया।

रेल मंत्रालय में बड़ा फर्जीवाड़ा

चांदी के नाम पर तांबे के पदक सप्लाई, सीबीआई ने एफआईआर कर शुरू की जांच

भोपाल, 31 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम मध्य रेलवे एनबीए के लिए गोल्ड प्लेटेड सिल्वर मेडल्स में बड़ी उपलब्धि का खुलासा हुआ है। सेंट्रल ब्यूरो (सीबीआई) ने इस मामले में रेलवे एंड राइट्स (राइट्स) सहित इंदौर की कंपनी के अधिकारियों की गिरफ्तारी की जांच शुरू कर दी है। 23 जनवरी 2023 को 3,640 गोल्डेड प्लेट सिल्वर मेडल्स का कॉन्ट्रैक्ट हुआ था। इन पदकों की कुल कीमत करीब 49.68 लाख रुपये तय की गई थी। अनुबंध के कर्मचारियों के राइट्स के निरीक्षण इंजीनियर द्वारा सितंबर और अक्टूबर 2023 में सामग्री का निरीक्षण किया गया, जिसमें रिपोर्ट के अनुसार पदक 99.90 प्रतिशत शुद्ध चांदी पाए गए। प्रारंभिक जांच में आरोप सही पाए जाने पर सीबीआई ने 25 मार्च 2026 को मामला दर्ज किया है।

इसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी (षड्यंत्र), 420 (धोखाधड़ी), 468 (जालसाजी), 471 (फर्जी दस्तावेज का उपयोग) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। सीबीआई ने मामले की जांच एसीबी भोपाल के एएसपी आकाश कुमार मीणा को सौंप दी है। एजेंसी अब यह पता लगाएगी कि इस पूरे घोटाले में किन-किन अधिकारियों और व्यक्तियों की भूमिका रही और किस स्तर पर लापरवाही या मिलीभगत हुई।

बीमार तेंदुए में मिले श्वानों की बीमारी के लक्षण, जांच में खुलासा

जबलपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। करेली वन क्षेत्र से पकड़ी गई एक मादा तेंदुआ की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट में चल रहे इलाज के दौरान पता चला कि तेंदुआ कैनाइन डिस्टेंपर से संक्रमित है। यह बीमारी आमतौर पर श्वानों में पाई जाती है, लेकिन अब वन्यजीवों के लिए भी गंभीर खतरा बनती जा रही है। बीमार हालत में मिली मादा तेंदुआ को करेली के जंगल से रेस्क्यू कर उपचार के लिए लाया गया था। जांच में सामने आया कि संक्रमण की वजह से तेंदुआ की हालत लगातार बिगड़ रही थी और वह सामान्य व्यवहार भी नहीं कर पा रही थी। वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञों का मानना है कि जंगल में आवारा श्वानों का शिकार करने के कारण यह वायरस तेंदुआ तक पहुंचा। यही कारण है कि अब वन विभाग ने वन क्षेत्रों में घूम रहे आवारा श्वानों को हटाने के लिए अभियान तेज कर दिया है।

पूछताछ के नाम पर बडी डील

एमसीडी के डीसी-एओ ने लाइसेंसिंग इंस्पेक्टर से मांगी चार लाख की रिश्वत सीबीआई ने हिरासत में लिया

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। शाहदरा नॉर्थ जोन में दिल्ली नगर निगम के एक लाइसेंसिंग इंस्पेक्टर से चार लाख रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में डिप्टी कमिश्नर अभिषेक मिश्रा और ऑडिट ऑफिसर (एओ) दिव्यांशु गौतम को देर रात हिरासत में ले लिया गया। यह मामला पर्यावरण प्रबंधन सेवाएं विंग का है। जानकारी के अनुसार, लाइसेंसिंग इंस्पेक्टर मुकेश के खिलाफ एक इंक्वायरी चल रही थी। आरोप है कि इसी जांच के दौरान डिप्टी कमिश्नर और एओ ने मामले को प्रभावित करने के लिए चार लाख रुपये की रिश्वत की मांग की। इस पर मुकेश ने सीबीआई के एंटी करप्शन ब्यूरो में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर सीबीआई ने जांच शुरू की और देर रात कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपितों को हिरासत में ले लिया। फिलहाल सीबीआई मामले की आगे जांच कर रही है और रिश्वत मांगने से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है। दिल्ली नगर निगम में भ्रष्टाचार को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। हाल के दिनों में शाहदरा साउथ जोन में ही एक सहायक अभियंता (एई) को ठेकेदार से रिश्वत मांगने के आरोप में सीबीआइ ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया ।

सड़क निर्माण न होने पर बीजेपी पार्षद अपर्णा पाटिल धरने पर बैठीं, प्रशासन में मचा हड़कंप

ग्वालियर, 31 मार्च (एजेंसियां)। शहर में सड़कों की बदहाली और नगर निगम के अधिकारियों की लापरवाही के चलते अब पार्षदों को धरना देने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। बसंत विहार कालोनी के अंदर से होकर चेतकपुरी तक सड़क निर्माण कार्य न होने से नाराज वार्ड 58 से भाजपा पार्षद अपर्णा पाटिल ने सड़क पर बैठकर ही धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। भाजपा पार्षद अपर्णा पाटिल तपती धूप में गड्ढे में बैठ गईं और उनके साथ स्थानीय निवासी भी धरना देने लगे। बाद में अपर आयुक्त ने उनसे चर्चा की और शाम को मौके पर काम की शुरुआत भी कराई गई। धरने के दौरान पार्षद ने आरोप लगाए कि रोड निर्माण के लिए टेंडर और वर्क ऑर्डर जारी होने के बावजूद काम शुरू नहीं किया गया। अपर्णा पाटिल ने इसे राजनीतिक भेदभाव बताते हुए कहा कि ग्वालियर में कांग्रेस की नगर सरकार भाजपा पार्षदों के वार्डों में जानबूझकर विकास कार्य रोक रही है।

जलगांव जमीन घोटाला

एकनाथ खडसे और बेटी शारदा पर केस दर्ज, 'महार वतन' भूमि विवाद गहराया

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में जमीन घोटाले के एक बड़े मामले में एकनाथ खड़से और उनकी बेटी शारदा के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। आरोप है कि उन्होंने एक बुजुर्ग महिला की जमीन जाली दस्तावेजों के जरिए अपने नाम कर ली। पुलिस के अनुसार विवादित जमीन 'महार वतन' श्रेणी में आती है, जो पारंपरिक रूप से महार समुदाय को दी जाती थी। शिकायत के मुताबिक, इस जमीन को अवैध तरीके से खडसे की बेटी के नाम ट्रांसफर कर दिया गया, जिससे मामला और गंभीर हो गया है। इस पूरे मामले में खडसे ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि उनका इस जमीन सौदे से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह उनके खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध के तहत की गई कार्रवाई है।

शिकायतकर्ता 82 वर्षीय महिला ने आरोप लगाया कि वर्ष 2002 में एकनाथ खडसे ने उनकी जमीन पर शुगर मिल स्थापित करने का वादा किया था। इसके बदले परिवार को मुआवजा और रोजगार देने का आश्वासन भी दिया गया था। पीड़िता के अनुसार, कई वर्षों बाद पता चला कि जमीन पर कोई शुगर मिल स्थापित नहीं की गई। आरोप है कि तापी-पूर्णा शुगर एलाइड इंडस्ट्रीज लिमिटेड नामक कंपनी बनाकर दस्तावेजों में हेरफेर कर जमीन पर कब्जा किया गया। जलगांव पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने 2002 से 2025 के बीच हुए लेन-देन की जांच की। इसके बाद धोखाधड़ी, जालसाजी और एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बेटे की मासूम जिद पर मां ने बेरहमी से मारा था चाकू, कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

जालंधर, 31 मार्च (एजेंसियां)। जालंधर के गांव सोहल जगीर में छह वर्षीय अर्शप्रीत सिंह की हत्या के मामले में अदालत ने आरोपी मां कुलविंदर कौर को उम्रकैद और 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। जुर्माना अदा न करने की स्थिति में एक साल की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। मामला आठ जून 2020 का है, जब मासूम की हत्या उसकी अपनी मां ने कर दी थी। अदालत में पेश गवाही के अनुसार, अर्शप्रीत अपने दादा-दादी के बेहद करीब था और अक्सर उनके साथ ही सोता था। इसी बात को लेकर घर में विवाद रहता था। घटना वाली रात भी बच्चा अपनी दादी के पास सोने की जिद कर रहा था। 80 वर्षीय दादा अवतार सिंह ने कोर्ट में बताया कि करीब साढ़े 9 बजे पोते की चीख सुनकर वह और उनकी पत्नी कमरे में पहुंचे। हाथ में सब्जी काटने वाला चाकू था

विजय की पार्टी के महासचिव हैं करोड़ों के मालिक

हलफनामे में दिया संपत्ति का पूरा ब्योरा

चेन्नई, 31 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु में अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी 'तमिलगा वेत्री कड़गम' (टीवीके) चुनावी मैदान में उतर रही है। पार्टी के महासचिव आधव अर्जुना ने चेन्नई की विल्लिवाक्कम विधानसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल किया है। चुनावी हलफनामे में उन्होंने अपनी कुल चल और अचल संपत्ति 197.52 करोड़ रुपये बताई है। आधव अर्जुना के पास 180.03 करोड़ रुपये की चल संपत्ति है। उनकी पत्नी डेजी अर्जुना के नाम पर 162.14 करोड़ रुपये की चल संपत्ति दर्ज है। साल 2024-25 के लिए आधव ने अपनी कुल कमाई 11.10 करोड़ रुपये दिखाई है। वहीं उनकी पत्नी की कमाई 6.85 करोड़ रुपये रही।

आधव अर्जुना ने हलफनामे में बताया कि वह बिजनेस करते हैं। उनके पास 1,691 ग्राम सोना है, जिसकी कीमत 2.29 करोड़ रुपये है। उनकी पत्नी के पास 2,225.62 ग्राम सोना और 24,109.34 ग्राम चांदी है। सोने की कीमत 3.01 करोड़ और चांदी की कीमत 60.27 लाख रुपये है। इसके अलावा उनकी पत्नी के पास 6.16 करोड़ रुपये के हीरे के गहने भी हैं। आधव ने अराइज कंस्ट्रक्शन और वॉयस ऑफ कॉमन्स जैसी कई कंपनियों में 2.23 करोड़ रुपये का निवेश किया है। उनके पास चार गाड़ियां हैं। इन गाड़ियों में 63,332 रुपये की एक स्पोर्ट्स साइकिल भी शामिल है।

अचल संपत्ति के मामले में आधव के पास कोई खेती की जमीन नहीं है। उनके पास 17.49 करोड़ रुपये की कीमत का एक रिहायशी मकान है। उनकी पत्नी के पास 56.43 करोड़ रुपये की खुद खरीदी हुई संपत्ति है। जबकि उनकी विरासत में मिली संपत्ति का मूल्य 26.78 करोड़ रुपये है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 1 अप्रैल, 2026 3

सु वि चा र

जरुरी नहीं सब कुछ
हासिल हो जाए
कुछ किस्से दिल में
धड़कते ही रह जाते है!

मुख्य सचिव ने प्रजा पालना की प्रगति की समीक्षा की

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने मंगलवार को जिलों के कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 99 दिनों की प्रजा पालना प्रगति प्रणाली की कार्यान्वयन और प्रगति की समीक्षा की।

यह राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण जन संपर्क और प्रशासनिक पहल है। मुख्य सचिव ने सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश दिया कि वे 2 अप्रैल से ग्राम सभा और वार्ड सभा आयोजित करें और इसे पहले से संचारित मानक संचालन प्रक्रियाओं के अनुसार सख्ती से संपन्न करें। उन्होंने कहा कि सभाओं का आयोजन संरचित और पारदर्शी ढंग से होना चाहिए, जिसमें सभी स्तरों पर जन प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो।

उन्होंने अधिकारियों को आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कहा और कहा कि नागरिकों को सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों, चल रही कल्याण योजनाओं और राज्य बजट में घोषित नई योजनाओं के बारे में व्यापक रूप से जानकारी दी जानी चाहिए। मुख्य सचिव ने यह भी निर्देश दिया कि इन सभाओं में लाभार्थियों से प्राप्त फीडबैक को व्यवस्थित रूप से एकत्र किया जाए, ताकि सरकार अपने कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का आकलन कर सके और सुधार की आवश्यकता वाले क्षेत्रों की पहचान कर सके।

उन्होंने दोहराया कि इस पहल की सफलता प्रभावी फील्ड-लेवल क्रियान्वयन, जनता की सहभागिता और विभागीय समन्वय पर निर्भर करती है। सभी कलेक्टरों से अनुरोध किया गया कि वे कार्यक्रम की योजना और कार्यान्वयन में सावधानीपूर्वक कार्य करें। योजना सचिव गौरव उप्पल ने कलेक्टरों को ग्राम सभाओं के दौरान अनुसरण किए जाने वाले गतिविधियों के क्रम की जानकारी दी और सभी जिलों में सभाओं की समानता और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए संरचित एजेंडा प्रस्तुत किया। महानगर प्रशासन एवं शहरी विकास सचिव टी.के. श्रीदेवी ने बताया कि वार्ड सभाओं में 100 प्रतिशत कर संग्रह करने वाले नगर निगम कर्मचारियों का सम्मान किया जाएगा, ताकि शहरी प्रशासन में उत्कृष्ट प्रदर्शन को प्रोत्साहित किया जा सके।

ग्राम सभाएं 2 अप्रैल से शुरू होंगी

स्वास्थ्य प्रमुख सचिव क्रिस्टीना झोंगथु ने कलेक्टरों को राज्यभर में 6 अप्रैल से आयोजित होने वाले स्वास्थ्य सप्ताह के बारे में बताया, जिसमें विशेष स्वास्थ्य गतिविधियां और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य सचिव श्रीधर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस वीडियो कॉन्फ्रेंस में उपस्थित थे।

कांग्रेस सरकार पर अपने ही नेताओं के सवाल, फंड आवंटन पर घिरी

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में कांग्रेस सरकार को उस समय असहज स्थिति का सामना करना पड़ा, जब उसके अपने विधायक और एमएलसी ही अधूरे वादों और फंड आवंटन में भेदभाव को लेकर सवाल उठाने लगे। विधानसभा और विधान परिषद की कार्यवाही के दौरान सत्तारूढ़ दल के भीतर से ही आलोचनाएं सामने आईं। मुनुगोडे के विधायक कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने निर्वाचन क्षेत्रों में फंड वितरण को लेकर भेदभाव का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री, उप-मुख्यमंत्री और मंत्रियों के क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जा रही है, जबकि अन्य क्षेत्रों की अनदेखी हो रही है। विधान परिषद में कांग्रेस की एमएलसी विजयशांति ने तेलंगाना आंदोलन के कार्यकर्ताओं से किए गए वादों को पूरा करने में हो रही देरी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि दो साल से अधिक समय बीतने के बावजूद कई वादे अभी तक अधूरे हैं।

सहयोगी दलों ने भी सरकार पर निशाना साधा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के विधायक कुनामनेनी सांबासिवा राव ने भद्राद्री कोत्तागुडेम क्षेत्र को पर्याप्त फंड और परियोजनाएं न मिलने की शिकायत की। उनका कहना था कि कार्यों को मंजूरी तो मिल रही है, लेकिन वित्त विभाग से धनराशि जारी नहीं हो रही है। वहीं ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के विधायक अहमद बिन अब्दुल्ला बलाला ने भी फंड आवंटन में भेदभाव का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों से उनके क्षेत्र को विकास निधि नहीं मिली है, जबकि कुछ अन्य विधायकों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि यह भेदभाव क्यों है? हम भी सरकार के साथ हैं।

भगवान महावीर का संदेश भारतीय सभ्यता का अभिन्न हिस्सा : राव

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बीजेपी के राज्य अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने महावीर जयंती के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दी और भारतीय समाज में भगवान महावीर की शिक्षाओं की स्थायी प्रासंगिकता को रेखांकित किया। राव ने सिकंदराबाद में आयोजित 2625वें भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि सत्य, अहिंसा और करुणा पर आधारित महावीर के अमूल्य मार्गदर्शन को याद करना गर्व की बात है। उन्होंने जोर देकर कहा कि महावीर का संदेश केवल जैन समुदाय तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय सभ्यता का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। भारत में जब भी सत्य और अहिंसा की चर्चा होती है, भगवान महावीर का नाम स्वाभाविक रूप से सामने आता है।

उन्होंने सदियों पहले जो मार्ग दिखाया, वह आज भी समाज और राष्ट्र को प्रेरित करता है। राव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने हाल ही में जैन समुदाय की पर्यावरण-सचेत जीवनशैली की प्रशंसा की और इसे विश्व के लिए एक आदर्श बताया।

प्राकृत और पाली में जैन साहित्य में विशाल ज्ञान का खजाना निहित है, और इन भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने के लिए केंद्र सरकार के प्रयास इस प्राचीन विरासत के प्रति सम्मान दर्शाते हैं।

मंत्रियों ने फुले की प्रतिमाओं के कार्य प्रगति का निरीक्षण किया

मुख्यमंत्री 11 अप्रैल को करेंगे उद्घाटन

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर और कोंडा सुरेखा ने मंगलवार को हैदराबाद के टैंक बंड पर आईमैक्स थिएटर के सामने स्थित लेक व्यू पार्क में महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले की प्रतिमाओं के निर्माण कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया, जिनका उद्घाटन 11 अप्रैल को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा किया जाना निर्धारित है। इसके बाद उन्होंने प्रमुख नेताओं के साथ बैठक कर प्रतिमा अनावरण समारोह की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्यक्रम से दो दिन पहले प्रतिमाओं की स्थापना का कार्य पूरा कर लिया जाए। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए कि कार्यक्रम स्थल पर किसी को कोई असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक सावधानियां बरती जाएं। एमएलसी बसवराजु सरैया, सरकारी व्हिप्स आदी श्रीनिवास और बिरला ऐलैया, विधायक दानम नागेंदर, कव्वमपल्ली सत्यानारायण, नवीन यादव, कालेरू वेंकटेश और मुथा गोपाल, बीसी आयोग के अध्यक्ष निरंजन, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी. हनुमंत राव, पूर्व जीएचएमसी महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी, निगम अध्यक्ष नुथी श्रीकांत गौड़, मेट्टू साई कुमार और जेरीपाटी जयपाल, बीसी संघों के नेता जाजुला श्रीनिवास गौड़ और दासु, बीसी कल्याण आयुक्त बलमाया देवी, हैदराबाद कलेक्टर तथा जीएचएमसी और एचएमडीए के आयुक्त और अन्य उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि राज्य सरकार लगभग 4 करोड़ रुपये की लागत से महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले की प्रतिमाएं स्थापित कर रही है और इनका अनावरण 11 अप्रैल को मुख्यमंत्री द्वारा किया जाएगा। हम प्रतिमाएं इस विशेष उद्देश्य से स्थापित करते हैं कि उन्हें देखकर लोग इन महान व्यक्तित्वों के जीवन इतिहास, उनके द्वारा किए गए सुधारों और समाज के लिए उनकी सेवाओं पर विचार करें। सावित्रीबाई फूले ने महिलाओं को शिक्षा का अधिकार दिलाने के लिए अथक प्रयास किए, जबकि महात्मा ज्योतिबा फूले ने पिछड़े वर्गों के लिए सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए संघर्ष किया। एचएमडीए, जीएचएमसी और हैदराबाद जिला प्रशासन को इस कार्यक्रम की शानदार सफलता सुनिश्चित करने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करना चाहिए।, मंत्री ने आगे कहा कि स्थानीय विधायक दानम नागेंदर ने इस मार्ग का नाम 'फूले मार्ग' रखने का सुझाव दिया है और उन्होंने कहा कि वह इस विषय को मुख्यमंत्री के ध्यान में लाएंगे।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की ब्रोशर जारी

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। प्रो. गंता चक्रपाणि, कुलपति, डॉ.बी.आर. आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी ने अर्थशास्त्र विभाग के तत्वावधान में गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, चंचलगुड़ा के सहयोग से आयोजित होने वाले दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की ब्रोशर जारी की।

यह सेमिनार 'आर्थिक सुधार और भारतीय संविधान: संघर्ष, विरोधाभास और आगे की राह' विषय पर 9 और 10 अप्रैल को ब्राओयू परिसर में आयोजित किया जाएगा।

प्रो. गंता चक्रपाणि ने जोर देते हुए कहा कि समावेशी और समान विकास सुनिश्चित करने के लिए आर्थिक सुधारों का संवैधानिक सिद्धांतों के अनुरूप होना आवश्यक है।

पांच वर्षीय बच्ची का यौन शोषण करने वाला आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजीएसबी) की निदेशक शिखा गोयल ने बताया कि 5 वर्षीय बच्ची पर यौन अश्लील दृश्य रिकॉर्ड करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। यह मामला बच्चियों के यौन शोषण को रोकने वाले 'टिपलाइन' के माध्यम से मिली जानकारी पर गहन जांच के बाद उजागर हुआ। गोयल ने बताया कि मामले की जांच में वीडियो सबूतों का तकनीकी परीक्षण किया गया और यह पाया गया कि अपराध स्थानीय स्तर पर ही हुआ और पीड़िता के माता-पिता को इसकी जानकारी नहीं थी।

गहन जांच के बाद, मोहम्मद फहाद उर्फ आदिल (19), जो गोलकुंडा और कुम्मरीवाड़ी क्षेत्र का निवासी और द्वितीय वर्ष का स्नातक छात्र है, को आरोपी के रूप में गिरफ्तार किया गया। यह 2026 में ब्यूरो द्वारा बचाई गई दूसरी बच्ची का मामला है। निदेशक ने बताया कि आरोपी पीड़िता का बेहद करीबी रिश्ता रखता था, जिसे बच्ची प्यार से 'भैया' कहती थी। इसी भरोसे का फायदा उठाकर आरोपी अक्सर पीड़िता के घर जाता और जब कोई नहीं होता, तब उसे छत पर लेकर जाकर अश्लील दृश्य रिकॉर्ड करता था। आरोपी के पास से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त कर फॉरेंसिक परीक्षण के लिए भेजा गया। आरोपी के खिलाफ आईटी अधिनियम की धारा 67-बी और पास्को अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे रिमांड पर भेजा गया। गोयल ने यह भी बताया कि पीड़िता को आवश्यक सहायता प्रदान की गई और उसके माता-पिता को काउंसलिंग दी गई। उन्होंने समाज को आगाह किया कि बच्चों पर होने वाले इस तरह के अपराधों में दुर्भाग्यवश परिवार के सदस्य या परिचित आरोपी हो सकते हैं। गोयल ने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों की देखभाल और सुरक्षा के प्रति अत्यंत सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन या ऑफलाइन गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों की सुरक्षा हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है और साइबर ब्यूरो अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से ऐसे अपराधों को रोकने के लिए लगातार प्रयासरत है।

मिलावटी अदरक-लहसुन पेस्ट रैकेट का भंडाफोड़

22 लाख का माल जब्त

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में अधिकारियों ने शहर के रेस्तरां और थोक बाजारों को सप्लाई किए जा रहे मिलावटी अदरक-लहसुन पेस्ट के एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया है। कटेदान स्थित एक विनिर्माण इकाई पर छापेमारी कर अधिकारियों ने 4,032 किलोग्राम अदरक-लहसुन पेस्ट जब्त किया। इसके साथ ही 6,200 किलोग्राम से अधिक घटिया कच्चा माल और अन्य सामान भी बरामद किया गया, जिसकी कुल कीमत करीब 22 लाख रुपये बताई जा रही है। कार्रवाई के दौरान टास्क फोर्स और एच-फास्ट टीम ने मैलारदेवपल्ली के आईडीए क्षेत्र में स्थित इकाई के मालिक हसन अली रूपानी को गिरफ्तार कर लिया।

जांच में पाया गया कि पेस्ट बेहद अस्वच्छ परिस्थितियों में तैयार किया जा रहा था। इसमें घटिया कच्चे माल के साथ लहसुन के छिलके और एसिटिक एसिड व ज़ैंथन गम जैसे रासायनिक पदार्थों का इस्तेमाल किया जा रहा था। अधिकारियों के अनुसार, तैयार उत्पाद खुले डिब्बों में रखा जाता था, जहां धूल और मक्खियां आसानी से पहुंच रही थीं। इन्हें बिना किसी खाद्य सुरक्षा प्रमाण पत्र के पैक कर शहर के रेस्तरां, थोक दुकानों और कैटरिंग सेवाओं को सप्लाई किया जा रहा था। पुलिस ने आरोपी और जब्त सामग्री को आगे की जांच के लिए मैलार्देवपल्ली थाने को सौंप दिया है।

पुलिस सेवा कई चुनौतियों से भरी : मोहंती

तीन पुलिस आयुक्तालयों के सेवानिवृत्त अधिकारियों को विदाई दी गई

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के तीन पुलिस आयुक्तालयों के सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों को विदाई दी गई। मल्काजिगिरी पुलिस कमिश्नरेट में कार्यरत सेवानिवृत्त सात पुलिस अधिकारियों को मल्काजिगिरी पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय में सम्मानित किया गया। सम्मानित अधिकारियों में के. करुणाकर रेड्डी, सब-इंस्पेक्टर, घटकेसर पीएस, आर्म्ड हेड क्वार्टर में तैनात पी. सत्यनारायण चारी, रिजर्व सब-इंस्पेक्टर एन. जयराम, असिस्टेंट रिजर्व सब-इंस्पेक्टर वाई. साईबाबा, असिस्टेंट रिजर्व सब-इंस्पेक्टर ए. मूर्तुजा, असिस्टेंट रिजर्व सब-इंस्पेक्टर के. पद्मा राव, होम गार्ड ऑफिसर बी. बालनरसम्म, होम गार्ड ऑफिसर शामिल है। मल्काजगिरी के सीपी अविनाश मोहंती ने कहा कि पुलिस सेवा कई चुनौतियों से भरी होती है। उन्होंने यह भी कहा कि इन अधिकारियों ने अपनी सेवाकाल में अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए अनुशासन और क्षमता के साथ उत्कृष्ट सेवा प्रदान की। इसी तरह हैदराबाद पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में कार्यरत रहे सेवानिवृत्त 19 अधिकारियों और कर्मचारियों को हैदराबाद सिटी पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार ने सम्मानित किया। सेवा समाप्ति पर अधिकारियों को उनके निवास स्थान तक पहुंचाने के लिए कमिश्नर द्वारा सरकारी वाहन व्यवस्था की गई, जिससे उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। कार्यक्रम में डीसीपी (एडमिन), सोसाइटी एक्स-ऑफिशियो प्रेसिडेंट के. वेंकट लक्ष्मी, पुलिस ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं सोसाइटी सचिव नल्ला शंकर रेड्डी, ट्रेज़र जी.एम.एस. विक्टर, निदेशक के. रत्नकुमारी, ए.एस.डी. शांति, एम. केशव, डी. लक्ष्मण कुमार, पी. विनीत, बी. अप्पल सूरी और को-ऑप्टेड सदस्य के. जनार्दन रेड्डी एवं के. श्रीशैलम उपस्थित रहे। साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट ऑडिटोरियम में आज आयोजित समारोह में को साइबराबाद सीपी डॉ.एम. रमेश द्वारा सेवानिवृत्त पांच पुलिस अधिकारियों एसआई के. यादय्या, एसआई डी. चंद्रशेखर, आरएसआई एच. बालकिशन, एआरएसआई पी. विष्णुवर्धन रेड्डी, एआरएचसी पी. धर्मराव को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उनके परिवारजन और सहकर्मी उपस्थित रहे।

केटी रामाराव अमेरिका दौरे पर

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद से बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव एक सप्ताह के अमेरिका दौरे पर रवाना हो गए हैं। इस दौरान वे न्यूयॉर्क में आयोजित कोलंबिया इंडिया बिजनेस कॉन्फ्रेंस 2026 में भाग लेंगे। इस सम्मेलन में रामाराव भारत का उदय: वैश्विक व्यापार की रूपरेखा को पुनर्लेखन विषय पर मुख्य भाषण देंगे। वे अपने संबोधन में तेलंगाना के विकास मॉडल और राज्य में निवेश के अवसरों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करेंगे। अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के साथ उनके अनुभव को देखते हुए उम्मीद जताई जा रही है कि वे राज्य में विदेशी निवेश आकर्षित करने के नए अवसरों पर प्रकाश डालेंगे।

हाईकोर्ट ने जीओएम-33 को सही ठहराया

पुलिसकर्मियों की अपील खारिज

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार के जीओएम संख्या 33 को वैध मानते हुए पुलिसकर्मियों की रिट अपील को खारिज कर दिया है। यह अपील कुछ पुलिसकर्मियों द्वारा अपने कैडर आवंटन को चुनौती देते हुए दाखिल की गई थी। मुख्य न्यायाधीश अपारेश कुमार सिंह और न्यायमूर्ति जीएम मोहिउद्दीन की खंडपीठ ने कहा कि सरकार का आदेश पूरी तरह कानूनी है और यह राष्ट्रपति आदेश 2018 के नियमों का उल्लंघन नहीं करता। यह मामला के. नरेंद्र रेड्डी और 12 अन्य पुलिसकर्मियों से जुड़ा था। उनका कहना था कि उन्होंने एक खास जोन (सीजेडसी-II) चुना था, लेकिन उन्हें दूसरे जोन (सीजेडसी-I) में भेज दिया गया, जो गलत है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनकी पसंद और वरिष्ठता को नजरअंदाज किया गया।

वहीं, राज्य सरकार ने कोर्ट में कहा कि 36 महीने की समय सीमा सिर्फ कैडर बनाने (संरचना तय करने) के लिए थी, न कि कर्मचारियों के आवंटन के लिए। सरकार के अनुसार, जीओएम-33 सिर्फ कर्मचारियों को तैनात करने की प्रक्रिया बताता है, इसमें कैडर संरचना में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कोर्ट ने सरकार की दलील को सही मानते हुए कहा कि कैडर बनाना और कर्मचारियों का आवंटन दोनों अलग-अलग प्रक्रियाएं हैं। साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा कि कर्मचारियों की पसंद महत्वपूर्ण है, लेकिन प्रशासनिक जरूरतें उससे ऊपर होती हैं। अदालत ने यह भी माना कि अपील करने वाले पुलिसकर्मी पहले खुद प्रमोशन के लिए अलग-अलग बटालियनों में जाने को तैयार हुए थे, इसलिए बाद में मनचाही जगह की मांग नहीं कर सकते। अंत में कोर्ट ने कहा कि इस मामले में कोई गड़बड़ी या गैरकानूनी काम नहीं हुआ है, इसलिए अपील खारिज की जाती है। हालांकि, पुलिसकर्मियों को यह छूट दी गई है कि वे अपने मौजूदा कैडर में पोस्टिंग से जुड़ी शिकायतें अधिकारियों के सामने रख सकते हैं।

ट्रांसफार्मर में विस्फोट से लगी आग, वाहन जलकर खाक

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के मियापुर क्षेत्र के हाफिजपेट स्थित मार्तंडा नगर में सोमवार आधी रात एक ट्रांसफार्मर में भारी लोड के कारण कथित तौर पर विस्फोट हो गया, जिससे भीषण आग लग गई। आग तेजी से फैलते हुए आसपास खड़े वाहनों तक पहुंच गई। जानकारी के अनुसार, ट्रांसफार्मर के पास खड़ी एक टाटा ऐस मिनी ट्रक और दो मोटरसाइकिलें आग की चपेट में आकर पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। समय रहते आग बुझा लेने से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल बन गया। दमकल विभाग और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन कर रहे हैं तथा विस्फोट के सटीक कारणों की जांच की जा रही है।

एलपीजी की कमी से ऑटो चालकों पर संकट, लंबी कतारें और बढ़े दाम

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सहित तेलंगाना के विभिन्न जिलों में ऑटो रिक्शा के लिए एलपीजी की भारी कमी से करीब एक लाख चालक आजीविका संकट का सामना कर रहे हैं। मध्य पूर्व में चल रहे संकट के कारण आपूर्ति बाधित होने से यह स्थिति उत्पन्न हुई है। जानकारी के अनुसार, राज्य में प्रतिदिन लगभग 55 मीट्रिक टन ऑटो एलपीजी की कमी हो रही है। इसके चलते निजी आउटलेट्स पर गैस की किल्लत बढ़ गई है, जिससे सार्वजनिक परिवहन सेवाएं भी प्रभावित हो रही हैं। ऑटो चालकों को या तो सार्वजनिक क्षेत्र के पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ रहा है या फिर निजी आउटलेट्स पर अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है। जहां सरकारी आउटलेट्स पर एलपीजी की कीमत लगभग 75 रुपये प्रति लीटर है, वहीं निजी कंपनियां इसे 93 रुपये प्रति लीटर तक बेच रही हैं।

राज्य में एलपीजी वितरण का करीब 80 प्रतिशत नेटवर्क निजी कंपनियों के पास है, जबकि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों की हिस्सेदारी केवल 20 प्रतिशत है। निजी कंपनियों ने बताया कि उन्हें एलपीजी का बड़ा हिस्सा इन्हीं सरकारी कंपनियों से मिलता है, लेकिन वर्तमान में आपूर्ति बाधित होने से उनके आउटलेट्स पर संचालन प्रभावित हो रहा है। इस बीच, राज्य के नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी से एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाने और निजी कंपनियों द्वारा कीमतों में वृद्धि रोकने के लिए हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को निजी ऑपरेटरों को अतिरिक्त एलपीजी उपलब्ध कराने के निर्देश देने की मांग भी की है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, HAV/MT CHINNA THIRUPATAIAH N, S/o: CHINNA NAGAIAH, R/O: H.NO.49D, MAP COLONY, POCKET NO.2, R K PURAM, SECUNDERABAD - TELANGANA - 500056 Have Changed My Name From CHINNA THIRUPATAIAH N To NALLABOTHULA CHINNA THIRUPATAIAH vide Affidavit dt.26-03-2026 duly signed by P RAVEENDRANATH, ADV & NOTARY

I , Kadam Mahadev Dhyanu, Father of JC 780519N, Sub, Kadam Amar Mahadev, R/o, Dist: Sangli, Maharashtra, changed my name from Kadam Mahadev Dhyanu to Mahadev Dnyanu Kadam vide Affidavit No. 466133 dt. 30.03.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Phulabai Kadam, Mother of JC 780519N, Sub, Kadam Amar Mahadev, R/o, Dist: Sangli, Maharashtra, changed my name from Phulabai Kadam to Fulatai Mahadeo Kadam vide Affidavit No. 466135 dt. 30.03.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

NOTICE FOR REGISTRATION OF NEW POLITICAL PARTY

(Published as per the directions of Telangana State Election Commission)

Dated : 31.03.2026

Notice is hereby given to the general public that **Dr. D. SESHAGIRI RAO President** intends to register a political party without reserved symbol with the State Election commission, Telangana, under the name and style of **PEOPLES PARTY OF INDIA (DEMOCRATIC) TELANGANA** with location of its head office H.No.15-20-326, UPH Colony, Balaji Nagar, Khanapuram Haweli, Khammam-507002 under the Registration of Political parties and Allotment of Symbols Order, 2018. The main office bearers of the Party are **1)Sri. Dr. D. Seshagiri Rao State President; 2).Sri.K. Sanjeevulu Stata General Secretary 3) Sri. N. Venkaiah State Treasurer.** Objections, if any, for such registration from the general public, shall be sent to the Secretary, State Election Commission, Telangana, 1st Floor, DTCP Building, Opp: PTI Building, A.C. Guards, Hyderabad - 500 004 within 15 days from the date of publication of this notice. If no objections are received within the time stipulated, the Commission will process to register **PEOPLES PARTY OF INDIA (DEMOCRATIC) TELANGANA** as a Political Party to contest elections to Local Bodies (Sthanika Samsthalu) held on party basis in Telangana State.

Dr. D. SESHAGIRI RAO
President
PEOPLES PARTY OF INDIA (DEMOCRATIC) TELANGANA STATE
(NAME OF POLITICAL PARTY)

नालंदा के शीतला मंदिर में भगदड़, नौ की मौत

पीएम मोदी और सीएम की तरफ से मुआवजों का एलान

नालंदा, 31 मार्च (एजेंसियां)। इधर पूरा प्रशासनिक तंत्र नालंदा में राष्ट्रपति के दौरे की व्यवस्था में लगा था, उधर जिले के बिहारशरीफ से बुरी खबर सामने आ गई। बिहार शरीफ स्थित मघड़ा स्थित माता शीतला माता के मंदिर में मंगलवार को भारी भीड़ के बीच भगदड़ मच गई। अचानक मची इस भगदड़ में नौ महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई। जबकि छह से लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए मॉडल अस्पताल, बिहार शरीफ में भर्ती कराया गया है। कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। मरने वालों की पहचान नालंदा निवासी दयावंती देवी, मालो देवी, किरता देवी, रीता देवी, आशा देवी, रेखा देवी के रूप में हुई है। तीन अन्य की पहचान की जा रही है।

चैत्र के अंतिम मंगलवार के कारण उमड़ी भीड़

जानकारी के अनुसार, चैत माह का अंतिम मंगलवार होने के कारण मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। इसी दौरान किसी बात को लेकर अचानक अफवाह फैली और देखते ही देखते भगदड़ की स्थिति बन गई। भीड़ के दबाव में कई लोग गिर पड़े। भागदौड़ में लोग एक-दूसरे पर चढ़ते चले गए। कुछ देर बाद जब भीड़ नियंत्रित हुई तो कुचल कर मरने वालों के शव निकलने शुरू हुए। नौ शवों को घटनास्थल से पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों और प्रशासन की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गए। नालंदा पुलिस टीम की मामले की जांच में जुट गई है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है। आज ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का नालंदा दौरा होने के कारण प्रशासनिक तंत्र वहां की व्यवस्था में था और इधर यह बड़ी घटना सामने आ गई। घटना के बाद एक घंटे तक लोग अपने परिजनों का पता करने में लगे रहे। ज्यादातर लोग परिवार के साथ आए थे, जिसके कारण बच्चों की संख्या भी ज्यादा थी।

भगदड़ में घायल हुई रीता देवी ने रोते हुए कहा कि हमलोग चारों सहेली मंदिर आए थे। अचानक भगदड़ मच गया। मेरी एक सहेली जमीन पर गिर गई। जब तक हमलोग कुछ समझ पाते तब तक लोग उसके ऊपर चढ़कर इधर उधर भागने लगे। दबने से उसकी मौत हो गई। हमलोगों का सबकुछ खत्म हो गया। वहीं सोनम कुमारी ने कहा कि मैं अपनी मां के साथ मंदिर दर्शन करने आई थी। भीड़ काफी थी। हमलोग काफी देर से कतार में लगे थे। मां आगे चली गई। मैं उन्हें मना कर रही थी कि 'आगे मत जाओ मम्मी'। लेकिन, मां ने मेरी नहीं सुनी।

मुख्यमंत्री ने छह लाख रुपये देने का किया एलान

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नालंदा जिले के बिहार शरीफ स्थित शीतला देवी मंदिर में हुये भगदड़ में श्रद्धालुओं की मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह घटना काफी दुखद है और मैं इससे मर्माहत हूं।

मुख्यमंत्री ने मृतकों के आश्रितों को आपदा प्रबंधन विभाग से चार-चार लाख रूपये एवं मुख्यमंत्री राहत कोष से दो-दो लाख रुपये (कुल छह लाख रूपये) अनुग्रह अनुदान देने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर वरीय अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गये हैं तथा राहत एंव बचाव कार्य में जुटे हुये है। मुख्यमंत्री ने हादसे में घायल हुये लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है और उनकी समुचित इलाज कराने का निर्देश दिया है।

बेटे को सियासी मैदान में उतारने से पहले अनंत सिंह की बढ़ी ताकत

भतीजों को दुलारचंद यादव हत्याकांड में मिली बेल

पटना, 31 मार्च (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना में मोकामा के बाहुबली विधायक अनंत सिंह ने ऐलान कर दिया है, कि अब वो विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने साफ कहा कि अब उनके बाल-बच्चे चुनाव लड़ेंगे।कुल मिलाकर अनंत सिंह का इशारा अपने बेटों की तरफ था। इसी बीच दुलारचंद यादव हत्याकांड में उन्हें जमानत भी मिल गई। अब अनंत सिंह को एक और खुशखबरी मिली है। जाहिर है कि बेटे को चुना लड़ना है तो अनंत सिंह को परिवार यानी भतीजों की भी जरूरत पड़ती।

दुलारचंद हत्याकांड में अनंत सिंह के भतीजों को मिली जमानत

दुलारचंद हत्याकांड में अनंत सिंह के दो भतीजों राजवीर और कर्मवीर को भी आरोपी बनाया गया था। अब इस केस में अनंत सिंह के इन दोनों भतीजों को भी जमानत मिल गई है। आपको बता दें कि अनंत सिंह के दुलारचंद यादव हत्याकांड में जेल जाने के बाद राजवीर और कर्मवीर ने पटना सिविल कोर्ट में अग्रिम जमानत की याचिका लगाई थी। लेकिन वहां से उनकी एंटीसीपेटरी बेल पीटीशन खारिज कर दी गई थी।

अनंत सिंह के भतीजों को भी जमानत

इसके बाद अनंत सिंह के दोनों भतीजों राजवीर और कर्मवीर ने पटना हाईकोर्ट में जमानत के लिए याचिका दाखिल की। इसके बाद मंगलवार को पटना हाईकोर्ट ने दोनों को अग्रिम जमानत दे दी है। हालांकि निचली अदालत में मुकदमा अभी चलता रहेगा। बचाव पक्ष के वकील के अनुसार इस मामले की सुनवाई जस्टिस प्रभात कुमार सिंह की अदालत में हुई। इसी मामले में अनंत सिंह को नियमित जमानत मिल चुकी है।

क्या था अनंत सिंह के दोनों भतीजों पर आरोप

> अनंत सिंह और दुलारचंद यादव समर्थित प्रत्याशी का काफिला आमने-सामने आ गया था।

> बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के प्रचार के दौरान ये सबकुछ हुआ था।

> इसके बाद दोनों के समर्थकों में झड़प हुई थी, दोनों तरफ से पथराव भी हुआ था।

> मौका ए वारदात पर दुलारचंद यादव का भी पथराव करने का वीडियो आया था।

आईएएस रिंकू सिंह राही का इस्तीफा, लगाए गंभीर आरोप

मुझे समाज कल्याण विभाग की सेवा में भेज दें

लखनऊ, 31 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश कैडर के 2023 बैच के आईएएस अधिकारी रिंकू सिंह राही ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें काम करने का अवसर नहीं दिया गया और संवैधानिक व्यवस्था के समानांतर एक अलग सिस्टम चल रहा है। वे वर्तमान में राजस्व परिषद से संबद्ध चल रहे हैं। इससे पहले वे शाहजहांपुर में एसडीएम के पद पर तैनात थे और वहां वकीलों के एक प्रदर्शन के दौरान धरनास्थल पर उनके उठक-बैठक करने का वीडियो वायरल हुआ था। इस घटना के बाद सरकार ने उन्हें अटैच कर दिया था और तब से उन्हें नई पोस्टिंग नहीं मिली थी।

राही ने उचित माध्यम से राष्ट्रपति को भेजे इस्तीफे में कहा है कि एसडीएम रहते हुए की गई कार्रवाई के बाद उन्हें साइडलाइन कर दिया गया। उनका कहना है कि उन्हें वेतन तो मिल रहा था, लेकिन जनसेवा का मौका नहीं मिल पा रहा था। उन्होंने अपने इस्तीफे को नैतिक निर्णय बताया है। वहीं, अपने तकनीकी त्याग पत्र में लिखा है कि मुझे पहले की तरह समाज कल्याण विभाग की सेवा में भेजने की कृपा करें। यहां बता दें कि वर्ष 2009 में मुजफ्फरनगर में समाज कल्याण अधिकारी रहते हुए एक बड़े घोटाले को उजागर करने के बाद उन पर जानलेवा हमला हुआ था, जिसमें उन्हें सात गोलियां लगी थीं।

10 लाख रुपये में डोनर, 80 लाख रुपये में बिक्री

दिल्ली-लखनऊ मे डॉक्टर, किडनी ट्रांसप्लांट के काले खेल का खुलासा

कानपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का खुलासा हुआ है। डीसीपी वेस्ट क्राइम ब्रांच और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने किडनी के काले धंधे का खुलासा किया। मामले में केशवपुरम स्थित निजी अस्पताल के डॉक्टर कपल को गिरफ्तार किया गया।

उसके साथ ही एक दलाल भी पकड़ा गया है। मामले में खुलासा हुआ है कि गैंग किडनी और लिवर के ट्रांसप्लांट का काला धंधा चला रहा था। ये लोग 8 से 10 लाख रुपये में डोनर तैयार करते थे। वहीं, 80 लाख रुपये तक वसूल कर रिसीवर को यह लगवाते थे। इसके लिए लखनऊ और दिल्ली से डॉक्टरों की टीम बुलाई जाती थी। डॉक्टर कपल ने खेल में अन्य निजी अस्पतालों को भी शामिल किया था।

ऐसे हुआ खुलासा

कानपुर पुलिस कमिश्नर को जानकारी मिली कि बाहर से आए लोगों की जांच कर उन्हें सर्जरी के बदले लाखों रुपये का लालच दिया जा रहा है। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम सक्रिय हुई। सोमवार को मिले पुख्ता इनपुट के बाद जॉइंट टीम ने छापा मारा। केशवपुरम के अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लांट की जानकारी सामने आई। छापेमारी के क्रम में पता चला कि ट्रांसप्लांट के बाद डोनर और रिसीवर को कल्याणपुर और कल्याणपुर पनकी रोड स्थित निजी अस्पतालों में रिसीवर महिला और डोनर को भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने डोनर और रिसीवर को सुरक्षा घेरे में ले लिया है। क्राइम ब्रांच के कब्जे में आए डोनर का नाम आयुष है। वह बिहार के समस्तीपुर का रहने वाला है। रिसीवर का नाम पारुल बताया जा रहा है। पुलिस सूत्रों का दावा है कि डोनर आयुष को साढ़े तीन लाख रुपये यूपीआई से दिए गए। वहीं, 6 लाख रुपये कैश दिए गए थे। वहीं, महिला रिसीवर से किडनी ट्रांसप्लांट के लिए 80 लाख रुपये की वसूली की गई।

मेरठ में रहता है डोनर

डोनर आयुष मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर जिले का रहने वाला है। अभी वह मेरठ में रह रहा था। शुभम नाम के शख्स ने उससे संपर्क किया था। शुभम ने खुद को डॉक्टर बताते हुए किडनी ट्रांसप्लांट के लिए बात की। पुलिस की पूछताछ के क्रम में आयुष ने खुद को पारुल का भाई बताया। बाद में उसने कहा कि पारुल उसकी दूर की रिश्तेदार है।

भीषण हादसे में मां-बेटे समेत तीन की मौत

खून से लाल हुई सड़क, शवों के उड़ गए चिथड़े मंजर देख कांप उठा दिल

मिर्जापुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। मिर्जापुर जिले के अहरौरा-जमुई मार्ग पर रोशनहर के पास मंगलवार की सुबह बाइक से दवा लेने जा रहे मां, बेटे और भतीजे की तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। 100 मीटर तक बाइक ट्रेलर में फंस कर घिसटती रही। जिससे सड़क खून से लाल हो गई। शवों के चिथड़े उड़ गए। वहीं सड़क पर खौफनाक मंजर देख लोगों का दिल कांप उठा। परिवार के तीन लोगों की मौत की घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने शव सड़क पर ही रखकर जाम लगा दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ग्रामीणों को समझाने में जुटी रही।

कैसे हुआ हादसा

अहिरुपुर सोनपुर निवासी अशोक बिंद की पत्नी वेदवती देवी उनका पांच वर्षीय पुत्र अनमोल बिंद तथा भतीजा अनुराग बाइक से घाटमपुर गांव के पास दवा लेने जा रहे थे। रोशनहर के पास पहुंचे कि तभी तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक को रौंद दिया, जिससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के लोग तथा ग्रामीणों की भीड़ मौके पर पहुंची। हादसे से आक्रोशित ग्रामीणों ने अहरौरा-जमुई मार्ग पर शव रखकर जाम लगा दिया और कार्रवाई की मांग करने लगे। जाम के कारण मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस किसी तरह ग्रामीणों को समझाने मनाने का प्रयास करती रही। ट्रेलर चालक के विरुद्ध कार्रवाई का आश्वासन दिया जा रहा है। घटना के बाद पुलिस ने ट्रेलर को कब्जे में ले लिया, हालांकि चालक भाग गया है।

सीएम योगी की मां पर अभद्र टिप्पणी करने वाला मौलाना गिरफ्तार

बहराइच में भेजा गया जेल

बहराइच, 31 मार्च (एजेंसियां)। सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ और उनकी मां पर अभद्र टिप्पणी करने वाले बिहार के मौलाना अब्दुल सलीम को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया है।

इसे एसटीएफ ने बिहार से गिरफ्तार किया। इसके बाद यूपी के बहराइच लाया गया। पुलिस के अनुसार, नगर कोतवाली में लाने के बाद मौलाना से करीब 30 मिनट तक पूछताछ की गई। इसके बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसे जिला कारागार भेज दिया गया है। बताते चलें कि कुछ दिन पहले मौलाना अब्दुल सलीम ने मुख्यमंत्री की मां पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

इस बयान के बाद बहराइच सहित प्रदेश के कई जिलों में उसके खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए थे। इससे मामला गंभीर हो गया था। मामले में विश्व हिंदू परिषद के विधि प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अजीत प्रताप सिंह ने 8 मार्च को नगर कोतवाली में तहरीर देकर एफआईआर दर्ज कराई थी। तब से पुलिस और एसटीएफ की टीम आरोपी की तलाश में जुटी थी। एएसपी नगर अशोक सिंह का कहना है कि मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

बाघ-तेंदुए के अंगों की तस्करी में दोषी पाए गए छह आरोपी

सीबीआई कोर्ट ने भेजा जेल

लखनऊ, 31 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) कोर्ट लखनऊ ने बाघ और तेंदुए के अंगों को अवैध रूप से रखने और उनकी तस्करी से जुड़े एक बड़े वन्यजीव तस्करी मामले में छह व्यक्तियों मुमताज अहमद, जैबुन निशा, अजीज उल्लाह, वहीद, सरताज और मजीद को दोषी ठहराते हुए प्रत्येक को 10,000 रुपए के जुर्माने के साथ दो साल कैद की सजा सुनाई। यह मामला जांच के दौरान चलाए गए एक बड़े बरामदगी अभियान से जुड़ा है, जिसमें आरोपियों के घरों से प्रतिबंधित वन्यजीव वस्तुओं की भारी मात्रा जब्त की गई थी। जब्त की गई वस्तुओं में तेंदुए के 18,000 नाखून, तेंदुए की 74 खालें, बाघ की चार खालें और बाघ व तेंदुए की हड्डियां शामिल थीं। इन वस्तुओं को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-I के तहत वर्गीकृत किया गया है जो इन्हें उच्चतम स्तर की सुरक्षा प्रदान करती है और इन्हें अपने पास रखने, इनका व्यापार करने या इनका परिवहन करने पर सख्त प्रतिबंध लगाती है। सीबीआई ने यह मामला 23 मार्च 2000 को दर्ज किया था और एक गहन व बारीकी से जांच करने के बाद 15 जुलाई 2000 को लखनऊ स्थित सक्षम न्यायालय के समक्ष शिकायत (चार्जशीट) दायर की थी। जांच में वन्यजीवों की प्रतिबंधित वस्तुओं की संगठित तस्करी और अवैध व्यापार में आरोपियों की सक्रिय संलिप्तता साबित हुई।

फिल्मी स्टाइल से कैदी हुआ फरार

> हथकड़ी खोलकर चलती गाड़ी से कूद गया; पुलिस वाले दंग

जहानाबाद, 31 मार्च (एजेंसियां)। जहानाबाद जिले में पुलिस अभिरक्षा से एक शराब तस्कर के फरार होने की घटना ने पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया है। यह मामला काको थाना क्षेत्र का है, जहां जेल ले जाते समय आरोपी ने पुलिस को चकमा दे दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नगर थाना पुलिस ने शनिवार को एक ट्रक से भारी मात्रा में शराब बरामद करते हुए चालक और उपचालक सहित कुल चार लोगों को गिरफ्तार किया था। सभी आरोपियों को पुलिस अभिरक्षा में काको स्थित मंडल कारा ले जाया जा रहा था। बताया जा रहा है कि जैसे ही पुलिस वाहन काको बाजार पहुंचा, वहां ट्रैफिक जाम के कारण गाड़ी की रफ्तार धीमी हो गई।

इसी दौरान दो आरोपियों ने मौका देखकर हथकड़ी ढीली कर ली और चलती गाड़ी से कूदकर भागने लगे। कैदियों को भागते देख पुलिसकर्मियों ने तुरंत वाहन रोककर उनका पीछा किया।

काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ लिया, लेकिन दूसरा तस्कर भीड़ का फायदा उठाकर फरार होने में सफल रहा। फरार आरोपी की पहचान कर्णाव कुमार के रूप में हुई है, जो ट्रक का उपचालक बताया जा रहा है। इस संबंध में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनीष चंद्र चौधरी ने बताया कि शराब बरामदगी मामले में गिरफ्तार आरोपियों को जेल भेजा जा रहा था, तभी रास्ते में एक कैदी फरार हो गया। उन्होंने इसे सुरक्षा में गंभीर चूक बताते हुए कहा कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। एसडीपीओ ने स्पष्ट किया कि जांच के दौरान जो भी पुलिसकर्मी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है।

बीच बाजार से कैदी के फरार होने की इस घटना के बाद इलाके में अफरातफरी का माहौल है और आम लोगों के बीच भी तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

घर में मिले दंपती व दो बच्चों के शव

फंदे पर लटका था पति, पत्नी फर्श पर, बिस्तर पर थे मासूम

मुजफ्फरनगर, 31 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के सरवट इलाके में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक ही परिवार के चार सदस्यों के शव घर में मिले। एक कमरे में पत्नी और दो बच्चों के शव थे, तो वहीं पति का शव फंदे पर लटका हुआ मिला। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है।

स्थानीय पुलिस के अनुसार, सरवट निवासी इरशाद (32) पेंटर का काम करता था। मंगलवार सुबह उसका परिवार सोकर नहीं उठा और न ही उनके मकान का दरवाजा खुला। इरशाद के भाई नौशाद ने जब आकर देखा तो कमरे का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। उन्होंने तुरंत आसपास के लोगों और पुलिस को सूचित किया।

> महोबा में बाल विकास विभाग का गजब कारनामा

मृत आंगनबाड़ी सहायिका को भेजा नोटिस, बताया ड्यूटी से है गैरहाजिर

महोबा, 31 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के महोबा जनपद से विभागीय लापरवाही का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां बाल विकास विभाग ने 18 महीने पहले मृत हो चुकी आंगनबाड़ी सहायिका को ड्यूटी में अनुपस्थित रहने का कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया। नोटिस मिलने के बाद मृतका के परिजन हैरान हैं, जबकि इस घटना ने विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

18 महीने पहले हो चुकी थी सहायिका की मौत

पूरा मामला महोबा के पनवाड़ी विकास खंड के नैपुरा गांव का है। गांव के निवासी किशनलाल ने बताया कि उनकी पत्नी पार्वती देवी आंगनबाड़ी केंद्र में सहायिका के पद पर कार्यरत थीं। बीमारी के चलते करीब 18 महीने पहले उनका निधन हो गया था।

किशनलाल के मुताबिक, पत्नी की मृत्यु के आठ दिन के भीतर ही मृत्यु प्रमाण पत्र संबंधित विभाग में जमा करा दिया गया था, ताकि सरकारी रिकॉर्ड अपडेट किया जा सके।

निरीक्षण में अनुपस्थित बताकर भेजा नोटिस

इसके बावजूद पनवाड़ी की बाल विकास अधिकारी यासमीन जहां द्वारा पार्वती देवी के नाम नोटिस जारी कर दिया गया। नोटिस में कहा गया कि निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र बंद पाया गया और सहायिका अनुपस्थित मिलीं, जिसके कारण पुष्टाहार और हॉट कुक्ड योजना का सत्यापन नहीं हो सका। इतना ही नहीं, नोटिस में पोषण ट्रैकर में कार्य पूरा न करने, योजनाओं का प्रचार-प्रसार न करने और गांव में निवास न करने जैसे आरोप भी लगाए गए हैं।

दो दिन में जवाब देने का अल्टीमेटम नोटिस में मृतक सहायिका से दो दिनों के भीतर जवाब देने को कहा गया है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि जवाब न मिलने पर सेवा समाप्त करने की कार्रवाई की जाएगी। यह नोटिस सामने आने के बाद मृतका के परिजन स्तब्ध हैं और इसे विभाग की बड़ी लापरवाही बता रहे हैं।

विभागीय कार्यशैली पर उठे सवाल

इस मामले के सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में भी नाराजगी है और विभागीय कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। मृतका के पति किशनलाल ने इस पूरे मामले की शिकायत जिलाधिकारी गजल भारद्वाज से करने की बात कही है। वहीं, मुख्य विकास अधिकारी बलराम कुमार ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी आदेशों की अनदेखी पड़ी भारी एटा के डीपीआरओ मोहम्मद राशिद सस्पेंड

एटा, 31 मार्च (एजेंसियां)। एटा में जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) मोहम्मद राशिद पर बड़ी कार्रवाई की गई है। उन पर सरकारी काम में लापरवाही और उच्च अधिकारियों के आदेशों की अनदेखी करने का आरोप लगा है। इसी वजह से उन्हें निलंबित कर दिया गया है।

यह प्रकरण सेवानिवृत्त सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) रूपलाल से संबंधित है। शासन स्तर से रूपलाल को पूर्व में 'नोशनल प्रमोशन' प्रदान की गई थी, जिसके पश्चात उनके वेतन निर्धारण और देय लाभों के निस्तारण हेतु स्पष्ट निर्देश जारी किए गए थे। इन सरकारी आदेशों के बावजूद, जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) मोहम्मद राशिद ने इस मामले में शिथिलता बरती।

मायावती की पदाधिकारियों संग बड़ी बैठक

सरकार से जनता त्रस्त, अब लोगों की बीएसपी से उम्मीदें बढ़ीं

लखनऊ, 31 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को बसपा कार्यालय में पार्टी सुप्रीमो मायावती ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इसमें राज्य और जिला स्तर के प्रमुख पदाधिकारी शामिल रहे। बैठक में पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने, आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और संगठनात्मक कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने पार्टी संगठन की जमीनी व आर्थिक मजबूती, जनाधार विस्तार और चुनावी तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने पूर्व में दिए गए दिशा-निर्देशों पर प्रगति रिपोर्ट को और बेहतर बनाने पर जोर देते हुए कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही को अस्वीकार्य बताया।

अब बीएसपी से उम्मीदें बढ़ीं

मायावती ने कहा कि सरकारों की जनहित के प्रति उदासीनता से जनता त्रस्त है और अब बीएसपी से उम्मीदें बढ़ी हैं। ऐसे में पार्टी कार्यकर्ताओं को पूरी निष्ठा, मेहनत और लगन से काम करना होगा। उन्होंने विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी और रोटी-रोजी की समस्या पर चिंता जताते हुए कहा कि सरकारें केवल वादों और जुमलेबाज़ी तक सीमित हैं, जिससे आमजन की समस्याएं और गंभीर होती जा रही हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि देश क्या सिर्फ प्राइवेट सेक्टर पर ज्यादा निर्भर होकर आत्मनिर्भर बन सकता है?

चंडीगढ़ निगम–क्रेस्ट घोटाला

बैंक का ऑडिट करने वालों के घर लगवाए सोलर पैनल, पूर्व मैनेजर का कबूलनामा

चंडीगढ़, 31 मार्च (एजेंसियां)। नगर निगम और क्रेस्ट से जुड़े करीब 200 करोड़ के घोटाले में एक नया मोड़ सामने आया है। इन मामलों में गिरफ्तार हुए आइडीएफसी बैंक के पूर्व मैनेजर रिभव ऋषि ने पुलिस रिमांड के दौरान बताया कि ऑडिटरों को खुश करने के लिए उनके घरों में सोलर पैनल लगवाए गए थे। ऋषि ने बताया कि हर तीन महीने में बैंक की ऑडिट की जाती थी। उनकी ब्रांच में नरेश सुखीजा और दीपक कुमार ऑडिट करने आए थे। उन्होंने ऑडिट को मैनेज करने के लिए अपने सेविंग खाते से उनके घरों पर सोलर पैनल लगवाए थे। यह रकम उन्होंने क्रेस्ट के प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुखविंदर अबरोल के खाते में ट्रांसफर की थी। हाल ही में पुलिस ने अबरोल को भी गिरफ्तार किया है जोकि पांच दिनों के रिमांड पर है। ऋषि ने रिमांड के दौरान बताया कि एक सितंबर 2025 को एक कंपनी सनलिव सोलर के खाते में 4.98 करोड़ रुपये की अवैध पेमेंट की गई थी। यह पेमेंट नगर निगम के खाते से हुई थी जिसे आरोपित सीमा धीमान ने अप्रूव किया था।

इसके लिए नगर निगम के गवर्नमेंट बिजनेस बैंकिंग रिलेशनशिप मैनेजर शमीम धर और आइडीएफसी फर्स्ट बैंक के रिजनल हेड धीरेंद्र प्रताप सिंह की ओर से अप्रूवल दी गई थी। ऐसे में अब पुलिस ने अपनी जांच का दायरा बढ़ा दिया है और अन्य अफसरों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। वहीं, सोमवार को पुलिस ने रिभव ऋषि, अभय कुमार और सीमा धीमान को जिला अदालत में पेश किया। पुलिस ने अदालत से इनका सात दिनों का और रिमांड मांगा,

जेकेसीए फंड गबन केस में फारूक अब्दुल्ला ने खुद को बताया बेगुनाह

कोर्ट में बोले- ये आरोप मनगढ़ंत हैं

जम्मू, 31 मार्च (एजेंसियां)। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री, फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन (जेकेसीए) में कथित फंड के गलत इस्तेमाल के मामले में अपने ऊपर लगे आरोपों के लिए दोषी नहीं होने की दलील दी है। 88 साल के पूर्व मुख्यमंत्री श्रीनगर की चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट तबस्सुम की अदालत में वर्चुअल तरीके से पेश हुए, जिन्होंने उन्हें सीबीआई की चार्जशीट की बातें पढ़कर सुनाईं।

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें और कुछ कहना है, तो उन्होंने कहा कि मेरे पास यह कहने के अलावा और कुछ नहीं है कि ये आरोप मनगढ़ंत हैं। जब अदालत ने अब्दुल्ला से पूछा कि क्या उन्हें चार्जशीट की बातें समझाई गई थीं और क्या उन्हें वे समझ में आ गई थीं, तो उन्होंने हां में जवाब दिया। हालांकि, उन्होंने अपने ऊपर लगे आरोपों को 'झूठा और मनगढ़ंत' बताते हुए खारिज कर दिया। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे आरोपों को स्वीकार करते हैं, तो अब्दुल्ला ने कहा कि नहीं, मैं किसी भी आरोप का दोषी नहीं हूं। इस मामले में बाकी आरोपी जो खुद अदालत में मौजूद थे, उन्होंने भी अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज कर दिया। सिवाय दो लोगों के, जिन्हें सीबीआई ने माफ कर दिया था और उन पर कोई आरोप नहीं लगाया था। हालांकि, उन दोनों को मामले की सुनवाई खत्म होने तक इसमें शामिल रहना होगा।

मामले की सुनवाई के दौरान, अदालत ने कहा था कि रणबीर दंड संहिता की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश), 406 (आपराधिक विश्वासघात), और 409 (सरकारी कर्मचारी द्वारा आपराधिक विश्वासघात) के तहत अपराधों के जरूरी तत्व पहली नजर में अब्दुल्ला के खिलाफ बनते दिख रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री के अलावा, आरोपियों में मोहम्मद सलीम खान (उस समय जेकेसीए के महासचिव), अहसान अहमद मिर्जा (उस समय कोषाध्यक्ष), मंजूर गजनफर अली, बशीर अहमद मिसगर (जम्मू और कश्मीर बैंक के एक अधिकारी), और गुलजार अहमद बेग शामिल हैं।

अदालत ने बाकी आरोपियों के खिलाफ भी आरोप तय किए। जेकेसीए में फंड के गलत इस्तेमाल के आरोपों पर, श्रीनगर के राम मुंशी बाग पुलिस स्टेशन ने 10 मार्च, 2012 को आरपीसी की धारा 120-बी, 406 और 409 के तहत एफआईआर नंबर 27/2012 दर्ज की थी। पुलिस द्वारा की गई जांच के दौरान और उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप पर, इस मामले की जांच बाद में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी गई। जुलाई 2017 में, सीबीआई ने इस मामले में सीजेएम श्रीनगर के समक्ष आरोप-पत्र दायर किया। अधिवक्ता इश्तियाक खान ने अब्दुल्ला का प्रतिनिधित्व किया, जबकि अन्य आरोपियों के वकील भी वहां उपस्थित थे।

खुलेआम बिक रहा था 'मेड इन पाकिस्तान' माल

मुंबई से सप्लाई रैकेट, दुकानों में पड़ी रेड तो रैकेट का भंडाफोड़

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में पुलिस ने 'मेड इन पाकिस्तान' सामान बेचने वाले व्यापारियों पर शिकंजा कसा है। सिटी चौक पुलिस थाना क्षेत्र में करीब 60 हजार रुपये मूल्य के पाकिस्तानी ब्यूटी प्रोडक्ट्स कॉस्मेटिक्स जब्त किए हैं। इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें कोर्ट ने 2 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस अब इस सवाल का जवाब तलाशने में जुटी है कि भारत में पाकिस्तान का ये प्रतिबंधित सामान आ कैसा रहा है?

एमएनएस ने की थी पुलिस से शिकायत

पुलिस को सूचना मिली थी कि शहर के शाहगंज, घासमंडी और सिटी सेंटर मॉल इलाकों में कुछ व्यापारी केंद्र सरकार द्वारा प्रतिबंधित मेड इन पाकिस्तान कॉस्मेटिक्स प्रोडक्ट्स धड़ल्ले से बेच रहे हैं। इस संबंध में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) ने पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन भी सौंपा था। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए सिटी चौक पुलिस ने रविवार दोपहर तीन दुकानों पर एक साथ छापेमारी की। इस दौरान पुलिस बैन 'मेड इन पाकिस्तान' सामान देख हैरान रह गई। जांच के घेरे में वे दुकानदार भी हैं, जो सामान बेच रहे थे।

मुंबई के कैसे पहुंचा सामान

शुरुआती जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि इस कॉस्मेटिक्स प्रोडक्ट्स धड़ल्ले की सप्लाई मुंबई से हो रही थी। केंद्र सरकार ने मई 2025 में ही पाकिस्तान से आने वाले सामान पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया था। अब पुलिस इस बात की तफ्तीश कर रही है कि आखिर यह प्रतिबंधित माल मुंबई कैसे पहुंचा? छत्रपति संभाजीनगर तक कैसे माल की सप्लाई की गई? जब कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स की तस्करी हो सकती है, तो फिर इसी तरीके से खतरनाक चीजें नहीं लाई जा सकती हैं?

मसूद अजहर का खत्म होता कुनबा

पहले ऑपरेशन सिंदूर में परिवार के 10 लोग मारे गए और अब बड़े भाई की रहस्यमयी मौत

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। जैश-ए-मोहम्मद का सरगना और भारत में मोस्ट वॉन्टेड आतंकी मौलाना मसूद अजहर के बड़े भाई मोहम्मद ताहिर अनवर की पाकिस्तान में मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि उसकी मौत रहस्यमय परिस्थितियों में हुई है। प्रतिबंधित आतंकवादी समूह के आधिकारिक चैनल ने बताया कि अनवर का अंतिम संस्कार सोमवार को पाकिस्तान के बहावलपुर स्थित जामिया मस्जिद उस्मान वाली में हुआ है। हालांकि, उसकी मौत का सटीक कारण अभी तक सामने नहीं आया है। खबरों के मुताबिक, अनवर मसूद अजहर के पांच भाइयों में से एक था। उसने जैश-ए-मोहम्मद में अहम भूमिका निभाई और इस आतंकी संगठन के ऑपरेशन्स में सक्रिय रूप से शामिल था।

इससे पहले मसूद अजहर ने पिछले साल दावा किया था कि पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत की लक्षित हवाई हमलों में उसके परिवार के 10 सदस्य और उसके चार सहयोगी मारे गए थे। अजहर के नाम से जारी एक बयान में कहा गया है कि जेईएम के मुख्यालय (बहावलपुर स्थित जामिया मस्जिद सुभान अल्लाह) पर हुए हमले में मारे गए लोगों में उसकी बड़ी बहन, उसका पति, एक भतीजा और उसकी पत्नी, एक भतीजी और उसके बड़े परिवार के पांच बच्चे शामिल थे।

मसूद अजहर को 1994 में भारत में गिरफ्तार किया गया था और एअर इंडिया आईसी 814 विमान के अपहरण के बाद रिहा कर दिया गया था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा एक अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी के रूप में सूचीबद्ध मसूद अजहर भारत में हुए कई आतंकी हमलों की साजिश में शामिल रहा है। इनमें 2001 का संसद हमला, 2008 का मुंबई हमला, 2016 का पठानकोट हमला और 2019 का पुलवामा हमला शामिल हैं।

कैब चालक के झांसे में आई मोहाली की युवती; शादी की बात पर लुटा बैठी आबरू थाने तक पहुंचा मामला

जीरकपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। (मोहाली)। कैब चालक के झांसे में आकर एक युवती अपनी आबरू लुटा बैठी। चालक ने उसे शादी का झांसा देकर दुष्कर्म दिया। मामला थाने तक पहुंचा है। पुलिस अब आरोपित चालक की तलाश में है। जीकरपुर थाने में दी शिकायत के अनुसार, युवती ने जीरकपुर से शिमला जाने के लिए एक कैब बुक की थी। कैब को निशान सिंह चाहल चला रहा था। शिमला पहुंचने के बाद युवती का कुछ सामान गाड़ी में छूट गया था। युवती ने कैब चालक से संपर्क कर अपना सामान वापस मांगा तो उसने चंडीगढ़ आने पर सामान लौटाने की बात कही। इसके बाद कहा कि वह शिमला में है और वहीं आकर अपना सामान ले जाए। युवती शिमला पहुंची तो निशान ने उसे शादी का झांसा दिया।

'हर किसी को घर के पास नहीं दी जा सकती सरकारी नौकरी'

बोले मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला

जम्मू, 31 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि हर कोई घर के पास पर नौकरी ढूंढ़ रहा है। हर किसी को घर के पास नौकरी नहीं दी जा सकती। भर्ती या नियुक्तियों को स्थानीय स्तर तक सीमित रखने से प्रशासनिक कठिनाइयां पैदा होंगी। अतिरिक्त कैडर बनाने होंगे। हर पोस्ट के लिए ब्लॉक स्तर पर उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिलेंगे। आरक्षण कोटा पूरा नहीं होगा तो छूट देनी होगी जिससे मनमानी हो सकती है। मुख्यमंत्री ने विधायक निजामुद्दीन भट के निजी विधेयक के प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि बीते दिनों डॉक्टरों की भर्ती के दौरान सामने आया कि वे घर के आसपास नौकरी चाहते हैं।

ज्यादातर डॉक्टर सिफारिश करा रहे थे कि वे घर से दूर नहीं जा सकते। मुख्यमंत्री ने कहा, ऐसा नहीं है कि श्रीनगर का डॉक्टर किश्तवाड़ जाने से इन्कार कर रहा हो या कठुआ का डॉक्टर कुपवाड़ा भेज दिया गया हो। फिर भी गांदरबल का डॉक्टर बांदीपोरा जाने को तैयार नहीं है जबकि मुश्किल से एक घंटे का सफर होगा। वो कहते हैं जनाब हमारे लिए बहुत समस्या है, हमें नजदीक ट्रांसफर कर दो। मुख्यमंत्री ने कहा कि भर्ती को स्थानीय स्तर तक सीमित करने पर पदों के लिए उपयुक्त लोग नहीं मिलेंगे। ऐसे में हमें छूट देनी पड़ेगी। जैसे छूट की बात आती है मनमर्जी शुरू हो जाती है। उन्होंने कहा, बड़े ब्लॉक में पदोन्नति के ज्यादा मौके मिलेंगे जबकि छोटे ब्लॉक में अवसर सीमित हो जाएंगे। इससे एक ही समय में भर्ती हुए कर्मचारियों के बीच असमानता पैदा होगी।

इससे नाइंसाफी होगी। उमर ने कहा कि सदस्य की ओर से उठाया गया मुद्दा ध्यान देने योग्य है लेकिन विधेयक एक उपयुक्त समाधान नहीं है। उन्होंने इसे वापस लेने का आग्रह किया। सरकार इस चिंता को दूर करने के लिए वैकल्पिक उपायों पर विचार करेगी। इस पर भट ने प्रस्ताव वापस ले लिया।

गूगल पर सर्च किया 'फीमेल सर्विस'

फिर लड़कियों ने मिलने बुलाया... तभी पहुंचे फर्जी पुलिसवाले; सूरत में हनीट्रैप में फंसा सुपरवाइजर

सूरत, 31 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत से ठगी का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां 'फीमेल सर्विस' के नाम पर कंस्ट्रक्शन साइट के एक सुपरवाइजर को पालें पॉइंट के एक फ्लैट में ले जाकर ठगी की कोशिश की जा रही थी। नकली पुलिस बनकर हनीट्रैप में फंसाने और 5 लाख रुपये वसूलने की कोशिश की जा रही थी। तभी असली पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने दो महिलाओं समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सूरत में चल रहे इस खेल का मास्टरमाइंड रमेश पाल अभी भी फरार है। पुलिस के अनुसार, कतारगाम वेड रोड इलाके में रहने वाले और कंस्ट्रक्शन साइट पर सुपरवाइजर के रूप में काम करने वाले 36 वर्षीय युवक ने 26 मार्च को एक वेबसाइट पर फीमेल सर्विस रिक्वायरमेंट सर्च किया था। वहां उसे रमेश पाल का नंबर मिला। उसने रमेश पाल से संपर्क किया तो उसने पीड़ित को मिलने के बुलाया। पीड़ित ने आरोपी से सर्विस के बारे में पूछा। आरोपी ने उसे पालें पॉइंट में बुलाया। शाम करीब 5 बजे युवक मोपेड से दी गई लोकेशन पर पहुंचा।

थोड़ी देर में वहां एक महिला आई और अपना नाम राजवी बताकर युवक को सूर्यमंजरी अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 203 में ले गई। वहां राजवी ने युवक से 1000 रुपये ले लिए। उसके बाद प्रिंसी नाम की युवती आई और युवक को कमरे में ले गई। इसके बाद अचानक तीन शख्स कमरे में घुस आए। उनमें से एक ने खुद को पीएसआई दूसरे ने राइटर और तीसरे ने पुलिस कॉन्स्टेबल बताया। आरोपियों ने युवक को डराया कि उसने युवती के साथ दुष्कर्म किया है और उसका वीडियो बना लिया गया है।

क्या मुस्लिम बहुल मालदा में कांग्रेस का खुलेगा खाता?

टीएमसी से आई मौसम नूर पर खेला दांव

मालदा, 31 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल का मालदा क्षेत्र अपने आम की खास मिठास, सुगंध और रसीलेपन के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। देश में ही मालदा आम के करोड़ों दीवाने मिल जाएंगे। यह क्षेत्र सिर्फ आम ही नहीं बल्कि राजनीतिक लिहाज से भी बेहद अहम है। मालदा पश्चिम बंगाल का एक जिला है और यह उत्तरी बंगाल तथा मुर्शिदाबाद बेल्ट में पड़ता है। मिठास वाले इस इलाके में हाल यह है कि यह क्षेत्र किसी भी पार्टी का गढ़ नहीं बन सका है। राज्य में जीत चौका लगाने की तैयारी में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लिए भी मालदा क्षेत्र पूरी तरह से सुरक्षित जोन नहीं है और न ही भारतीय जनता पार्टी के लिए। हर सीट पर अलग-अलग तरह के मुकाबले होते रहे हैं। यह राज्य के उन गिने-चुने जिलों में से आता है जहां कई सीटों पर त्रिकोणीय राजनीति दिखाई देती है। टीएमसी और बीजेपी के साथ-साथ कांग्रेस-वामपंथ की जोड़ी भी चुनौती देती रही है। लेकिन इस बार कांग्रेस अकेले ही चुनाव लड़ रही है। मालदा जिले में विधानसभा की कुल 12 सीटें हैं और यह 2 अहम संसदीय क्षेत्रों (मालदा उत्तर और मालदा दक्षिण) में बंटा हुआ है।

राजनीतिक मुकाबलों पर चर्चा करें, इससे पहले यहां के सामाजिक ताना-बाना पर नजर डालते हैं। यह मुस्लिम बहुल क्षेत्र है। यहां के चुनाव में मुस्लिम वोटर्स की भूमिका अहम होती है। यहां के कई इलाकों में मुस्लिम आबादी 50 फीसदी से अधिक है, और कुछ जगहों पर तो यह संख्या 60-70% तक पहुंच जाती है। मालदा उत्तर की हरिश्चंद्रपुर, रतुआ तथा मालदा दक्षिण के मानिकचक, इंग्लिश बाजार और कालियाचक के कुछ हिस्सों में यह असर काफी दिखता है। यहां के बारे में कहा जाता है कि अगर मुस्लिम वोटर्स एकजुट रहते हैं, तो जीत टीएमसी या कांग्रेस के खाते में जाती है, अगर इनका वोट बंटता है, तो बीजेपी को इसका फायदा मिलने की संभावना हो जाती है। यही वजह है कि हर चुनाव में वोटों के ध्रुवीकरण या मुस्लिम वोटों के बंटवारे को लेकर जमकर माहौल रहता है।

मालदा जिले के उत्तरी और मिश्रित आबादी वाले ग्रामीण इलाकों में मुस्लिम वोटर्स के अलावा राजबंशी, अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और आर्थिक रूप से कमजोर हिंदू

कटक में बड़ा हादसा

ओडिशा हाईकोर्ट के सामने भीषण आग, कई वाहन जलकर राख

कटक, 31 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा के कटक से मंगलवार को एक बड़ी और सनसनीखेज खबर सामने आई है. शहर के व्यस्त इलाके में स्थित ओडिशा हाईकोर्ट के सामने अचानक भीषण आग लग गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई. आग की चपेट में आकर कई वाहन पूरी तरह जलकर राख हो गए. घटना के बाद कुछ देर के लिए इलाके में दहशत का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए. प्राप्त जानकारी के अनुसार, आग की शुरुआत हाईकोर्ट के सामने खड़ी एक स्कॉर्पियो एसयूवी से हुई. कुछ ही पलों में आग ने पास में खड़े दो स्कूटर और एक इलेक्ट्रिक वाहन को भी अपनी चपेट में ले लिया. आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में सभी वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गए. वाहन मालिकों को संभलने तक का मौका नहीं मिल पाया. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घटनास्थल से उठता घना धुआं और ऊंची-ऊंची लपटें दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं. अचानक लगी आग को देखकर आसपास मौजूद लोग दहशत में आ गए और सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे. हाईकोर्ट जैसे संवेदनशील इलाके में आग लगने से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चिंता जताई गई. घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम तत्काल मौके पर पहुंची. दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. समय रहते आग बुझा लेने से आसपास खड़े अन्य वाहनों और इमारतों को नुकसान होने से बचा लिया गया. फायर ब्रिगेड की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया. अधिकारियों ने पुष्टि की है कि इस घटना में एक स्कॉर्पियो, दो स्कूटर और एक इलेक्ट्रिक वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं. राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत या घायल होने की सूचना नहीं है.

कलकत्ता हाईकोर्ट में ईसीआई के तबादलों को चुनौती देने वाली पीआईएल खारिज

कोलकाता, 31 मार्च (एजेंसियां)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग द्वारा वरिष्ठ नौकरशाहों के तबादले के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया। मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल और न्यायाधीश पार्थ सारथी सेन की खंडपीठ ने यह आदेश दिया। याचिकाकर्ता की तरफ से अदालत में पेश हुए वरिष्ठ वकील कल्याण बंदोपाध्याय ने कहा कि 15 मार्च को तीन बजे चुनाव नोटिफिकेशन जारी हुआ और अगले दिन सुबह 3 बजे मुख्य सचिव और प्रधान सचिव का तबादला कर दिया गया। उनके बाद डीजीपी का भी तबादला कर दिया गया। इसके बाद कई जिलों के एसपी, जिलाधिकारी भी बदले गए। याचिका में कहा गया कि चुनाव आयोग का आदेश विरोधाभासी है क्योंकि चुनाव आयोग ने कहा कि जिन अधिकारियों का तबादला किया गया वे चुनावी प्रक्रिया से दूर रहेंगे लेकिन जब अन्य राज्यों में उनका तबादला किया गया तो, वहां वे चुनावी प्रक्रिया में शामिल हैं। ऐसे में उन्हें बंगाल की चुनावी प्रक्रिया के लिए कैसे खारिज किया जा सकता है? याचिकाकर्ता के वकील ने दावा किया कि बड़े पैमाने पर प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले किए गए, ऐसे में राज्य में प्रशासन कैसे संभाला जाएगा?

अगर कोई परेशानी हुई तो चुनाव आयोग क्या करेगा? वकील ने कहा कि मुख्य सचिव सिर्फ चुनाव कराने के लिए नहीं हैं बल्कि उन पर राज्य के प्रशासन की जिम्मेदारी है। याचिका में कहा गया है कि 2021 के चुनाव के समय 15 अधिकारियों के तबादले किए गए थे, लेकिन इस बार ये आंकड़ा 79 है। याचिका में चुनाव आयोग को संविधान को अनुच्छेद 324 के तहत मिली शक्ति पर भी सवाल उठाया गया और कहा गया कि क्या चुनाव आयोग मनमाने तरीके से अपनी इस शक्ति का इस्तेमाल कर सकता है?

क्या चुनाव आयोग संघीय ढांचे को तबाह कर सकता है? याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि चुनाव आयोग का काम सिर्फ चुनाव कराना है, न कि राज्य का संचालन करना।

फर्जी कोर्ट, नकली पुलिस का खेल... पूर्व अफसर को डेढ़ करोड़ का चूना लगाया, ऑटो रिक्शा चालक निकला सूत्रधार

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के शहर मुंबई में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां अंधेरी में एक 69 साल के रिटायर्ड अफसर को डेढ़ करोड़ रुपये का चूना लगाया गया। साइबर क्रिमिनल्स ने 25 दिनों तक उन्हें घर में डिजिटली कैद रखा। सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व जज के नाम का हवाला देते हुए वीडियो कॉल से ऑनलाइन अदालत भी लगाई और उन्हें धमकाया। मुंबई पुलिस ने पीड़ित अफसर की शिकायत पर जब एक्शन लिया तो चौंकाने वाली कहानी सामने आई। साइबर सेल ने इस केस में अशोक पाल ऑटोरिक्शा ड्राइवर को गिरफ्तार किया, जो रैकेट का बड़ा सूत्रधार था।

उसने मोटे कमीशन के बदले ठगों को अपने बैंक खाते का इस्तेमाल पैसा ट्रांसफर करने के लिए दिया। पुलिस का कहना है कि पीड़ित अफसर को संजय गुप्ता नाम के शख्स ने फोन किया। उसने खुद को टेलीकॉम विभाग का अफसर बताया। मोबाइल कॉल करने वाले ने कहा कि अफसर के मोबाइल नंबर से गंदे एमएमएस मैसेज भेजे जा रहे हैं।

पीएसीएल घोटाले में ईडी का बड़ा एक्शन

15,582 करोड़ की संपत्तियां लोढ़ा कमेटी को सौंपी

चंडीगढ, 31 मार्च (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पर्ल्स एग्रीटेक कारपोरेशन लिमिटेड (पीएसीएल) मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 15,582 करोड़ के अनुमानित बाजार मूल्य वाली 455 अचल संपत्तियों को जस्टिस आरएम लोढ़ा कमेटी को सौंपने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। यह कार्रवाई प्रिवेंशन आफ मनी लानड्रिंग एक्ट (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई है, जिसका उद्देश्य लाखों प्रभावित निवेशकों को उनकी राशि वापस दिलाना है। ईडी के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में ही लगभग 26,324 करोड़ की संपत्तियां अटैच की गई हैं, जिससे इस मामले में कुल अटैचमेंट बढ़कर 27,030 करोड़ हो गई है। इनमें भारत के अलावा आस्ट्रेलिया सहित विदेशों में स्थित संपत्तियां भी शामिल हैं। ये संपत्तियां एमएस पीएसीएल लिमिटेड, उससे जुड़ी कंपनियों और दिवंगत निर्मल सिंह भंगू के परिवार व सहयोगियों बरिंदर कौर, हरसतिंदर पाल सिंह हेयर, सुखविंदर कौर, गुरप्रताप सिंह और प्रेम कौर के नाम पर पाई गई हैं।

सीबीआइ ने 19 फरवरी 2014 को पर्ल्स ग्रुप (पीएसीएल और पीजीएफ लिमिटेड) और उसके प्रमोटरों पर लाखों निवेशकों से धोखाधड़ी करने के आरोप केस दर्ज किया था। सीबीआइ की चार्जशीट और पूरक चार्जशीट के अनुसार, दिवंगत निर्मल सिंह भंगू और उनके सहयोगियों के नियंत्रण में एक बड़े पैमाने पर अवैध कलेक्टिव इन्वेस्टमेंट स्कीम चलाई गई, जिसके जरिए देशभर से 68,000 करोड़ से अधिक की राशि जुटाई गई।

इसी मामले में ईडी ने 26 जुलाई 2016 मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि अपराध से अर्जित धन को कई कंपनियों और सहयोगियों के जरिए घुमाकर भारत और विदेशों में संपत्तियां खरीदी गईं। इस मामले में कुछ आरोपितों के खिलाफ भगोड़ा की कार्यवाही शुरू की गई है।

साथ ही, हरसतिंदर पाल सिंह हेयर को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि बरिंदर कौर और प्रेम कौर के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए गए हैं। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पर्ल ग्रुप घोटाले को गंभीरता से लेते हुए इसकी जांच के आदेश दिए थे। सरकार के निर्देश पर राज्य के सभी जिलों में पर्ल ग्रुप की संपत्तियों की पहचान करवाई गई और डिप्टी कमिश्नरों से रिपोर्ट मंगवाई गई। इसके आधार पर पंजाब में कंपनी की संपत्तियों की सूची भी तैयार की गई है, जो सुप्रीम कोर्ट और जस्टिस लोढ़ा कमेटी के निर्देशों के अनुरूप है।

जापान का 'मिशन इंडिया': भारत में कैसा ऑफिस खोलने जा रहा टोक्यो

चीन की बढ़ गई परेशानी

टोक्यो, 31 मार्च (एजेंसियां)। जापान ने ऐलान किया है कि वह निवेश और आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए भारत में विदेश मंत्रालय का नया कार्यालय स्थापित करेगा। यह कार्यालय भारत के साथ आर्थिक सहयोग को मज़बूत करने और देश में विस्तार करने की इच्छुक जापानी कंपनियों को सहायता प्रदान करेगा। इससे भारत में बड़ी संख्या में जापानी कंपनियों के आने की उम्मीद की जा रही है, जिससे भारत सरकार के मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, जापान की इस योजना से पड़ोसी देश चीन की टेंशन बढ़ गई है। चीन को डर है कि जापानी कंपनियों के भारत जाने से उसके मेन्यूफैक्चरिंग सेक्टर पर असर पड़ सकता है।

जापानी कंपनियों को भारत में मिलेंगी सहूलियतें

निक्केई एशिया की रिपोर्ट के अनुसार, यह कार्यालय भारत में पहले से मौजूद जापानी कंपनियों की चिंताओं को दूर करने के लिए आवश्यक सुधारों को प्रोत्साहित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जापानी कंपनियों ने भारत के अलग-अलग राज्यों के नियमों, कानूनी प्रक्रियाओं और मुश्किल टैक्स नीति जैसी चुनौतियों का जिक्र किया है। उनका मानना है कि ये कुछ ऐसे कारण हैं, जो भारत में निवेश से संबंधित फैसलों को और अधिक मुश्किल बना रहे हैं। ऐसे में जापानी कंपनियों को उम्मीद है कि नया ऑफिस उनके इन चिंताओं को भारत सरकार के सामने उठाएगा, जिससे निवेश में अड़चनें दूर होंगी।

जापान ने भारत में नया ऑफिस खोलने का फैसला ऐसे समय किया है, जब दोनों देश अपने आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दे रहे हैं। भारत और जापान का लक्ष्य अगले एक दशक के अंदर भारत के निजी क्षेत्र में लगभग 10 ट्रिलियन येन (लगभग 62.6 बिलियन डॉलर) का निवेश करना है। हालांकि, जापानी कंपनियों का कहना है कि उन्गें भारत में कानूनी जटिलताएं लगातार परेशान कर रही हैं। यही कारण है कि भारत में निवेश करने में गहरी रुचि होने के बावजूद जापानी कंपनियों ने काफी धीमी गति से अपना विस्तार किया है।

भारत-जापान संबंधों को जानें

भारत और जापान के संबंध ऐतिहासिक रूप से मजबूत हैं। हालांकि, समय-समय पर इनमें उतार-चढ़ाव भी आते रहे हैं। इसके बावजूद दोनों देश करीबी मित्र हैं।

भारत और जापान लोकतांत्रिक मूल्यों को साझा करते हैं और मुक्त और खुले इंडो-पैसिफिक का समर्थन भी करते हैं।

भारत और जापान की चीन के खिलाफ गहरी सैन्य साझेदारी भी है। दोनों देश समय-समय पर 'जिमेक्स' (JIMEX), 'वीर गार्जियन' और 'धर्म गार्जियन' जैसे सैन्य अभ्यास करते हैं।

भारत और जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर क्वाड के माध्यम से इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जापानी कंपनियों को कितना पसंद आ रहा भारत?

रिपोर्ट में जापानी दूतावास से मिले आंकड़ों के आधार पर बताया गया है कि वर्ष 2024 में भारत में 1,434 जापानी कंपनियां कार्यरत थीं। यह संख्या 2018 से अब तक लगभग समान है और इनमें कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। वहीं, इसके ठीक उलट, थाईलैंड में लगभग 6,000 और सिंगापुर में लगभग 4,500 जापानी कंपनियां कार्यरत हैं। इसके आधार पर दावा किया जा रहा है कि जापानी कंपनियों को अब भी भारत में कारोबारी माहौल पसंद नहीं आ रहा है और वे दूसरे विकल्पों पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं। जापान बैंक फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन के सर्वे में लगातार चार वर्षों तक भारत को जापानी निर्माताओं के लिए सबसे अधिक संभावनाओं वाला विदेशी गंतव्य बताया गया है।

वाइट हाउस के नीचे अंडरग्राउंड मिलिट्री कॉम्प्लेक्स बना रहे ट्रंप

वॉशिंगटन, 31 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वाइट हाउस में बन रहे चर्चित बॉलरूम प्रोजेक्ट को लेकर बड़ा खुलासा किया है। ट्रंप ने अमेरिका के स्थानीय समयानुसार रविवार को बताया कि वॉइट हाउस के बॉलरूम के नीचे अमेरिकी सेना एक बहुत विशाल अंडरग्राउंड कॉम्प्लेक्स बना रही है।

अंडरग्राउंड मिलिट्री कॉम्प्लेक्स एक बंकर और कमांड सेंटर होगा, जो पुराने इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर को रिप्लेस करेगा। इसकी कॉम्प्लेक्स के बारे में जानकारी एक मुकदमे की वजह से सामने आई है। ट्रंप ने एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, सेना बॉलरूम के नीचे विशाल कॉम्प्लेक्स बना रही है, जिसकी जानकारी हाल ही में एक बेवकूफी भरे मुकदमे की वजह से सामने आई है।

लेबनान में क्या कर रहे 642 भारतीय सैनिक

इजरायली हमले में 3 इंडोनेशियाई सैनिकों की मौत से बढ़ा खतरा

बेरूत, 31 मार्च (एजेंसियां)। इजरायल ने हिजबुल्ला के हमलों को रोकने के लिए लेबनान में सैन्य कार्रवाई को तेज कर दिया है। इजरायली सेना लेबनान में हिजबुल्ला के हर एक ठिकाने को निशाना बना रही है। इस बीच दक्षिणी लेबनान में दो अलग-अलग घटनाओं में तीन संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों की मौत हो गई है। आरोप है कि इन शांति सैनिकों की मौत इजरायली हमले में हुई है। हालांकि, इजरायल ने इससे इनकार किया है।

मरने वाले तीनों शांति सैनिक इंडोनेशिया के हैं। इस देश में 642 भारतीय सैनिक भी संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में शांति सैनिक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा को भी खतरा पैदा हो गया है। संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना यूएनआईएफआईएल ने एक बयान में बताया कि सोमवार को दो शांति सैनिक मारे गए। उनकी गाड़ी दक्षिणी लेबनान के बानी हयान के पास एक अज्ञात धमाके में नष्ट हो गई थी। इस धमाके में दो अन्य सैनिक भी घायल हो गए। रविवार रात से सोमवार सुबह के बीच एक और इंडोनेशियाई सैनिक मारा गया। यह घटना तब हुई जब दक्षिणी लेबनान के अदचित अल-कुसैर गांव के पास,

यूएनआईएफआईएल के एक ठिकाने के पास एक गोला फट गया। इस घटना में एक और शांति सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गया था। यूएनआईएफआईएल की प्रवक्ता कैंडिस आर्डियल ने कहा, ये दो अलग-अलग घटनाएं हैं और हम इनकी जांच दो अलग-अलग घटनाओं के तौर पर ही कर रहे हैं। इस बीच सैनिकों की मौत पर इंडोनेशिया ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। इंडोनेशिया के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि मारे गए शांति सैनिक उनके नागरिक थे और तीन अन्य लोग अप्रत्यक्ष तोपखाने की गोलाबारी से घायल हुए हैं। मंत्रालय ने इस घटना की निंदा की और कहा कि शांति सैनिकों को किसी भी तरह का नुकसान पहुंचाना अस्वीकार्य है। साथ ही, उसने दक्षिणी लेबनान में इजरायली सेना के हमलों की निंदा भी की। भारत ने लेबनान में तैनात संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों पर हुए हालिया हमलों की सोमवार को निंदा की और सभी पक्षों से शांति सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। भारतीय मिशन ने एक बयान में कहा, ''हम यूएनआईएफआईएल में तैनात संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों पर हुए हालिया हमलों की निंदा करते हैं और शहीद हुए शांति सैनिक को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। हम सभी पक्षों से शांति सैनिकों की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने की अपील करते हैं।''

खामेनेई और लारीजानी के बाद आईआरजीसी चीफ वाहिदी बने यूएस-इजरायल की टेंशन

राष्ट्रपति की भी नहीं सुन रहे

तेहरान, 31 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजरायल के साथ चल रहे युद्ध में ईरान ने अपने ज्यादातर बड़े नेताओं को खो दिया है। इसमें अली खामेनेई, अली लारीजानी और दूसरे सीनियर आर्मी अफसर शामिल है। बड़े नेताओं की मौत की वजह से ईरानी नेतृत्व में बदलाव आया है। इजरायल-अमेरिका के साथ एक महीने से ज्यादा समय से चल रहे युद्ध में ईरान की सेना और आंतरिक अस्तित्व के रचयिता के तौर पर अहमद वाहिदी का नाम तेजी से उभरा है। राष्ट्रपति मसूद के उलट वह युद्ध में आक्रामक रुख अपनाने के तरफदार बने हुए हैं।

अमेरिका-इजरायल के हमले में मेजर-जनरल मोहम्मद पाकपुर की मौत के बाद अहमद वाहिदी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के नए कमांडर बने हैं। युद्ध के बीच आईआरजीसी चीफ के तौर पर वह ऐसे चेहरे के तौर पर सामने आए है, जो अड़ियल रवैया रखता है और टकराव को प्राथमिकता देता है। अहमद वाहिद फिलहाल ईरान के सबसे ताकतवर चेहरों में से एक बने हुए हैं।

यरुशलम पोस्ट के मुताबिक, वाहिदी 'ओल्ड गार्ड' (पुरानी पीढ़ी) का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह वह पीढ़ी है, जो 1979 की ईरानी क्रांति से उभरी है।वाहिदी कुद्स फोर्स के शुरुआती कमांडरों में से एक हैं। कुद्स फोर्स से जुड़े होने की वजह से पश्चिमी देशों और इजरायल के लिए वाहिदी का नाम नया नहीं हैं। वह उनके लिए एक जाना-पहचाना चेहरा हैं।

अहमद वाहिदी का आर्मी में करियर चार दशक से ज्यादा का है, जिसमें कई अहम पदों पर उन्होंने काम किया है। 1990 के दशक में कुद्स फोर्स के कमांडर रहे वाहिदी को 1994 में ब्यूनस आयर्स स्थित एएमआईए ने यहूदी सामुदायिक केंद्र में धमाके में कथित भूमिका के लिए आधिकारिक तौर पर वांछित घोषित किया था।

डेडलाइन के आखिरी दिन 9 नक्सलियों का सरेंडर

दंतेवाड़ा/सुकमा/कांकेर, 31 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नक्सली खात्मे के डेडलाइन का आज (31 मार्च) आखिरी दिन है। इस दिन 3 जिलों के 9 नक्सलियों ने सरेंडर किया है, जिसमें 6 महिला नक्सली शामिल है। दंतेवाड़ा में 5, सुकमा में 2 और कांकेर में 2 नक्सलियों ने जंगल से निकलकर पुलिस को हथियार सौंप दिए हैं। पुलिस ने दावा किया है कि, दंतेवाड़ा में अब एक भी नक्सली नहीं बचे हैं। जिले में सक्रिय अंतिम 5 नक्सलियों ने हथियार डाल दिए हैं। इन पर 9 लाख रुपए का इनाम घोषित था। वहीं, कांकेर में 14 नक्सली अब भी एक्टिव है। सुकमा की 2 महिला नक्सली 8-8 लाख की इनामी है, वे अपने साथ 10 लाख कैश लेकर आए थे, जो पुलिस को दे दिए हैं। सुकमा में 2 महिला नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इन पर 8-8 लाख का इनाम था। वे माओवादी कैडर के रैंक कंपनी के सदस्य है, सुकमा के ही रहने वाली है।

इजराइल में फिलिस्तीनी अपराधियों को 90 दिन में फांसी

अपील करने का अधिकार खत्म, मंत्रियों ने संसद में शैंपेन खोल जशन मनाया

तेल अवीव, 31 मार्च (एजेंसियां)। इजराइल की संसद (नैसेट) ने सोमवार को फिलिस्तीनी अपराधियों को सजा देने वाला बिल पास कर दिया है। इसके तहत वेस्ट बैंक के फिलिस्तीनियों को इजराइली नागरिकों की हत्या करने या आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने पर सीधे मौत की सजा दी जा सकेगी।

इसमें अपील का भी कोई अधिकार नहीं होगा। सजा सुनाए जाने के 90 दिनों के अंदर फांसी दी जाएगी। यह कानून राष्ट्रवादी या आतंकवादी इरादे से की गई हत्याओं पर लागू होगा। हालांकि, अदालत को विशेष कारणों के तहत उम्रकैद की सजा देने का भी अधिकार होगा।

यह बिल राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इत्तमार बेन ग्विर ने आगे बढ़ाया था। बिल पास होने के बाद बेन ग्विर और दूसरे सांसदों ने संसद में ही शैंपेन की बोतल खोलकर जश्न मनाया। उन्होंने कहा, "आज इजराइल खेल के नियम

बदल रहा है, जो यहूदियों की हत्या करेगा, वह सांस नहीं ले सकेगा।" बेन ग्विर ने पहले धमकी दी थी कि अगर बिल पर वोट नहीं कराया गया तो उनकी पार्टी सरकार से समर्थन वापस ले लेगी।

इस बिल की मांग इजराइल के चरमपंथी दक्षिणपंथी गुट लंबे समय से करते आ रहे थे। वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों पर मिलिट्री कानून लागू होता है। इस बिल के जरिए मिलिट्री कोर्ट के नियमों में बदलाव कर दिया गया है, जिससे अब जज बिना सर्वसम्मति के भी मौत की सजा सुना सकेंगे।

दूसरी ओर, इजराइली यहूदी बस्ती निवासी जो वेस्ट बैंक में रहते हैं, उनपर इजराइली सिविलियन कानून लागू होता है। इसका मतलब है कि उनका मुकदमा सामान्य इजराइली नागरिक अदालतों में चलता है।

इसका नतीजा यह है कि एक ही इलाके में दो लोग एक ही तरह का अपराध करें, तो उन्हें अलग-अलग सजा दी जाएगी। इससे फिलिस्तीनियों के लिए मौत की सजा की आशंका बढ़ जाएगी।

मानवाधिकार संगठनों ने इसे नस्लीय भेदभावपूर्ण और बदला लेने वाली नीति बताया है। इस बिल का विरोध करते हुए इजराइल के मानवाधिकार और नागरिक समाज संगठनों ने कहा कि यह कानून फिलिस्तीनियों के खिलाफ नस्लीय हिंसा को बढ़ावा देंगे। संगठनों ने इसे फिलिस्तीनियों को निशाना बनाने वाला और इजराइलियों को छूट देने वाला बताया। विपक्षी नेता यायर लापिद ने बिल की आलोचना करते हुए इसे हमास के सामने समर्पण बताया। उन्होंने कहा, "हम हमास जैसे नहीं हैं, हम हमास के बिल्कुल उलट हैं।"

बिल पास होने के तुरंत बाद इस बिल के खिलाफ इजराइल के सिविल राइट्स संगठन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। साथ ही इसे असंवैधानिक बताते हुए खारिज करने की मांग की है।

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पहले इस बिल का विरोध किया था, लेकिन गाजा सीजफायर लागू होने के बाद उन्होंने अपना रुख बदल लिया और अंतिम वोट में इसका समर्थन किया।

इजराइल के पूरे इतिहास में केवल दो बार ही मौत की सजा दी गई। पहला मामला 1948 के अरब-इजराइली युद्ध के दौरान का है। इजराइली सेना के कैप्टन मेयर टोबियान्स्की को जासूसी के आरोप में एक सैन्य अदालत में दोषी ठहराया गया और उसी दिन फायरिंग स्क्वाड से गोली मारकर सजा दी गई।

ईरान को पाकिस्तान पर भरोसा नहीं

भागे-भागे चीन की शरण में पहुंचे इशाक डार, बीजिंग से मिलेगी गारंटी?

इस्लामाबाद/बीजिंग, 31 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार चीन के दौरे पर पहुंचे हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि डार का चीन दौरा उनकी चीनी समकक्ष वांग यी के निमंत्रण पर हो रहा है, जहां मंगलवार को दोनों अधिकारी क्षेत्रीय घटनाक्रमों और द्विपक्षीय मामलों पर चर्चा करेंगे। डार ऐसे समय में चीन पहुंचे हैं, जब अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध पांचवें सप्ताह में पहुंच गया है। पाकिस्तान इस टकराव को कम करने के लिए मध्यस्थता की कोशिश कर रहा है।

पाकिस्तान ने इसी रविवार को इस्लामाबाद में तीन अहम मुस्लिम देशों- सऊदी अरब, मिस्र और तुर्की- के विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी की थी। इस बैठक का मकसद अमेरिका और ईरान के बीच संभावित बातचीत के लिए मध्यस्थता का ढांचा तैयार करना था। हालांकि, पाकिस्तानी सूत्रों का कहना है कि बैठक में ऐसा कोई ठोस रोडमैप सामने नहीं आया।

रिपोर्टों में कहा गया है कि बातचीत के लिए किए जा रहे पाकिस्तान के सभी प्रयास से ईरान ने खुद को दूर रखा है। तेहरान ने अमेरिका के साथ किसी भी समझौते में गारंटी की मांग कर रहा है।

जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर वली नस्र का कहना है कि ऐसी रिपोर्ट हैं कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री इस संभावित समझौते के लिए एक गारंटर की तलाश में चीन जा रहे हैं।

4 करोड़ की प्रॉपर्टी के लिए भाई को मरवाया

रिटायर्ड शिक्षा अधिकारी का गला घोंटा, रेत में दफनाई लाश, पूर्व कांग्रेस नेता समेत 15 आरोपी गिरफ्तार

मुंगेली, 31 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में संपत्ति हड़पने के लिए छोटे भाई ने सुपारी देकर बड़े भाई को मरवा दिया। दामोदर सिंह (62) रिटायर्ड शिक्षा अधिकारी थे। उनके पास लगभग 4 करोड़ की प्रॉपटी और 30 तोला सोना था, जो वह हड़पना चाहता था। मर्डर के लिए उसने गांव के ही युवक से 10 लाख रुपए और 50 डिसमिल जमीन देने की डील की थी और साढ़े 4 लाख रुपए एडवांस भी दे भी दिए थे।

मामला लालपुर थाना क्षेत्र का है। वारदात में 15 लोग शामिल थे। 21 मार्च को दामोदर को बुलाकर गमछे से उसका गला घोंटा गया, लाश घटनास्थल से 60km दूर जंगल ले जाकर रेत में दफनाया गया, फिर मोबाइल नदी में बहा दिया था। 8 दिन बाद

पूरे मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें पूर्व कांग्रेस नेता समेत 4 नाबालिग और परिवार के ही सदस्य है।

दरअसल, दामोदर सिंह राजपूत (62) शिक्षा विभाग में लेखा अधिकारी थे। जो रिटायर के बाद मुंगेली में किराए के मकान में रह रहे थे। जांच में सामने आया कि दामोदर सिंह का अपने इकलौते बेटे संजय राजपूत के साथ संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। इसी पारिवारिक कलह का फायदा उठाकर आरोपियों ने प्रॉपटी और सोना हड़पने की साजिश रची।

आरोपियों ने एक फर्जी नोटरी तैयार करवाया था, जिसमें यह दर्शाया गया था कि दामोदर अपनी संपत्ति भाइयों और भतीजों को बेच रहे हैं और अपने बेटे से कोई संबंध नहीं रखना चाहते। जांच में यह भी पता चला कि 2025 में दामोदर सिंह को मारने की कोशिश एक सड़क हादसे के जरिए की गई थी।

21 मार्च को प्लानिंग के तहत छोटे भाई रणजीत ने अपने भाई दामोदर को दुर्गा पूजा के बहाने झाफल बुलाया। रास्ते में मनोहरपुर के सुनसान इलाके में संजय यादव और उसके साथियों (प्रिंस, योगेश और एक नाबालिग) ने दामोदर की गाड़ी रोककर गमछे से गला घोंटकर उनकी हत्या कर दी।

छत से गिरी महिला के सिर में चोट लगने से मौत

कोडरमा, 31 मार्च (एजेंसियां)। कोडरमा में मंगलवार को छोटे बेटे का पहला जन्मदिन मनाने की तैयारी में जुटी महिला की छत से गिरने से मौत हो गई। हादसा कोडरमा थाना क्षेत्र के इंदरवा गांव में हुआ। इधर, सदर अस्पताल में इलाज में लापरवाही के आरोप में परिजनों ने घंटों हंगामा किया। मृतका की पहचान तिलेश्वर साव की पत्नी मीना देवी (30) के रूप में की गई। मृतका के परिजन विनोद साव ने बताया कि मंगलवार को मीना देवी के सबसे छोटे बेटे, एक वर्षीय कृष्ण कुमार का जन्मदिन है। इसी अवसर पर मीना अपने घर की साफ-सफाई कर रही थीं। छत की सफाई के दौरान उसका संतुलन बिगड़ा और वे सीधे जमीन पर गिर गईं। मीना देवी के पति तिलेश्वर साहू ने बताया कि उनके मकान की छत पर सामने से घेराबंदी नहीं थी, जिसके कारण यह हादसा हुआ। इधर, जमीन पर गिरने से मीना देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं।

परिजनों ने उसे तुरंत सदर अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में करीब दो घंटे तक चले उपचार के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मीना देवी की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने सदर अस्पताल के चिकित्सकों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों का दावा था कि जब मीना देवी को अस्पताल लाया गया था, तब उसकी स्थिति गंभीर नहीं थी और वे बातचीत भी कर रही थीं।

होर्मुज स्ट्रेट संकट हमेशा के लिए हो जाएगा खत्म

इजरायली पीएम ने बताया प्लान, मानेंगे सऊदी, यूएई और कतर?

तेल अवीव, 31 मार्च (एजेंसियां)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में पैदा हुए संकट के स्थायी समाधान की जरूरत है। उन्होंने सुझाव दिया कि इसका दीर्घकालिक हल नई एनर्जी पाइपलाइन बनाना होगा, जो खाड़ी देशों के तेल और गैस को भूमध्य सागर तक ले जाएंगी। नेतन्याहू का बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका-इजरायल के हमलों के जवाब में ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट के समुद्री गलियारे से तेल-गैस की आवाजाही रोक दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसके लिए ईरान को तमाम धमकियां दी हैं लेकिन होर्मुज पर तेहरान का दबदबा तोड़ने में वह कामयाब नहीं हुए हैं।

एक इंटरव्यू में नेतन्याहू ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट का दीर्घकालिक समाधान ऊर्जा पाइपलाइनों का मार्ग बदलकर उन्हें पश्चिम की ओर यानी सऊदी अरब से होते हुए लाल सागर और भूमध्य सागर तक ले जाना है। इससे ईरान का भौगोलिक चैक प्वाइंट पूरी तरह दरकिनार हो जाएगा। नेतन्याहू ने स्वीकार किया कि ईरान की स्थिति होर्मुज पर मजबूत है, ऐसे में दूसरा रास्ता तलाशना सही रणनीति होगी। होर्मुज स्ट्रेट से वैश्विक तेल निर्यात का 20 फीसदी हिस्सा गुजरता है। खाड़ी से दुनिया के कई देशों में इसी रास्ते से तेल और गैस पहुंचता है। सऊदी अरब, यूएई और ओमान के क्षेत्रीय जल होर्मुज जलडमरूमध्य में पड़ते हैं लेकिन होर्मुज के दूसरी ओर ईरान की मौजूदगी ने इसे समुद्री यातायात के लिए संवेदनशील बना दिया है। नेतन्याहू का कहना है कि ईरान ने होर्मुज को एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया है। ईरान की कोशिश दुनिया में उर्जा संकट पैदा करने की है। होर्मुज को लेकर कोई सफल सैन्य समाधान भी सिर्फ अल्पकालिक स्थिरता ही दे सकता है।

रिहायशी इलाके में दिखी दुर्लभ कस्तूरी बिल्ली

पाकुड़, 31 मार्च (एजेंसियां)। पाकुड़ जिले के महेशपुर प्रखंड में एक दुर्लभ वन्यजीव 'स्मॉल इंडियन सिवेट' (कस्तूरी बिल्ली) रिहायशी इलाके में देखी गई। दिनदहाड़े गांव की गलियों और घरों के पास घूमते इस जीव को देखकर ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी, जिसके बाद टीम ने मौके पर पहुंचकर इसे सुरक्षित रेस्क्यू किया।

स्थानीय भाषा में 'कबर' या 'कस्तूरी बिल्ली' के नाम से पहचानी जाने वाली यह सिवेट काफी देर तक गांव की सड़कों और घरों के आसपास घूमती रही। इसे देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई थी। आबादी वाले क्षेत्र में इस वन्यजीव की उपस्थिति से लोगों में कौतूहल बना रहा। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम के सदस्य अशरफुल शेख तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को शांत करते हुए कुशलतापूर्वक इस दुर्लभ वन्यजीव का सुरक्षित रेस्क्यू किया। अशरफुल शेख ने बताया कि यह एक 'स्मॉल इंडियन सिवेट' है, जो अब कम ही देखने को मिलती है।

इटली के म्यूजियम से 3 मिनट में 3 पेंटिंग चोरी

95 करोड़ थी कुल कीमत

पार्मा, 31 मार्च (एजेंसियां)। इटली के उत्तरी हिस्से में पार्मा शहर के पास एक म्यूजियम से सिर्फ 3 मिनट में लाखों डॉलर की कीमत वाली तीन पेंटिंग चोरी हो गईं। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

यह चोरी 22 और 23 मार्च की रात मैग्नानी रोका फाउंडेशन नाम के एक निजी म्यूजियम में हुई। चोरी हुई पेंटिंग्स में ऑगस्ट रेनुआर की 'फिश', पॉल सेजान की 'स्टिल लाइफ विद चेरीज' और हेनरी मातीस की 'ओडालिस्क ऑन द टेरेस' शामिल हैं।

स्थानीय मीडिया के मुताबिक चोरों ने तीन मिनट से भी कम समय में ये पेंटिंग्स उठाईं और म्यूजियम के गार्डन के रास्ते भाग निकले। इसकी कुल कीमत करीब 10 मिलियन डॉलर (लगभग 90–95 करोड़ रुपये) के आसपास बताई जा रही है।

यह फाउंडेशन 1977 में बना था और इसमें कला इतिहासकार लुइजी मैग्नानी का कलेक्शन रखा गया है। यहां ड्यूरर, रूबेन्स, वैन डाइक, गोया और मोने जैसे बड़े कलाकारों की भी कृतियां हैं।

स्थानीय मीडिया ने म्यूजियम अधिकारियों के हवाले से बताया कि यह चोरी किसी संगठित गिरोह ने की है। हालांकि अलार्म बजने की वजह से चोरी बीच में ही रुक गई थी। म्यूजियम की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

यह घटना यूरोप के बड़े म्यूजियम में हुई हाल की चोरियों के बाद सामने आई है। इससे पहले पेरिस के लूव्र म्यूजियम में भी चोरों ने करीब 101 मिलियन डॉलर के गहने और अन्य सामान चुरा लिए थे।

एक दूसरी घटना में चोरों ने सिर्फ 8 मिनट में 88 मिलियन यूरो के क्राउन ज्वेल्स चुरा लिए थे। बाद में कुछ संदिग्ध पकड़े गए, लेकिन चोरी का सामान अब तक नहीं मिला है।

हनुमान जयंती : जानें सही तारीख, पूजा विधि और मंत्र

हनुमान जयंती का पर्व चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि का मनाया जाता है। हालांकि, चैत्र मास में आने वाली हनुमान जयंती मुख्य रुप से दक्षिण भारत में मनाई जाती है। मान्यता है कि इस दिन अंजनी पुत्र हनुमानजी का प्राकट्य हुआ था। हनुमानजी को भगवान शिव का ही अंश माना जाता है और वह भगवान शिव के रुद्र अवतार में से एक हैं।

पंचांग की गणना के अनुसार, चैत्र पूर्णिमा तिथि का आरंभ 1 अप्रैल को सुबह में 7 बजकर 2 मिनट पर होगा और पूर्णिमा तिथि का समापन 2 अप्रैल को सुबह में 7 बजकर 42 मिनट पर होगा। सूर्योदय व्यापनी तिथि 2 अप्रैल को सुबह में 7 बजकर 42 मिनट पर होने के कारण हनुमान जयंती का पर्व 2 अप्रैल को ही मनाया जाएगी।

हनुमान जयंती पूजा विधि

हनुमान जयंती के दिन सुबह जल्दी उठे और स्नान करके लाल या नारंगी रंग के वस्त्र धारण करें। इसके बाद हाथ जोड़कर व्रत का संकल्प लें।

अब पूजा के लिए लकड़ी की चौकी पर सफेद रंग का कपड़ा बिछाएं और हनुमान जी की प्रतिमा उसपर स्थापित करें।

अब हनुमान जी के सामने घी का दीपक जलाएं।

हनुमान जी को लाल सिंदूर, चंदन, चमेली का तेल अर्पित करें। मान्यता है कि इस दिन चमेली का तेल अर्पित करें।

ऐसा माना जाता है कि बजरंगबली को चोला आर्पित करने से सारी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है। इसलिए इस दिन चोला जरूर चढ़ाएं।

पंचामृत से हनुमान जी को स्नान कराने के बाद उन्हें लड्डू का भोग लगाएं।

इसके बाद हनुमान जी के मंत्रों का जप करें 'ॐ हं हनुमते नमः इस मंत्र का कम से कम 108 बार जप करें। साथ ही इसके अलावा ओम हं हनुमते रुद्रात्मकायं हुं फट् इस मंत्र का जप भी आप कर सकते हैं। हनुमान जी के गायत्री मंत्र का जप भी आप कर सकते हैं ओम आंजनेय विद्महे वायुपुत्राय धीमहि तन्नो हनुमत प्रचोदयात। मान्यता है कि इस मंत्र का जप करने से साहस में वृद्धि होती है।

अब हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ जरुर करें।

अंत में हनुमान जी की आरती करके सभी को प्रसाद दें।

हनुमान जयंती के दिन करें ये उपाय!

हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ

इस दिन हनुमान चालीसा का 1, 3 या 7 बार पाठ करना शुभ माना जाता है। सुंदरकांड का पाठ करने से भी सकारात्मक फल मिलते हैं।

तुलसी के पत्तों का प्रयोग

हनुमान जी को तुलसी के पत्ते अर्पित करने से मनोकामनाएं पूरी होने की मान्यता है।

दीपक जलाना

शाम के समय सरसों के तेल का दीपक जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

भोग लगाना

हनुमान जी को इस खास दिन गुड़-चना या केले का भोग लगाना बहुत शुभ माना जाता है।

शनि दोष से राहत

ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, हनुमान जी की पूजा से शनि के दुष्प्रभाव कम होते हैं। और बिगड़ते काम बनने लगते हैं।

अन्य उपाय

हनुमान जी को सिंदूर और चमेली का तेल अर्पित करें। इसके बाद हनुमान चालीसा का पाठ करें। मान्यता है कि इस उपाय से हनुमान जी प्रसन्न होते हैं और भक्तों की परेशानियां दूर करते हैं।

हनुमान जयंती का धार्मिक महत्व

हनुमान जी को भगवान राम का परम भक्त और संकटमोचक कहा जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, हनुमान जी आज भी जीवित हैं और अपने भक्तों की हर संकट में रक्षा करते हैं। इस दिन उनकी पूजा करने से भय, रोग, कर्ज, शत्रु बाधा और मानसिक तनाव से मुक्ति मिलती है।

हनुमान जी को लाल-पीले फूल और चमेली के तेल में मिला हुआ सिंदूर चढ़ाएं

गुरुवार, 2 अप्रैल को चैत्र पूर्णिमा है। इस तिथि पर श्रीराम के परमभक्त हनुमान जी का प्रकट उत्सव मनाया जाता है। हनुमान जी कलियुग में सबसे जल्दी प्रसन्न होने वाले देवता माने जाते हैं। ऐसी मान्यता है कि जो लोग भगवान राम के नाम का जप करते हैं, सुंदरकांड और रामायण का पाठ करते हैं, उन्हें हनुमान जी की विशेष कृपा मिलती है।

पूजा में हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ करना चाहिए। अगर समय अभाव हो तो सिर्फ हनुमान चालीसा का पाठ कर सकते हैं। आप चाहें तो श्रीराम के नाम का जप भी कर सकते हैं।

हनुमान जी को सुबह प्रसाद के रूप में गुड़, नारियल, लड्डू चढ़ाया जाना चाहिए। दोपहर में गुड़, घी, गेहूं के आटे से बनी रोटी का चूरमा अर्पित किया जा सकता है। शाम के समय फल जैसे आम, केले, अमरूद, सेवफल आदि का भोग लगाना श्रेष्ठ है।

बजरंग बली को चोला चढ़ाते समय चमेली के तेल में मिला हुआ सिंदूर अर्पित करना चाहिए।

पूजा करने वाले भक्त को ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। साफ-सफाई से रहना चाहिए। शरीर और मन की पवित्रता के साथ पूजा करने वाले भक्त से हनुमान जी जल्दी प्रसन्न होते हैं।

पूजा में दीपक जलाकर हनुमान चालीसा का या सुंदरकांड का पाठ करना चाहिए।

हनुमान जी का चोला चढ़ाने के बाद लाल-पीले फूलों से श्रृंगार करना चाहिए। कमल, गेंदा, गुलाब जैसे फूल चढ़ा सकते हैं।

हनुमान जी को केसर के साथ घिसा हुआ लाल चंदन का तिलक लगाना चाहिए। अगर ये न हो, सामान्य चंदन का तिलक भी लगा सकते हैं।

ऊँ रामदूताय नमः मंत्र का जप कम से कम 108 बार करना चाहिए। श्रीराम के नाम का जप करने से हनुमान जी बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं।

पूजा में हनुमान जी की तीन परिक्रमा करने का विधान है। मूर्ति के चारों ओर परिक्रमा करने की जगह न हो, तो अपनी जगह पर खड़े-खड़े ही तीन परिक्रमा कर सकते हैं।

हनुमान जी के मंदिर में नए केसरिया ध्वज का दान करें।

हनुमान जी की पूजा करने वाले व्यक्ति को सभी महिलाओं का सम्मान करना चाहिए। कभी भी किसी महिला के प्रति गलत विचार मन में नहीं लाना चाहिए।

हनुमान प्रकट उत्सव के दिन सुबह देर तक सोने से बचें। कोशिश करें कि सूर्योदय के समय या इसके कुछ देर बाद बिस्तर छोड़ दें। स्नान के बाद सूर्य को जल चढ़ाएं। घर के मंदिर में सबसे पहले गणेश पूजा करें। इसके बाद हनुमान जी का पूजन करें।

हनुमान जयंती 2026: ये दान नहीं किया तो पछताएंगे!

आपकी राशि के लिए क्या है सबसे शुभ

वृषभ – इस राशि के लोगों के लिए हनुमान जयंती पर दूध, दही, चावल, आटा और नमक का दान बेहद शुभ माना गया है। ऐसा करने से पुण्य मिलता है और जीवन में आ रही बाधा दूर होती है।

मिथुन – इस राशि के लोगों के लिए हनुमान जयंती के पावन दिन साबुत मूंग, हरी सब्जियां और फल दान करना बेहद शुभ माना गया है, जिससे सुख-समृद्धि और साहस मे वृद्धि होती है।

कर्क – हनुमान जयंती के दिन कर्क राशि के जातक को गरीबो मे चावल, शक्कर और नारियल का दान करना चाहिए। इस दान से आर्थिक तंगी दूर ज्योति है।

सिंह – इस राशि के लोगों के लिए हनुमान जयंती पर सेब, गुड़ और मूंगफली का दान करना बेहद शुभ माना जाता है। ऐसा करने से पुण्य फल मिलता है और जीवन में सकारात्मकता आती है।

कन्या – हनुमान जयंती के पावन अवसर पर इस राशि के लोगों के लिए साबुत मूंग, हरे फल और शर्बत का दान करना बेहद शुभ माना गया है। ऐसा करने से रोग पीड़ा समाप्त होती है।

तुला – इस राशि के लोगों के लिए हनुमान जयंती पर सफेद कपड़े, शक्कर और खुशबूदार वस्तुओं का दान बेहद शुभ माना जाता है। ऐसा करने से ग्रह बाधा समाप्त होती है।

वृश्चिक – इस राशि के लोगों के लिए हनुमान जयंती पर लाल चंदन, मसूर दाल और तांबे के पात्र का दान बेहद शुभ माना गया है, जिससे सुख-समृद्धि बढ़ती है।

धनु – बजरंगबली की कृपा पाने के लिए इस राशि के जाटल को इस दिन चने की दाल, बेसन के लड्डू, और पीले वस्त्र का दान करना चाहिए।

मकर – हनुमान जयंती के पावन अवसर पर इस राशि के लोगों के लिए काले तिल, कंबल और स्टील के बर्तनों का दान करना बेहद शुभ माना जाता है। ऐसा करने से जीवन में नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है।

कुंभ – हनुमान जयंती पर इस राशि के जातक को चमड़े की वस्तुएं (जूते-चप्पल/बैग) और छाता का दाना शनि दोष से मुक्ति दिलाता है।

मीन – इस राशि के लोगों के लिए हनुमान जयंती का दिन विशेष फलदायी माना जाता है इस दिन खिचड़ी बनाकर जरूरतमंदों और गरीबों को भोजन कराना बेहद शुभ होता है, जिससे पुण्य और सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है।

बजरंगबली को प्रिय ये 6 भोग हनुमान जयंती पर करें अर्पण

हनुमान जयंती पर भगवान को चढ़ाय पिर्य भोग

गुड़ और चना – अगर घर में बिना कारण कलह या तनाव बना रहता है, तो हनुमान जयंती के दिन हनुमान जी को गुड़ और चने का भोग लगाना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इस सरल उपाय से घर में शांति और सुख-समृद्धि आती है। परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम बढ़ता है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होकर सकारात्मक माहौल बनता है।

पान – हनुमान जी को पान अति प्रिय माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, उन्हें पान अर्पित करने से शत्रुओं से रक्षा होती है और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इसलिए हनुमान जयंती के पावन अवसर पर भक्तों को श्रद्धा भाव से पान का भोग अवश्य लगाना चाहिए।

खीर – हनुमान जयंती के दिन खीर का भोग लगाना बेहद शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे भगवान हनुमान प्रसन्न होते हैं और धन-संपत्ति में वृद्धि के योग बनते हैं। यह उपाय घर की आर्थिक परेशानियों को दूर कर समृद्धि लाने में सहायक माना जाता है, जिससे दरिद्रता खत्म होकर सुख-समृद्धि का वास होता है।

केला – हनुमान जी को केला अत्यंत प्रिय माना जाता है, इसलिए हनुमान जयंती के पावन दिन उन्हें केले का भोग अवश्य अर्पित करना चाहिए। मान्यता है कि सच्ची श्रद्धा और भक्ति के साथ भोग लगाने से भगवान प्रसन्न होते हैं और भक्तों को श्रीराम की भक्ति तथा विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है।

जलेबी – हनुमान जयंती के दिन हनुमान जी को जलेबी का भोग अर्पित करना बेहद शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे भगवान प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों पर सभी देवी-देवताओं की कृपा बरसाते हैं। यह सरल उपाय जीवन में सुख, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा लाने वाला माना गया है।

लड्डू – हनुमान जी को बेसन के लड्डू बेहद प्रिय माने जाते हैं। हनुमान जयंती के अवसर पर लड्डू का भोग लगाने से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। ऐसी मान्यता है कि इससे जीवन के संकट दूर होते हैं और सुख-शांति का वास होता है। श्रद्धा से किया गया यह भोग विशेष फलदायी माना जाता है।

नालंदा का चमत्कारी शीतला माता मंदिर

जहां शीश झुकाने से दूर हो जाती है बड़ी से बड़ी बीमारियां!

बिहार के नालंदा स्थित शीतला मंदिर आस्था, लोकविश्वास और प्राचीन परंपराओं का एक महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। यह मंदिर खासतौर पर माता शीतला की पूजा के लिए प्रसिद्ध है, जिन्हें रोगों विशेषकर चेचक जैसी बीमारियों से रक्षा करने वाली देवी माना जाता है। इसलिए इस मंदिर में माता रानी के दर्शनों के लिए देशभर से भक्तगण आते हैं, आइए जानते हैं इस मंदिर का पौराणिक इतिहास और इससे जुड़ी मान्यताओं के बारे में।

मंदिर का पौराणिक इतिहास

लोक मान्यताओं के अनुसार, इस मंदिर की स्थापना के पीछे राजा मघ का नाम जुड़ा है, जिनके नाम पर ही इस गांव का नाम मघड़ा पड़ा। कहा जाता है कि प्राचीन काल में यहां भीषण अकाल और चेचक जैसी बीमारियों का प्रकोप फैल गया था। तब माता शीतला ने उन्हें सपने में दर्शन दिए और महामारी से मुक्ति के लिए इस स्थान पर पूजा-अर्चना करने का निर्देश दिया। इसी मंदिर को आज शीतला माता के मंदिर के नाम से जाना जाता है।

नालंदा जिले के मघड़ा गांव में स्थित शीतला माता मंदिर आस्था, लोकविश्वास और प्राचीन परंपराओं का एक प्रमुख केंद्र माना जाता है। यह मंदिर खासतौर पर माता शीतला की पूजा के लिए प्रसिद्ध है, जिन्हें रोगों विशेषकर चेचक जैसी बीमारियों से रक्षा करने वाली देवी के रूप में पूजा जाता है। मान्यता है कि जो श्रद्धालु सच्चे मन से यहां माता के दर्शन और पूजा-अर्चना करते हैं, उन्हें रोगों से मुक्ति और स्वस्थ जीवन का आशीर्वाद प्राप्त होता है। यही वजह है कि यहां न केवल बिहार, बल्कि देश के अलग-अलग हिस्सों से भी भक्त बड़ी संख्या में पहुंचते हैं।

हिंदू धर्म में शीतला माता को रोगनाशिनी देवी माना जाता है। लोक मान्यताओं के अनुसार, प्राचीन समय में चेचक और अन्य संक्रामक रोगों से बचाव के लिए माता शीतला की विशेष पूजा की जाती थी। आज भी कई स्थानों पर यह परंपरा जीवित है। शीतला माता की पूजा में ठंडे भोग का विशेष महत्व होता है। भक्त एक दिन पहले बना हुआ भोजन माता को अर्पित करते हैं, जिसे बासी भोजन या शीतला भोग कहा जाता है। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है और श्रद्धालु इसे पूरी श्रद्धा के साथ निभाते हैं।

हनुमान जयंती पर इन चीजों को घर लाने से मिलता है बजरंगबली का आशीर्वाद, बढ़ती है सुख-समृद्धि!

पौराणिक कथाओं के अनुसार, चैत्र पूर्णिमा के दिन ही बजरंबली का जन्म हुआ था। इस साल चैत्र मास की पूर्णिमा और हनुमान जयंती का पर्व 02 अप्रैल को मनाया जाएगा। हनुमान जयंती के दिन लोग मंदिर जाकर बजरंगबली के दर्शन और पूजन करते हैं। मान्यता है कि हनुमान जी की पूजा करने से जीवन के तमाम भय और संकट दूर होते हैं। यह भी कहा जाता है कि हनुमान जयंती के दिन कुछ शुभ चीजें घर लाने से हनुमान जी का आशीर्वाद मिलता है, जिससे घर में सुख-समृद्धि बढ़ती है।

हनुमान जयंती के दिन घर लाएं ये शुभ चीजें

सिंदूर: हनुमान जी को सिंदूर अत्यंत प्रिय है। मान्यता है कि जो भक्त सच्चे मन से उन्हें सिंदूर अर्पित करते हैं, उन पर हनुमान जी की विशेष कृपा रहती है। हनुमान जयंती के दिन सिंदूर घर लाकर भगवान हनुमान को चढ़ाना बहुत शुभ माना गया है।

वानर रूप का चित्र या मूर्ति: हनुमान जी वानर रूप में हैं। हनुमान जयंती के दिन बजरंगबली के इस वानर रूप का चित्र या मूर्ति घर लाना बहुत शुभ रहता है। मान्यता है कि इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

गदा: हनुमान जयंती के दिन गदा घर में लाएं और विधि-विधान से उसकी पूजा करें। पूजा के बाद उसको पूर्व दिशा में रखें। गदा सिर्फ एक अस्त्र नहीं, बल्कि अच्छाई पर बुराई की जीत का प्रतीक है।

कुल्हाड़ा: हनुमान जयंती के दिन तांबे का छोटा कुल्हाड़ा घर लाना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे नकारात्मक उर्जा का प्रवाह नष्ट होता है। साथ ही घर का संतुलन बना रहता है।

भगवंत की कृपा होती है तो जीवन में संत आते हैं

संत और भगवंत का तालमेल निराला है। एक के माध्यम से दूसरा मिल जाता है और दूसरे के माध्यम से पहला प्राप्त हो जाता है। भगवंत कृपा करते हैं तो जीवन में संत आते हैं और संत वो रास्ता बताते हैं कि हम भगवान तक पहुंच सकते हैं।

रामकथा सुनकर पक्षीराज गरुड़ अभिभूत थे तो उन्होंने कहा- संत बिसुद्ध मिलहिं परि तेही, चितवहिं राम कृपा करि जेही। सच्चे संत उसी को मिलते हैं, जिसे राम जी कृपा करके देखते हैं। इसलिए जीवन में संत और भगवंत, दोनों का मान बनाए रखिए। आजकल लगातार संत, महात्मा, बाबाओं पर सीरियल बन रहे हैं। और कुछ सीरियल देखकर तो ऐसा लगता है जैसे बाबाओं को बदनाम करने की योजनाबद्ध साजिश की जा रही है। एक पीढ़ी तो यही समझेगी कि भगवा वस्त्र ओढ़कर आदमी सब कर सकता है- खासतौर पर गलत। जबकि इस पीढ़ी को हमें ये समझाना पड़ेगा कि भगवंत की कृपा होती है तो जीवन में संत आते हैं।

कुछ महात्माओं के गलत आचरण से समूची संत परंपरा का अपमान नहीं किया जाना चाहिए।

जब हम समस्याओं में घिर जाते हैं, तब ग्रंथों का ज्ञान हमारा मार्गदर्शन करता है

पुस्तकें तीर्थ और देव प्रतिमा की तरह हैं। ग्रंथों में दिव्य ज्ञान और ईश्वरीय शक्ति समाई है। यह ज्ञान अलौकिक, सुंदर और मन को आकर्षित करने वाला है। पुस्तकें ज्ञान का भंडार हैं। जब व्यक्ति समस्याओं में घिर जाता है, तब यही ज्ञान उसका मार्गदर्शन करता है। पुस्तकों से हमें सही दिशा, समझ और समाधान मिलता है। इसलिए पुस्तकें हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं और हमें बेहतर इंसान बनने में मदद करती हैं। **-स्वामी अवधेशानंद गिरी**

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार,1 अप्रैल - 2026

तेलंगाना का सराहनीय संदेश

भारत जैसे संस्कारप्रधान समाज में माता-पिता को ईश्वर का स्थान दिया गया है, लेकिन विडंबना यह है कि आज वही बुजुर्ग अपने जीवन के अंतिम पड़ाव पर उपेक्षा, अकेलेपन और असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। संयुक्त परिवारों के टूटने, शहरों की भागदौड़ और बदलती जीवनशैली ने बुजुर्गों की स्थिति को पहले से कहीं अधिक कमजोर बना दिया है। ऐसे समय में तेलंगाना सरकार का हालिया कदम न केवल सराहनीय है, बल्कि पूरे देश के लिए एक अनुकरणीय संदेश भी देता है। तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित विधेयक के तहत सरकारी और निजी कर्मचारियों के लिए अपने बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल करना अनिवार्य किया गया है। यदि वे इस जिम्मेदारी से पीछे हटते हैं, तो उनके वेतन में से एक निश्चित राशि काटकर माता-पिता को दी जाएगी। यह व्यवस्था केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक चेतना को झकझोरने वाला कदम भी है। यह सच है कि देश में पहले से ही माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 मौजूद है। लेकिन इस कानून की जटिल प्रक्रियाएं और सीमित प्रभावशीलता के कारण बुजुर्गों को अपेक्षित राहत नहीं मिल पाई है। कई मामलों में बुजुर्ग शिकायत करने से भी हिचकते हैं, क्योंकि वे अपने ही बच्चों के खिलाफ कानूनी लड़ाई नहीं लड़ना चाहते। ऐसे में तेलंगाना का यह नया कानून व्यावहारिक और प्रभावी समाधान के रूप में सामने आया है। देखा जाए तो समस्या केवल कानूनी नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक भी है। आधुनिकता की अंधी दौड़ में पारिवारिक मूल्य कमजोर पड़ते जा रहे हैं। आर्थिक स्वतंत्रता ने जहां युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया है, वहीं कई बार वही स्वतंत्रता उन्हें पारिवारिक जिम्मेदारियों से दूर भी कर रही है। ऐसे में कानून की सख्ती जरूरी हो जाती है, ताकि सामाजिक संतुलन बना रहे। तेलंगाना का यह कदम इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि यह बुजुर्गों की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने का ठोस प्रयास करता है। अक्सर देखा जाता है कि बुजुर्ग माता-पिता आर्थिक रूप से बच्चों पर निर्भर होते हैं और उपेक्षा की स्थिति में वे पूरी तरह असहाय हो जाते हैं। वेतन से सीधी कटौती की व्यवस्था इस असुरक्षा को काफी हद तक कम कर सकती है। हालांकि, यह भी ध्यान रखना होगा कि केवल कानून बनाकर समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता। समाज में संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी जरूरी है। यदि परिवार के भीतर सम्मान और सहयोग की संस्कृति मजबूत होगी, तो ऐसे कठोर कानूनी उपायों की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। बता दें कि संसद और राज्यसभा में भी समय-समय पर बुजुर्गों की देखभाल को लेकर सख्त कानून बनाने की मांग उठती रही है, लेकिन अब तक कोई व्यापक राष्ट्रीय नीति सामने नहीं आ सकी है। ऐसे में तेलंगाना की पहल एक सकारात्मक दिशा दिखाती है, जिसे अन्य राज्यों को भी अपनाने पर विचार करना चाहिए। आज जरूरत इस बात की है कि बुजुर्गों की देखभाल को केवल पारिवारिक दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में देखा जाए। जिस पीढ़ी ने हमें जीवन दिया, शिक्षा दी और संस्कार दिए, उसके सम्मान और सुरक्षा को सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। तेलंगाना सरकार का यह कदम एक मजबूत संदेश देता है किअब बुजुर्गों की उपेक्षा केवल नैतिक गलती नहीं, बल्कि कानूनी अपराध भी मानी जाएगी। यदि अन्य राज्य भी इस दिशा में आगे बढ़ते हैं, तो निश्चित ही देश के लाखों बुजुर्गों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास की नई रोशनी जलेगी।

क्यूबा के साथ रूस के खड़ा होने से ठिठके अमेरिकी पांव

कमलेश पांडेय

क्षेत्रफल के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा देश रूस ने चीन के प्रत्यक्ष और भारत के परोक्ष मदद से सोवियत संघ युगीन शीत युद्ध कालीन प्रतिष्ठा पुनः हासिल करने की ओर बढ़ चुका है। पिछले दिनों बेनेजुएला और ईरान के विरुद्धसख्त कार्रवाई के बाद मनबढ़ अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा था कि क्यूबा के साथ मैं जो चाहूंगा करूँगा। इस बात को रूस ने नोट किया और बेनेजुएला और ईरान की गलतियों से सबक लेते हुए खुलकर क्यूबा के बताते पक्ष में उतर आया और अपना तेल टैंकर भेज दिया, जिसके विरुद्ध कार्रवाई करने का अमेरिका साहस इसलिए नहीं दिखा पाया, क्योंकि रूसी मदद से ईरान ने पश्चिम एशिया और अरब-खाड़ी के मध्य पूर्व देशों में अमेरिकी लंगोट खोलने पर उतारू हो चुका है। इससे अमेरिका एक और नया मोर्चा खोलने से परहेज कर गया। इसके वैश्विक मायने अहम हैं।

अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिज्ञ बताते हैं कि क्यूबा के साथ रूस के समर्थन ने अमेरिका को प्रत्यक्ष सैन्य हस्तक्षेप से रोका, लेकिन ट्रंप प्रशासन ने आर्थिक प्रतिबंधों और दबाव से क्यूबा को कमजोर करने की रणनीति अपनाई। यही वजह है कि वैश्विक स्तर पर यह घटना 'महाशक्ति प्रतिस्पर्धा' को दर्शाती है, जहां रूस पश्चिमी गोलार्ध में अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती दे रहा है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने क्यूबा को विफल राज्य बताते हुए नियंत्रण की धमकी दी, लेकिन रूस ने क्यूबा के साथ सैन्य सहयोग समझौते को मंजूरी देकर एकजुटता दिखाई। वहीं, जब क्यूबा ऊर्जा संकट से जूझ रहा है, जहां अमेरिकी प्रतिबंधों ने वेनेजुएला से तेल रोक दिया, पर रूस ने खुलकर समर्थन का ऐलान किया। और अपना तेल टैंकर भेज दिया। इससे अमेरिका को सैन्य कार्रवाई से पीछे हटना पड़ा। बताते चलें कि रूस ने अक्टूबर 2025 में क्यूबा के सैन्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए विशेषज्ञ भेजे, जो शीत युद्ध जैसी स्थिति पैदा करता है। यह कदम अमेरिका के पड़ोस में रूसी प्रभाव को पुनर्जीवित करता है, खासकर यूक्रेन युद्ध के बीच। रूस क्यूबा को अटूट एकजुटता का वादा देकर वैश्विक ध्रुवीकरण को तेज कर रहा है। जबकि अमेरिका ने क्यूबा को आतंकवाद प्रायोजक सूची में डालकर आर्थिक घुटन बढ़ाई, लेकिन रूसी समर्थन से प्रत्यक्ष आक्रमण टल गया। बहरहाल, ट्रंप का फोकस लैटिन अमेरिका में चीन-रूस को सीमित करना है, जो पश्चिमी गोलार्ध को अमेरिकी प्रभाव क्षेत्र मानता है। इससे कूटनीतिक दबाव बढ़ा लेकिन सैन्य जोखिम से बचा जा सका।

इस अंतर्राष्ट्रीय घटना के वैश्विक प्रभाव स्पष्ट हैं। यह घटना बहुध्रुवीय दुनिया को रेखांकित करती है, जहां रूस लैटिन अमेरिका में पकड़ मजबूत कर अमेरिकी एकाधिकार तोड़ रहा। वहीं, ईरान, वेनेजुएला जैसे देशों के लिए रूस एक उदाहरण बन चुका है। उसके आचरण के साथ ही यह स्पष्ट हो चुका है की भले ही अमेरिका के खिलाफ खड़े होने पर आर्थिक तबाही मचती है, लेकिन रूसी समर्थन उन्हें सुरक्षा देता है। भारत जैसे उभरते देशों के लिए भी यह सबक है और क्षेत्रीय संघर्षों में महाशक्तियों के बीच का संतुलन बनाए रखना जरूरी होता है। वहीं, यह तनाव वैश्विक ऊर्जा बाजार और आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित कर सकता है।

अतीत पर नजर दौड़ाएं तो क्यूबा संकट के बाद रूस के समर्थन से अमेरिका के पीछे हटने वाली यह घटना शीत युद्ध जैसी नई प्रतिस्पर्धा को पुनर्जीवित करती है, लेकिन बहुध्रुवीय दुनिया में इसका स्वरूप बदला हुआ है। यह ऐतिहासिक समानता की पुनरावृत्ति करता है। मसलन, 1962 के क्यूबा मिसाइल संकट की तरह, रूस का क्यूबा में सैन्य सहयोग अमेरिका के पड़ोस में चुनौती पैदा करता है, जो द्विध्रुवीय तनाव को याद दिलाता है।

लोकतंत्र की पहली शर्त है नागरिकों का जागरूक होना

डॉ. शैलेश शुक्ला

लोकतंत्र केवल एक शासन प्रणाली नहीं बल्कि एक जीवंत सामाजिक अनुबंध है जिसमें राज्य की शक्ति अंततः नागरिकों की सहमति से संचालित होती है। संविधान, चुनाव, संसद और न्यायपालिका जैसी संस्थाएँ लोकतंत्र की संरचनात्मक रीढ़ अवश्य हैं, परंतु इन संस्थाओं की वास्तविक शक्ति और प्रभावशीलता नागरिकों की जागरूकता, सहभागिता और नैतिक प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है। यदि नागरिक अपने अधिकारों, कर्तव्यों और शासन की प्रक्रियाओं के प्रति सजग नहीं होते, तो लोकतंत्र केवल कागज़ी ढाँचा बनकर रह जाता है। इसीलिए यह व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सफलता की पहली और सबसे महत्वपूर्ण शर्त है जागरूक, शिक्षित और सक्रिय नागरिक समाज।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में यह तथ्य और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहाँ लगभग 97.9 करोड़ से अधिक पंजीकृत मतदाता 2024 के आम चुनाव में मतदान के पात्र थे। चुनाव आयोग के आँकड़ों के अनुसार इस चुनाव में लगभग 64.64 करोड़ लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया और कुल मतदान प्रतिशत लगभग 65.79 रहा। यह आँकड़ा एक ओर लोकतांत्रिक भागीदारी के बड़े स्तर को दर्शाता है, तो दूसरी ओर यह भी संकेत देता है कि अभी भी बड़ी संख्या में नागरिक मतदान प्रक्रिया से दूर रहते हैं। जब लगभग एक तिहाई योग्य मतदाता मतदान नहीं करते, तो यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या लोकतंत्र की नीतियाँ और निर्णय वास्तव में पूरी जनता की इच्छा को प्रतिबिंबित कर पा रहे हैं।

जागरूक नागरिक केवल मतदान करने वाला व्यक्ति नहीं होता बल्कि वह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में सक्रिय भूमिका निभाता है। वह राजनीतिक दलों के घोषणापत्रों को पढ़ता है, उम्मीदवारों की पृष्ठभूमि को समझता है, नीतिगत मुद्दों पर विचार करता है और चुनाव के बाद भी सरकार की कार्यप्रणाली पर निगरानी रखता है। लोकतंत्र में सरकार को पाँच वर्ष के लिए पूर्ण अधिकार नहीं दिया जाता, बल्कि यह अपेक्षा की जाती है कि नागरिक लगातार उसकी नीतियों और निर्णयों का मूल्यांकन करते रहें। यदि नागरिक इस निगरानी की भूमिका निभाना बंद कर दें, तो शासन तंत्र में जवाबदेही कमजोर पड़ जाती है और भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद तथा सत्ता के दुरुपयोग की संभावना बढ़ जाती है।

नागरिक जागरूकता का सीधा संबंध शिक्षा और सूचना तक पहुँच से है। जिस समाज में शिक्षा का स्तर ऊँचा होता है और स्वतंत्र तथा विश्वसनीय सूचना माध्यम उपलब्ध होते हैं, वहाँ नागरिक अधिक विवेकपूर्ण निर्णय लेते हैं। लोकतंत्र में मतदाता केवल संख्या नहीं, बल्कि सूचित मतदाता होना चाहिए। यदि नागरिक बिना तथ्यों की जाँच किए केवल भावनाओं, जातीय या धार्मिक पहचान के आधार पर मतदान करते हैं, तो लोकतंत्र की गुणवत्ता प्रभावित होती है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों में यह पाया गया है कि जहाँ नागरिकों की राजनीतिक साक्षरता अधिक होती है, वहाँ सार्वजनिक नीतियाँ अधिक स्थिर और दीर्घकालिक हितों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं।

भारत में नागरिक जागरूकता को बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग द्वारा समय-समय पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाते हैं।

स्कूलों, कॉलेजों और समुदाय स्तर पर मतदाता शिक्षा, जागरूकता अभियान और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से नागरिकों को मतदान के महत्व के बारे में बताया जाता है। इसके बावजूद, शहरी क्षेत्रों में विशेष रूप से शिक्षित वर्ग के बीच मतदान प्रतिशत अपेक्षाकृत कम देखा गया है। यह विडंबना इस बात की ओर संकेत करती है कि केवल औपचारिक शिक्षा पर्याप्त नहीं है; नागरिकता की चेतना और लोकतांत्रिक जिम्मेदारी का भाव भी उतना ही आवश्यक है। जागरूक नागरिकों की उपस्थिति लोकतंत्र को केवल चुनाव तक सीमित नहीं रहने देती, बल्कि उसे सहभागी शासन में बदल देती है। सूचना का अधिकार अधिनियम, सामाजिक अंकेक्षण, जनहित याचिका और स्थानीय निकायों में भागीदारी जैसे उपकरण तभी प्रभावी हो सकते हैं जब नागरिक उनका प्रयोग करना जानते हों और करने का साहस रखते हों। भारत में सूचना का अधिकार कानून के माध्यम से लाखों लोगों ने सरकारी निर्णयों और खर्चों पर सवाल उठाए हैं, जिससे कई मामलों में भ्रष्टाचार उजागर हुआ और प्रशासनिक सुधार हुए। यह इस बात का स्पष्ट उदाहरण है कि जब नागरिक अपने अधिकारों के प्रति सजग होते हैं, तो लोकतंत्र अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी बनता है।

लोकतंत्र में मीडिया और नागरिक जागरूकता का भी गहरा संबंध है। स्वतंत्र और जिम्मेदार मीडिया नागरिकों तक सही और संतुलित जानकारी पहुँचाने का कार्य करता है, जबकि जागरूक नागरिक मीडिया के माध्यम से प्राप्त सूचनाओं का आलोचनात्मक विश्लेषण करते हैं। डिजिटल युग में जहाँ सूचना का प्रवाह अत्यंत तेज हो गया है, वहीं भ्रामक सूचनाओं और फर्जी खबरों का प्रसार भी बढ़ा है। यदि नागरिक डिजिटल साक्षर नहीं होंगे और सूचना के स्रोतों की विश्वसनीयता की जाँच नहीं करेंगे, तो वे आसानी से दुष्प्रचार का शिकार बन सकते हैं। इससे लोकतांत्रिक निर्णय प्रक्रिया प्रभावित होती है और समाज में ध्रुवीकरण बढ़ सकता है। एक सफल लोकतंत्र में नागरिक केवल अपने अधिकारों की ही नहीं, बल्कि अपने कर्तव्यों की भी उतनी ही समझ रखते हैं। संविधान नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, समानता और मतदान का अधिकार देता है, परंतु साथ ही उनसे यह अपेक्षा भी करता है कि वे कानून का पालन करें, करों का भुगतान करें, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करें और सामाजिक सद्भाव बनाए रखें। जब नागरिक केवल अधिकारों की माँग करते हैं, परंतु कर्तव्यों की अनदेखी करते हैं, तो लोकतंत्र का संतुलन बिगड़ जाता है। जागरूक नागरिक वह होता है जो इस संतुलन को समझता है और अपने आचरण में उसका पालन करता है।

भारत जैसे बहुसांस्कृतिक समाज में नागरिक जागरूकता सामाजिक एकता के लिए भी आवश्यक है। जब नागरिक संविधान के मूल्यों, जैसे धर्मनिरपेक्षता, समानता और बंधुत्व को समझते हैं, तो वे सांप्रदायिक और जातीय विभाजन की राजनीति के प्रति अधिक सतर्क रहते हैं। इससे लोकतंत्र को कमजोर करने वाली शक्तियों को व्यापक जनसमर्थन नहीं मिल पाता। इसके विपरीत, जहाँ नागरिक जागरूकता कम होती है, वहाँ भावनात्मक और विभाजनकारी मुद्दे आसानी से लोगों को प्रभावित कर लेते हैं, जिससे लोकतांत्रिक विमर्श का स्तर गिर जाता है। स्थानीय स्तर पर लोकतंत्र की सफलता भी नागरिक जागरूकता पर निर्भर करती है।

पंचायत और नगर निकाय जैसे संस्थान तभी प्रभावी हो सकते हैं जब स्थानीय लोग बैठकों में भाग लें, योजनाओं की जानकारी रखें और उनके क्रियान्वयन पर निगरानी रखें। कई अध्ययनों में पाया गया है कि जिन क्षेत्रों में ग्राम सभाएँ नियमित और सक्रिय रूप से आयोजित होती हैं, वहाँ विकास योजनाओं का क्रियान्वयन अधिक पारदर्शी और प्रभावी होता है।

बढ़ता जा रहा है किडनी खरीद फरोक्त का धंधा

अशोक भाटिया

कानपुर में किडनी रैकेट मामले हाल ही में अख़बारों की सुर्ख़िया बनी है । हालिया कांड में जिन तीन प्राइवेट अस्पतालों का नाम सामने आ रहा है, उनमें से एक के पास रजिस्ट्रेशन भी नहीं है। पूरा अस्पताल ही अवैध तरीके से संचालित हो रहा है। इसकी जानकारी खुद स्वास्थ्य विभाग को तब हुई जब मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम पुलिस की टीम के साथ निरीक्षण करने पहुंची। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, मामले में 50 से ज्यादा अस्पताल रडार पर हैं जिनकी जांच की जा रही है। पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम संयुक्त रूप से देर रात तक जांच में जुटी रही।

बताया जाता है कि सोमवार को पुलिस की सूचना पर स्वास्थ्य विभाग से एसीएमओ डॉ। रमित रस्तोगी और कल्याणपुर सीएचसी प्रभारी डॉ। राजेश सिंह व टीम के अन्य अधिकारियों ने तीनों अस्पतालों का निरीक्षण किया। अधिकारियों के अनुसार, इस मामले कई वरिष्ठ डॉक्टरों से भी पूछताछ की जा रही है, कुछ चिकित्सक कई बड़ी संस्थाओं से भी जुड़े हैं। एसीएमओ ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग और पुलिस ऐसे डॉक्टरों की भी तलाश कर रही हैं जो सर्जन या नेफ्रोलॉजिस्ट हैं। सूत्रों के अनुसार मामले में जिन अस्पतालों के नाम सामने आ रहे हैं, उनके यहां छोटे ऑपरेशन की भी सुविधा नहीं है। इन अस्पतालों में किडनी ट्रांसप्लांट के लिए बाहर से डॉक्टर बुलाए जाते हैं। चिकित्साधिकारियों के अनुसार ऐसे डॉक्टरों से भी पूछताछ की जाएगी। कानपुर के बड़े किडनी रैकेट का भंडाफोड़ होने के बाद एक बार फिर किडनी की खरीद-फरोख्त और अंग प्रत्यारोपण की व्यवस्था पर सवाल उठाए जाने लगे हैं। डाक्टर कहते हैं कि देश में किडनी के मरीजों की संख्या अधिक और अंगदान कम होने के कारण किडनी खरीद-फरोख्त का रैकेट चल रहा है। इसको लेकर कड़े कानून होने के बावजूद पहले की तुलना में अब अधिक रकम पर किडनी की खरीद-बिक्री होती है। लिहाजा डाक्टर कैडेवर डोनर (ब्रेन डेड होने के बाद अंगदान) किडनी प्रत्यारोपण की सुविधा बढ़ाने की जरूरत बता रहे हैं।

एम्स के नेफ्रोलाजी विभाग के विभागाध्यक्ष डा। एसके अग्रवाल ने कहा कि इससे पहले भी देश के विभिन्न हिस्सों में किडनी रैकेट के मामले सामने आते रहते हैं। इसका कारण यह है कि करीब चार लाख मरीजों को किडनी प्रत्यारोपण की जरूरत है, जबकि हर साल सिर्फ करीब दस हजार मरीजों की ही किडनी प्रत्यारोपण सर्जरी हो पाती है। इसमें भी कैडेवर डोनर प्रत्यारोपण बहुत कम होता है। इसका कारण यह है कि डोनर उपलब्ध नहीं हो पाते। जीवित व्यक्ति के किडनी दान करने के लिए भी स्वस्थ होना जरूरी है। ज्यादातर मरीजों के बुजुर्ग माता-पिता स्वास्थ्य कारणों से किडनी दान नहीं कर पाते। भाई-बहन और परिवार के अन्य सदस्य जल्दी किडनी दान नहीं करना चाहते। पुरुष मरीजों को ज्यादातर पत्नियां ही किडनी देती हैं।

मरीज महिला हो तो डोनर की समस्या और बढ़ जाती है। इस वजह से डोनर मिलना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में किसी गैर व्यक्ति या महिला को रिश्तेदार या पत्नी बताकर डोनर के रूप में लाया जाता है। इसका सत्यापन करना बेहद मुश्किल होता है, क्योंकि फर्जी पहचान पत्र भी आसानी से बन जाते हैं। इस रैकेट से मरीज की भी पूरी मिलीभगत होती है। डाक्टर बताते हैं कि देश में सड़क हादसे में हर साल लगभग डेढ़ लाख लोगों की मौत होती है। इनमें से ज्यादातर लोगों का अंगदान संभव हो सकता है। लेकिन, जागरूकता के अभाव में अंगदान बहुत कम होता है।

स्थिति यह है कि एक लाख की आबादी पर भारत में एक व्यक्ति भी यहां अंगदान नहीं करता, जबकि स्पेन में एक लाख की आबादी में 48 लोग अंगदान करते हैं। डाक्टर बताते हैं कि कभी एक से दो लाख रुपये में किडनी बिकती थी, जबकि आज एक आम मरीज भी 20 से 25 लाख रुपये तक देने के लिए तैयार रहता है। हालांकि, इस रैकेट में गिरफ्तार आरोपित ने खुद कुबूल किया है कि वे मरीजों से प्रति किडनी 40 से 70 लाख रुपये तक वसूलते थे। दुर्भाग्य की बात यह है कि आर्थिक रूप से कमजोर कई परिवार के लोग भी पैसे के लिए किडनी बेचने के लिए राजी हो जाते हैं।

राम मनोहर लोहिया अस्पताल के यूरोलाजी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डा। राजीव सूद के अनुसार किडनी रैकेट में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। साथ ही सड़क हादसों में जान गंवाने वाले लोगों का अंगदान बढ़ाना जरूरी है। अभी अंगदान के लिए लोगों में जागरूकता का अभाव है। इसलिए बहुत कम लोग अंगदान करते हैं। स्पेन में अंगदान अनिवार्य है। इस तरह कानून यहां भी होना चाहिए। हाल की एक घटना के अनुसार बाईस वर्षीय अमोन किप्रुटो मेली ने सोचा था कि अपनी किडनी बेचकर वह एक नई और बेहतर जिंदगी शुरू कर सकेगा। कोविड महामारी के बाद पश्चिमी केन्या के एक गांव में उसका जीवन कठिन हो गया था। वह स्थिर आय कमाने के लिए संघर्ष कर रहा था और एक नौकरी से दूसरी नौकरी बदलता रहा - कभी कार डीलर पर, कभी निर्माण स्थल पर, कभी अन्य जगहों पर। फिर एक दिन, एक दोस्त ने उसे 6,000 डॉलर (5,300 यूरो) कमाने का एक आसान और तेज़ तरीका बताया। एमोन ने कहा, ₹उसने मुझसे कहा कि अपनी किडनी बेचना एक अच्छा सौदा होगा।₹ यह किस्मत का एक अच्छा मौका लगा, लेकिन इसने उसे शोषण, हताशा और पछतावे के एक अंधेरे जाल में फंसा दिया।यह रिपोर्ट जर्मन मीडिया आउटलेट्स डेर स्पीगल , जेडडीएफ और डीडब्ल्यू द्वारा महीनों तक चले एक संयुक्त जांच का परिणाम है , जिन्होंने मिलकर अंग विक्रेताओं और खरीदारों के रास्तों का पता लगाया, दस्तावेजों का विश्लेषण किया, मुखबिरों और चिकित्सा पेशेवरों से बात की, और यह उजागर किया कि कैसे एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क - केन्या के एक अस्पताल से लेकर जर्मनी से अंग प्राप्तकर्ताओं को आकर्षित करने वाली एक गुप्त एजेंसी तक फैला हुआ - दोनों छोर पर कमजोर लोगों का शोषण करता है: पैसे के लिए बेताब युवा और जीवन रक्षक अंग के लिए बेताब बुजुर्ग।

पश्चिमी केन्या में अपने घर में अमोन किप्रुटो मेली और उनकी मां लेआ मेट्टो अमोन जैसे छोटे बच्चों के माध्यम से पैसा कमा रहे हैं। बताया जाता है कि अमोन किप्रुटो मेली की मुलाकात एक बिचौलिए से हुई जिसने पश्चिमी केन्या के एल्डोरेट शहर में स्थित मेडिहील अस्पताल तक परिवहन की व्यवस्था की। अमोन का कहना है कि वहां उनका स्वागत भारतीय डॉक्टरों ने किया जिन्होंने उन्हें अंग्रेजी में दस्तावेज सौंपे, जो भाषा उन्हें समझ में नहीं आती थी।उन्होंने बताया कि उन्हें किसी भी स्वास्थ्य जोखिम के बारे में सूचित नहीं किया गया था। उन्होंने मुझे कुछ भी नहीं समझाया। मुझे ले जाने वाले व्यक्ति ने हमारे आसपास के लोगों की ओर इशारा करते हुए कहा: देखो, इन सभी ने दान दिया है, और ये काम पर भी वापस जा रहे हैं।ऑपरेशन के बाद, उसे वादे के मुताबिक 6,000 डॉलर के बजाय सिर्फ 4,000 डॉलर ही मिले।

परलोक को ही वोट बैंक बनाया

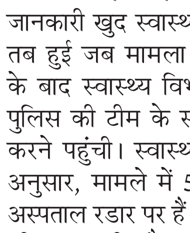
डॉ. सुरेश कुमार

म हु आ खेड़ा गाँव के स्वयंभू 'डिजिटल पंडित' गपोड़ी लाल ने जब प्रधानी का चुनाव लड़ा, तो उन्होंने सीधे परलोक को ही वोट बैंक बना लिया। उनका नया चुनावी मुद्दा था-'पुरखा-क्लाउड और वर्चुअल तृप्ति योजना'। गपोड़ी लाल का तर्क था कि गाँव की बदहाली का कारण सड़कों के गड्ढे नहीं, बल्कि पितरों का 'नेटवर्क कवरेज' न होना है। उन्होंने घोषणा की कि जीतते ही वे गाँव के श्मशान में एक 'हाई-फ्रीक्वेंसी टावर' लगवाएंगे, जिससे गया जाने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी और पितर सीधे 'ब्लूटूथ' के जरिए खीर-पूरी का स्वाद चख सकेंगे। गाँव के लोग, जो साल भर पुरखों के सपने देखकर डरते थे, अचानक इस 'एस्ट्रो-टेक' प्रस्ताव पर ऐसे रीझे कि उन्हें लगने लगा कि अब पिंडदान के लिए छुट्टी लेने का झंझट खत्म हो जाएगा और गपोड़ी लाल ही साक्षात चित्रगुप्त के पी.ए. बनकर आए हैं।

प्रचार के अंतिम दौर में गपोड़ी लाल ने गाँव की चौपाल पर एक 'आत्मा-स्कैनर' स्थापित किया। यह वास्तव में एक पुरानी कबाड़ हो चुकी माइक्रोवेव मशीन थी, जिस पर उन्होंने 'स्वर्ग-द्वार' का स्टिकर चिपका दिया था। उन्होंने गाँव वालों को पट्टी पढ़ाई कि जो भी व्यक्ति उन्हें वोट देने का संकल्प लेकर इस मशीन के सामने खड़ा होगा, उसके सात पुश्तों का 'पाप-डेटा' डिलीट होकर 'पुण्य-बैलेंस' में बदल जाएगा। विपक्षी उम्मीदवार 'बुधई राम' सिंचाई और शिक्षा की बातें कर रहे थे, लेकिन जनता को तो उस भविष्य की चिंता थी जहाँ उनके दादा-परदादा सीधे क्लाउड से उन्हें आशीर्वाद देने वाले थे। गपोड़ी लाल ने एक लड़के को पुरानी टीन पीटने के काम पर लगा दिया, जिसे उन्होंने 'ब्रह्मांडीय कंपन' बताया। लोग अपने-अपने पूर्वजों की फोटो लेकर लाइन में लग गए ताकि उनका 'डिजिटल तर्पण' समय पर बुक हो सके।

जिस दिन चुनाव का परिणाम आया और गपोड़ी लाल भारी मतों से विजयी हुए, पूरा गाँव अपना 'पुण्य-सर्टिफिकेट' लेने उनके दरवाज़े पर उमड़ पड़ा। लोग चाहते थे कि आज ही क्लाउड का पासवर्ड मिल जाए ताकि वे परलोक की स्थिति जान सकें। गपोड़ी लाल अपनी नई चमचमाती एसयूवी से उतरे और सबके हाथ में एक-एक 'खाली लिफाफा' थमाते हुए बोले- भाइयों, पितर इतने तृप्त हो गए हैं कि उन्होंने गाँव का 'मौन व्रत' धारण कर लिया है! जनता हक्की-बक्की रह गई, हुजूर, पर हमें तो स्वर्ग का सिग्नल चाहिए था!

गपोड़ी लाल ने चश्मा ठीक किया और ठहाका मारकर बोले, मूर्खों! असली क्लाउड तो मेरी तिजोरी है जहाँ तुम्हारे वोट और चंदे जमा हो गए हैं। जिस जनता ने एक पुराने माइक्रोवेव के सामने माथा रगड़ा, उसका स्वर्ग तो मेरे पास गिरवी रखा है। अब अगले पाँच साल सन्नाटे का भजन करो! जनता सन्न खड़ी उस खाली लिफाफे को देख रही थी और गपोड़ी लाल 'परलोक सुधार' की धूल उड़ाते हुए शहर रवाना हो गए।

जब सियासत 'थाली' तक सिमटने लगे

सुरेश गांधी

भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती उसकी विविधता में है-भाषा, संस्कृति, खान-पान, परंपराएं-सब मिलकर इस देश की आत्मा गढ़ते हैं। लेकिन जब यही विविधता राजनीतिक विमर्श का हथियार बन जाए, तो चिंता स्वाभाविक है। हाल ही में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का यह बयान कि “यदि भाजपा सत्ता में आई तो मुसलमान मांस, मछली और मुर्गा नहीं खा पाएंगे”, इसी चिंता को गहराता है। यह कोई साधारण राजनीतिक टिप्पणी नहीं, बल्कि एक ऐसा कथन है जो सीधे तौर पर लोगों की जीवनशैली, उनके अधिकार और उनकी पहचान से जुड़ा हुआ है। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि इस बयान को भावनाओं के बजाय तथ्यों की कसौटी पर कसा जाए।

किसी भी दावे की विश्वसनीयता उसके प्रमाणों से तय होती है। यदि यह कहा जाए कि एक राजनीतिक दल सत्ता में आने पर किसी समुदाय विशेष के खान-पान पर रोक लगा देगा, तो इसका परीक्षण उन राज्यों से शुरू होना चाहिए जहां वह दल पहले से शासन में है। उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों में वर्षों से भाजपा की सरकारें हैं। इन राज्यों में कहीं भी ऐसा कोई कानूनी प्रावधान नहीं है जो किसी एक धर्म के लोगों को मांसाहार से रोकता हो। हाँ, अवैध बूचड़खानों के खिलाफ कार्रवाई हुई है, स्वच्छता और लाइसेंसिंग के नियमों को सख्ती से लागू किया गया है, और कुछ धार्मिक अवसरों पर स्थानीय स्तर पर अस्थायी प्रतिबंध भी लगाए गए हैं। लेकिन इन सभी का आधार प्रशासनिक और कानूनी है-न कि धार्मिक या सामुदायिक।

यह अंतर समझना महत्वपूर्ण है-कानून व्यवस्था बनाए रखना और किसी समुदाय को लक्षित करना, दोनों अलग-अलग बातें हैं। भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है। खान-पान की स्वतंत्रता भी इसी दायरे में आती है। ऐसे में यह कल्पना करना कि कोई सरकार खुले तौर पर किसी एक समुदाय को भोजन से वंचित कर देगी, न केवल असंवैधानिक है बल्कि व्यवहारिक रूप से भी असंभव है। अगर वास्तव में ऐसा कोई प्रयास होता, तो देश की न्यायपालिका, मीडिया और नागरिक समाज तत्काल सक्रिय हो जाते। अदालतों में याचिकाओं की बाढ़ आ जाती, राष्ट्रीय बहस छिड़ जाती, और यह मुद्दा अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच जाता। लेकिन ऐसी कोई स्थिति देखने को नहीं मिली—जो इस पूरे बयान को राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में समझने की आवश्यकता को रेखांकित करती है।भारतीय राजनीति में “डर” कोई नया तत्व नहीं है। कभी यह जातीय असुरक्षा के रूप में सामने आया, कभी धार्मिक पहचान के रूप में, और अब यह जीवनशैली के सवाल तक पहुंच गया है। ममता बनर्जी का यह बयान उसी परंपरा का विस्तार है, जिसमें एक विशेष वर्ग को यह विश्वास दिलाने की कोशिश की जाती है कि उनका अस्तित्व खतरे में है। यह रणनीति केवल एक दल या एक नेता तक सीमित नहीं है। अखिलेश यादव, तेजशवी यादव और राहुल गांधी जैसे नेताओं पर भी समय-समय पर इस तरह की राजनीति करने के आरोप लगते रहे हैं। चुनावी मौसम में यह प्रवृत्ति और तेज़ हो जाती है-जहां तर्क और तथ्य पीछे छूट जाते हैं और भावनाएं आगे आ जाती हैं। लोकतंत्र में वोट हासिल करना हर दल का लक्ष्य होता है। लेकिन सवाल यह है कि उस लक्ष्य को पाने के लिए अपनाए जाने वाले तरीके कितने नैतिक हैं? क्या यह उचित है कि लोगों के मन में भय पैदा कर उन्हें एक दिशा में मतदान करने के लिए प्रेरित किया जाए?

“अगर वे आए तो आप खत्म हो जाएंगे”-यह संदेश जितना सरल है, उतना ही खतरनाक भी। यह न केवल समाज को विभाजित करता है, बल्कि लोकतांत्रिक संवाद को भी कमजोर करता है। जब राजनीति डर के इर्द-गिर्द घूमने लगती है, तो असली मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा-ये सभी विषय, जो आम नागरिक के जीवन को सीधे प्रभावित करते हैं, धीरे-धीरे चर्चा से बाहर हो जाते हैं। इस तरह के बयान अक्सर तब सामने आते हैं जब सरकारें या नेता अपने प्रदर्शन को लेकर दबाव में होते हैं। ऐसे में भावनात्मक मुद्दों को उछालकर जनमत को प्रभावित करने की कोशिश की जाती है।

आज सूचना का युग है-एक बयान सेकंडों में लाखों लोगों तक पहुंच जाता है। ऐसे में मीडिया और आम नागरिक दोनों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वे तथ्यों की जांच करें और बिना सत्यापन के किसी भी बात को स्वीकार न करें। सोशल मीडिया के इस दौर में अफवाह और तथ्य के बीच की रेखा धुंधली हो गई है। इसलिए सजगता ही सबसे बड़ा हथियार है। भारत का सामाजिक ताना-बाना बहुत संवेदनशील है। यह विविधताओं के बीच संतुलन पर टिका हुआ है। जब इस संतुलन को राजनीतिक लाभ के लिए चुनौती दी जाती है, तो उसका असर दूरगामी होता है। अविश्वास की खाई गहरी होती है, और समाज में विभाजन की रेखाएं स्पष्ट होने लगती हैं। ममता बनर्जी का बयान केवल एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं, बल्कि लोकतंत्र के लिए एक परीक्षा भी है। यह परीक्षा इस बात की है कि क्या हम भावनाओं के आधार पर निर्णय लेंगे या तथ्यों के आधार पर। भाजपा शासित राज्यों की वास्तविकता इस दावे का समर्थन नहीं करती। संविधान इस तरह की किसी भी संभावना को खारिज करता है। ऐसे में यह स्पष्ट हो जाता है कि यह बयान अधिक राजनीतिक है, कम तथ्यात्मक। “जब राजनीति डर के सहारे खड़ी हो, तब सच बोलना ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी सेवा है।”

बीमारियों से बचना है तो अपनाएं ये देसी सुपरफूड

भीषण गर्मी का असर अब साफतौर पर लोगों की सेहत पर दिखने लगा है. तापमान बढ़ने के साथ ही शरीर में पानी की कमी, थकान, कमजोरी और पाचन से जुड़ी समस्याएं आम हो जाती हैं. ऐसे में अगर खानपान सही न हो, तो हालात और बिगड़ सकते हैं लेकिन राहत की बात यह है कि हमारे पारंपरिक भारतीय खाद्य पदार्थ ही इस मौसम में सबसे बड़े सुपरफूड बनकर उभरते हैं. ये न सिर्फ शरीर को जरूरी पोषण देते हैं बल्कि अंदर से ठंडक भी बनाए रखते हैं. लोकल 18 से बातचीत में सतना निवासी डायटिशियन ममता पांडे ने बताया कि गर्मियों में हल्का, सुपाच्य और पोषक तत्वों से भरपूर भोजन अपनाना बेहद जरूरी है, जिससे शरीर ऊर्जा से भरपूर रहे और हीट स्ट्रेस का खतरा कम हो सके.

डायटिशियन के अनुसार, गर्मियों में मेन कोर्स में जौ, चना और गेहूं जैसे अनाजों को शामिल करना चाहिए. जौ का आटा जहां शरीर को

ठंडक देता है, वहीं चना और गेहूं ऊर्जा और प्रोटीन का अच्छा स्रोत हैं. इन अनाजों में फाइबर, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करते हैं. दालों की बात करें, तो मूंग और मसूर की दाल इस मौसम के लिए सबसे बेहतर मानी जाती हैं. मूंग दाल खासतौर पर हल्की होती है और आसानी से पच जाती है, जिससे पेट पर अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ता. इनका नियमित सेवन शरीर को ताकत देने के साथ-साथ ठंडक भी प्रदान करता है.

सत्तू और दही बनाएंगे डाइट को सुपरफूड

गर्मी में सत्तू को देसी एनर्जी ड्रिंक के रूप में भी जाना जाता है. चना और जौ से बनने वाला सत्तू कई रूपों में खाया जा सकता है जैसे- सत्तू का शर्बत, रोटी या स्नैक्स के रूप में. यह शरीर को तुरंत ऊर्जा देने के साथ लंबे समय तक ताजगी बनाए रखता है. इसके साथ ही दही का सेवन इस पूरे भोजन को सुपरफूड बना देता है. दही में मौजूद प्रोबायोटिक्स पाचन को बेहतर बनाते हैं और शरीर के तापमान को नियंत्रित रखने में मदद करते हैं. गर्मियों में दही का नियमित सेवन लू से बचाव में भी सहायक माना जाता है.

डाइट में शामिल करें मौसमी सब्जियां

विशेषज्ञों का मानना है कि लौकी, तुरई, टिंडा और भिंडी जैसी मौसमी सब्जियां इस मौसम में बेहद फायदेमंद होती हैं. इनमें पानी की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करती हैं. साथ ही इनमें कई जरूरी विटामिन और मिनरल्स भी मौजूद होते हैं. इसके अलावा दिन में कम से कम एक बार फर्मेंटेड फूड्स जैसे- इडली, डोसा या ढोकला को डाइट में शामिल करना चाहिए. इन खाद्य पदार्थों में अच्छे बैक्टीरिया यानी प्रोबायोटिक्स बनते हैं, जो पाचन तंत्र को मजबूत करते हैं और शरीर को अंदर से स्वस्थ रखते हैं.

कुल मिलाकर यदि गर्मियों में पारंपरिक और संतुलित आहार को अपनाया जाए, तो न सिर्फ बीमारियों से बचाव संभव है बल्कि दिनभर शरीर में ऊर्जा और ताजगी भी बनी रहती है. विशेषज्ञों की सलाह है कि फास्ट फूड और तैलीय चीजों से दूरी बनाकर देसी सुपरफूड को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं ताकि गर्मी का असर आपकी सेहत पर न पड़े.

गर्मियों में सेहत का खजाना है तरबूज पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर

गर्मियों की शुरुआत के साथ ही रिफ्रेशिंग फल खाने की इच्छा बढ़ जाती है क्योंकि तापमान इतना अधिक होता है कि खाने की बजाय, तरल पदार्थ पीने का मन ज्यादा करता है। हर बदलते मौसम में प्रकृति भी अपना रूप बदल लेती है और गर्मियों में रस से भरे ताज़े फलों की बहुतायत होती है। गर्मियों की शुरुआत के साथ रसीले और मीठे तरबूज भी बाजार में आसानी से मिल जाते हैं। आयुर्वेद में तरबूज को सिर्फ फल नहीं माना जाता, बल्कि इसे पित्त शामक फल की संज्ञा दी गई है। तरबूज को ज्येष्ठ के महीने का फल माना गया है क्योंकि उस वक्त तापमान सबसे अधिक गर्म होता है और तरबूज की तासीर ठंडी होती है। भले ही बाजार में अभी से तरबूज और खरबूज बाजार में मिलने लगते हैं, लेकिन फिलहाल उनका सेवन पाचन की समस्या पैदा कर सकता है। मौसम के अनुसार तरबूज खाने के अनगिनत फायदे हैं।

यह सिर्फ शरीर को हाइड्रेटेड नहीं रखता है, बल्कि वजन को भी नियंत्रित करने में मदद करता है। इसमें कैलोरी बहुत कम होती है और पानी की मात्रा ज्यादा होती है। ऐसे में एक बार सेवन के बाद लंबे समय तक भूख का अहसास नहीं होता है और ओवरईटिंग से बचा जा सकता है। तरबूज खाने से शरीर में गर्मियों में पानी की कमी नहीं होती है क्योंकि तरबूज का 90 फीसदी हिस्सा पानी ही होता है। ऐसे में गर्मियों में तरबूज का सेवन लाभकारी है। यह चेहरे पर प्राकृतिक ग्लो लाने में भी मदद करता है और शरीर के तापमान को भी संतुलित रखता है।

तरबूज में विटामिन सी और विटामिन ए अधिक मात्रा में पाए जाते हैं, जो चेहरे और बालों की हेल्थ के लिए लाभकारी है। विटामिन सी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में भी मदद करता है, जिससे गर्मियों में होने वाली अतिसार और जी घबराने की समस्या कम होती है। इसके अलावा तरबूज में एंटीऑक्सीडेंट्स भी मौजूद होते हैं, जो मांसपेशियों को रिकवर करने में मदद करते हैं।

अगर शरीर में सूजन की समस्या है, तब भी तरबूज का सेवन लाभकारी है। पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स मिलकर शरीर मजबूती देने का काम करते हैं। गर्मियों में दोपहर के वक्त तरबूज जरूर खाएं। अगर काटकर खाने के लिए समय नहीं है, तो पुदीने के साथ मिलाकर उसका जूस भी पी सकते हैं, लेकिन जूस को बिना छाने पिएं।

कामकाजी महिलाओं को इस तरह से रखना चाहिए बच्चों का ध्यान

आज के दौर में हर महिला कामकाजी है जो अपने दम पर सब कुछ करना चाहती है। वह अपनी इच्छाओं के लिए किसी पर भी आश्रित नहीं रहना चाहती है। महिलाओं पर दोहरी जिम्मेदारी होती है। अपने काम के साथ-साथ उसे अपने घर परिवार और बच्चों का भी ख्याल रखना होता है। कामकाजी महिलाओं के लिए आजकल बच्चों की जिम्मेदारियां निभाने व ऑफिस के काम के बीच तालमेल बिठाना काफी चुनौतिपूर्ण हो गया है। दोनों रोल को अच्छे से निभाना हर वर्किंग मदर्स के लिए आसान नहीं होता। बच्चे के जन्म से लेकर हर जिम्मेदारी को माँ को ही निभाना होता है। और ऐसे में जब कभी वह अपने बच्चो का ख्याल सही से न रख पाए तो वह अपने माँ होने को दोषी ठहराती है। आज हम आपको कामकजी होने के साथ साथ बच्चो की देखभाल करने के बारे मे बताएंगे, तो आइये जानते है........ प्राथमिकता तय करें अगर आप कामकाजी हैं और बच्चे पर भी ध्यान देना चाहती हैं, तो सबसे पहले अपनी प्राथमिकता तय करें। ये तय करें कि ऑफिस के बाद का समय आप बच्चे को किस तरह और कितना दे सकती हैं। किन चीजों से समझौता कर सकती हैं। एक मां के लिए सबसे पहली प्राथमिकता उसका बच्चा ही होता है। ऐसे में आप ये निर्णय करें कि आपके बच्चे को किन-किन चीजों की सबसे ज्यादा जरूरत है और आप उसके ध्यान रखने और ऑफिस की जिम्मेदारियों में कितना समझौता कर सकती हैं।

योजना बनाकर काम करें

योजना बनाकर काम करना वैसे तो सभी के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन अगर आप कामकाजी हैं और बच्चे की मां हैं तो ये और जरूरी हो जाता है। आप हर काम को प्लानिंग से करें। एक रूटीन तैयार करें कि किस समय कौन सा काम निपटाना है। इससे आपका समय बर्बाद नहीं होगा और जो समय बचेगा वह बच्चे को दे पाएंगी। इसके अलावा जब ऑफिस टाइम से अलग जब आप बच्चे के साथ हों तो मोबाइल को खुद से दूर रखें। जितना ज्यादा हो सके उतना समय बच्चे के साथ बिताएं।

वीकेंड में बच्चों को दें पूरा समय

वीकेंड बच्चे के साथ बिताने के लिए जरूरी है कि आप वीकेंड पर पूरी तरह से खाली रहें। इसके लिए आपको सभी काम पहले निपटाने होंगे। इसके बाद वीकेंड पर बच्चे के साथ पूरा समय बिताएं।

सही ऑफिस का चुनाव करें

अगर आपका बच्चा छोटा है और उसे समय देना चाहती हैं, तो ये जरूरी है कि आप ऐसी कंपनी का चयन करें जहां काम के घंटे कम हों और ऑफिस की टाइमिंग फ्लैक्सिबल हो।

तकनीक व पार्टनर की सहायता लें

अगर बच्चा छोटा है तो घर के कामों में खुद ही उलझकर समय बर्बाद न करें। बेहतर होगा कि आप इन कामों में अपने पार्टनर की मदद लें। इस दौरान जो समय बचे उसे बच्चे के साथ बिताएं। इसके अलावा आजकल बाजारों में कई ऐसी तकनीकें आ गईं हैं जिनकी मदद से आप अपने कई काम घर बैठे ही निपटा सकती हैं। आप इन तकनीकों का सहारा लें और जो समय बचता है उसे बच्चे को दें।

शॉपिंग में समय बर्बाद करने से बचें

महिलाओं को शॉपिंग करना बहुत अच्छा लगता है, लेकिन अगर आपका बच्चा छोटा है, तो शॉपिंग से ज्यादा आपको बच्चे पर ध्यान देना चाहिए। अगर शॉपिंग जरूरी है तो बच्चे को भी साथ ले जाएं। वैसे बेहतर होगा कि आप ऑनलाइन खरीदारी करें। इससे आपका समय बचेगा।

आया रखें

ऑफिस से आने के बाद अगर आप घरेलू काम में लगेंगी तो बच्चे के लिए समय नहीं बचेगा। ऐसे में बेहतर होगा कि आप घरेलू कामों के लिए आया रखें। इससे आप ऑफिस जाने से पहले के समय व आने के बाद के समय को बच्चे के साथ अच्छे से बिता सकेंगी ।

इसके अतिरिक्त कुछ ऐसा करें—

1. बच्चों को सही समय पर भोजन बना दे तो वह आपके काम पर जाने से कोई भी आपत्ति नहीं जताएंगे।

2. कुछ बच्चों को माँ के हाथ के खाने के अलावा किसी और के हाथ का खाना अच्छा नहीं लगता है, तो ऐसे मे माँ को 5 मिनट का समय निकालकर उनका पसंदीदा खाना बना देना चाहिए।

3. दिन भर आपके बच्चे आपसे अलग रहते हैं, तो शाम को घर आने के बाद पूरा वक्त अपने बच्चों को दे इससे आपके बच्चे और आपके बीच में नज़दीकिया बढ़ेगी।

4. समय-समय पर उनकी ख्वाहिशों को पूरा करते रहें, बात-बात पर उन पर चिल्लाने की बजाए उनसे प्यार से बात करें।

5. छुट्टियों में बाहर घूमने भी ले जाये जिससे पूरा वक्त वे आपसे जुड़े रहें और आप भी अपने बच्चों को अच्छे से समझ पाए।

कम गैस और कम मेहनत में ऐसे बनाएं बाजार जैसे चटपटे छोले

अक्सर घर पर बाजार जैसे काले और चटपटे छोले बनाने के लिए घंटों मेहनत करनी पड़ती है। पहले छोलों को उबालना और फिर अलग से मसाला भूनकर ग्रेवी तैयार करना, इसमें न केवल समय ज्यादा लगता है बल्कि गैस का खर्च भी बढ़ जाता है। खास तौर पर जब इजरात-अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध के कारण गैस की किल्लत होने से बचाव सबसे अच्छा उपाय माना जा रहा है।

ऐसे में कुकिंग एक्सपर्ट ने एक ऐसा आसान तरीका बताया है जिससे आप बिना मसाला भूने, एक ही कुकर में हलवाई जैसे टेस्टी छोले तैयार कर सकते हैं। वन-पॉट रेसिपी की खासियत है कि इसमें प्याज, टमाटर और खड़े मसाले छोलों के साथ ही पक जाते हैं। कम समय और कम गैस खर्च में बाजार जैसे लाजवाब छोले तैयार कर सकते हैं।

सबसे पहला काम

इस रेसिपी की सबसे बड़ी खासियत है कि आपको अलग से मसाला भूनने की जरूरत नहीं है। कुकर में रात भर भीगे हुए चने डालें। इसी समय इसमें कटे हुए टमाटर, प्याज, हरी मिर्च और कुछ खड़े मसाले जैसे कि बड़ी इलायची, दालचीनी, लौंग डाल दें। साथ में नमक और पर्याप्त पानी डालकर कुकर का ढक्कन बंद कर दें। यह तरीका गैस बचाता है क्योंकि मसाले और चने एक साथ पकते हैं।

टमाटर का छिलका निकालना

कुकर को गैस पर चढ़ाएं और 5-6 सीटी आने तक पकाएं। जब कुकर की भाप पूरी तरह अपने आप निकल जाए, तब ढक्कन खोलें। इस समय देखेंगे कि टमाटर गल चुके हैं। यहां एक जरूरी टिप यह है कि टमाटर के छिलकों को चिमटे से निकालकर अलग कर दें। इससे ग्रेवी बहुत ही स्मूथ और मखमली बनती है, बिल्कुल बाजार की तरह।

चायपत्ती का पानी और बेसिक मसाले

छोलों को गहरा बाजार वाला रंग देने के लिए, अलग से थोड़ा पानी उबालकर उसमें चायपत्ती डालकर छान लें। अब इस चायपत्ती के पानी को कुकर में डालें। साथ ही इसमें धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और छोले मसाला मिलाएं। इन मसालों को उबले हुए छोलों के साथ अच्छी तरह मिक्स करें ताकि वे चनों के अंदर तक समा जाएं।

बेकिंग सोडा डालकर पकाना

भरत की रसोई का खास सीक्रेट आधा चम्मच मीठा सोडा है। मसालों के साथ सोडा डालने से छोलों का रंग गहरा हो जाता है और वे मक्खन की तरह नरम हो जाते हैं। अब गैस की आंच तेज करें और इसे सिर्फ 5 मिनट के लिए उबालें। आप देखेंगे कि ग्रेवी गाढ़ी होने लगी है और रंग गहरा काला-भूरा हो गया है।

फाइनल टच.. खटास और खुशबू

जब छोले अच्छी तरह पक जाएं, तब इसमें गरम मसाला, आमचूर पाउडर और हाथों से रगड़कर कसूरी मेथी डालें। कसूरी मेथी की खुशबू छोलों को एक प्रोफेशनल टच देती है। अगर आपको ग्रेवी ज्यादा गाढ़ी लगे, तो थोड़ा गर्म पानी मिला सकते हैं, लेकिन ध्यान रहे पानी हमेशा गर्म ही डालें ताकि कुकिंग प्रोसेस न रुके।

शाही तड़का लगाना भी है जरूरी

बाजार जैसा स्वाद लाने के लिए सबसे जरूरी आखिरी तड़का है। एक तड़का पैन में सरसों का तेल गर्म करें। जब तेल से धुआं निकलने लगे, तो गैस धीमी करें और इसमें हींग, जीरा, लंबी कटी हरी मिर्च, अदरक के लच्छे, थोड़ी सी हल्दी और कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर डालें। इस चटकते हुए तड़के को तुरंत छोलों के ऊपर डालें और कुकर को 5 मिनट के लिए ढक दें। इससे मसालों की खुशबू छोलों में बस जाएगी।

एक ही सांस में पानी पीना पड़ सकता है भारी, किडनी पर पड़ सकता है बुरा असर

भागदौड़ भरी जिंदगी में थकान होना लाजिमी है, लेकिन अक्सर देखा जाता है कि कई लोग थकान को मिटाने के लिए पानी की पूरी बोतल एक ही बार में खत्म कर देते हैं। खासकर युवा एक सांस में पूरा पानी पीने की आदत को मजेदार समझते हैं। स्वास्थ्य

विशेषज्ञों की मानें तो यह आदत खतरनाक है। वैज्ञानिक रिसर्च के मुताबिक, हमारा शरीर पानी को धीरे-धीरे अवशोषित करता है। शरीर में मौजूद किडनी का काम खून को साफ करना और जरूरी तत्वों का संतुलन बनाए रखना होता है। किडनी के अंदर छोटे-छोटे फिल्टर होते हैं, जिन्हें नेफ्रॉन कहा जाता है। जब हम एकदम से बहुत ज्यादा पानी पी लेते हैं, तो किडनी पर अचानक अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इस दबाव के कारण किडनी को पानी को फिल्टर करने में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, जिससे लंबे समय में उसकी कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि एक बार में ज्यादा पानी पीना शरीर के इलेक्ट्रोलाइट संतुलन को भी बिगाड़ सकता है। शरीर में सोडियम और अन्य मिनरल्स का संतुलन बहुत जरूरी होता है। जब अचानक बहुत सारा पानी शरीर में पहुंचता है, तो यह संतुलन गड़बड़ा सकता है, जिससे चक्कर आना, कमजोरी या उल्टी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कुछ मामलों में यह स्थिति गंभीर भी हो सकती है, जिसे मेडिकल भाषा में वाटर इंटॉक्सिकेशन कहा जाता है।

इसके अलावा, पानी की कमी और गलत आदतें जैसे पेशाब को लंबे समय तक रोककर रखना भी शरीर के लिए नुकसानदायक है। जब कोई व्यक्ति बार-बार पेशाब रोकता है, तो इससे मूत्र मार्ग में बैक्टीरिया पनपने का खतरा बढ़ जाता है। यह धीरे-धीरे इंफेक्शन का रूप ले सकता है और अगर समय पर ध्यान न दिया जाए तो इसका असर किडनी तक पहुंच सकता है।

गर्मियों के मौसम में प्यास ज्यादा लगना सामान्य बात है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि एक बार में बहुत सारा पानी पी लिया जाए। शरीर को पानी की जरूरत लगातार और संतुलित मात्रा में होती है। जब हम थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पानी पीते हैं, तो शरीर उसे बेहतर तरीके से उपयोग कर पाता है। इससे न केवल किडनी पर दबाव कम पड़ता है, बल्कि शरीर हाइड्रेट भी बना रहता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि पानी हमेशा आराम से, बैठकर और घूंट में पीना चाहिए। इससे शरीर को पानी को अवशोषित करने का समय मिलता है और वह अपने सभी जरूरी कार्य सही तरीके से कर पाता है।

डाइट से लेकर वर्कआउट की टाइमिंग तक सेहत के लिए जरूरी बदलाव

गर्मियों में तेज धूप और पसीना हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और थायरॉयड के मरीजों के लिए जोखिम बढ़ा देते हैं। तेज गर्मी, ज्यादा पसीना और डिहाइड्रेशन शरीर का संतुलन बिगाड़ देते हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ, अमेरिका की एक रिसर्च बताती है कि अधिक तापमान शरीर के कार्डियो-मेटाबॉलिक सिस्टम को प्रभावित करता है, जिससे ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल और दिल पर दबाव बढ़ सकता है।

दवाइयों का असर बदल सकता है

डायबिटीज में इंसुलिन की जरूरत बदल सकती है। बीपी या दिल के मरीजों की दवाइयां जैसे diuretics डिहाइड्रेशन बढ़ा सकती हैं। कुछ दवाइयों का असर गर्मी में बदल सकता है। बदलाव डॉक्टर की सलाह से करें।

हाइड्रेशन बनाए रखना जरूरी

डिहाइड्रेशन से खून गाढ़ा होने पर क्लॉटिंग, शुगर और बीपी असंतुलित हो जाते हैं। रोजाना दिन में 2-3 लीटर पानी पिएं। हार्ट और किडनी के मरीज पानी की मात्रा पर डॉक्टर की सलाह लें।

इन दिनों ऐसे रहें एक्टिव

एक्सरसाइज सुबह जल्दी या शाम के समय करें। 10 बजे से 4 बजे तक धूप में जाने से बचें और शरीर को हाइड्रेट रखें। हल्के और ढीले कपड़े पहने। अगर ज्यादा थकान होने लगे तो तुरंत रुक जाएं।

इन लक्षणों को नजरअंदाज न करें

ज्यादा थकान, चक्कर, सिरदर्द, उल्टी, मांसपेशियों में ऐंठन, भ्रम, बहुत ज्यादा प्यास या शुगर का अचानक बढ़ना या घटना, सांस फूलना, सीने में दर्द और धड़कन तेज होना जैसे लक्षणों को नजरअंदाज न करें।

डाइट में करें ये जरूरी बदलाव

पानी से भरपूर फल-सब्जियां जैसे तरबूज, खीरा और ककड़ी खाएं। इन दिनों हल्का और कम खाना बेहतर होता है। केले जैसे पोटैशियम वाले फूड लें। तला-भुना, मसालेदार, मीठा और चाय-कॉफी से बचें।

गर्मियों में चाहिए ठंडक और इंस्टेंट एनर्जी? रोजाना करें आम पन्ना का सेवन

गर्मी के बढ़ते तापमान में शरीर को हाइड्रेट रखना स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। डिहाइड्रेशन से बचने के लिए प्राकृतिक और स्वादिष्ट कोल्ड ड्रिंक का सेवन सबसे अच्छा विकल्प है। हेल्थ एक्सपर्ट ऐसे ही आसानी से तैयार और सेहत के लिए लाभदायी आम पन्ना के रोजाना सेवन की सलाह देते हैं। नेशनल हेल्थ मिशन तेज धूप और लू के मौसम में पर्याप्त तरल पदार्थों के सेवन पर जोर देता है।

ऐसे में पारंपरिक और जादुई ड्रिंक आम पन्ना बेहतरीन विकल्प है, जो कच्चे आम से बनता है। यह न सिर्फ शरीर को ठंडक और ताजगी देता है, बल्कि इंस्टेंट एनर्जी भी प्रदान करता है। आम पन्ना गर्मियों का सबसे लोकप्रिय घरेलू पेय है। कच्चे आमों को भूनकर या उबालकर उनका गूदा निकाला जाता है, फिर इसमें चीनी या गुड़, भुना जीरा, काला नमक, सादा नमक और पुदीना मिलाकर तैयार किया जाता है। यह पेय शरीर की गर्मी को कम करने, पाचन सुधारने और डिहाइड्रेशन से बचाने में बेहद प्रभावी है। आयुर्वेद में इसे प्राकृतिक कूलिंग एजेंट माना जाता है।

आम पन्ना पीने के कई स्वास्थ्य लाभ हैं। सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह डिहाइड्रेशन से बचाता है। गर्मी में पसीने से शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स, या सोडियम, पोटैशियम आदि की कमी हो जाती है। आम पन्ना इनकी पूर्ति करता है, जिससे थकान दूर होती है और एनर्जी बनी रहती है। यह पानी से बेहतर विकल्प साबित होता है, क्योंकि इसमें प्राकृतिक इलेक्ट्रोलाइट्स मौजूद होते हैं।

दूसरा महत्वपूर्ण लाभ पाचन तंत्र को मजबूत बनाना है। कच्चे आम में मौजूद एसिड और फाइबर पाचन एंजाइम्स को सक्रिय करते हैं। पुदीना और जीरा मिलाने से ब्लोटिंग, एसिडिटी और कब्ज जैसी समस्याएं कम होती हैं। गर्मी में अक्सर पेट की परेशानी बढ़ जाती है। ऐसे में आम पन्ना राहत देता है। तीसरा, इसमें विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है, जो इम्युनिटी बढ़ाता है। इससे संक्रमण और मौसमी बीमारियों से बचाव होता है। साथ ही यह शरीर की गर्मी को संतुलित रखता है और लू या हीट स्ट्रोक के खतरे को कम करता है।

आम पन्ना प्राकृतिक रूप से शरीर का तापमान नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके अलावा, यह त्वचा के लिए भी फायदेमंद है। विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाते हैं। गर्मी में होने वाली थकान और कमजोरी को दूर करने में यह इंस्टेंट एनर्जी बूस्टर का काम करता है। कुछ अध्ययनों और पारंपरिक ज्ञान के अनुसार, यह लीवर स्वास्थ्य को भी सपोर्ट करता है और वजन प्रबंधन में सहायक हो सकता है यदि मध्यम मात्रा में लिया जाए।

आम पन्ना बनाना भी आसान है। 2-3 कच्चे आमों को धोकर भूनें या उबाल लें। इसके बाद ठंडा होने पर छीलकर गूदा निकाल लें। फिर इसमें स्वाद के अनुसार चीनी या गुड़, एक चम्मच भुना जीरा पाउडर, आधा चम्मच काला नमक, थोड़ा सादा नमक और कटी पुदीना पत्तियां मिलाकर पेस्ट बनाएं। इसके बाद सर्व करें।

पढ़े-लिखे लोगों के सामने खुद को कभी-कभी छोटा महसूस करते हैं अक्षय कुमार

एक्टर अक्षय कुमार ने हाल ही में 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' शो के एक एपिसोड में बड़ा खुलासा किया कि बहुत पढ़े-लिखे लोगों के सामने खुद को कभी-कभी छोटा महसूस करते हैं। उन्होंने एक कंटेस्टेंट की पढ़ाई-लिखाई की खूब तारीफ की और अपनी फीलिंग्स भी शेयर कीं। दिलचस्प बात यह है कि उनकी पत्नी ट्विंकल खन्ना चार किताबें लिख चुकी हैं और अपनी पांचवीं किताब पर काम कर रही हैं।

अक्षय कुमार ने क्या कहा

अक्षय ने कहा, 'कोई भी इंसान, खासकर मेरे जैसा जो ज्यादा पढ़ा-लिखा नहीं है, मैं कभी-कभी आप जैसे लोगों के सामने बहुत छोटा महसूस करता हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'कभी-कभी मैं सोचता हूं कि मुझे पढ़ना चाहिए। अब लगता है काश मैं पढ़ा होता। लेकिन अब जब पढ़ना चाहता हूं, तब भी नहीं पढ़ पाता, क्योंकि मुझे पढ़ना अच्छा ही नहीं लगता, बस इतनी सी बात है।'

अब पढ़ना चाहता हूं

जब अक्षय ने सोनाली से पूछा कि वह अपनी इतनी सारी डिग्रियों का क्या करेंगी, तो उन्होंने जवाब दिया, 'सर, इन डिग्रियों की वजह से ही मुझे यहां खड़े होने का मौका मिला है और आपसे दूसरी बार मिलने का भी मौका मिला है।'

इसके बाद अक्षय ने दर्शकों को सलाह दी कि वे मेहनत से पढ़ाई करें और सोनाली जैसे लोगों को फॉलो करें, उन्हें नहीं।

अक्षय पहले भी बता चुके हैं कि उन्होंने आज तक एक भी किताब पूरी नहीं पढ़ी है। उन्होंने कहा था, 'जब भी मैं पढ़ने बैठता हूं, पता नहीं क्या होता है, मेरी आंखों से आंसू आने लगते हैं।'

सलमान खान के साथ नयनतारा की बनी जोड़ी! वामशी की एक्शन-थ्रिलर मूवी में आयेंगी नजर

बॉलीवुड के मेगास्टार सलमान खान की नई फिल्म को लेकर एक नया अपडेट है। खबर है कि साउथ के 'ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर' वामशी पेडिपल्ली की इस फिल्म में नयनतारा को कास्ट किया गया है। साउथ सिनेमा की 'लेडी सुपरस्टार' कही जाने वाली नयनतारा इससे पहले शाहरुख खान की 'जवान' के साथ बॉलीवुड डेब्यू कर चुकी हैं। दिग्गज प्रोड्यूसर दिल राजू के बैनर तले बन रही मूवी की शूटिंग अगले महीने अप्रैल 2026 में ही शुरू होने वाली है। जबकि चर्चा ये भी है कि सलमान खान और मेकर्स ने इसकी रिलीज के लिए अगले साल ईद 2027 की तारीख पक्की कर ली है।

सलमान खान ने सोशल मीडिया पर अपनी इस नई फिल्म का ऐलान किया था। जबकि अब मंगलवार को ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने खबर दी है कि नयनतारा को सलमान खान के अपोजिट लीड रोल में कास्ट कर लिया गया है। अभी फिल्म की बाकी कास्ट का ऐलान होना भी बाकी है।

सलमान खान और प्रोडक्शन हाउस 'श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स' ने सोशल मीडिया पर इस नए प्रोजेक्ट का ऐलान किया। सलमान खान ने जहां वामशी पेडिपल्ली के साथ फोटो शेयर करते हुए अपने खास अंदाज में लिखा, 'दिल, दिमाग, जिगर से अप्रैल से वामशी पेडपिल्ली और दिल राजू के साथ।' वहीं दूसरी ओर, प्रोडक्शन हाउस ने भी इस घोषणा की पुष्टि करते हुए सलमान को 'एक ऐसी हस्ती बताया, जिन्होंने दुनियाभर के दर्शकों को खुशी के अनगिनत पल दिए हैं। अब वे इस प्रोजेक्ट के लिए 'ब्लॉकबस्टर फिल्ममेकर' वामशी पैडिपल्ली के साथ हाथ मिला रहे हैं।

बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी

नेशनल अवॉर्ड जीत चुके डायरेक्टर वामशी पेडिपल्ली को साउथ सिनेमा का 'ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर' कहा जाता है। यह पहली बार है, जब वह बॉलीवुड के लिए फिल्म बना रहे हैं। बताया जाता है कि मूवी एक बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसे भव्य पैमाने पर बनाया जा रहा है। इसमें हिंदी और दक्षिण भारतीय, दोनों फिल्म इंडस्ट्री के बड़े कलाकारों को शामिल किया जाएगा। मेकर्स ने बयान जारी करते हुए कहा है, 'यह फिल्म सलमान खान को पर्दे पर एक ऐसे अवतार में पेश करेगी, जैसा उनके फैंस ने इससे पहले कभी नहीं देखा होगा। फिल्म की शूटिंग पूरे भारत में अलग-अलग लोकेशन पर होगी और इसकी शुरुआत 14 अप्रैल से मुंबई में बने एक भव्य सेट से होगी।'

सलमान खान की 'मातृभूमि' होगी पोस्टपोन

इस बीच सलमान खान की गलवान युद्ध पर बनी 'मातृभूमि' पोस्टपोन होने की भी चर्चा है। फिलहाल, इसकी रिलीज डेट 17 अप्रैल 2026 है, लेकिन अब खबर है कि यह स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 14 अगस्त या आसपास रिलीज होगी। फिल्म की शूटिंग अभी बची हुई है। 'इंडियन आइडल' फेम सिंगर-एक्टर प्रशांत तमांग की मौत के कारण इस वॉर-ड्रामा के कई सीन्स को फिर से शूट किया जा रहा है। बीते दिनों सलीम खान के अस्पताल में भर्ती होने की वजह से इसका आखिरी शेड्यूल प्रभावित हुआ है। वैसे भी अब, 17 अप्रैल को अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' रिलीज होगी। इससे भी साफ है कि अक्षय ने यह फैसला अपने दोस्त सलामन से बातचीत के बाद ही लिया होगा।

साउथ सिनेमा की सबसे महंगी एक्ट्रेस हैं नयनतारा

नयनतारा का नाम पहले डायना मरियम कुरियन था। वह तमिल, तेलुगू और मलयालम फल्मिों में 'लेडी सुपरस्टार' के नाम से जानी जाती हैं। वह इस वक्त भारत की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली एक्ट्रेस हैं। कथति तौर पर वह एक फिल्म के लिए 15-20 करोड़ रुपये की फीस वसूलती हैं। साल 2018 में नयनतारा को 'फोर्ब्स इंडिया' की 'सेलिब्रिटी 100' लिस्ट में शामिल किया गया था। अपने दो दशकों से ज्यादा लंबे करियर में वह 75 से ज्यादा फल्मिों में नजर आ चुकी हैं। वह अब तक 5 फल्मिफेयर अवाड्र्स साउथ, 3 तमिलनाडु राज्य फल्मि पुरस्कार, एक नंदी पुरस्कार और 7 SIIMA पुरस्कार जीत चुकी हैं। नयनतारा ने साल 2003 में मलयालम फल्मि 'मनसिनक्करे' से एक्टिंग में डेब्यू किया था।

नयनतारा की अपकमिंग फिल्में

नयनतारा के कद का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस वक्त उनकी 8 फिल्में पहले से ही रिलीज होने की तैयारी कर रही हैं। वह 4 जून को यश के साथ 'टॉक्सकि' में नजर आएंगी। जबकि इसके अलावा, इस साल तमिल में उनकी 'मूकूथी अम्मन 2', 'मन्नंगट्टी सिन्स 1960', 'हाय' और 'रक्काये' पोस्ट प्रोडक्शन में है। इसके अलावा, तेलुगू में वह 'NBK 111' की शूटिंग कर रही हैं। मलयालम में उनकी 'पैट्रियट' बनकर तैयार है, जबकि 'डियर स्टूडेंट्स' की वह शूटिंग कर रही हैं। वह पिछली बार पर्दे पर मेगास्टार चिंरजीवी के साथ 'मना शंकरा वारा प्रसाद गारू' में नजर आई थीं।

हनी सिंह के मुंबई कॉन्सर्ट के आयोजकों पर एफआईआर

एयरपोर्ट के पास अवैध लेजर लाइट का इस्तेमाल किया; क्षमता से ज्यादा जुटी भीड़

मुंबई के एमएमआरडीए ग्राउंड में हुए रैपर यो यो हनी सिंह के 'माय स्टोरी – इंडिया चैप्टर' कॉन्सर्ट के आयोजकों पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने पुलिस की मनाही के बावजूद एयरपोर्ट जोन के पास खतरनाक लेजर लाइट्स का इस्तेमाल किया।

यह कॉन्सर्ट 28 मार्च 2026 को आयोजित किया गया था, जिसमें सुरक्षा नियमों के उल्लंघन की बात सामने आई है। मुंबई पुलिस ने 'तमन्नाज वर्ल्डवाइड' के प्रतिनिधि इंद्रजीत सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

पुलिस का कहना है कि एमएमआरडीए ग्राउंड मुंबई एयरपोर्ट के काफी नजदीक है, जिस कारण वहां लेजर लाइट्स के इस्तेमाल पर पाबंदी थी। इसके बावजूद प्रोमोटर्स ने हाई-बीम लेजर लाइट्स का इस्तेमाल किया।

यह लाइट्स पायलटों के विजन में बाधा डाल सकती हैं, जिससे विमानों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा पैदा हो सकता था।

12 हजार की परमिशन और पहुंच गए 20 हजार लोग

एफआईआर के मुताबिक, आयोजकों ने पुलिस को जानकारी दी थी कि कार्यक्रम में लगभग 12,000 लोग शामिल होंगे। हालांकि, कॉन्सर्ट के दौरान वहां असल भीड़ 18,000 से 20,000 के बीच पहुंच गई।

क्षमता से ज्यादा लोग जुटने के कारण पुलिस के लिए सुरक्षा इंतजाम संभालना एक बड़ी चुनौती बन गया। भीड़ को कंट्रोल करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी और स्थिति अनियंत्रित होने का डर बना रहा।

वायरल हुआ गेट फांदती महिला का वीडियो

28 मार्च को हुए इस शो के दौरान अफरातफरी के कई नजारे देखने को मिले। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक महिला कॉन्सर्ट के बंद गेट पर चढ़कर अंदर जाने की कोशिश कर रही है। कई फैंस ने सुरक्षा घेरा तोड़ने की भी कोशिश की।

बॉम्बे हाईकोर्ट का आदेश और पुलिस की कार्रवाई

इस मामले में कानूनी पहलू यह है कि सितंबर 2024 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने सार्वजनिक जगहों पर लेजर लाइट पर पूरी तरह बैन लगाने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि बिना वैज्ञानिक प्रमाण के इसे बैन नहीं किया जा सकता।

हालांकि, कोर्ट ने यह स्पष्ट निर्देश दिया था कि अगर पुलिस को लगता है कि लाइट्स खतरनाक हैं या सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर रही हैं, तो वे संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र हैं।

कौन है निकिता पोरवाल? मिस वर्ल्ड 2026 के मंच पर करेंगी भारत का नाम रोशन

भारतीय सुंदरियों ने कई ब्यूटी कॉम्पिटिशन जीते हैं। मिस वर्ल्ड से लेकर मिस यूनिवर्स तक के खिताब अपने नाम किए हैं। इस विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अब निकिता पोरवाल के कंधों पर है। वह मिस वर्ल्ड 2026 के ब्यूटी पेजेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। जानिए, निकिता पोरवाल से जुड़ी कुछ खास बातें।

130 देशों की ब्यूटी क्वीन से होगा मुकाबला

मिस वर्ल्ड 2026 का 75वां संस्करण 9 अगस्त से 5 सितंबर तक वियतनाम में आयोजित किया जाएगा। इस ब्यूटी पेजेंट में 130 देशों की ब्यूटी क्वीन शामिल होंगी। मिस इंडिया वर्ल्ड 2024 निकिता पोरवाल इस ब्यूटी पेजेंट में भारत की तरफ से शामिल होंगी। 130 देशों की ब्यूटी क्वीन से निकिता का कड़ा मुकाबला है।

इस ब्यूटी कॉम्पिटिशन को पहले रीता फारिया (1966), ऐश्वर्या राय (1994), डायना हेडन (1997), युक्ता मुखी (1999), प्रियंका चोपड़ा (2000) और मानुषी छिल्लर (2017) जीत चुकी हैं। मिस वर्ल्ड का खिताब अपने नाम कर चुकी हैं।

उज्जैन से निकिता पोरवाल का नाता

निकिता पोरवाल ने फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2024 का खिताब जीता था। वह उज्जैन की रहने वाली हैं। निकिता की स्कूली एजुकेशन उज्जैन के कार्मेल कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल से हुई। महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा से उन्होंने अपनी ग्रेजुएशन पूरी की है।

एंकर के तौर पर काम कर चुकी हैं निकिता

मिस इंडिया बनने से पहले निकिता पोरवाल ग्लैमर की दुनिया में कदम रख चुकी थीं। 18 साल की उम्र में एक टीवी एंकर के तौर पर उन्होंने अपना करियर शुरू किया। निकिता फिल्मों में भी काम करना चाहती हैं। उनकी चाहत संजय लीला भंसाली जैसे निर्देशक साथ काम करने की है।

हाई एक्शन एंटरटेनर फिल्म में पहली बार साथ आएंगे सुनील शेट्टी और टाइगर

बॉलीवुड के एक्शन हीरो और दिग्गज अभिनेता एक साथ एक फिल्म में नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों एक नई हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर फिल्म में नजर आएंगे, जिसे लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह है।

पहली बार टाइगर श्रॉफ और सुनील शेट्टी नई हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर फिल्म में नजर आएंगे। दोनों अपने-अपने अंदाज के लिए जाने जाते हैं। टाइगर जहां अपनी फिटनेस और स्टाइलिश एक्शन के लिए मशहूर हैं, वहीं सुनील शेट्टी अपने दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और रफ-टफ इमेज के लिए पसंद किए जाते हैं। इस प्रोजेक्ट को और भी खास बनाता है इसका एक इमोशनल कनेक्शन। सुनील शेट्टी पहले टाइगर श्रॉफ के पिता जैकी श्रॉफ के साथ कई फिल्मों में काम कर चुके हैं। अब वह उनके बेटे के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे, जो फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म की शूटिंग अप्रैल से शुरू होने की संभावना है। मेकर्स इसे बड़े स्तर पर बनाने की तैयारी में हैं, ताकि दर्शकों को एक शानदार सिनेमैटिक अनुभव मिल सके।

कैसी होगी फिल्म?

फिल्म को एक फुल-ऑन एक्शन एंटरटेनर बताया जा रहा है, जिसमें जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस, स्टाइलिश फाइट्स और मसाला एंटरटेनमेंट का तड़का देखने को मिलेगा। कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इसे बड़े पैमाने पर तैयार किया जा रहा है। अब फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है, क्योंकि पहली बार यह जोड़ी बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आने वाली है और उम्मीद की जा रही है कि यह फिल्म एक्शन लवर्स के लिए खास साबित होगी।

अनुष्का शेट्टी की 'कथानार' 14 भाषाओं में रिलीज की जाएगी

9वीं शताब्दी के पुजारी कदामत्ताथु पर आधारित है फिल्म

अनुष्का शेट्टी और जयसूर्या की नई फिल्म आ रही है, जिसका नाम 'कथानारः द वाइल्ड सॉर्सेरर' है और इसका ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। ट्रेलर एकदम दमदार हैं और कहानी के साथ-साथ विजुअल्स ऐसे हैं, जो स्क्रीन से बांधे रखेंगे। यह फिल्म केरल की लोक कथाओं के अमर चरित्र कदामत्ताथु कठनार पर आधारित है। इसका बजट 90 करोड़ रुपये बताया जा रहा है और एक साथ इसे 14 भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। माना जा रहा है कि 'कथानारः द वाइल्ड सॉर्सेरर' मलयालम सिनेमा यानी मॉलीवुड की अब तक की सबसे महंगी फिल्म है।

'कथानारः द वाइल्ड सॉर्सेरर' के ट्रेलर की शुरुआत एक रहस्यमय कांथालूर शाला से होती है। बैकग्राउंड में आवाज आती है, 'ज्ञान के चाहें कितने भी रूप या स्त्रोत क्यों न हों, लेकिन कांथालूर शाला उसे खुले दिल से अपनाएगा। मैं जादू-टोने में विश्वास नहीं रखता है।' फिर आवाज आती है- वो चेतना के रहस्यमय गलियारों में भटकते रहते हैं। फिर एक जादूगर दिखाया जाता है, जो जादू दिखाते हुए कहता है- एक मायाजाल जो सबको ऐसे आश्चर्यचकित कर देता है, जिसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता। वो आपकी आत्मा में समाकर हमेशा-हमेशा के लिए आपकी यादों में बस जाएगा।

ऐसी शक्तियां जो साधारण इंसान में नहीं

इसके बाद ट्रेलर में किसी असाधारण मनुष्य के बारे में बताया जाता है, जिसमें अलौकिक शक्तियां हैं। आवाज आती है- जो अब आने वाला है, वो सबसे परे है। जिसे न देखा, ना सुना। आपातकाल में आने वाला अलौकिक मानव अग्नि के समान होता है। यदि वो हाथ थामे तो संरक्षक और हाथ छोड़ दे तो विनाश। आपके अंदर ऐसी शक्तियां समाई हुई हैं, जो किसी साधारण इंसान में होना असंभव है। कैसे?

9वीं शताब्दी के पुजारी कदामत्ताथु पर आधारित है फिल्म

बताया जा रहा है कि 'कथानारः द वाइल्ड सॉर्सेरर' कदामत्ताथु कठनार पर आधारित है, जो 9वीं शताब्दी के केरल की लोक कथाओं के अमर चरित्र थे। वह एक क्रिश्चियन पादरी थे, जिनके पास अलौकिक शक्तियां थीं। ऐसी शक्तियां जो आम इंसान के पास नहीं होतीं। इन शक्तियों की मदद से वो अंधेरी ताकतों और जादू-टोने से लड़ सकते थे।

'कथानार' का ट्रेलर देख फैंस फिदा, खूब कर रहे तारीफ

'कथानार' एक डार्क फैंटेसी फिल्म है, जिसमें जबरदस्त एक्शन और शानदार VFX हैं। फैंस को ट्रेलर काफी पसंद आ रहा है और वो फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एक फैन ने यूट्यूब पर लिखा है, 'अगर यह फिल्म वो डिलीवर करती है, जो ट्रेलर में दिखीया गया है, तो भारतीय सिनेमा एक अभूतपूर्व चीज देखने वाला है। 'कथानार' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि लेजेंड बनने जा रही है।' एक का कमेंट है, 'कथानार सबूत है कि मलयालम सिनेमा अब आगे बढ़ रहा है। रोंगटे खड़े हो गए।'

लीड रोल में जयसूर्या, प्रभुदेवा समेत ये सितारे भी आएंगे नजर

'कथानार' में एक्टर जयसूर्या, कदामत्ताथु कठनार के रोल में हैं। ट्रेलर में इंट्रोडक्शन के साथ उनकी रहस्यमयी एंट्री दिखाई गई है। फिल्म में जयसूर्या और अनुष्का शेट्टी के अलावा प्रभुदेवा, सनूप सेन, नीतीश भारद्वाज, देविका, विनीत, हरीश उतमन, श्रीकांत मुरली और कुलप्रीत यादव हैं। फिलहाल फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान नहीं किया गया है।

अनुष्का शेट्टी 'कथानार' से मलयालम सिनेमा में डेब्यू कर रही हैं और लंबे समय बाद कमबैक भी। उनकी पिछली हिट 'भागमती' थी, जो 2018 में आई थी। इसके बाद वह 'निशब्दम' और 'मिस शेट्टी मिस्टर पोलीशेट्टी' में नजर आईं पर वो फिल्में नहीं चलीं।

अब वह 'कथानार' में नजर आएंगी। इस फिल्म को हिंदी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम और अंग्रेजी के अलावा 8 अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं में भी रिलीज किया जाएगा।

उर्फी जावेद ने बनाया खुद का मजाक, नेटिजंस को भाया अजब-गजब अंदाज; बोले- 'कम से कम वह रियल है'

कभी बोल्ड तो कभी क्रिएटिव अटायर में फैंस का ध्यान अपनी तरफ खींचने वाली उर्फी जावेद हाल ही में अलग अंदाज में नजर आईं। इस बार वह सिंपल लुक में एक इवेंट में पहुंची लेकिन यहां पर अपना मजाक उड़ाने से बाज नहीं आईं। जिस बात के लिए वह कुछ वक्त पहले ट्रोल हुई थी, उसी चीज को अपनी टी-शर्ट पर उर्फी ने प्रिंट करवा लिया। साथ ही पैपराजी के सामने आकर इस टी-शर्ट में खूब फोटो खिंचवाए।

सूजे होंठ वाली अपनी तस्वीर को उर्फी ने टी-शर्ट पर प्रिंट किया

एक इवेंट से उर्फी जावेद का वीडियो वायरल है। इसमें वह अपनी बहन के साथ शामिल हुईं। इवेंट में उर्फी जावेद ने एक टी-शर्ट पहनी है, जिसमें उनकी ही फोटो प्रिंट है। इस फोटो में उर्फी के होंठ सूजे हुए हैं। अपनी टी-शर्ट की तरफ उर्फी पैपराजी को ध्यान देने के लिए कहती हैं और मुस्कुराती हैं। इस तरह वह अपना मजाक खुद ही बनाती हैं।

क्या है होंठ सूजने का मामला?

उर्फी जावेद अक्सर ही कॉस्मेटिक प्रोसिजर कराती हैं। कुछ महीने पहले उन्होंने लिप और स्माइल लाइन फिलर्स को हटवाने का फैसला लिया है। इस प्रोसेस का पूरा वीडियो उन्होंने फैंस के साथ शेयर किया है। उर्फी ने बताया कि उन्हें कुछ साल पहले फिलर्स करवाए गए थे, लेकिन समय के साथ उनका असर बिगड़ गया और चेहरा खराब लगने लगा। इसीलिए उन्होंने उन्हें डिजॉल्व करवाने का मुश्किल फैसला लिया। इस प्रोसेस के बाद उर्फी के होंठ सूज गए थे। ऐसे में सोशल मीडिया यूजर्स ने उनका खूब मजाक बनाया था। अब उसी फोटो को उर्फी ने अपनी टी-शर्ट पर प्रिंट करवाया और फैंस को पुरानी बात याद दिला दी।

सोशल मीडिया यूजर्स ने भी उर्फी की तारीफ की, उनकी बेबाकी को सराहा। नेटिजंस का मानना है कि वह जैसी भी खुद को सबके सामने वैसे ही पेश करती हैं।

750 करोड़ के घोटाले में एसीबी पर निशाना

राज्यपाल से मिले नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, सीबीआई जांच कराने का किया आग्रह

रांची, 31 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड में 750 करोड़ रुपए से अधिक के कथित शराब घोटाले को लेकर सियासत गरमा गई है। विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्यपाल को पत्र लिखकर इस पूरे मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

उन्होंने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि एजेंसी निष्पक्ष जांच करने के बजाय सत्ता संरक्षित भ्रष्टाचार को बचाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े आर्थिक अपराध में अब तक चार्जशीट दाखिल नहीं होना खुद में संदेह पैदा करता है।

चार्जशीट में देरी से आरोपियों को मिला फायदा

बाबूलाल मरांडी ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि वर्ष 2022 में उत्पाद नीति में बदलाव कर एक सिंडिकेट को लाभ पहुंचाया गया, जिससे राज्य को भारी राजस्व नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि शुरुआत में 38 करोड़ रुपए का मामला अब बढ़कर 750 करोड़ रुपए से अधिक का हो चुका है।

एसीबी ने मई 2025 में कई अहम अधिकारियों और संबंधित लोगों को गिरफ्तार किया था, लेकिन 90 दिनों के भीतर चार्जशीट दाखिल नहीं करने के कारण अधिकांश आरोपियों को डिफॉल्ट बेल मिल गई। उन्होंने आरोप लगाया कि यह देरी जानबूझकर की गई, ताकि आरोपियों को कानूनी राहत मिल सके। मामले में एसीबी की कार्यप्रणाली पर सवाल तब और गहरे हो गए जब छत्तीसगढ़ के शराब कारोबारी नवीन केडिया गिरफ्तारी के बाद फरार हो गया। जनवरी 2026 में गोवा से गिरफ्तारी के बाद उसे ट्रांजिट बेल मिली और वह पुलिस को चकमा देकर भाग निकला।

बाबूलाल मरांडी ने इसे एजेंसी की बड़ी विफलता बताते हुए कहा कि इतने गंभीर मामले में आरोपियों का फरार होना जांच की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाता है। उन्होंने कहा कि 17 में से 14 आरोपियों को जमानत मिल जाना इस बात का प्रमाण है कि जांच कमजोर तरीके से की जा रही है।

नेता प्रतिपक्ष ने राज्यपाल से आग्रह किया है कि वे इस मामले में संवैधानिक दायित्व निभाते हुए हस्तक्षेप करें। उन्होंने एसीबी को तत्काल चार्जशीट दाखिल करने का निर्देश देने और पूरे मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने की अनुशंसा करने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि यह सिर्फ आर्थिक घोटाला नहीं, बल्कि राज्य की कानून व्यवस्था और प्रशासनिक पारदर्शिता पर बड़ा सवाल है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो जनता का विश्वास पूरी तरह खत्म हो सकता है।

शादीशुदा महिला से बीच सड़क गैंगरेप की कोशिश

नालन्दा, 31 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के नालंदा में एक शादीशुदा महिला के साथ सरेआम गैंगरेप की कोशिश की गई। बीच सड़क कुछ बदमाशों ने महिला को गलत ढंग से पकड़ लिया। रेप की कोशिश का बदमाशों ने वीडियो भी बनाया। महिला ने जब थाने में इसकी शिकायत की तो आरोपियों ने गंदा वीडियो वायरल कर दिया। मामला सीएम नीतीश के गृह जिले नालंदा के नूरसराय थाना इलाके का है। पीड़िता ने थाने में शिकायत की है। पुलिस ने 2 आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। महिला शादीशुदा है। उसके 2 बच्चे हैं। उसका पति रोजगार के सिलसिले में महाराष्ट्र के नासिक में रहता है। वो अपने सास-ससुर के साथ नूरसराय थाना इलाके के एक गांव में रहती है।

महिला के मुताबिक 26 मार्च की शाम वो घर से राशन लाने के लिए निकली। राशन लेकर वो घर लौट रही थी, तभी गांव के ही तीन लड़कों ने अंधेरे का फायदा उठाकर उसे पकड़ लिया। तीनों ने उसके साथ रेप करने की कोशिश की।

पहले वह रुद्राक्ष की माला बेचती थी, अब कलमा पढ़ रही

प्रवीण तोगड़िया ने कसा तंज

भोपाल, 31 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में मोनालिसा और फरमान के विवाह को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। भोपाल पहुंचे हिंदूवादी नेता प्रवीण तोगड़िया के बयान के बाद मामला और तूल पकड़ गया है। मीडिया से बातचीत में प्रवीण तोगड़िया ने मोनालिसा को लेकर टिप्पणी करते हुए कहा कि पहले वह रुद्राक्ष की माला बेचती थी और अब कलमा पढ़ रही है। उन्होंने "घर वापसी" से जुड़े सवाल पर भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यदि ऐसे मामलों को रोका जाए, तो वापसी की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि पूरे देश में लव जिहाद चल रहा हैं। लव जिहाद को रोकने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि किसी भी बहन-बेटी को लव जिहाद का शिकार ना होने दें।

बता दें खरगोन जिले के महेश्वर क्षेत्र की रहने वाली मोनालिसा ने केरल में फरमान से विवाह किया है। इस घटना के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने इस मामले को महज व्यक्तिगत निर्णय मानने से इनकार किया है। पार्टी का कहना है कि यदि किसी प्रकार के दबाव या धोखे से धर्म परिवर्तन हुआ है, तो कानून के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए।

फिलहाल, यह मामला सामाजिक और राजनीतिक दोनों स्तरों पर चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसमें समर्थन और विरोध दोनों तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। वहीं, तोगड़ियां ने गौ हत्या पर भी बयान देते हुए कहा कि एक भी गौ हत्या नहीं होना चाहिए। सरकार को इस पर काम करना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार को धर्मांतरण रोकने पर भी काम करना चाहिए। हिंदू समाज से जुड़े मुद्दों पर प्रवीण तोगड़िया ने बयान देते हुए कहा कि हिंदुओं की एकता सरकारों पर निर्भर नहीं है। उनका कहना था कि किसी भी शासन व्यवस्था के आधार पर हिंदू समाज एकजुट नहीं होता, बल्कि इसकी जड़ें पूर्वजों की परंपरा और सांस्कृतिक विरासत में हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि इतिहास गवाह है कि अलग-अलग परिस्थितियों में भी हिंदू समाज अपनी पहचान और एकता बनाए रखता आया है। उनके अनुसार, यह एकता स्वाभाविक है और आगे भी बनी रहेगी, जबकि सरकारें अपनी नीतियों के अनुसार काम करती रहेंगी।

आदिवासी युवक को पाइप से पीटा, चमड़ी उधेड़ी

नशामुक्ति केंद्र संचालिका के बेटे ने किया लहूलुहान, पीठ-गर्दन पर गहरे जख्म

रायपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायपुर के पंडरी मोवा स्थित 'साहस नशा मुक्ति केंद्र' में एक आदिवासी युवक को पाइप से बेरहमी से पीटने का वीडियो सामने आया है। नशे की लत छुड़ाने के लिए परिजनों ने उसे भर्ती कराया था। लेकिन केंद्र संचालिका के बेटे ने उसके साथ मारपीट की।

पिटाई से उसके पीठ-गर्दन की चमड़ी छिल गई है। गहरे जख्म के निशान दिख रहे हैं। युवक की मानसिक स्थिति भी बिगड़ गई है। उसका इलाज विशाखापट्टनम के एक अस्पताल में चल रहा है। मामला पंडरी थाना इलाके का है।

दरअसल, ओडिशा के उमरकोट निवासी अंकुर मांझी को उसके माता-पिता ने नशा छुड़ाने सितंबर-अक्टूबर 2025 में पंडरी मोवा के 'साहस नशामुक्ति केंद्र' में भर्ती करवाया था। कुछ दिनों बाद ही उसके साथ मारपीट हुई थी, लेकिन यह मामला दब गया था। जब फरवरी में बेटा घर पहुंचा, तो उसकी हालत देखकर माता-पिता को इसकी जानकारी हुई। अंकुर की पीठ और गर्दन पर मारपीट के कारण चमड़ी छिल गई थी। वह बुरी तरह डरा हुआ था। परिजनों ने उसे डॉक्टरों को दिखाया, तो डॉक्टरों ने मारपीट होने की वजह से उसे मानसिक बीमार बता दिया। अभी अंकुर का विशाखापट्टनम में इलाज चल रहा है। बेटे ने पूछताछ में परिजनों को बताया कि, केंद्र संचालिका के बेटे अनिकेश शर्मा ने उसे पाइप से पीटा है। गाली-गलौज भी की। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कथित तौर पर अनिकेश को मरीज के साथ हिंसक व्यवहार करते और बेरहमी से पीटते देखा जा सकता है। आरोप है कि इलाज के नाम पर वहां 'टॉर्चर सेल' चलाया जा रहा था।

पीड़ित अंकुर के परिजनों ने आरोप लगाया है कि, जब उनका बेटा केंद्र में भर्ती था, तब उन्हें मिलने भी नहीं दिया जाता था। वो मिलने जाते थे जातिसूचक गालियां दी जाती थी। अब परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने केंद्र संचालिका के बेटे अनिकेश शर्मा के खिलाफ FIR दर्ज कर लिया है। पुलिस ने केंद्र संचालिका से नशा मुक्ति केंद्र संचालित करने के दस्तावेज भी मांगे हैं।

इस मामले में पंडरी थाना प्रभारी स्वराज त्रिपाठी ने बताया कि, पीड़ित परिवार की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। आरोपी अनिकेश शर्मा खुद नशे की लत में है। वर्तमान में टाटीबंध स्थित नशामुक्ति केंद्र में उसका इलाज चल रहा है।

सूरत की बिल्डिंग में आग, 5 की मौत

सूरत, 31 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत में एक मकान में मंगलवार दोपहर को आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 4 महिलाएं और एक बच्चा शामिल है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

पड़ोसियों से मिली जानकारी के मुताबिक, शहर के लिंबायत इलाके का यह मकान एक व्यापारी का है, जिसमें करीब 8 टन साड़ियों का स्टॉक रखा हुआ था। इससे घर में पैदल चलने तक की जगह नहीं बची थी। इसी के चलते आग इतनी तेजी से भड़की। किसी को बचने का मौका नहीं मिला।

मरने वालों में 4 साल का बच्चा भी

मरने वालों में एक बच्चे समेत 4 महिलाएं शामिल हैं।

इनके नाम- शाहनाज बेगम अंसारी (उम्र 65 वर्ष), हुसा बेगम अंसारी (उम्र 18 वर्ष), शबीन अंसारी (उम्र 28), परवीन अंसारी (उम्र 19) और शुभान अंसारी (उम्र 4) शामिल हैं।

अहमदाबाद के नारणपुरा इलाके में मंगलवार सुबह गैस सिलेंडर फटने से घर में मौजूद पांच लोग झुलस गए। सभी घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

धमाका इतना जोरदार था कि इमारत का लोहे का दरवाजा भी टूटकर सामने वाली दीवार से जा टकराया।

इसके साथ ही पास की दो अन्य बिल्डिंगों की खिड़कियां भी टूट गईं।

गर्भस्थ शिशु की मौत, डॉक्टर्स पर भड़कीं मंत्री राजवाड़े

बोलीं- मेरा ब्लड ले लो, सूरजपुर अस्पताल में खून की कमी से रुका प्रसूता का ट्रीटमेंट

सूरजपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिला अस्पताल में भर्ती गर्भवती महिला के गर्भस्थ शिशु की मौत हो गई। इसके बाद अस्पताल में इलाज में लापरवाही की जानकारी मिलने पर महिला-बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े अस्पताल पहुंचीं। लापरवाही और दुर्व्यवहार के मामले में उन्होंने सिविल सर्जन और डॉक्टरों को फटकार लगाई।

जानकारी के अनुसार, महिला को गंभीर हालत में शनिवार को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच के बाद रविवार को पता चला कि गर्भस्थ शिशु की मौत हो चुकी है और उसका ऑपरेशन कर मृत शिशु को निकालना आवश्यक था, लेकिन अस्पताल में ब्लड की कमी बताते हुए उसका इलाज शुरू नहीं किया गया, जिस पर लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि मेरा ब्लड ले लो और इलाज करो।

इस मामले में सूरजपुर के सीएमएचओ डॉ. अनिल पैकरा ने डॉक्टर निकिता को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

सोमवार को मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े को मरीज का इलाज शुरू न होने की शिकायत मिली, जिसके बाद वे शाम को अस्पताल पहुंचीं। उनके पहुंचते ही सीएस डॉ. मरकाम सहित अन्य चिकित्सक मौके पर मौजूद हो गए।

मंत्री ने इलाज में लापरवाही पर सीएस को कड़ी फटकार लगाई। साथ ही डॉक्टरों और नर्सों के दुर्व्यवहार पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इससे पूरी चिकित्सा व्यवस्था की छवि खराब हो रही है।

दरअसल, परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन से मदद मांगी थी, लेकिन उन्हें दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा। शिकायत भाजपा नेताओं तक पहुंची तो उन्होंने डॉक्टर से संपर्क किया, जिस पर डॉक्टर ने कथित तौर पर कहा-मंत्री या विधायक को बुला लो, कुछ नहीं होगा।

लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि अस्पताल की व्यवस्था में सुधार किया जाए। पहले भी कई शिकायतें मिल चुकी हैं। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़े तो मेरा ब्लड निकाल लो, लेकिन मरीज का इलाज तुरंत होना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने अस्पताल में फैली बदबू और गंदगी पर भी अपनी नाराजगी जताई।

शख्स ने बाइक बिना बताए चलाई तो उसकी पत्नी के मुंह पर कालिख पोती

अमानवीयता की हदें पार

रांची, 31 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के रांची जिले में एक पड़ोसी ने 28 वर्षीय महिला के चेहरे पर कथित तौर पर कालिख पोतकर उसे सार्वजनिक रूप से घुमाया। पुलिस के अनुसार, इस मामले में एक महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना सदर थाना क्षेत्र के भाभानगर कॉलोनी में हुई।

सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार ने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को उनके चंगुल से छुड़ाया। इस मामले में एक युवक और उसकी महिला मित्र को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की पहचान पंकज सिंह उर्फ पंकज (25) और संतना कुमारी (23) के रूप में हुई है।

मायके से मिली संपत्ति पर पति का अधिकार नहीं

परिवारिक विवाद पर आंध्र हाईकोर्ट बोला- निसंतान महिला का सबकुछ पिता के वारिस को मिलेगा

अमरावती, 31 मार्च (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी हिंदू महिला को माता-पिता से विरासत में संपत्ति मिली है और उसकी मौत बिना संतान, वसीयत किए बिना ही हो जाती है, तो उस संपत्ति पर पति-ससुराल का कानूनी हक नहीं होगा। ऐसी संपत्ति महिला के पिता के कानूनी वारिसों को जाएगी।

जस्टिस तारलाडा राजशेखर राव ने कहा कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 15(2)(ए) इस बारे में साफ है।

मामला एक परिवार की संपत्ति से जुड़ा है। 2002 में एक महिला ने अपनी संपत्ति पहली नातिन को गिफ्ट कर दी थी।

2005 में उस नातिन की बिना संतान मौत हो गई। इसके बाद नानी ने पुराना गिफ्ट रद्द कर संपत्ति दूसरी नातिन के नाम वसीयत कर दी। 2012 में दादी की मौत के बाद दूसरी नातिन ने राजस्व रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने का आवेदन किया।

राजस्व अधिकारी (आरडीओ) ने दूसरी नातिन के पक्ष में आदेश दिया, लेकिन मृत नातिन के पति ने इसे चुनौती दी।

जॉइंट कलेक्टर ने आरडीओ का फैसला पलट दिया और पति के पक्ष में म्यूटेशन करने का निर्देश दिया। कहा गया कि शुरुआती गिफ्ट डीड रद्द करना कानूनी रूप से वैध नहीं था। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा। पारिवारिक विवाद से जुड़े ऐसे ही एक मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि भरण-पोषण (मेंटेनेंस) के मामलों में पत्नी का पति की आय बढ़ाकर बताना आम बात है। सिर्फ इसी आधार पर पत्नी के खिलाफ झूठा बयान देने (परजरी) की कार्रवाई नहीं की जा सकती। कोर्ट ने पति की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने पत्नी पर कार्रवाई की मांग की थी।

4.61 करोड़ का गांजा और नशीली-दवा पकड़ाई

महासमुंद, 31 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में पुलिस ने 'ऑपरेशन निश्चय' के तहत बड़ी कामयाबी हासिल की है। सोमवार को महज 10 घंटे के अंदर 4 थाना इलाके से 6 क्विंटल 85 किलो गांजा और 700 नशीली टैबलेट बरामद किया है। जिसकी कीमत 4 करोड़ 61 लाख रुपए है। 13 तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया, जिसमें से 7 दूसरे राज्य के रहने वाले हैं।

यह कार्रवाई बसना, कोमाखान, सिंघोड़ा और महासमुंद थाना क्षेत्रों में की गई है। गिरफ्तार आरोपी छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के रहने वाले हैं। यह आरोपी ड्राई फ्रूट से भरे ट्रक, घरेलू सामान, पैकर्स एंड मूवर्स की आड़ तस्करी कर रहे थे।

नशे का सामान ओडिशा से यूपी-एमपी और राजस्थान ले जाया जा रहा था।

इंजीनियर कपल ने सुसाइड किया

पति फ्लैट में फंदे से लटका मिला, पत्नी ने 17वीं मंजिल से कूदकर जान दी

बेंगलुरु, 31 मार्च (एजेंसियां)। बेंगलुरु के कोथनूर इलाके के अपार्टमेंट में एक इंजीनियर कपल के सुसाइड का मामला सामने आया है। पहले पति का शव फ्लैट के बंद कमरे में मिला। कई बार दरवाजा खटखटाने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला तो पत्नी ने सिक्योरिटी और पड़ोसियों को बुलाया।

दरवाजा तोड़ने पर पति का शव फंदे से लटका मिला। इसके कुछ ही मिनट बाद पत्नी फ्लैट से बाहर निकलीं और उसी अपार्टमेंट की 17वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। मृतकों की पहचान तेलंगाना के सिद्दीपेट निवासी भानु चंदर रेड्डी कुंटा (32) और उनकी पत्नी शाजिया (31) के रूप में हुई है।

भानु चंदर सॉफ्टवेयर इंजीनियर थे। शाजिया IBM में काम करती थीं। रेड्डी ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमें उन्होंने अपनी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में बताया। साथ ही लिखा कि उनकी मौत के लिए किसी को जिम्मेदार न ठहराया जाए।

पुलिस के अनुसार, कपल की शादी को लगभग नौ साल हो चुके थे। इससे पहले दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में रह चुके थे। सूत्रों ने पुलिस को बताया कि शादी के बाद उनके बीच अक्सर विवाद होते रहते थे। हालांकि, दोनों परिवार उनके रिश्ते से अनजान थे। बेंगलुरु पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और उनकी मौत के कारणों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या पति के स्वास्थ्य समस्याओं ने इस घटना में कोई भूमिका निभाई।

11 करोड़ का सोना, 2.90 करोड़ कैश, नक्सलियों के सबसे बड़े खजाने पर जवानों की रेड

बीजापुर में 25 माओवादी कैडर का सरेंडर

बीजापुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षाबल के जवानों को बड़ी सफलता मिली है। 'पूना मारगेम' अभियान के तहत डीकेएसजडसी से जुड़े 25 माओवादी कैडरों ने सरेंडर कर दिया है। यह सरेंडर नक्सलवाद के खात्मे की डेडलाइन के कुछ घंटों पहले हुआ है। सरेंडर करने वालों में 12 महिला नक्सली भी शामिल हैं। इसके साथ ही जवानों को नक्सलियों द्वारा डंप किया गया अभी तक का सबसे बड़ा खजाना मिला है।

सुरक्षाबल के अधिकारियों ने बताया कि सरेंडर करने वाले सभी नक्सली दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के मेंबर थे। इनके सिर पर 1.47 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था।

अधिकारियों ने कहा कि माओवादी इतिहास की सबसे बड़ी रिकवरी भी हुई है। जवानों ने नक्सलियों के पास से 14 करोड 6 लाख रुपये की बरामदगी की है। जिसमें से 2 करोड़ 90 लाख रुपये कैश और 11 करोड़ 16 लाख रुपये का 7.20 किलो ग्राम सोना बरामद हुआ है।

सरेंडर करने वाले नक्सलियों ने जवानों को सौंपे हथियार

एलएमजी, एके-47, एसएलआर, INSAS जैसे 93 घातक हथियारों की बरामदगी।

दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी से जुड़े थे सरेंडर करने वाले नक्सली। सरेंडर करने वाले 25 माओवादी कैडरों पर 1.47 करोड़ रुपये का था इनाम।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जिला बीजापुर में 1 जनवरी 2024 से लेकर 31 मार्च 2026 तक की अवधि में कुल 1003 माओवादी कैडरों ने सरेंडर किया। पुनर्वास करने वाले कैडरों में माओवादी संगठन के विभिन्न स्तरों के पदाधिकारी शामिल थे। डिवीजनल कमेटी सदस्य, बटालियन/कंपनी सदस्य, एसीएम और पार्टी सदस्य शामिल हैं।

बीजापुर में 25 माओवादी कैडरों ने सरेंडर किया है। इनके सिर पर 1 करोड़ 47 लाख का इनाम घोषित था। बचे हुए नक्सलियों से अपील है कि वह हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो जाएं।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि शासन की नक्सल आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के अंतर्गत आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों को नियमानुसार आर्थिक सहायता, कौशल विकास प्रशिक्षण, आवास, शिक्षा एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

घरों तक जंग की आंच, दूध-किराना-इलाज महंगे होंगे

रोजमर्रा के सामान के दाम बढ़ाने की तैयारी, कॉमर्शियल एलपीजी की कमी से हजारों प्लास्टिक यूनिट बंद

नई दिल्ली/मुंबई/भोपाल, 31 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने कंपनियों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। कच्चे तेल और अन्य कच्चे माल की कीमतें बढ़ने से लागत बढ़ रही है और कंपनियां दाम बढ़ाने पर विचार कर रही हैं। इससे बोतलबंद पानी, नमक, तेल जैसी रोजमर्रा की चीजें, एसी, फ्रिज जैसे कंज्यूमर ड्यूरेबल से लेकर नॉन-सर्जिकल मेडिकल आइटम के दाम बढ़ सकते हैं।

वजह यह है कि इस जंग ने प्लास्टिक उद्योग की रीढ़ तोड़ दी है। बीते 30 दिनों में कच्चे माल के दाम 50-70% तक बढ़ चुके हैं। सबसे ज्यादा उपयोग में आने वाले प्लास्टिक दाने एलडीपीई के दाम 110 रु/ किलो से 180 रुपए तक पहुंच गए हैं।

अन्य पॉलीमर और रॉ मटेरियल भी 30 हजार से 70 हजार रुपए प्रति टन तक वृद्धि हुई है। ऐसे में अप्रैल में प्लास्टिक की कीमतें 50-60% तक बढ़ सकती हैं। प्लास्टिक टंकी व कंटेनर के दाम 30-40% तक बढ़ने की आशंका है। ऑल इंडिया प्लास्टिक मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के प्रेसिडेंट सुनील शाह कहते हैं कि प्लास्टिक इंडस्ट्री से 5 लाख लोग जुड़े हैं। संकट बढ़ा तो दो-तीन लाख लोग बेरोजगार हो सकते हैं। हमारी मांग है कि स्थिति सामान्य होने तक प्लास्टिक प्रोडक्ट्स पर 18% जीएसटी को कम करके 5% तक लाया जाए। बैंक वर्किंग कैपिटल लिमिट 20% तक बढ़ा दें। इससे कैश फ्लो समस्या हल होगी।

असर 50 हजार प्लास्टिक फैक्ट्रियों पर पड़ा है। कॉमर्शियल एलपीजी की कमी झेल रहे अधिकांश यूनिट्स ने उत्पादन बंद कर दिया या घटा दिया। करीब 20 हजार कारखाने बंद होने का अनुमान है। हैदराबाद के एक ईपीई निर्माता ने बताया, 'हम गैस के बिना उत्पादन नहीं कर सकते। 80 रुपए/किलो तो छोड़िए 150 में भी नहीं मिल रही।'

गुजरात के राजकोट में 40 से ज्यादा प्लांट बंद हो चुके हैं। मध्यप्रदेश, रायपुर और हैदराबाद में भी कई प्लांट बंद हैं। प्लास्टिक पैकेजिंग निर्माता लंबे समय तक मार्जिन का दबाव नहीं झेल पा रहे। कई यूनिट्स ने पुराने ऑर्डर रद्द कर दिए हैं।

कैपिटल मार्केट नियमों पर रिजर्व बैंक ने दी अतिरिक्त मोहलत

1 जुलाई से प्रभावी होंगे नए बदलाव

नई दिल्ली,31 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक ने पूंजी बाजार एक्सपोजर से जुड़े संशोधित फ्रेमवर्क के लागू होने की समयसीमा तीन महीने के लिए बढ़ा दी है। अब ये नए नियम 1 अप्रैल 2026 के बजाय 1 जुलाई 2026 से प्रभावी होंगे। केंद्रीय बैंक का यह फैसला बैंकों, कैपिटल मार्केट इंटरमीडियरीज और उद्योग संगठनों से मिले फीडबैक के बाद लिया गया है। इन संस्थाओं ने नए नियमों को लागू करने में परिचालन और व्याख्यात्मक चुनौतियों की ओर ध्यान दिलाया था।

किन क्षेत्रों में स्पष्टता प्रदान की गई?

आरबीआई ने इस फ्रेमवर्क के लिए 13 फरवरी 2026 को संशोधन निर्देश जारी किए थे, जो सार्वजनिक परामर्श के बाद तैयार किए गए थे। अब आरबीआई ने अधिग्रहण वित्त , वित्तीय परिसंपत्तियों के खिलाफ ऋण और सीएमआई को दिए जाने वाले क्रेडिट एक्सपोजर जैसे क्षेत्रों में स्पष्टता भी प्रदान की है।

संशोधित नियमों में क्या खास?

संशोधित नियमों के तहत अधिग्रहण वित्त के दायरे को बढ़ाकर अब इसमें विलय और समामेलन को भी शामिल किया गया है। हालांकि, इस तरह की फंडिंग केवल गैर-वित्तीय कंपनियों में नियंत्रण हासिल करने के लिए ही दी जाएगी, जिससे स्पष्ट है कि आरबीआई का फोकस केवल नियंत्रण आधारित सौदों पर है, न कि छोटे निवेशों पर।अगर लक्ष्य कंपनी एक होल्डिंग कंपनी है, तो बैंकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि संभावित तालमेल सिर्फ मूल कंपनी ही नहीं बल्कि उसकी सभी सहायक कंपनियों में भी मौजूद हो।

कंपनियों के लिए अधिग्रहण वित्त नियमों में बदलाव

नए फ्रेमवर्क में कंपनियों को अधिग्रहण वित्त को भारतीय या विदेशी सहायक कंपनियों के माध्यम से लेने की अनुमति भी दी गई है। वहीं, रीफाइनेंसिंग नियमों को सख्त किया गया है। बैंक अब केवल उसी स्थिति में अधिग्रहण ऋण का पुनर्वित्त कर सकेंगे जब सौदा पूरा हो जाए और नियंत्रण स्थापित हो जाए। साथ ही, यह राशि केवल मूल ऋण चुकाने के लिए ही इस्तेमाल की जा सकेगी। इसके अलावा, अगर अधिग्रहण वित्त किसी सहायक कंपनी या विशेष प्रयोजन वाहन को दिया जाता है, तो अधिग्रहण करने वाली कंपनी की कॉरपोरेट गारंटी अनिवार्य होगी, जिससे क्रेडिट सुरक्षा मजबूत होगी। बैंकों के लिए यह स्थगन सिस्टम और प्रक्रियाओं को नए नियमों के अनुरूप ढालने का अतिरिक्त समय देगा, जबकि स्पष्ट परिभाषाओं से कानूनी अस्पष्टता और जोखिम भी कम होने की उम्मीद है। वहीं, अधिग्रहण करने वाली कंपनियों के लिए यह फ्रेमवर्क अवसर और सीमाएं दोनों लेकर आया है, जहां एक ओर विलय और सहायक कंपनियों के जरिए फंडिंग के विकल्प बढ़े हैं, वहीं दूसरी ओर केवल नियंत्रण आधारित अधिग्रहण की अनुमति और सख्त रीफाइनेंसिंग शर्तें लागू की गई हैं।

कोलैटरल को लेकर क्या हुए बदलाव?

कैपिटल मार्केट इंटरमीडियरीज को भी राहत देते हुए आरबीआई ने 100% नकद या नकद-समान संपार्श्विक या कोलैटरल के खिलाफ प्रोप्राइटरी ट्रेडिंग के लिए बैंक फंडिंग की अनुमति दी है। साथ ही, मार्केट मेकर्स को उन्हीं सिक्योरिटीज़ के खिलाफ फंडिंग लेने की पाबंदी भी हटा दी गई है, जिनका वे बाजार निर्माण में उपयोग करते हैं।

1 अप्रैल 2026 से बदल जाएगा जेब का गणित

आयकर कानून, जीएसटी और महंगाई के मोर्चे पर जानिए

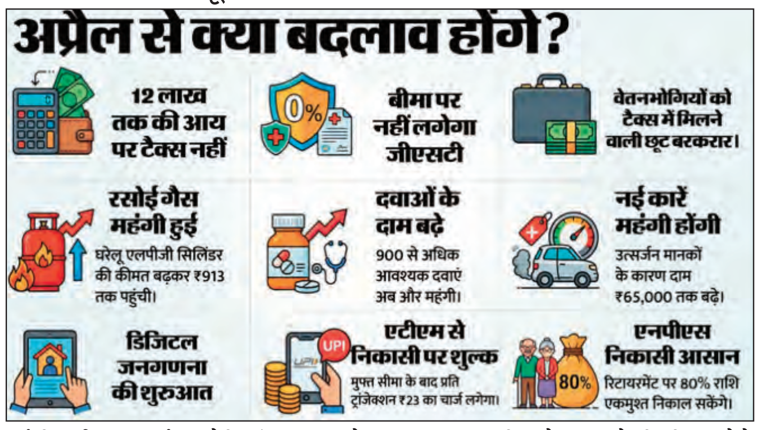

नई दिल्ली,31 मार्च (एजेंसियां)। भारत में 1 अप्रैल 2026 से आर्थिक मोर्चे पर एक बड़ा बदलाव हो रहा है। छह दशक पुराने आयकर कानून की विदाई होने वाली है तो 'आयकर अधिनियम, 2025' अमल में आने वाला है। वहीं, जीएसटी 2.0 के तहत घोषित एलानों के लागू होने के बाद अब देश का वित्तीय ढांचा पूरी तरह से बदलने की ओर बढ़ रहा है।

इन बदलावों का सीधा असर आम आदमी के वेतन, बचत, रसोई गैस और रोजमर्रा के खर्चों पर पड़ेगा यह तय है। कर निर्धारण वर्ष 2026-27 से सरकार ने 12 लाख रुपये तक की आय को करमुक्त करने का एलान कर रखा है। दूसरी तरफ, पश्चिम एशिया के तनाव और नए विनियामक नियमों के कारण एलपीजी, दवाएं और कारें महंगी हो रही हैं।

ऐसे में नए वित्तीय वर्ष में प्रवेश करने से पहले आम आदमी के लिए यह समझना बेहद जरूरी है कि 31 मार्च की डेडलाइन चूकने का क्या नुकसान है और 1 अप्रैल से उनकी आर्थिक जिंदगी में क्या-क्या बदलने वाला है? आइए सबकुछ आसान भाषा में समझने की कोशिश करते हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के समापन पर आपको पेनल्टी और वित्तीय नुकसान से बचने के लिए ये काम 31 मार्च तक पूरे किए गए: टैक्स सेविंग और निवेश: धारा 80सी और 80डी के तहत टैक्स छूट पाने के लिए पीपीएफ, ईएलएसएस, और जीवन बीमा में निवेश 31 मार्च से पहले कर लें, अन्यथा इसका लाभ चालू वित्त वर्ष में नहीं मिलेगा। खातों को सक्रिय रखना: पीपीएफ, एनपीएस और सुकन्या समृद्धि योजना को निष्क्रिय होने और पेनल्टी से बचाने के लिए न्यूनतम अनिवार्य राशि जमा करना आवश्यक है। अपडेटेड रिटर्न: वित्तीय वर्ष 2020-21 (आकलन वर्ष 2021-22) के लिए अपडेटेड रिटर्न दाखिल करने की आखिरी समय-सीमा 31 मार्च है। विदेशी आय वालों के लिए: एनआरआई को विदेशी कर क्रेडिट का दावा करने के लिए 'फॉर्म 67' इसी दिन तक जमा करना होगा, अन्यथा दोहरे कराधान का सामना करना पड़ सकता है।

1 अप्रैल से लागू आयकर अधिनियम 2025 से क्या-क्या बदल रहा?

पुराने आयकर अधिनियम, 1961 को 'आयकर अधिनियम 2025' से बदल दिया गया है। अब 'असेसमेंट ईयर' और 'प्रीवियस ईयर' काझंझट खत्म कर इसे सिर्फ 'टैक्स ईयर 2026-27' कहा जाएगा। नई टैक्स व्यवस्था: 12 लाख रुपये तक की शुद्ध वार्षिक आय वालों की टैक्स देनदारी शून्य कर दी गई है। इसके साथ ही वेतनभोगियों के लिए 75,000 रुपये का स्टैंडर्ड डिडक्शन जारी रहेगा। पुरानी व्यवस्था में भारी छूट: बच्चों की शिक्षा भत्ता 100 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये प्रति माह और हॉस्टल भत्ता 300 रुपये से बढ़ाकर 9,000 रुपये कर दिया गया है। पुणे, बंगलूरू, हैदराबाद और अहमदाबाद को भी एचआरए के लिए टियर-1 (50% छूट) में शामिल कर लिया गया है। अब सेकेंडरी मार्केट से खरीदे गए सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड पर मैच्योरिटी के समय कैपिटल गेन टैक्स लगेगा।

अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच रूस ने निभाई दोस्ती

तेल-गैस के बाद भारत को दे रहा ब्लैक गोल्ड

नई दिल्ली,31 मार्च(एजेंसियां)। अमेरिका-ईरान में युद्ध के संकट के बीच रूस एक बार फिर सच्चा दोस्त बनकर सामने आया है। तेल-गैस के बाद रूस अब भारत को भर-भरकर कोयला दे रहा है। होर्मुज स्ट्रेट बाधित होने से तेल-गैस की सप्लाई ठप पड़ चुकी है। ऐसे में भारत ने रूस ने अपना फ्यूल इंपोर्ट बढ़ा दिया है। रूस ने भी दोस्ती निभाते हुए ब्लैक गोल्ड कहा जाने वाला कोयला भारत को तेजी से भेजना शुरू कर दिया है।होर्मुज से भले ही भारतीय जहाजों के लिए आवाजाही से छूट मिली हुई है, मगर युद्ध के इस माहौल में जहाजों का वहां से पहले की तरह गुजारना संभव नहीं है।

अभी भी भारतीय नौसेना को होर्मुज से अपनी निगरानी में भारतीय झंडे वाले जहाजों को भारत के समंदर तक लाना बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है। ऐसे में रूस की ओर से भारत को कोयले की सप्लाई बेहद राहत वाली खबर है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, कोयले की आपूर्ति भारत की उस कोशिश के तहत की जा रही है, जिससे देश में बिजली सप्लाई बरकरार रखने और इंडस्ट्रियल एक्टिविटी निर्बाध रूप से चल सके। रूस का कोयला ऐसे में भारत के पावर सेक्टर में स्थिरता लाने में मददगार साबित होगा। रिपोर्ट के अनुसार, कोयले से लदे बड़े-बड़े कार्गो शिप रूस से भारतीय तटों पर पहुंच रहे हैं। यह बताता है कि दोनों देशों के बीच एनर्जी ट्रेड तेजी से बढ़ रहा है। आरटी न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने मार्च की शुरुआत में ही रूस से कोयले का आयात बढ़ा दिया था। रिपोर्ट के अनुसार, कोयले से लदे बड़े-बड़े कार्गो शिप रूस से भारतीय तटों पर पहुंच रहे हैं। यह बताता है कि दोनों देशों के बीच एनर्जी ट्रेड तेजी से बढ़ रहा है। आरटी न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने मार्च की शुरुआत में ही रूस से कोयले का आयात बढ़ा दिया था। रूस से कोयले का आयात फरवरी के मुकाबले मार्च के पहले तीन हफ्ते में ही 25 फीसदी बढ़ गया। अगर सालाना तुलना करें तो कोयले का अयात पिछले साल के इसी समय के मुकाबले अब तक 50 फीसदी बढ़ चुका है। एक्सपर्ट के अनुसार, मार्च खत्म होने के साथ ही कोयले का यह आयात 25 फीसदी से बढ़कर 35 फीसदी तक जा पहुंचेगा।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	मीन	मे
चंद्र	कन्या	मे
मंगल	कुंभ	मे
बुध	कुंभ	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मेष	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारभ समय		
मीन....	05-20	बजे
मेष.....	06-56	बजे
वृष....	08-40	बजे
मिथुन..	10-41	बजे
कर्क...	12-53	बजे
सिंह---	15-05	बजे
कन्या--	17-12	बजे
तुला----	19-17	बजे
वृश्चिक..	21-27	बजे
धनु.....	23-40	बजे
मकर...	01-47	बजे
कुंभ....	03-37	बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 06-15
सूर्यास्त. 18 -25
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - चैत्र शुक्ल पक्ष बुधवार 01 April 2026
तिथि - चतुर्दशी 07-05 तक उपरान्त पूर्णिमा
नक्षत्र - उ.फाल्गुनी 16-16 तक उप हस्त
योग - वद्धि 14-49 तक उप ध्रुव
करण - वणिज 07-05 तक उप विष्टी (भद्रा)

पूर्णिमा व्रत

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-20 से 13-52 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
उत्पात	18-25 - 19-56	अशुभ
शुभ.	19-56 - 21-24	शुभ
अमृत	21-24 - 22-52	शुभ
चंचल	22-52 - 00-20	शुभ
रोग	00-20 - 01-48	अशुभ
काल	01-48 - 03-16	अशुभ
लाभ	03-16 - 04-43	शुभ
उत्पात	04-43 - 06-15	अशुभ

रात का चौघड़िया		
लाभ	06-15 - 07-44	शुभ
अमृत	07-44 - 09-16	शुभ
काल	09-16 - 10-48	अशुभ
शुभ	10-48 - 12-20	शुभ
रोग	12-20 - 13-52	अशुभ
उत्पात	13-52 - 15-24	अशुभ
चंचल	15-24 - 16-56	शुभ
लाभ	16-56 - 18-25	शुभ

सरकार ने केरोसीन की बिक्री तो खोल दी लेकिन स्टोव कहां से लाएंगे? 400 वाला स्टोव 1700 में मिल रहा है

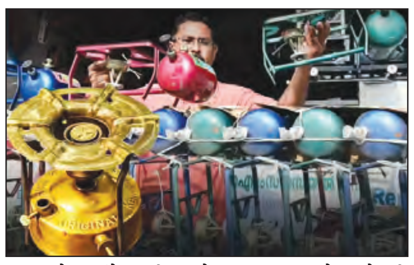

नई दिल्ली,31 मार्च(एजेंसियां)। केरोसिन स्टोव एक जमाने में भारतीय घरों की पहचान होता था। मिट्टी के तेल से स्टोव में खाना पकाया जाता था। अब फिर से केरोसिन स्टोव की जरूरत और याद आने लगी है। एलपीजी रसोई गैस किल्लत के बीच सरकार ने केरोसीन (मिट्टी के तेल) की बिक्री के नियमों में ढील दी है। कोशिश है कि नागरिकों को तेजी और आसानी से केरोसीन मिल जाए, ताकि खाना पकाने में गैस की निर्भरता कम हो। लेकिन बाजार में आपको केरोसीन का स्टोव ढूंढे नहीं मिलेगा। यही हालत केरोसीन से जलने वाले लालटेन की है।

बाजार से गायब हैं

आप इस समय दिल्ली के थोक बाजार कहलाने वाले सदर बाजार में जाएं तो आपको केरोसीन का स्टोव ढूंढे नहीं मिलेगा। सरकार ने भले ही केरोसिन की उपलब्धता सुनिश्चित की है, लेकिन ग्राहक स्टोव लाएंगे कहां से? कंफेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स असोसिएशन के महामंत्री देवराज बावेजा का कहना है कि अब सदर बाजार में केरोसिन स्टोव के गिने चुने विक्रेता बचे हैं। किसी समय यहां केरोसीन स्टोव और लालटेन के ढेर सारे विक्रेता और निर्माता होते थे। वक्त के साथ रसोई गैस का चलन और उपलब्धता बढ़ी, तो केरोसिन स्टॉव का उपयोग घटता गया। लालटेन की जगह सोलर लाइट्स, बैटरी लाइट्स और इन्वर्टर ने ले ली।

स्टोव का दाम 1,700

वह बताते हैं कि अब वैश्विक युद्ध परिस्थितियों के बीच रसोई गैस की किल्लत महसूस हो रही है, तो मार्केट से स्टोव और डीजल भट्टी गायब हो गई हैं। हालत ये हो गई है कि दूसरे राज्यों से मंगाए गए स्टोव महंगे में बिक रहे हैं। तभी तो 400 रुपये का स्टोव का दाम 1,700 रुपये और 8-9 हजार की डीजल भट्टी का दाम 30 हजार रुपये तक हो गया है। सदर बाजार की गली लल्लू मिश्रा, कुतुब रोड और गांधी मार्केट में केरोसीन स्टोव और लालटेन के कारोबारी अब गिनती के बचे हैं। बहुत से ट्रेडर्स केरोसिन स्टोव का बिजनेस छोड़कर एलपीजी बर्नर के व्यापार में शिफ्ट हो गए। अब किसी के पास स्टोव नहीं हैं। स्टोव का कबाड़ा तक बिक गया है।

केरोसिन स्टोव कई तरह के

बाजार में पहले कई तरह के केरोसिन स्टोव आते थे। लोहे का स्टोव, पीतल स्टोव, बत्ती वाला स्टोव (विक स्टोव) आदि। लोहे का स्टोव ज्यादा मजबूत और किफायती माना जाता है। पीतल का स्टोव बेहतर तो था, लेकिन महंगा पड़ता था। दिल्ली में बहुत से व्यापारी देश के अलग-अलग हिस्से से कच्चा और खुला माल मंगवाकर स्टोव तैयार करते थे। लुधियाना से बर्नर, राजकोट से पंप का वॉल्व आता था।

भारत की इकोनॉमी में 'सुपर-जंप'! हर 7-8 साल में दोगुनी होगी ताकत

मंत्री शेखावत ने दिखाया भविष्य का रोडमैप

नई दिल्ली,31 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था के साल 2047 तक लगभग 30 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो इसे एक विकसित राष्ट्र में बदल देगा।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जिस रास्ते पर भारत चल रहा है, जिस गति से भारत आगे बढ़ रहा है, विकसित भारत के लिए पीएम मोदी ने जो नींव रखी है-पूरी दुनिया यह मान रही है कि आने वाले समय में भारत की इकोनॉमी हर 7-8 साल में दोगुनी हो जाएगी। 2047 तक, जब भारत विकसित हो जाएगा, तो उसकी अर्थव्यवस्था बढ़कर लगभग 30 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी।

इस बीच, अर्न्स्ट एंड यंग की एक रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण भारत की आर्थिक वृद्धि में लगभग एक प्रतिशत की कमी आ सकती है और अगर यह रुकावटें बनी रहीं तो महँगाई बढ़ सकती है।

रिपोर्ट के फ्रेश एडिशन 'इकोनॉमी वॉच: मॉनिटरिंग इंडियाज़ मैक्रो-फिस्कल परफॉर्मेंस' में चेतावनी दी गई है कि लंबे समय तक चलने वाले भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा की ऊंची कीमतों और सप्लाई में रुकावटों के ज़रिए भारत के व्यापक आर्थिक परिदृश्य पर बुरा असर डाल सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष ने आपूर्ति, भंडारण, परिवहन और कीमतों को प्रभावित करके वैश्विक कच्चे तेल और ऊर्जा बाजारों को काफ़ी हद तक बाधित किया है। इसमें आगे कहा गया है कि अगर संघर्ष का असर अगले वित्त वर्ष तक भी जारी रहता है, तो भारत की विकास की गति धीमी पड़ सकती है, जबकि महंगाई का दबाव बढ़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर यह असर पूरे वित्त वर्ष 2027 तक बना रहता है, तो हमारा अनुमान है कि भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि में लगभग 1 प्रतिशत की कमी आ सकती है, जबकि सीपीआई महंगाई अपने आधारभूत अनुमानों 7 प्रतिशत और 4.0 प्रतिशत से बढ़कर क्रमशः लगभग 1.5 प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

एविएशन सेक्टर में 'बड़ा टेकऑफ'!

ब्रिटिश एयरवेज के पूर्व बॉस विलियम वॉल्श संभालेंगे इंडिगो की उड़ान

नई दिल्ली,31 मार्च (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने मंगलवार को ब्रिटिश एयरवेज के पूर्व प्रमुख विलियम वॉल्श को नया सीईओ नियुक्त करने की घोषणा की। वॉल्श, जो एयरलाइन इंडस्ट्री के एक अनुभवी दिग्गज हैं, अभी इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के डायरेक्टर जनरल हैं। वॉल्श को सीईओ नियुक्त करने की घोषणा करते हुए-जो रेगुलेटरी मंजूरी पर निर्भर है-इंडिगो ने एक प्रेस रिलीज में बताया कि आईएटीए में उनका कार्यकाल 31 जुलाई को समाप्त हो रहा है और उम्मीद है कि वे 3 अगस्त तक या उससे पहले कार्यभार संभाल लेंगे। यह घोषणा इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स के अचानक पद छोड़ने के तीन हफ़्ते से भी कम समय बाद की गई है। वॉल्श, जिन्हें आमतौर पर 'विली' के नाम से जाना जाता है, पहले ब्रिटिश एयरवेज और आईएजी (इंटरनेशनल एयरलाइंस ग्रुप-एक होल्डिंग कंपनी, जिसके तहत एरो लिंगस, ब्रिटिश एयरवेज़, आइबेरिया, लेवल और वूलिंग जैसी एयरलाइंस आती हैं) के सीईओ रह चुके हैं। इंडिगो के मैनेजिंग डायरेक्टर राहुल भाटिया ने कहा कि जैसे-जैसे हम बदलाव और विकास के एक नए दौर में प्रवेश कर रहे हैं, मुझे इंडिगो में विली का स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। उन्होंने आगे कहा कि वे एविएशन इंडस्ट्री के एक जाने-माने और बेहद काबिल लीडर हैं। उनके पास वैश्विक दृष्टिकोण, कस्टमर-सेंट्रिक एयरलाइंस बनाने की परिचालन विशेषज्ञता, इंडस्ट्री का गहरा अनुभव और मूल्यों पर आधारित नेतृत्व क्षमता का एक दुर्लभ मेल है-जो उन्हें विकास के इस महत्वपूर्ण मोड़ पर इंडिगो का नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त बनाता है।

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

काम पर संबंधों को बेहतर बनाने में मदद मिलती है, जबकि तेज विश्लेषणात्मक कौशल आपको विस्तार से ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं। तार्किक सोच और सावधानीपूर्वक योजना बनाना प्रगति लाता है, लेकिन नियंत्रण करने की इच्छा से बचें। इसके बजाय, अपनी तीव्रता को विचारशील संचार में लगाएं, स्पष्टता और प्रभाव के साथ बोलने या लिखने की अपनी क्षमता को मजबूत करें। दृढ़, विचारशील रुख अपनाएं।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपकी रचनात्मकता उच्च है, लेकिन ध्यान केंद्रित रखने के लिए अनुशासन की आवश्यकता है। आप कई बार खुद को असंगत महसूस कर सकते हैं, इसलिए असफलताओं से बचने के लिए शारीरिक संतुलन बनाए रखें। कठोरता की ओर झुकाव सामने आ सकता है, इसलिए जागरूकता और सहानुभूति के साथ आगे बढ़ें। अपनी ऊर्जा को रचनात्मक रूप से चैनल करें और आप अपने करियर में स्थिर विकास देखेंगे।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आपकी भावनात्मक संवेदनशीलता आज आपके करियर को प्रभावित कर सकती है, जिसके लिए नाजुक स्वास्थ्य मामलों का सावधानीपूर्वक प्रबंधन करना आवश्यक है। आज आपकी जीवन शक्ति में वृद्धि होगी, जो रचनात्मक ऊर्जा को प्रोत्साहित करेगी। हालाँकि, दिन चुनौतियों को प्रस्तुत कर सकता है।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आत्मविश्वास और भावनात्मक संतुलन के मेल से आपका कार्य जीवन सुचारू रूप से चलता रहेगा। आप केंद्रित और स्पष्ट सोच महसूस करेंगे, जिससे कार्यों को निपटाना और समस्याओं का समाधान करना आसान हो जाएगा। यह आंतरिक सामंजस्य उत्पादक सहयोग और निर्णय लेने में सहायक होता है।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आपका आत्मविश्वास और रचनात्मकता आपको काम और पढ़ाई में आगे बढ़ने में मदद करती है। अनुशासन आपको केंद्रित रखता है, जबकि ऊर्जा का विस्फोट आपको कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करता है। आज आपके पास महान चीजें हासिल करने की प्रेरणा है। सतर्क रहें और जल्दबाजी से बचें। सावधानीपूर्वक प्रयास से, आप अपने लक्ष्यों की ओर मजबूत प्रगति कर सकते हैं।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज आप अपनी रचनात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़कर दूसरों से अलग दिखने के लिए प्रेरित हैं। कार्यस्थल पर रिश्ते मददगार साबित हो सकते हैं। अपने दीर्घकालिक लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित रखें और उन विकर्षणों से बचें जो आपको अपने लक्ष्य से भटका सकते हैं। दूसरों से प्रेरणा लेकर खुद को प्रेरित करें और अपनी व्यक्तिगत दिशा को नज़रअंदाज़ न करें।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

संतुलन और संयम से आपकी सेहत को लाभ मिलता है। हृदय और रक्त संचार स्वास्थ्य के प्रति सक्रिय रहें। कैफीन, नमक और कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित करें। अपने भोजन में कैल्शियम युक्त विकल्प शामिल करें। अपने शरीर के एसिड/क्षारीय संतुलन का समर्थन करें और नसों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

जैसे-जैसे आपकी ऊर्जा और दृढ़ संकल्प बढ़ता है, आपका करियर और पढ़ाई गति पकड़ती है। आप दृढ़ निश्चयी हैं और अवसरों का लाभ उठाने के लिए उत्सुक हैं, जिससे यह लक्ष्य निर्धारण और त्वरित कार्रवाई के लिए एक मज़बूत समय है। मानसिक स्पष्टता और तीक्ष्ण संवाद आपको परिस्थितियों का शीघ्र आकलन करने और आत्मविश्वास से प्रतिक्रिया देने में मदद करते हैं।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज का दिन आपके काम के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है। आज आपका आत्मविश्वास और उत्साह बढ़ा हुआ रहेगा। आप खुद को गहरी दूरदर्शिता के साथ पाएंगे, अक्सर सही समय पर सही जगह पर। हालाँकि, खुद को दूसरों के नियंत्रण से दूर रखें। आपकी सफल संचार कौशल चमकेगी, जिससे आपको अपने लक्ष्यों पर टिके रहने में मदद मिलेगी।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज आपके कार्य जीवन में अंतर्ज्ञान और अनुकूलनशीलता का लाभ मिलेगा। आप पाएंगे कि संचार प्रवाह आसानी से प्रवाहित होता है, जिससे आपको दूसरों से जुड़ने में मदद मिलती है। तीव्र भावनाएँ उभर सकती हैं, लेकिन ज़मीन पर टिके रहने से आपको उन्हें संभालने में मदद मिलेगी।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज आपका करियर स्थिर और अप्रत्याशित दोनों लग सकता है। आपको बदलते कार्यों के साथ लचीले बने रहने के साथ-साथ कार्यस्थल के संबंधों को पोषित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अप्रत्याशित घटनाक्रम सामने आ सकते हैं, लेकिन आपका दृढ़ संकल्प आपको ट्रैक पर बने रहने में मदद करेगा।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज, आप सुरक्षात्मक और भावनात्मक रूप से जागरूक दोनों महसूस कर सकते हैं। जब आप साधन संपन्न होते हैं, तो आत्म-दया के क्षण आ सकते हैं। एक स्थिर, सतर्क मानसिकता आपको परिवर्तन को नेविगेट करने में मदद करती है, हालांकि लचीलापन एक चुनौती हो सकती है। आपके लक्ष्य स्पष्ट महसूस करते हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच सोने में 17 साल की सबसे बड़ी गिरावट, मार्च में 14.5 फीसदी तक टूटे दाम

नई दिल्ली,31 मार्च(एजेंसियां)। अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते वैश्विक बाजारों में अस्थिरता के बीच मार्च में सोने की कीमतों में 17 वर्षों की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान सोना करीब 14.5 फीसदी सस्ता हो गया। इससे पहले अक्तूबर 2008 में सोने में लगभग 16.8 फीसदी की गिरावट देखी गई थी। मौजूदा समय में कॉमेक्स पर सोना करीब 4,600 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर है, जो महीने की शुरुआत में करीब 5,400 डॉलर प्रति औंस था। विशेषज्ञों के अनुसार, इस गिरावट के पीछे मुनाफावसूली, डॉलर इंडेक्स में तेजी, बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और कच्चे तेल जैसी अन्य कमोडिटी में आई तेजी जैसे प्रमुख कारण रहे, जिन्होंने सोने पर दबाव बनाया।जानकारों का कहना है कि पिछले चार वर्षों में सोने के ट्रेडिंग पैटर्न में बदलाव आया है। यूक्रेन युद्ध से पहले सोने की कीमत बॉन्ड यील्ड और अमेरिकी डॉलर के विपरीत दिशा में चलती थी, लेकिन बाद में यह संबंध बदल गया, खासकर 2025 और 2026 की शुरुआत में तेज उछाल के दौरान। हालांकि, ईरान युद्ध के बाद सोना फिर से अपने पारंपरिक रुझान पर लौटता दिख रहा है।

पश्चिम एशिया युद्ध से हिली देश की बासमती चावल इंडस्ट्री

शिपमेंट में देरी ने बढ़ाई चिंता, किसानों पर भी असर

नई दिल्ली,31 मार्च(एजेंसियां)। पश्चिम एशिया युद्ध की मार देश के चावल उद्योग पर दिखाई दे रही है। इस युद्ध ने भारत की बासमती चावल इंडस्ट्री को हिलाकर रख दिया है। सबसे ज्यादा असर पंजाब, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे प्रमुख राज्यों के निर्यातकों पर दिखाई दे रही है। ये निर्यातक शिपमेंट में देरी, आसमान छूते माल भाड़े और पेमेंट में रुकावटों का सामना कर रहे हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक निर्यातकों का कहना है कि युद्ध के कारण जहाजों को गंतव्य तक पहुंचने में काफी देरी लग रही है। इसके लिए उन्हें रास्ता भी बदलना पड़ रहा है जो काफी लंबा हो जाता है।

50000 करोड़ रुपये का दांव

देश में बासमती चावल एक्सपोर्ट इंडस्ट्री 50 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की है। हर साल करीब 60 लाख टन बासमती चावल एक्सपोर्ट होता है। इसका आधा हिस्सा ईरान, सऊदी अरब, इराक और यूएई जैसे देशों में जाता है। ऐसे में अगर शिपमेंट पहुंचने में देरी होती है तो इसका असर किसानों की इनकम पर भी दिखाई दे सकता है।पश्चिम एशिया युद्ध के कारण माल भाड़े में काफी उछाल आया है। निर्यातकों के अनुसार खाड़ी देशों के लिए कंटेनर भाड़ा जो पहले 500 डॉलर था, वह अब बढ़कर 2000 से 2500 डॉलर तक पहुंच गया है।कंपनियों ने वॉर रिस्क और इमरजेंसी सरचार्ज बढ़ा दिया है। ऐसे में माल भाड़े की लागत 5000 डॉलर तक जा रही है।सीधे रास्तों के असुरक्षित होने के कारण जहाजों को ओमान और दुबई जैसे मध्यवर्ती बंदरगाहों पर रोका जा रहा है। इससे हैंडलिंग और स्टोरेज का अतिरिक्त खर्च बढ़ गया है।पश्चिम एशिया तनाव का सबसे ज्यादा असर पंजाब और हरियाणा के किसानों पर दिखाई दे सकता है। पंजाब और हरियाणा भारत के बासमती उत्पादन का 70 से 80% हिस्सा संभालते हैं।

भाजपा महिला मोर्चा की नई टीम का ऐलान

बॉर्डर से लेकर रेगिस्तान तक हर वर्ग को साधने की कोशिश

जयपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में अब 'नारी शक्ति' के दम पर किलेबंदी की तैयारी शुरू हो गई है। आगामी सांगठनिक मजबूती और भविष्य की चुनावी चुनौतियों को देखते हुए भाजपा महिला मोर्चा ने अपनी बहुप्रतीक्षित नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन और महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष राखी राठौड़ के नेतृत्व में तैयार इस टीम को 'हर बूथ महिला मजबूत' के संकल्प के साथ मैदान में उतारा गया है।

बीजेपी का 48 पदों पर सटीक 'निशाना'

भाजपा की इस नई लिस्ट में केवल नाम नहीं, बल्कि राजस्थान के भूगोल और जातिगत समीकरणों का गहरा तालमेल दिखता है। कुल 48 पदों पर नियुक्तियां कर पार्टी ने 'सोशल इंजीनियरिंग' का एक ऐसा खाका खींचा है, जिससे प्रदेश के हर कोने और हर वर्ग को साधा जा सके।

टीम की प्रमुख कमान इनके हाथों सौंपी

महामंत्री की त्रिमूर्तिः संगठन को धार देने के लिए सुनीता व्यास (कोटा), डॉ. अरुणा सिहाग (झुंझुनूं), और डॉ. मूर्ति मीणा (दौसा) को प्रदेश महामंत्री बनाया गया है। यह चयन हाड़ौती, शेखावाटी और पूर्वी राजस्थान के समीकरणों को संतुलित करता है।

मीडिया और आईटी की डिजिटल विंगः आधुनिक दौर की लड़ाई के लिए सुजाता मीणा को मीडिया और पूजा गुरनानी को आईटी विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

प्रवक्ताओं की फौजः टीवी डिबेट्स और सोशल मीडिया पर सरकार का पक्ष रखने के लिए 12 महिला प्रवक्ताओं की एक आक्रामक टीम तैयार की गई है।

बॉर्डर से रेगिस्तान तक 'राजस्थान सेंट्रिक' एप्रोच

इस सूची की सबसे बड़ी खासियत इसका जमीन से जुड़ा होना है। भाजपा ने सीमावर्ती इलाकों से लेकर मरुस्थल के जिलों तक अपनी पकड़ मजबूत की है। बालोतरा से विजय लक्ष्मी राजपुरोहित, चूरू से शिखा वेद और श्रीगंगानगर से अंजू सैनी को उपाध्यक्ष बनाकर पार्टी ने स्पष्ट कर दिया है कि उसकी नजर हर विधानसभा सीट पर है। जयपुर शहर और देहात के सक्रिय चेहरों को भी संगठन में सम्मानजनक जगह मिली है।

मुख्यमंत्री का भरोसाः 'संगठन छुएगा नई ऊंचाइयां'

लिस्ट जारी होते ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई टीम को बधाई देते हुए सोशल मीडिया पर विश्वास जताया।

उन्होंने लिखा, 'मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी के नेतृत्व में नारी शक्ति संगठित होकर राज्य के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।'

8 प्रदेश उपाध्यक्षों और 8 प्रदेश मंत्रियों वाली कार्यकारिणी

भाजपा की यह नई 'शक्ति सेना' केवल एक पद वितरण नहीं, बल्कि एक रणनीतिक बिसात है।

8 प्रदेश उपाध्यक्षों और 8 प्रदेश मंत्रियों वाली यह जंबो कार्यकारिणी आने वाले समय में विपक्षी दलों के लिए कड़ी चुनौती पेश करने वाली है। अब देखना यह है कि राखी राठौड़ की यह नई टीम 'धरातल' पर भाजपा के कमल को कितनी मजबूती प्रदान करती है।

हथियार उठाते तो संसद में नहीं सरेंडर लिस्ट में होते

अमित शाह ने सांसद राजकुमार पर बोला तीखा हमला

बांसवाड़ा, 31 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा में नक्सलवाद मुक्त भारत पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बांसवाड़ा-डूंगरपुर के बीएपी सांसद राजकुमार रोत पर निशाना साधा। गृह मंत्री ने कहा कि अगर रोत ने लोकतांत्रिक रास्ते की बजाय हथियार उठाने का रास्ता चुना होता, तो वे संसद में नहीं, बल्कि सुरक्षाबलों के सामने सरेंडर करने वालों की सूची में होते।

सदन की कार्यवाही के दौरान अमित शाह ने कांग्रेस और बीएपी सांसद राजकुमार रोत पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत का संविधान अन्याय के खिलाफ लड़ने का पूरी तरह लोकतांत्रिक और स्पष्ट रास्ता देता है। इसी रास्ते पर चलकर राजकुमार रोत ने चुनाव लड़ा और आज संसद में अपनी बात रख पा रहे हैं। देश में कानून और संविधान का राज सही तरीके से लागू होने की वजह से ही यह संभव हो सका है। गृह मंत्री अमित शाह ने आदिवासियों के विकास के मुद्दे पर कांग्रेस को भी घेरा। उन्होंने कहा कि राजकुमार रोत जैसे युवा नेता वोट की राजनीति के कारण कांग्रेस की विचारधारा से जुड़े हैं। अमित शाह ने सवाल उठाया कि 60 साल में से 50 साल कांग्रेस की सरकार रही, फिर आदिवासी समाज क्यों पिछड़ा रहा। आगे उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में दशकों तक आदिवासियों के बैंक खाते तक नहीं खोले गए। अब नरेंद्र मोदी सरकार ही आदिवासियों को पक्का घर, साफ पानी, बिजली, स्कूल और मोबाइल कनेक्टिविटी दे रही है।

गृह मंत्री अमित शाह ने हथियार लेकर आंदोलन करने वालों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अन्याय का समाधान संविधान के दायरे में ही है। अदालतें, विधानसभा और पंचायत से लेकर तहसील तक की व्यवस्था इसी के लिए है। व्यवस्था को नकारकर हथियार उठाना स्वीकार्य नहीं है। मोदी सरकार में जो भी हथियार उठाएगा, उसे अपने किए का हिसाब जरूर चुकाना पड़ेगा।

मासूमों की कब्र बनी मिट्टी की सुरंग

तीन बच्चों की दर्दनाक मौत; एक दोस्त बाल-बाल बचा

सीकर, 31 मार्च (एजेंसियां)। सीकर के नेछवा थाना इलाके में खेलने के लिए बनाई गई मिट्टी की सुरंग ढहने से तीन मासूम दोस्तों की दर्दनाक मौत हो गई। साथ में खेलने गया उनका चौथा दोस्त बाल-बाल बच गया, जिसकी चीख-पुकार से ही ग्रामीणों को घटना की जानकारी मिल सकी। फिलहाल तीनों बच्चों के शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं।

घटना गनेड़ी गांव की है। यहां खेत में 3 से 4 फीट ऊंचे मिट्टी के टीले के नीचे बच्चों ने खेलने के लिए एक सुरंग बना रखी थी, जिससे वे एक तरफ से दूसरी तरफ आते-जाते थे।

गांव के होलाश मेघवाल (10), नानूराम मेघवाल, गौतम सैनी (14) पुत्र रतनलाल सैनी, दीपेश नायक (12) पुत्र भंवरलाल नायक और कृष्ण वहां पहुंचे। कृष्ण सुरंग के बाहर ही था, जबकि बाकी तीनों अंदर चले गए।

इसी दौरान अचानक मिट्टी ढह गई और होलाश, गौतम और दीपेश उसके नीचे दब गए। कृष्ण के भी पैर मिट्टी में दब गए थे, लेकिन उसने किसी तरह खुद को संभालते हुए अपने दोस्तों को निकालने की कोशिश की। जब वह सफल नहीं हो पाया तो जोर-जोर से चिल्लाने लगा, जिससे आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे।

सूचना मिलते ही नेछवा पुलिस भी मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से मिट्टी हटाकर बच्चों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक तीनों की मौत हो चुकी थी। इसके बाद तीनों का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिए गए।

होलाश के पिता नानूराम की करीब एक साल पहले मृत्यु हो चुकी है और परिवार की आर्थिक स्थिति भी कमजोर है। वहीं दीपेश के पिता ने भी करीब डेढ़ से दो साल पहले फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मामले में नेछवा थाना प्रभारी कैलाशचंद ने बताया कि बच्चों के खेलने के दौरान यह हादसा हुआ। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए हैं।

'पीएम मोदी ने सराहा, पर बीजेपी ने बजट रोका'

आखिर अशोक गहलोत का क्या है ये नया 'इंतज़ारशास्त्र' आरोप?

जयपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आज अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स पर एक वीडियो संदेश साझा कर राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के अधूरे पड़े 'गेस्ट हाउस' के काम को लेकर राज्य सरकार को घेरा है। गहलोत ने आरोप लगाया कि जिस प्रोजेक्ट की तारीफ खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने की थी, उसे वर्तमान सरकार ने राजनीतिक द्वेष के चलते अधर में लटका दिया है।

'होटलों पर फिजूलखर्ची क्यों?'

अशोक गहलोत ने अपने पोस्ट में तर्क दिया कि आरआईसी आज बड़े आयोजनों का केंद्र बन चुका है, लेकिन वहां आने वाले मेहमानों के ठहरने के लिए गेस्ट हाउस का काम रोक दिया गया है।

नुकसान का गणितः गहलोत ने कहा, ₹गेस्ट हाउस का बजट रोककर सरकार जनता का गाढ़ी कमाई का पैसा मेहमानों को महंगे होटलों में ठहराने पर लुटा रही है। अगर गेस्ट हाउस तैयार होता, तो यह पैसा बचता और सरकारी खजाने में राजस्व आता।

2014 की पुनरावृत्ति का आरोप

गहलोत ने इतिहास को दोहराते हुए भाजपा पर 'काम रोकने वाली पार्टी' का ठप्पा लगाया। उन्होंने कहाः ₹यह वही नकारात्मक राजनीति है जो 2014 में देखी गई थी। तब भी पूर्ववर्ती भाजपा सरकार ने आरआईसी का काम रोक दिया था। जब हमारी कांग्रेस सरकार आई, तब हमने इसे पूरा कर जनता को समर्पित किया। अब फिर से वही खेल खेला जा रहा है।₹

पीएम मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों का संदर्भ

गहलोत ने याद दिलाया कि हाल ही में जयपुर दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने आरआईसी के इंफ्रास्ट्रक्चर को सराहा था।

उन्होंने सवाल किया कि जब देश-दुनिया के बड़े नेता इस केंद्र की प्रशंसा कर रहे हैं, तो राजस्थान की वर्तमान सरकार इसके विस्तार और पूर्णता में बाधा क्यों बन रही है?

'इंतज़ारशास्त्र' सीरीजः गहलोत का डिजिटल काउंटर-अटैक

अशोक गहलोत की यह सीरीज अब राजस्थान की जनता के बीच 'पॉलिटिकल नैरेटिव' सेट कर रही है। हर चैप्टर में वे एक ऐसी योजना या प्रोजेक्ट को उठा रहे हैं जो कांग्रेस राज में शुरू हुई थी लेकिन अब फंड की कमी या प्रशासनिक अनदेखी का शिकार है।

राजस्थान की जनता से सीधे सवाल

वीडियो के अंत में गहलोत ने राजस्थान के जागरूक नागरिकों और युवाओं से पूछा है कि क्या विकास कार्यों को केवल इसलिए रोक देना चाहिए क्योंकि उन्हें पिछली सरकार ने शुरू किया था? उन्होंने भजनलाल सरकार से मांग की है कि आरआईसी गेस्ट हाउस का बजट तुरंत जारी कर इसे पूरा किया जाए।

एसीबी का बड़ा एक्शन

भू-अभिलेख निरीक्षक 15 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

उदयपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। उदयपुर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की स्पेशल यूनिट ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तहसील कार्यालय वल्लभनगर में पदस्थ भू-अभिलेख निरीक्षक देवेन्द्र सिंह राणावत को 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी दरौली वृत्त, उदयपुर में भू-अभिलेख निरीक्षक के पद पर कार्यरत है और वर्तमान में तहसील कार्यालय वल्लभनगर में कार्य कर रहा था। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी को 13 फरवरी 2026 को एक शिकायत मिली थी। शिकायत में बताया गया कि परिवादी की राजस्व ग्राम राणाकुई, पटवार हल्का गोटिपा, तहसील वल्लभनगर में करीब पांच बीघा कृषि भूमि है। सेग्रिगेशन प्रक्रिया के दौरान गलती से उस भूमि की श्रेणी बारानी तृतीय की जगह भवन दर्ज हो गई थी।

ऑटो में बैठकर जांच करने पहुंचे डीएसओ, एक घंटे लाइन में लगे

100 रुपए रेट देख बंद करा दिया एलपीजी पंप

जयपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। शहर में एलपीजी पंपों की मनमानी को लेकर रसद विभाग ने ट्रांसपोर्ट नगर स्थित एक प्राइवेट पंप को बंद करा दिया है। खास बात यह रही कि डीएसओ प्रथम प्रियव्रत सिंह चारण खुद ऑटो में बैठकर मौके पर पहुंचे। उन्होंने आम उपभोक्ता की तरह लाइन में लगकर करीब एक घंटे तक अपनी बारी का इंतजार किया। जब डीएसओ की बारी आई और उन्होंने देखा कि पंप पर एलपीजी गैस 99.95 रुपए यानी करीब 100 रुपए प्रति लीटर से बेची जा रही है तो वे भड़क उठे। मौके पर ही उन्होंने पंप को बंद करा दिया।

डीएसओ ने बताया कि कार्रवाई के दौरान जब उन्होंने रेट को लेकर सवाल किए तो पंप वालों ने अजीबोगरीब तर्क दिया। उन्होंने कहा कि उनका पंप निजी कंपनी

का है और उन्हें सरकार से कोई सब्सिडी नहीं मिलती। कंपनी खुद रेट तय करती है और वे किसी भी कीमत पर गैस बेचने के लिए स्वतंत्र हैं। इस पर उन्होंने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कोई भी इस तरह आम जनता को लूट नहीं सकता।

डीएसओ ने कहा कि फिलहाल पंप को बंद करा दिया है। उन्होंने कहा कि यह तर्क गले नहीं उतरता कि कोई भी प्राइवेट पंप मनमाने दाम वसूलेगा। हम इस बात की गहराई से जांच कर रहे हैं कि इन पंपों को किस रेट पर गैस मिल रही है और ये कितना मुनाफा कमा रहे हैं। कालाबाजारी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विभाग अब अन्य निजी पंपों के रेट कार्ड भी खंगाल रहा है।

इधर, एलपीजी पंपों की मनमानी के खिलाफ ऑटो यूनियन भी सक्रिय हो गई है। यूनियन के पदाधिकारी कलेक्ट्रेट पहुंचे और कलेक्टर के नाम डीएसओ को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में मांग की गई कि सभी पंपों पर गैस की दरें सरकारी नियमों के अनुसार तय की जाएं और 250 रुपए तक गैस भरने की मनमानी पर रोक लगाई जाए। यूनियन ने एलपीजी पंपों की संख्या बढ़ाने और दोषी संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

फौजी हत्याकांड में बड़ा एक्शन

आरोपी के घर चला बुलडोजर

झुंझुनू, 31 मार्च (एजेंसियां)। जिले के बामनवास गांव में रिटायर्ड फौजी उदयवीर सिंह की हत्या के मामले में पुलिस और प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी अकरम के ठिकाने पर बुलडोजर चला दिया। वहीं आरोपी को जयपुर रेलवे स्टेशन से हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। गौरतलब है कि रविवार रात उदयवीर सिंह गांव की एक दुकान पर बैठे थे। इस दौरान गांव के ही रहने वाले अकरम से किसी बात को लेकर उनकी कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने चाकू से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल उदयवीर सिंह को इलाज के लिए जयपुर रैफर किया गया लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई, जिसके चलते कई थानों की पुलिस को मौके पर तैनात किया गया।

एसपी ऑफिस पहुंचे छोटू सिंह, बोले मुझे चाहिए पुलिस प्रोटेक्शन

एमएलए रविंद्र सिंह की सोच डराने वाली, दे डाली ये चेतावनी

बाड़मेर, 31 मार्च (एजेंसियां)। रेगिस्तानी जिले बाड़मेर में पिछले कुछ दिनों से चल रहा 'भाटी बनाम रावणा' विवाद अब निर्णायक मोड़ पर है। भजन गायक छोटू सिंह रावणा ने सीधे तौर पर शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी की सोच और कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए उन्हें 'डराने-धमकाने वाला' नेता करार दिया है। इस विवाद के विरोध में आज बाड़मेर में रावणा राजपूत समाज पूरी तरह लामबंद नजर आया और विधायक के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। छोटू सिंह रावणा ने बाड़मेर पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा। मीडिया से बातचीत में उन्होंने अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहाः अगर विधायक की सोच डराने-धमकाने की है, तो उनके समर्थकों की सोच भी वैसी ही होगी। मुझे अपनी सुरक्षा की चिंता है, इसलिए मैं प्रशासन से सुरक्षा मांग रहा हूं।

रावणा ने स्पष्ट किया कि अभी तक इस विषय में उनकी न तो राज्य सरकार से और न ही किसी अन्य जनप्रतिनिधि से कोई बात हुई है। हालांकि, पुलिस प्रशासन ने उन्हें उचित सुरक्षा देने का भरोसा दिया है। बाड़मेर में रावणा राजपूत समाज के प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। समाज का कहना है कि एक कलाकार का अपमान और उसे धमकी देना कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आंदोलन की चेतावनीः समाज के प्रतिनिधियों ने दोटूक कहा कि यदि विधायक के खिलाफ उचित कार्रवाई नहीं हुई, तो पूरे प्रदेश में एक बड़ा जन-आंदोलन किया जाएगा।

प्रतिनिधिमंडल ने एसपी को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, घटनाओं पर सख्त कार्रवाई और समाज के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग रखी। इस मौके पर छोटूसिंह रावणा ने कहा कि समाज की सुरक्षा सर्वोपरि है और किसी भी प्रकार की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

93.80% अंक लाई नकिता, लेकिन रिजल्ट देखने से पहले ही दुनिया छोड़ दी, बेटी की कामयाबी देख रो पड़ा परिवार

श्रीगंगानगर, 31 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने मंगलवार को कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम घोषित किए। इस रिजल्ट ने राज्य के लाखों घरों में खुशियां बिखेरीं, लेकिन श्रीगंगानगर जिले के रावला क्षेत्र के 7 केएनडी गांव में मंजर कुछ और ही था। यहां एक घर ऐसा है, जहां बिटिया ने 93.80% अंक हासिल कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया। लेकिन इस स्वर्णिम सफलता को देखने के लिए वह खुद मौजूद नहीं थी। 7 केएनडी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्रा नकिता ने कला वर्ग में अपनी मेहनत का लोहा मनवाया। पीईईओ क्षेत्र में शीर्ष स्थान हासिल करने वाली नकिता की इस उपलब्धि पर आज पूरे स्कूल को गर्व है। लेकिन

अफसोस कि नकिता अपनी इस सफलता का जश्न नहीं मना सकी। नियति ने ऐसा क्रूर खेल खेला कि परिणाम जारी होने से ठीक 11 दिन पहले यानी 20 मार्च को नकिता का निधन हो गया। संस्था प्रधानाचार्य मुकेश कुमार ने भारी मन से बताया कि नकिता न केवल पढ़ाई में अव्वल थी, बल्कि बेहद अनुशासित और शांत स्वभाव की छात्रा थी। वह भविष्य के बड़े सपने देख रही थी, लेकिन अचानक पीलिया और शुगर जैसी बीमारियों ने उसे घेर लिया। गरीब मजदूर पिता मंगल सिंह और मां चरणजीत कौर ने अपनी जमा-पूंजी लगाकर बेटी का इलाज बीकानेर के बड़े अस्पतालों में कराया। लेकिन विधाता को कुछ और ही मंजूर था। इलाज के दौरान ही नकिता जिंदगी की जंग हार गई।

शादी के एक महीने बाद जेवर-कैश लेकर भागी दुल्हन

अलवर, 31 मार्च (एजेंसियां)। अलवर जिले में शादी का झांसा देकर ठगी करने का मामला सामने आया है। एक युवक ने कोर्ट में परिवाद पेश कर तीन महिलाओं पर धोखाधड़ी, जहर देने का प्रयास, चोरी और ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित विक्रमजीत ने बताया कि उसके घर से करीब 1 किलोमीटर दूर रहने वाली बबली कौर के जरिए पिंकी कौर से मुलाकात हुई। पिंकी ने विक्रमजीत को बताया कि वह शादियां करवाती है और अपनी भांजी रेखा कौर से वह विक्रमजीत का विवाह करवा सकती है। जब विक्रमजीत ने रेखा कौर के पहले से शादीशुदा होने की बात कही तो पिंकी ने उसे विश्वास दिलाया कि रेखा का तलाक हो चुका है और जल्द ही कोर्ट से भी कागजी

कार्रवाई पूरी हो जाएगी। विश्वास में आकर 9 मई 2025 को विक्रमजीत को कोर्ट बुलाकर रेखा के साथ लिव-इन रिलेशनशिप का एग्रीमेंट तैयार कराया गया। गुरुद्वारे में दोनों की शादी करवा दी गई। शादी के कुछ दिनों बाद ही रेखा का व्यवहार बदल गया और वह छोटी-छोटी बातों पर झगड़ा करने लगी। जांच करने पर विक्रमजीत को पता चला कि रेखा का अपने पहले पति गुरदीप से तलाक हुआ ही नहीं था और यह पूरा एक सुनियोजित षड्यंत्र था।

दंपती हत्याकांड का खुलासा

नौकरानी समेत दो संदिग्ध डिटेन

अजमेर, 31 मार्च (एजेंसियां)। साकेतनगर थाना क्षेत्र के सेंदड़ा रोड स्थित सोहननगर में सेवानिवृत्त शिक्षक दंपती की नृशंस हत्या के मामले का पुलिस ने दूसरे ही दिन खुलासा कर दिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वारदात लूट के उद्देश्य से अंजाम दी गई। पुलिस ने इस मामले में एक युवक व घरेलू नौकरानी को डिटेन किया है, जबकि नौकरानी के नाबालिग बेटे-बेटी को निरुद्ध कर पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधीक्षक रतन सिंह ने बताया कि रविवार शाम को विनोद कुमार शर्मा और उनकी पत्नी पूर्णिमा शर्मा की हत्या की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही साकेतनगर थाना पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल को सुरक्षित कर एफएसएल टीम को बुलाया गया, जिसने मौके से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए।

अप्रैल की होगी 'तूफानी' शुरुआत

बैक-टू-बैक पश्चिमी विक्षोभ का अलर्ट

जयपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में अप्रैल की शुरुआत तीखी धूप से नहीं बल्कि गरज-चमक और तूफानी हवाओं के साथ होने वाली है। मौसम विभाग के ताजा अपडेट के अनुसार, राज्य में बैक-टू-बैक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहे हैं, जिससे अगले एक सप्ताह तक प्रदेश का मौसम बदला-बदला रहेगा।

1 अप्रैलः उदयपुर और कोटा संभाग में छिटपुट हल्की बारिश होगी, जबकि बाकी हिस्सों में मौसम शुष्क रहेगा।

2 अप्रैलः रात के समय जैसलमेर, बाड़मेर और फलोदी जैसे सरहदी इलाकों में आंधी-बारिश की गतिविधियां शुरू होंगी।

3-4 अप्रैलः यह समय सबसे चुनौतीपूर्ण हो सकता है। एक 'मजबूत' पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर और कोटा संभाग में तेज मेघगर्जन के साथ आंधी और बारिश होने की प्रबल संभावना है। राजधानी जयपुर सहित गंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, शेखावाटी और भरतपुर संभाग के कुछ हिस्सों में मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है। इन क्षेत्रों में 30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से आंधी चलने और कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की प्रबल संभावना है।

इंदिरा सरकार में महिलाओं को बड़ा सम्मान : उप-मुख्यमंत्री

आरटीसी की सुरक्षा के साथ कल्याण योजनाओं का कार्यान्वयन : मंत्री पोन्नम

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए इंदिरा सरकार के प्रयास उल्लेखनीय परिणाम दे रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा प्रतिष्ठित रूप से लागू की गई 'महालक्ष्मी' मुफ्त बस यात्रा योजना के तहत अब तक महिलाएं लगभग 290 करोड़ बार यात्रा कर चुकी हैं, जिससे 10,000 करोड़ रुपये की यात्रा लागत बचाई गई है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि को सम्मानित करने के लिए आयोजित अभिनंदन समारोह में उप-मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर और पंचायती राज मंत्री सीतक्का उपस्थित रहे। उप-मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा, जनता सरकार बनने के 48 घंटे के भीतर हमनें अपनी प्रतिबद्धता के अनुसार 'महालक्ष्मी' योजना शुरू की। महिलाओं द्वारा बचाए गए ये 10,000 करोड़ रुपये उनके परिवार की आर्थिक आवश्यकताओं और बच्चों की शिक्षा में उपयोग होंगे। हमारा लक्ष्य केवल मुफ्त बस यात्रा नहीं, बल्कि महिलाओं को लक्षाधिकारियों के रूप में सशक्त बनाना है। आने वाले 3 वर्षों में महिलाओं को 1 लाख करोड़ से अधिक ब्याज मुक्त ऋण प्रदान किया जाएगा। सरकार महिलाओं को सूक्ष्म और मध्यम उद्योग स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। परिवहन मंत्री पोनम प्रभाकर ने कहा, महालक्ष्मी योजना की सफलता में आरटीसी के ड्राइवर और कंडक्टर की भूमिका अतुलनीय है। रोजाना 65 लाख यात्रियों में से 40 लाख महिलाएं हैं। हम आरटीसी की सुरक्षा बनाए रखते हुए महिलाओं को यह सुविधा प्रदान कर रहे हैं। सरकार पहले ही आरटीसी के बकाया भुगतान कर रही है। नई बसों और नई रूटों के माध्यम से संस्था को और मजबूत करेंगे। मंत्री सीतक्का ने कहा, जो लोग मुफ्त यात्रा की आलोचना करते हैं, महिलाएं उन्हें अपने प्रतिरोध के माध्यम से जवाब दें। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में हमने महिलाओं को आरटीसी बसों का मालिक बनाया। उन्हें सौर ऊर्जा संयंत्र और पेट्रोल पंप संचालित करने की जिम्मेदारी भी दी गई है। जब तक हम करोड़ों महिलाओं को करोड़पति नहीं बना देते, तब तक हमारा अभियान जारी रहेगा। इसके बाद, महिलाओं द्वारा बचाए गए 10,000 करोड़ रुपये का मेगा चेक मंत्रीगण द्वारा आरटीसी एमडी वाई. नागिरेड्डी को सौंपा गया। कार्यक्रम में वाइरा विधायक मालोटु रामदास, पूर्व मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी, महिला एवं बाल कल्याण सचिव अनिता रामचंद्रन, एसईआरपी सीईओ दिव्या, हैदराबाद कलेक्टर दासरी हरिचंदना, आरटीसी ईडीसीएच वेणकन्ना, खुसरो शाह खान, राजशेखर सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और हजारों महिलाएं उत्साहपूर्वक शामिल हुईं।

जयललिता का हैदराबाद वाला बंगला सील

जीएचएमसी ने 1.5 करोड़ रुपये के बकाया प्रॉपर्टी टैक्स के चलते की कार्रवाई

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में स्थित तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत जे जयललिता के एक घर को बकाया प्रॉपर्टी टैक्स के चलते सील कर दिया है। बताया जा रहा है कि यह बकाया कई सालों से पेंडिंग था। ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (जीएचएमसी) के अधिकारियों के अनुसार, जयललिता का निधन 2016 में हुआ था। उसके बाद से उनके कानूनी वारिसों को कई नोटिस जारी किए गए थे। इनमें उनसे टैक्स की रकम चुकाने को कहा गया था। हालांकि उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं आया। मंगलवार को तय समय सीमा खत्म होने के बाद अधिकारी उस प्रॉपर्टी पर पहुंचे और उसे सील कर दिया।

जीएचएमसी ने क्या कहा :

रिपोर्ट के मुताबिक, जीएचएमसी के अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर कॉलोनी स्थित यह प्रॉपर्टी 2017 से ही बकायादारों की सूची में थी और फरवरी में फिर से नए नोटिस जारी किए गए थे। सूत्रों के मुताबिक, यह घर पहले कारोबारी विजय माल्या को लीज पर दिया गया था। अधिकारियों का मानना है कि टैक्स का बकाया उसी दौरान से जमा होना शुरू हुआ था। जीएचएमसी कमिश्नर आरवी कर्णन ने बताया कि नगर निगम ने 31 मार्च से पहले प्रॉपर्टी टैक्स के सभी बड़े बकायादारों के खिलाफ एक अभियान शुरू किया है।

उन्होंने कहा कि हमने प्रॉपर्टी टैक्स के सभी बकायादारों को 31 मार्च से पहले अपना बकाया चुकाने के नोटिस जारी किए हैं। इसी प्रक्रिया के तहत जयललिता के कानूनी वारिसों के नाम पर दर्ज प्रॉपर्टी को भी नोटिस भेजा गया था। इस पर 1.5 करोड़ रुपये का बकाया है। हमने जीएचएमसी के दायरे में आने वाले उन सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है, जिन्होंने प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान नहीं किया है।

पूरे हैदराबाद में चल रहा अभियान :

यह कार्रवाई जीएचएमसी की ओर से पूरे हैदराबाद में चलाए जा रहे एक बड़े अभियान का हिस्सा है। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि पिछले कुछ हफ्तों में प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान न करने के चलते 100 से ज्यादा बड़ी रिहायशी और कमर्शियल प्रॉपर्टीज को सील किया गया है। इनमें होटल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, ऑफिस की इमारतें और शिक्षण संस्थान शामिल हैं, जिन पर करोड़ों रुपये का बकाया है। कई मामलों में प्रॉपर्टी सील होने के तुरंत बाद ही मालिकों ने अपना बकाया चुका दिया।

जीएचएमसी की सीमा के भीतर प्रॉपर्टी टैक्स का बकाया 1400 करोड़ :

अधिकारियों के अनुसार, जीएचएमसी की सीमा के भीतर प्रॉपर्टी टैक्स का बकाया 1400 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है और यह लगभग 3.5 लाख प्रॉपर्टीज पर फैला हुआ है। जीएचएमसी और हैदराबाद के आसपास के अन्य नगर निकायों को मिलाकर कुल बकाया रकम का अनुमान 3,000 करोड़ रुपये से जयादा लगाया गया है।

जीएसएमसी ने हैदराबाद में जयललिता के घर को किया सील। तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत जयललिता का हैदराबाद में घर। यह घर यूसुफगुडा में जीएचएमसी सर्कल-38 के अधिकार क्षेत्र में आने वाली श्रीनगर कॉलोनी में ग्राउंड प्लस चार मंजिला इमारत है। यह संपत्ति जयललिता के नाम पर हाउस नंबर 8-3-1099/ए (पीटीआईएन: 1100833474) के तहत रजिस्टर्ड है। इस इमारत से जुड़ा प्रॉपर्टी टैक्स 2017 से बकाया है और उसका भुगतान नहीं किया गया है। इस साल फरवरी में जीएचएमसी के डिप्टी कमिश्नर ने इमारत के बकाया प्रॉपर्टी टैक्स के भुगतान की मांग करते हुए नोटिस जारी किए थे। जीएचएमसी के नोटिस के बावजूद जयललिता की इमारत से जुड़े प्रतिनिधियों ने कोई जवाब नहीं दिया। जीएचएमसी के कर्मचारियों ने एएमसी बलराज के नेतृत्व में इमारत को सील कर दिया।

सीएम ने शिव को आर्थिक सहायता और रोजगार प्रदान किया

टैंकबंड में कई लोगों की जान बचा चुके है शिव

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टैंकबंड में कई लोगों की जान बचाने वाले शिव को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने व्यक्तिगत रूप से सहायता प्रदान की। शिव के परिवार को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी गई, साथ ही उनके पुत्र वेनुमाधव को होम गार्ड के पद पर नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री को हाल ही में शिव की स्थिति की जानकारी मिली थी। परिवार पर आर्थिक बोझ और रोजगार की कमी के कारण समस्याओं का सामना कर रहे शिव के लिए आवश्यक मदद तुरंत प्रदान करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने आदेश दिया कि टैंकबंड के पास एक स्विमिंग पूल का निर्माण कराया जाए और शिव के परिवार को डबल बेडरूम वाला मकान प्रदान किया जाए। शिव और उनके परिवार ने मुख्यमंत्री से व्यक्तिगत रूप से सहायता मिलने पर खुशी व्यक्त की। इस कदम से शिव के परिवार को आर्थिक, रोजगार और आवास संबंधी सुरक्षा सुनिश्चित हुई है।

भाजपा के सीनियर नेता गोविंद नारायण राठी को स्टेट एक्जीक्यूटिव के पद पर नियुक्त किए जाने पर उनका सम्मान करते सोमराज सिंह भाजपा अध्यक्ष गोशामहाल, कमल सिंह, अनिल सिंह, नवीन अग्रवाल, अप्पा नर्सिंग, प्रशांत कुमार, राकेश अग्रवाल, राजा जौहरी, किशन कुमार, दीपक कुमार व अन्य।

नशे में पति ने पत्नी-बेटे की हत्या की, बेटी गंभीर

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के रंगा रेड्डी जिले के अमंगल क्षेत्र में मंगलवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक व्यक्ति ने कथित तौर पर नशे की हालत में अपनी पत्नी और छोटे बेटे की हत्या कर दी, जबकि बेटी को गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान बनवथ राम दास नायक के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि पुलिगोनी पल्ली थंडा स्थित उसके घर में किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद उसने गुस्से में अपने ही परिवार पर हमला कर दिया। इस हमले में उसकी पत्नी और बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। घटना में दंपति की बेटी भी गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। सूचना मिलते ही जानकी रेड्डी के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

ईसीआईएल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार के उपक्रम में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 174वीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता ईसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अनीश कुमार शर्मा ने की।

इस अवसर पर समिति के सदस्य-सचिव एवं प्रबंधक (राजभाषा) डॉ. राजनारायण अवस्थी ने राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति, विभिन्न विभागों में हिन्दी के प्रयोग की प्रगति तथा परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुपालन की विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत की। उन्होंने राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए किए जा रहे प्रयासों से भी अवगत कराया।

अध्यक्ष ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि वे राजभाषा कार्यान्वयन से जुड़े सभी बिंदुओं पर गंभीरतापूर्वक कार्य करते हुए निरीक्षण की तैयारी पूर्ण रूप से सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त, बैठक में कार्यालयीन कार्यों विशेषकर, पत्राचार, टिप्पणी, नोटिंग एवं मसौदा-लेखन में हिन्दी के प्रयोग को और अधिक बढ़ाने पर जोर दिया गया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. अनीश कुमार शर्मा, उत्कृष्ट वैज्ञानिक ने हिन्दी भाषा के प्रयोग की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिन्दी के साथ-साथ मातृभाषा एवं क्षेत्रीय भाषाओं का संरक्षण एवं संवर्धन भी उतना ही आवश्यक है। प्रत्येक व्यक्ति को विभिन्न भाषाओं का ज्ञान अर्जित करना चाहिए, जिससे कार्यकुशलता के साथ-साथ व्यापक दृष्टिकोण का विकास होता है।

अध्यक्ष ने निर्देश दिया कि नराकास प्रतियोगिताओं में सभी सदस्य कार्यालयों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी विभागों से अपेक्षा की कि वे समन्वित एवं निरंतर प्रयासों के माध्यम से राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग बनाएं तथा इसे और अधिक व्यापक, प्रभावी एवं व्यवहारिक रूप प्रदान करें। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में वी. कनका महालक्ष्मी, डॉ. सीएच. अंबेडकर, अजहर सुल्तान तथा सीएच. निहारिका, प्रशिक्षु (राजभाषा) का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सीरवी समाज पारसीगुटा प्रीमियर लीग-1 का समापन

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अलियाबाद सीरवी क्रिकेट ग्राउंड स्थित सीरवी समाज पारसीगुटा प्रीमियर लीग-1 का समापन समारोह 29 मार्च शाम 4.15 बजे समापन हुआ।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में खेल मंत्री हिमताराम हाम्बड़ ने बताया कि प्रथम बार सीरवी समाज पारसीगुटा प्रीमियर लीग-1 का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में समाज की 24 टीमों ने भाग लिया।

सेमिफाईनल मुकाबलों के बाद फाईनल मुकाबला मेड्चल व शंकरपल्ली के मध्य खेला गया। जिसमें मेड्चल की टीम विजय रही। समापन कार्यक्रम में आयोजकों द्वारा विभिन्न संस्थाओ के पदाधिकारियो व प्रतियोगिता के स्पोसरों को मोमेन्टो, साफे व शॉल से सम्मान किया गया। प्रतियोगिता के ट्रोफी स्पोंसर महेन्द्रकुमार देवड़ा के सुपुत्र प्रेम देवड़ा, जसवंत देवड़ा, जर्सी स्पोंसर रामलाल, मोहित परिहार, भोजन-प्रसादी स्पोंसर मोहनलाल हाम्बड़, लाबुराम पँवार, ग्राउण्ड-1 स्पोंसर अन्नाराम राठौड़, बॉल स्पोंसर मांगीलाल सेणचा, अल्पाहार स्पोंसर चेलाराम भायल, हिमताराम हाम्बड़, कूल-ड्रिंक्स स्पोंसर जय भवानी सिल्वर पैलस पोट मार्केट, जल स्पोंसर हापुराम, ओमप्रकाश, राजुराम, लोगो स्पोंसर श्यामलाल बर्फा, फोटोग्राफी व कैमरा स्पोंसर चेनाराम परिहार, अंपायर स्पोंसर खरताराम, प्रवीण आगलेचा परिवार, साउण्ड स्पोंसर हिमताराम हाम्बड़, टॉस के बॉस स्पोंसर चोलाराम, प्रकाश हाम्बड़, विशेष सहयोग ढगलाराम सेपटा, अशोक नगर एवं कार्यक्रम में विशेष सहयोग के लिए भोलाराम सोलंकी, नारायणलाल सीरवी का सम्मान किया गया।

प्रतियोगिता में बेस्ट बॉलर एवं मैन ऑफ दी सीरीज चिरनजीवी, बेस्ट बॉलर अर्जुन चौधरी एवं उप विजेता टीम शंकरपल्ली व विजेता टीम मेड्चल को ट्रॉफी एवं नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। भोजन की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। सम्बोधन भाषण में अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, नारायणलाल काग, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबूराम पंवार, सचिव चेलाराम भायल, महिला मंडल सचिव निर्मला देवड़ा ने समाज बन्धुओ द्वारा दिये गये सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। कोषाध्यक्ष हिमताराम हाम्बड़ ने आय-व्यय का लेखा-झोखा प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन मे अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, उपाध्यक्ष मूलाराम चोयल, रमेश पँवार, सचिव नारायणलाल काग, सहसचिव हीराराम खंडाला, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा, सलाहकार चोलाराम हाम्बड़, जसवन्त देवड़ा, मनोनित सदस्य रामलाल परिहार, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबूराम पंवार, उपाध्यक्ष मांगीलाल हाम्बड़,वोराराम भायल, सचिव चेलाराम भायल, सहसचिव रमेश परिहार, कोषाध्यक्ष हिमताराम हाम्बड़, खेल मंत्री हिमताराम हाम्बड़, महिला मंडल अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, उपाध्यक्षा इन्द्रादेवी आगलेचा, अनितादेवी चोयल, सचिव निर्मला देवड़ा, सहसचिव कविता सोलंकी, कोषाध्यक्ष नीलू लचेटा, सलाहकार गवरीदेवी परिहार, मंजूदेवी सोलंकी, पदाधिकारियो, कार्यकारिणी मेम्बरों, समाज बन्धुओ व खिलाड़ियो का सहयोग रहा। मंच का संचालन विशाल रामावत ने किया। खेल मंत्री हिमताराम हाम्बड़ के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

सीरवी महासभा की बैठक कल

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय सीरवी महासभा तेलंगाना की बैठक 2 अप्रैल 1 बजे को पारसीगुटा स्थित आईमाता जी मंदिर (बडेर) में आयोजित की जाएगी। जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष हरजीराम काग, महासचिव सोहनलाल हाम्बड़ ने बताया कि इस बैठक में तेलंगाना की सभी बडेरों के अध्यक्ष, सचिव एवं समस्त कार्यकारिणी पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। इस आमसभा में समाजहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया जाएगा। सभी पदाधिकारियों व समाज बंधुओं से उपस्थित होने की अपील की गई है।

आंध्र प्रदेश के राज्यपाल अब्दुल नजीर ने तिरुमला मंदिर में पूजा-अर्चना की

तिरुमला, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल न्यायमूर्ति एस. अब्दुल नजीर ने मंगलवार को अपने परिवार के साथ तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर का दौरा किया और भगवान वेंकटेश्वर की पूजा-अर्चना की। मंदिर महाद्वार में उन्हें पारंपरिक स्वागत दिया गया। स्वागत में टीटीडी अधिकारी कार्यकारी अधिकारी मुद्दा रविचंद्रा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें। द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (http://ireps.gov.in द्वारा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु निविदाकरण की एकल पैकेट प्रणाली में ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.01 एनआयटी नं. सी/ई.29/टीआरडी/एससी/73/2025-26 कार्य विवरणः निविदा सं. सी/ई.29/टीआरडी/एससी/73/2025-26, दि.13-03-2026 एससी डिवीजनः केजेडजे-बीपीक्यू सेक्शनः टीआरडी व्यवस्थाएं- 1. काजीपेट-बल्लारशाह सेक्शन में सिरपुर टाउन पर रेल लेवल प्लेटफार्म सहित गूड्स लोडिंग लाइन का प्रावधान। 2. काजीपेट-बल्लारशाह सेक्शन में सिरपुर टाउन पर बल्लास्ट डिपो का विकास या अगमेन्टेशन। अनुमानित मूल्य रु. 4,91,97,978.28 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने बंद करने की तिथिः 22-04-2026, के 15.00 बजे

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया **वेबसाइटः** http://ireps.gov.in लॉग इन करें।

निविदाकारों को केवल ई-टेन्डरिंग द्वारा ही भाग लेना चाहिए तथा मैन्युएल आफर्स पर विचार नही किया जायेगा।

आईआरईपीएस **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य कार्य विवरण उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग लिया जा सकता है तथा जिसमें यदि कोई परिवर्तन हो तो, उसे देख सकते हैं।

सभी भावी निविदाकारों से अनुरोध है कि, केवल ऑनलाइन पेमेन्ट्स द्वारा ही निविदा प्रपत्र & अग्रधन को जमा करें।

यह निविदा सूचना, एसआर. डीईई/टीआरडी कार्यालय, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद पर स्थित नोटिस बोर्ड में भी दर्शाया गया है, जिसे सभी कार्यालयीन दिनों में देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

सभी भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, जीएसटीआईएन पहचान संख्याएं प्राप्त करें तथा उसे अपने आफर्स सहित प्रस्तुत करें।

निविदाकार किसी भी शुद्धिपत्र (केवल ऑन लाइन पर जारी) को, निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, टीआरडी, सिकंदराबाद

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (http://ireps.gov.in द्वारा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन डिस्ट्रीब्यूशन, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु निविदाकरण की एकल पैकेट प्रणाली में ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.01 एनआइटी नं. सी/ई.29/टीआरडी/एससी/74/2025-26, कार्य विवरणः निविदा सं. सी/ई.29/टीआरडी/एससी/74/2025-26,दि.24-03-2026 एससी डिवीजनः तत्संबंधित एससी डिवीजन के केजेडजे-डब्ल्यूडी सेक्शन में सुरक्षा & विश्वसनीयता सहित संबंधित लीनिंग/क्रिटिकल & लेस्स कान्टैक्ट वायर हाइट ओएचइ स्ट्रक्चर्स या ढांचों का सुधार तथा मजबूतीकरण कार्य। अनुमानित मूल्य रु. 5,40,15,787.08 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने बन्द करने की तिथि व समयः 21-04-2026 के 15.00 बजे

क्रम सं.02 एनआइटी नं. सी/ई.29/टीआरडी/एससी/75/2025-26, कार्य विवरणः निविदा सं. सी/ई.29/टीआरडी/एससी/75/2025-26,दि.24-03-2026 एससी डिवीजनः तत्संबंधित एससी डिवीजन के केआय-बीपीक्यू सेक्शन में सुरक्षा & विश्वसनीयता सहित संबंधित लीनिंग/क्रिटिकल & लेस्स कान्टैक्ट वायर हाइट ओएचइ स्ट्रक्चर्स या ढांचों का सुधार तथा मजबूतीकरण कार्य।

अनुमानित मूल्य रु. 6,31,35,166.08 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने बन्द करने की तिथि व समयः 21-04-2026 के 15.00 बजे

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया **वेबसाइटः** http://ireps.gov.in लॉग इन करें।

निविदाकारों को केवल ई-टेन्डरिंग द्वारा ही भाग लेना चाहिए तथा मैन्युएल आफर्स पर विचार नही किया जायेगा।

आईआरईपीएस **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य कार्य विवरण उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग लिया जा सकता है तथा जिसमें यदि कोई परिवर्तन हो तो, उसे देख सकते हैं।

सभी भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, जीएसटीआईएन पहचान संख्याएं प्राप्त करें तथा उसे अपने आफर्स सहित प्रस्तुत करें।

निविदाकार किसी भी शुद्धिपत्र (केवल ऑन लाइन पर जारी) को, निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, टीआरडी, सिकंदराबाद

निविदा सं. जीटीएल-इएम-87-2025-26, दि.26-03-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/रखरखाव/गुन्टकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं. -जीटीएल-इएम-87-2025-26, कार्य विवरणः गुन्टकल डिवीजनः 1. प्लेटफॉर्म्स को उच्च स्तर पर उठाना तथा वीएनएम, एचएक्यू, एसएफ & केएमएच पर नई 3एम एफओबी का प्रावधान-बिजली व्यवस्थाएं। 2. एएनइ, केक्यूए, ओबीवीपी, एनआरइ & पीएमटी पर प्लेटफॉर्म्स को उच्च स्तर पर उठाना -बिजली व्यवस्थाएं। 3. एमएमपीएल & बीकेपीटी पर नई 3एम एफओबी का प्रावधान--बिजली व्यवस्थाएं। 4. बिजली व्यवस्थाएं-प्रोद्दूर तथा जम्मलमडुगू पर 24/26 एलएचबी कोचेस को रखने या होल्ड करने हेतु प्लॉटफार्म का विस्तार करना।

अनुमानित मूल्य रु. 2,73,53,996.11

बंद करने की तिथि व समयः 17-04-2026 के 15.00 बजे

निविदा की बोली लगाने या टेन्डर बिड्डींग तथा अन्य विवरण हेतु https://www.ireps.gov.in पर लॉग इन करें। निविदा का शुद्धिपत्र, यदि कोई हो तो, उसे केवल ऑनलाइन पर जारी किया जायेगा। निविदाकार, निविदा दस्तावेज को https://www.ireps.gov.in से मुफ्त में डाउनलोड कर सकते हैं।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता,रखरखाव, गुन्टकल

निविदा सूचना संख्याः सीआरएस-ई-16-25-26

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीवाय. सीएमइ/सीआरएस/टीपीटीवाय द्वारा तत्संबंधित निम्न विवरित निविदा संख्या व बन्द करने की तिथि की 11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है। बोलीदातागण अपने मूल/संशोधित बोलियों को उक्त बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उस पर विचार नही किया जायेगा।

क्रम संख्याः01 कार्य विवरणः निविदा संख्याः सीआरएस-ई-16-25-26, केरैज रिपेयर शाप, तिरुपति, द.म. रेलवे पर 12 महिनों की अवधि के लिए, एलएचबी एसी कोचेस में फ्लूर द्वारा फ्लूर से एसएस तक आरएमपीयु एफआरपी में रुपान्तरण या कन्वर्शन।

अनुमानित मूल्य रु. 32,69,955.00 बोली सुरक्षा रु.65,400.00 कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने बंद करने की तिथि व समयः 17-04-2026 के 11.00 बजे

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः चीफ वर्कशाप मैनेजर का कार्यालय, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति

निविदा शर्तो/अधिक जानकारी (निविदा दस्तावेजो मे उपलब्ध) तथा निविदा दस्तावेजो की डाउनलोडिंग, शुद्धिपत्र हेतु कृपया हमारे वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

उप मुख्य यांत्रिक अभियन्ता, सीआरएस/तिरुपति

निविदा सं. एम248-पीएआइएनटी - 05 दि.28-03-26

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/आरवायपीएस, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, वैगान वर्कशाप, गुन्टुपल्ली-521241 द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा संख्याः एम248-पीएआइएनटी -05 दि.28-03-26 कार्य विवरणः वैगान वर्कशाप, गुन्टुपल्ली, द.म. रेलवे के परिसरों पर एसएस ओपन वैगान्स की पीयु पेन्टिंग या रंगाई पुताई कार्य। मात्राः निविदा दस्तावेज में विवरितानुसार कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने निविदा मूल्य रु. 48,66,714.08 (रु.अडतालीस लाख छियासठ हजार सात सौ चौदह तथा आठ पैसे मात्र) अग्रधनः रु.97,300.00 (रु.सत्तानवे हजार तीन सौ मात्र) निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य आफर वैधः खोलने की तिथि से लेकर 60 दिनों तक निविदा का प्रकारः आईआरजीसीसी-2022 द्वारा शासित कार्य निविदा निविदाकरण प्रणालीः खुली निविदा-एकल पैकेट निविदा बन्द करने की तिथि व समयः 22-04-2026 के 15.00 बजे निविदा दस्तावेज व शुद्धिपत्रः **वेबसाइट-** https://www.ireps.gov.in देखें पत्राचार हेतु डाक का पताः चीफ वर्कशाप मैनेजर, वैगान वर्कशाप, गुन्टुपल्ली-521241, आंध्र प्रदेश

A2782 **उप मुख्य यांत्रिक अभियन्ता, डब्ल्यूडब्ल्यूएस, गुन्टुपल्ली**

निविदा नियम शर्ते/अधिक विवरण तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः //https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें, द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

PUB/2228

प्रारूप 10-01

सार्वजनिक अधिसूचना

इसके द्वारा निम्न खण्ड के पूर्ण खण्ड पर स्थित, सभी रेलवे लाइनों एवं परिसरों को यह सूचना दी जाती है:

विद्युतीकरण किया जानेवाला खण्ड या सेक्शनः ओएचई मास्ट. लोकेशन या स्थान 6/13ए (किमी/सीएचः06/824.20) से लोकेशन 8/18ए (किमी/सीएचः08/808.10) तक, येर्रावल्ली स्टेशन पर प्रस्तावित नुसार, विकाराबाद (वीकेबी) स्टेशन तथा सदाशिवपेट स्टेशन (एसएसपीडी) के बीच नया क्रासिन्ग स्टेशन।

येर्रावल्ली स्टेशन पर प्रस्तावित नुसार, दमरे के एससी डिवीजन पर, ओएचइ मास्ट. लोकेशन या स्थान 6/13ए (किमी/सीएचः06/824.20) से लोकेशन 8/18ए (किमी/सीएचः08/808.10) तक, विकाराबाद (वीकेबी) स्टेशन तथा सदाशिवपेट स्टेशन (एसएसपीडी) के बीच नया क्रासिन्ग स्टेशन के चलते, उपरोक्त सेक्शन के 25केवी, 50एचजेड, ए.सी. ओवरहेड ट्रैक्शन वायर्स को दि.07-04-2026 को या इसके बाद उर्जावान (एनर्जाइज) किया जायेगा। तत्संबंधित तिथि या उक्त तिथि से ओवरहेड ट्रैक्शन लाइनों को सभी समय पर सक्रिय माना जायेगा तथा अतः उपरोक्त ओवरहेड लाइन के भीतर या इसके परिसर में कोई भी अनधिकृत व्यक्ति न जा सकेगा या न कोई कार्य ही कर सकेगा।

A2817 **उप मुख्य बिजली अभियन्ता/गति शक्ति/सिकन्दराबाद**

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें। द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

PUB/2222

संख्याः सी/ई-नीलामियों की सूची/एससी/2025-26, दि.30-03-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति, गणराज्य भारत की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे द्वारा वाणिज्यिक आय तथा एनएफआर संविदाओं हेतु ई-नीलामी आमंत्रित है। तदनुसार, एससी डिवीजन ने निम्न श्रेणियों हेतु ई-नीलामी संसाधित की है, जिसें **वेबसाइटः** https://www.ireps.gov.in पर अधिसूचित किया गया है।

क्रम सं.01, श्रेणीः पार्किंग, सूची सं.-एससी-पार्किंग-एमयुएल-26 नीलामी शुरु तिथि व समयः 01-04-2026 के 10.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स)/रेल (रेलें) — एसइएम, एमसीआय, एसजेवीपी नीलामी विवरणः सेडम, मंचेरियाल तथा संजीवय्या पार्क स्टेशनों पर इन्डीवीड्युएल पार्किंग का ठेका या कान्ट्राक्ट्स।

क्रम सं.02, श्रेणीः कैटरिंग, सूची सं.-एससी-सीएटीजी-09-2026, नीलामी शुरु तिथि व समयः 02-04-2026 के 14.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स)/रेल (रेलें) — सीएचजेड,एससी, युडीजीआर, बीएमटी नीलामी विवरणः चर्लापल्ली, सिकंदराबाद, उदगीर तथा बेगमपेट स्टेशनों पर इन्डीवीड्युएल कैटरिंग का ठेका या कान्ट्राक्ट्स।

क्रम सं.03, श्रेणीः पार्किंग, सूची सं.-एससी-पार्किंग--0825 नीलामी शुरु तिथि व समयः 02-04-2026 के 14.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स)/रेल (रेलें) — जेएमकेटी,एससी, वीकेबी, केजेडजे, एसएसीएच नीलामी विवरणः जम्मीकुन्टा (फोर व्हीलर्स मात्र), सिकंदराबाद-पीएफ 10 (टू व्हीलर्स मात्र), विकाराबाद (टू व्हीलर्स मात्र), काजीपेट व सुचित्रा स्टेशनों पर, इन्डीवीड्युएल पार्किंग का ठेका या कान्ट्राक्ट्स।

क्रम सं.04, श्रेणीः कैटरिंग, सूची सं.-एससी-सीएटीजी-10-2026 नीलामी शुरु तिथि व समयः 13-04-2026 के 14.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स)/रेल (रेलें) — बीएमटी, एचवायबी, एलपीआय, केजेडजे, एससी, बीआयडीआर, डब्ल्यूएल नीलामी विवरणः बेगमपेट रेलवे स्टेशन पर वेटिंग हाल के भीतर प्लेटफार्म नं. 1 के प्रिमीयम ब्राण्डेड कैटरिंग आउटलेट की स्थापना एवम् संचालन हेतु इन्डीवीड्युल कान्ट्रैक्ट्स या संविदाएं, पीएफ-3 & 4 बी/डब्ल्यू पिल्लर नं.39 &40 हैदराबाद रेलवे स्टेशन, प्लेटफार्म नं. 1 आरक्षित वेटिन्ग हाल के पास लिंगमपल्ली रेलवे स्टेशन, पीएफ-1 कानकोर्स एरिया काजीपेट रेलवे स्टेशन, प्लेटफार्म नं.10 पैसेंजर लाबी के पास सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन, प्लेटफार्म नं.1 मध्य बिदर रेलवे स्टेशन, पीएफ-1 कानकोर्स एरिया वरंगल रेलवे स्टेशन पर तत्संबंधित कार्य

क्रम सं.05, श्रेणीः पार्किंग, सूची सं.-एससी-पार्किंग--0426 नीलामी शुरु तिथि व समयः 14-04-2026 के 14.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स)/रेल (रेलें) — एचएफजेड नीलामी विवरणः हाफिजपेट स्टेशन पर पार्किंग का ठेका।

क्रम सं.06, श्रेणीः पे & यूज, सूची सं.-पीएनयु- एससी-टीओआय-26-5 नीलामी शुरु तिथि व समयः 14-04-2026 के 14.00 बजे, संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स)/रेल (रेलें) — सिकंदराबाद व हाफिजपेट स्टेशनोंपर इन्डीवीड्युएल पे & यूज शौचालयों का ठेका या कान्ट्राक्ट्स।

इच्छुक पार्टीज & ठेकेदारगण यह नोट करें कि, ई-नीलामी सूचना के विस्तृत विवरण हेतु उपरोक्त वेबसाइट पर जाएं। पूछताछ/स्पष्टीकरणों हेतु कृपया अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क करें।

A2809 **वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद**

वैभव की राजस्थान के लिए दूसरी सबसे तेज फिफ्टी लगाया, ओवरटन ने धोनी का रिकॉर्ड तोड़ा

गुवाहाटी, 31 मार्च (एजेंसियां)। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने राजस्थान रॉयल्स के लिए दूसरी सबसे तेज फिफ्टी लगाकर टीम को जीत दिलाई। गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में राजस्थान ने चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से हराया।

चेन्नई 19.4 ओवर में 127 रन पर ऑलआउट हो गई। इसके जवाब में राजस्थान ने 12.1 ओवर में 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। यह राजस्थान रॉयल्स की सबसे बड़ी जीत रही। राजस्थान ने 47 गेंद रहते अपने आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा रनचेज किया। इससे पहले 2014 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 42 गेंद बाकी रहते जीत हासिल की थी।

मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ सबसे ज्यादा 21 मैच जीते हैं। इसके बाद पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स 16-16 जीत के साथ दूसरे नंबर पर हैं। 2020 के बाद से राजस्थान ने चेन्नई के खिलाफ पिछले 11 मुकाबलों में से 9 में जीत हासिल की है।

वैभव सूर्यवंशी ने 15 गेंदों में अर्धशतक जड़कर राजस्थान के लिए दूसरी सबसे तेज फिफ्टी लगा दी। टॉप पर यशस्वी जायसवाल हैं, जिन्होंने 2023 में कोलकाता के खिलाफ सिर्फ 13 गेंदों में अर्धशतक लगाया था।

जैमी ओवरटन ने 43 रन की पारी खेलकर सीएसके के लिए नंबर-8 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे बड़ा स्कोर बना दिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड एम एस धोनी के नाम था, जिन्होंने 2024 में विशाखापट्टनम में दिल्ली के खिलाफ नाबाद 37 रन बनाए थे।

अंशुल कम्बोज और जैमी ओवर्टन ने 10वें विकेट के लिए 33 रन जोड़कर सीएसके की सबसे बड़ी आखिरी विकेट साझेदारी बना दी। इससे पहले यह रिकॉर्ड 26 रन का था, जो एम एस धोनी और मोहित शर्मा के नाम 2013 में दर्ज था।

ओवरऑल आईपीएल में 10वें विकेट के लिए यह तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी रही। पहले पायदान पर शिखर धवन और मोहित राठी हैं। दोनों ने मिलकर पंजाब के लिए खेलते हुए हैदराबाद के खिलाफ नाबाद 55 रन जोड़े थे।

आईपीएल के बीच मौत से हड़कंप

होटल के कमरे में बीसीसीआई के ब्रॉडकास्ट इंजीनियर के साथ क्या हुआ?

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 का रोमांच जारी है. लेकिन, इसी बीच इंडियन प्रीमियर लीग के ब्राडकास्ट से जुड़े एक ब्रिटिश नागरिक की मौत हो गई है. उनका शव उनके होटल के कमरे में मिलने से हड़कंप मच गया है.

होटल रूम में मृत पाए गए ब्रिटिश नागरिक की पहचान इयान विलियम्स लैंगफोर्ड के तौर पर हुई है, जो कि बीसीसीआई के लिए ब्रॉडकास्ट इंजीनियर के तौर पर काम कर रहे थे. इयान विलियम्स लैंगफोर्ड 24 मार्च से आईपीएल कवर करने के लिए मुंबई के होटल में रुके थे.

होटल के कमरे में संदिग्ध हालत में ब्रॉडकास्ट इंजीनियर की मौत

29 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स का मुकाबला खत्म होने के बाद इयान विलियम्स लैंगफोर्ड अपने कमरे में लौट आए.

वो मुंबई के होटल के कमरा नंबर 2715 में रुके थे. 30 मार्च को जब होटल के रिसेप्शनिस्ट ने उनके कमरे पर फोन किया तो कोई जवाब नहीं मिला, जिसके बाद होटल स्टाफ उन्हें चेक करने के लिए उनके कमरे में गया.

होटल स्टाफ ने इयान के कमरे का दरवाजा खटखटाया. अंदर से जब कोई रिएक्शन नहीं आया तो उसने मास्टर चाबी से कमरे का दरवाजा खोला और फिर जो दिखा उसके बाद आंखें फटी की फटी रह गई. आईपीएल प्रसारण से जुड़े ब्रिटिश नागरिक इयान विलियम्स लैंगफोर्ड का शव फर्श पर पड़ा था. होटल के डॉक्टर ने आकर इयान कि जांच की, जिसने उन्हें मरा हुआ घोषित कर दिया.

पुलिस ने मामला किया दर्ज, जांच जारी

इयान विलियम्स लैंगफोर्ड की मौत को लेकर मुंबई के मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज करा दी गई है. पुलिस ने मामला दर्ज कर उसकी जांच शुरू कर दी है. पुलिस अब ये पता लगाने कि कोशिश करेगी कि होटल के कमरे में इयान के साथ क्या हुआ?

मुंबई इंडियंस ने केकेआर को था हराया

वानखेड़े पर मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेले मुकाबले की बात करें तो वो हाई स्कोरिंग रहा था.

उस मुकाबले में केकेआर ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 219 रन बनाए थे. जवाब में मुंबई ने 220 रन का टारगेट 5 गेंद पहले ही चेज कर लिया था.

बंगाल चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुए टेनिस दिग्गज लिएंडर पेस

बढ़ी सियासी हलचल

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी लिएंडर पेस ने भाजपा का दामन थाम लिया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले उनका यह कदम राजनीतिक हलकों में काफी चर्चा का विषय बन गया है। पेस, जो भारत के सबसे सफल टेनिस खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और भाजपा नेता सुकांता मजुमादर भी मौजूद रहे। पेस का पार्टी में शामिल होना पश्चिम बंगाल की राजनीति के लिहाज से अहम माना जा रहा है। फिलहाल पश्चिम बंगाल में चुनावी माहौल गर्म होता जा रहा है और सभी राजनीतिक दल अपनी रणनीति मजबूत करने में जुटे हैं।

किरण रिजिजू ने लिएंडर को लेकर क्या कहा?

इस मौके पर रिजिजू ने कहा, 'लिएंडर पेस का भाजपा परिवार में शामिल होना ऐतिहासिक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 12 वर्षों में खेल और खिलाड़ियों को लगातार बढ़ावा दिया है।' वहीं लिएंडर ने इसे अपने जीवन का सबसे खास दिन बताया। उन्होंने कहा, 'यह मेरे जीवन का बहुत बड़ा दिन है। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह जी और नितिन नबीन जी का धन्यवाद करना चाहता हूं। यह मेरे लिए खेल और युवाओं की सेवा करने का बड़ा अवसर है।'

'अब युवाओं के लिए काम करूंगा'

लिएंडर पेस ने भारत के लिए ओलंपिक पदक और कई ग्रैंड स्लैम जीते हैं और अब राजनीति के मैदान में अपनी नई पारी खेलने जा रहे हैं। उनका भाजपा से जुड़ना यह दिखाता है कि पार्टी खेल जगत के बड़े चेहरों को अपने साथ जोड़कर अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है। पेस ने अपने करियर को याद करते हुए कहा कि अब वह नई जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने 40 साल देश के लिए खेला है, अब समय है युवाओं की सेवा करने का।' लिएंडर पेस ने केंद्र सरकार की खेल योजनाओं की भी सराहना की। उन्होंने कहा, 'खेलो इंडिया मूवमेंट और टॉप्स स्कीम बहुत शानदार पहल हैं। मैंने देखा है कि किरेन रिजिजू जी ने टोक्यो ओलंपिक में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के लिए कितनी मेहनत की। प्रधानमंत्री जी ने उन्हें जो रोल दिया था, उसे बखूबी निभाया।'

बंगाल में खेल सुविधाओं की कमी पर बोले पेस

पेस ने बंगाल में खेल सुविधाओं की कमी पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ' भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। हमें अगले 20-25 वर्षों में स्पोर्ट्स एजुकेशन पर ध्यान देना चाहिए। 1986 में पश्चिम बंगाल में खेल का ज्यादा इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं था। आज भी बंगाल में इंडोर टेनिस कोर्ट की कमी है। बंगाल, तमिलनाडु और बिहार बेहतर कर सकते हैं, लेकिन हमें युवाओं को खेल शिक्षा के जरिए प्रेरित और सशक्त बनाने पर ध्यान देना होगा। मेरा सपना है कि भारत में महिला सशक्तिकरण के लिए बराबरी के अवसर वाली स्कॉलरशिप प्रोग्राम शुरू किया जाए।'

बंगाल चुनाव से पहले बड़ा संदेश

भाजपा को उम्मीद है कि पेस की लोकप्रियता से खासकर युवा और खेल प्रेमी वोटर्स पर सकारात्मक असर पड़ेगा। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि पेस चुनाव लड़ेंगे या नहीं, लेकिन यह तय माना जा रहा है कि वह चुनाव प्रचार में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उनकी छवि और अनुभव पार्टी के लिए एक मजबूत चेहरा साबित हो सकते हैं।

लिएंडर के पिता का पिछले साल हुआ था निधन

लिएंडर पेस का जन्म 17 जून 1973 को कोलकाता में हुआ था। उनके दिवंगत पिता वेस पेस ने 1972 म्यूनिख ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था और उनकी मां जेनिफर पेस ने 1980 एशियन बास्केटबॉल टीम की अगुआई कर अपना लोहा मनवाया था। लिएंडर के पिता वेस पेस का पिछले साल ही 80 साल की उम्र में निधन हुआ था।

अटलांटा ओलंपिक में लिएंडर ने जीता था कांस्य

लिएंडर ने 1996 में अटलांटा ओलंपिक में पुरुष टेनिस के एकल वर्ग में ब्राजील के फर्नांडो मेलिगेनी को मात देकर कांस्य पदक अपने नाम किया था। साथ ही वह केडी जाधव के बाद पहले भारतीय खिलाड़ी बने, जिन्होंने व्यक्तिगत ओलंपिक मेडल जीता। उनकी सफलताओं को ध्यान में रखते हुए सरकार ने उन्हें 1996-97 में खेल रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया था। इसके अलावा वह 1990 में अर्जुन अवॉर्ड, 2001 में पद्म श्री अवॉर्ड और जनवरी 2014 में पद्म भूषण अवॉर्ड से भी नवाजे जा चुके हैं।

पुरुष और मिक्स्ड डबल्स के महारथी हैं लिएंडर

वैसे तो पेस ने पुरुष एकल में कोई ग्रैंडस्लैम नहीं जीता, लेकिन पुरुष युगल में उनके नाम आठ ग्रैंडस्लैम ट्रॉफीज हैं। लिएंडर ने 2012 में एकमात्र ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। इसके अलावा वह 1999, 2001 और 2009 में फ्रेंच ओपन, 1999 में विंबलडन और 2006, 2009 और 2013 में यूएस ओपन का खिताब भी जीत चुके हैं। वह मिक्स्ड डबल्स में 10 ग्रैंडस्लैम खिताब जीत चुके हैं। इनमें तीन ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब (2003, 2010, 2015), एक फ्रेंच ओपन खिताब (2016), चार विंबलडन खिताब (1999, 2003, 2010 और 2015) और दो यूएस ओपन खिताब (2008 और 2015) शामिल हैं।

बीच मैच अंपायर्स ने क्यों की सरफराज खान के बल्ले की जांच?

फिर बदलना पड़ा बैट

गुवाहाटी, 31 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 का तीसरा मैच चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच गुवाहाटी में खेला गया. सीएसके का प्रदर्शन इस मुकाबले में बेहद निराशाजनक साबित हुआ. चेन्नई सुपर किंग्स के लगातार विकेट गिरते रहे. इसी वजह से इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर सरफराज खान को बल्लेबाजी के लिए आना पड़ा. उन्होंने 12 गेंदों में 17 रन की पारी खेली. मैच के दौरान अचानक सरफराज खान के बल्ले की जांच हुई. इसके बाद उन्हें अपना बैट बदलना भी पड़ा. आईपीएल 2025 से ही अंपायर्स द्वारा एक बैटिंग गेज का उपयोग किया जा रहा है, जिसमें से खिलाड़ियों को अपना बल्ला निकालकर दिखाना होता है. यह नियम इसलिए लाया गया था, ताकि कोई भी बल्लेबाज तय किए गए साइज से मोटा या चौड़ा बल्ला उपयोग न करे. मैदान में एंट्री से पहले चौथा अंपायर गेज से बल्ले की जांच करता है. हालांकि, सरफराज खान के मैदान पर आने के बाद अंपायर ने उनका बल्ला गेज में से निकालने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं निकल पाया. इसी वजह से सरफराज को बल्ला बदलना पड़ा.

पोलियो को मात देकर लगातार 4 स्वर्ण जीते

देश की पहली खिलाड़ी जिन्होंने रचा इतिहास

इंदौर, 31 मार्च (एजेंसियां)। बेंगलुरु के कोरामंगला स्टेडियम में आयोजित पैरा ताइक्वांडो नेशनल चैंपियनशिप 2025-26 में मध्य प्रदेश की प्रतिभाशाली खिलाड़ी सपना शर्मा ने अपनी स्वर्णिम सफलता का सिलसिला जारी रखते हुए एक बार फिर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया है। यह सपना शर्मा का लगातार चौथा नेशनल गोल्ड मेडल है, जिसके साथ ही वह देश की पहली ऐसी दिव्यांग खिलाड़ी बन गई हैं जिन्होंने खेल जगत में यह विशिष्ट उपलब्धि हासिल की है। इंदौर की रहने वाली सपना की इस ऐतिहासिक जीत ने न केवल उनके शहर बल्कि पूरे प्रदेश का मान बढ़ाया है।

इस दो दिवसीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन 28 और 29 मार्च को किया गया था, जिसमें देशभर के लगभग 70 खिलाड़ियों ने अपना कौशल दिखाया। फाइनल मुकाबले में सपना शर्मा ने अपनी बेहतरीन तकनीक और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए प्रतिद्वंद्वियों को पस्त कर दिया। कड़े मुकाबले में तेलंगाना की ममता को रजत पदक से संतोष करना पड़ा, जबकि कृष्णवेणी ने कांस्य पदक हासिल किया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान सपना का प्रदर्शन इतना प्रभावी रहा कि उन्होंने हर राउंड में अपना दबदबा बनाए रखा और स्वर्ण पदक पर अपना नाम दर्ज कराया।

सपना शर्मा की सफलता की यह कहानी जितनी सुखद है, उनका सफर उतना ही चुनौतीपूर्ण रहा है। दोनों पैरों में पोलियो होने के बावजूद सपना ने शारीरिक अक्षमता को कभी अपने सपनों के आड़े नहीं आने दिया। ताइक्वांडो से पहले वह टेबल टेनिस में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं और आर्म रेसलिंग में भी राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत चुकी हैं। उनकी यह यात्रा आर्थिक कठिनाइयों और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच निरंतर अभ्यास की मिसाल है। सपना का मानना है कि यदि इरादे मजबूत हों, तो शारीरिक बाधाएं सफलता का रास्ता नहीं रोक सकतीं।

सपना अपनी सफलता का श्रेय अपनी मेहनत, आत्मविश्वास और कभी हार न मानने वाले जज्बे को देती हैं। वह किसी अन्य के बजाय अपनी खुद की जिंदगी और संघर्षों को अपना रोल मॉडल मानती हैं। उनके परिवार में पति संजय वर्मा और बेटी हनाया हैं, जो उनके इस कठिन सफर में हमेशा साथ खड़े रहे हैं। सपना का कहना है कि उन्होंने जो कुछ भी सीखा है, अपनी परिस्थितियों से ही सीखा है। वह उन सभी खिलाड़ियों से प्रेरणा लेती हैं जो विपरीत हालातों के बावजूद देश के लिए मेडल जीतकर लाते हैं। सपना शर्मा अब अपनी इस सफलता को अंतरराष्ट्रीय पटल पर ले जाना चाहती हैं।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप : प्रीति-दीपक की जीत से शुरुआत, निकहत-लवलीना को मिला बाई

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। मंगोलिया में आयोजित एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2026 में भारत की प्रीति पवार और दीपक ने शानदार शुरुआत की है। इन मुक्केबाजों ने अपने मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ कड़े मुकाबले जीते। महिलाओं की 54 किलोग्राम श्रेणी में, विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स की स्वर्ण पदक विजेता प्रीति पवार ने दमदार प्रदर्शन करते हुए कजाकिस्तान की एलिना बाजारोवा को सर्वसम्मति से 5-0 से हराया।

दीपक ने खंडित फैसले में जीता मुकाबला

पुरुषों के 70 किलोग्राम श्रेणी में दीपक ने आत्मविश्वास के साथ प्रदर्शन करते हुए उज्बेकिस्तान के खावासबेक असदुल्लाएव को 3-2 के खंडित फैसले से कड़े मुकाबले में हराया।

एमेच्योर मुक्केबाजी में अपनी ताकत के लिए पहचाने जाने वाले देश के प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खेलते हुए दीपक ने इस कड़े मुकाबले में बेहतरीन रणनीतिक अनुशासन और जुझारूपन का प्रदर्शन किया। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में खेले गए दो मैचों में से दोनों में जीत हासिल करते हुए अपने अभियान की शानदार शुरुआत की है।

इससे पहले रविवार को ड्रॉ के माध्यम से विभिन्न श्रेणियों में होने वाले प्रमुख शुरुआती मुकाबलों और बाई पाने वाले खिलाड़ियों की पुष्टि की गई थी। जहां प्रीति का मुकाबला 54 किलोग्राम श्रेणी में बाजारोवा से तय हुआ, वहीं प्रिया का मुकाबला 60 किलोग्राम श्रेणी में रिम्मा वोलोसेंको से निर्धारित किया गया। इसके अलावा मीनाक्षी का मुकाबला जापान की यूका सादामात्सु से होगा, जबकि पूजा रानी कजाकिस्तान की नादेजदा र्याबेट्स का सामना करेंगी।

कई मुक्केबाजों को मिला बाई

इस बीच, निकहत जरीन, जैस्मीन लंबोरिया, अंकुशिता बोरो, अरुंधति चौधरी, लवलीना बोरगोहेन और अल्फिया पठान को बाई मिलने के कारण सीधे अगले दौर में प्रवेश मिल गया है।

पुरुषों की तरफ से विश्वनाथ सुरेश का मुकाबला बेकजात एर्गेशोव (किर्गिस्तान) से होगा। जादुमणि सिंह 55 किलोग्राम भार वर्ग के एक कड़े मुकाबले में रुई यामागुची का सामना करेंगे। सचिन का मुकाबला बुयांदलाई बायारखू से होगा, जबकि आदित्य प्रताप सिंह का सामना मौदा अलहवसाव से होगा। अंकुश और नरेंद्र को 'बाई' मिलने से वे अगले दौर में पहुंच गए हैं, जबकि आकाश, लोकेश और हर्ष चौधरी भी अपनी-अपनी श्रेणियों में अहम मुकाबलों के लिए तैयार हैं।

लाहौर कलंदर्स ने कप्तान शाहीन पर फाइन लगाया

होटल के कमरे में चार लोगों को ले जाने की कोशिश, सुरक्षा नियमों के उल्लंघन का आरोप

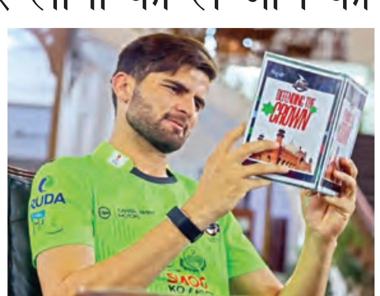

लाहौर, 31 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान सुपर लीग 2026 में लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी पर टीम ने सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के मामले में फाइन लगाया है। फ्रेंचाइजी ने अफरीदी पर 10 लाख पाकिस्तानी रुपए (लगभग 3600 डॉलर) का फाइन लगाया। फ्रेंचाइजी ने कहा, यह कदम टीम में अनुशासन और जवाबदेही बनाए रखने के लिए उठाया गया है। शाहीन ने बिना अनुमती चार लोगों को टीम होटल के कमरे में ले जाने की कोशिश की थी। पाकिस्तान के पंजाब पुलिस के मुताबिक, अफरीदी और उनके साथी खिलाड़ी सिकंदर रजा ने बिना अनुमति चार लोगों को होटल के कमरे में ले जाने की कोशिश की। रिपोर्ट में कहा गया कि खिलाड़ियों को पहले ही विजिटर्स लाने की इजाजत नहीं दी गई थी, इसके बावजूद वे लोगों को कमरे तक लेकर गए। इस मामले में सिकंदर रजा पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। रजा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस घटना की जिम्मेदारी खुद लेते हुए अफरीदी को बचाने की कोशिश की। फ्रेंचाइजी ने यह भी स्पष्ट किया कि वह सभी सुरक्षा नियमों का सम्मान करती है और भविष्य में ऐसे मामलों से बचने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे।

पंजाब पुलिस के मुताबिक, इन मेहमानों ने खिलाड़ियों के कमरे में लगभग तीन घंटे बिताए, जबकि सुरक्षा नियमों के तहत किसी भी बाहरी व्यक्ति का इस तरह प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित है। हालांकि, सिकंदर रजा का दावा था कि मेहमान केवल 40 मिनट के लिए रुके थे। पुलिस द्वारा जारी पत्र में कहा गया कि दोनों खिलाड़ियों ने सुरक्षा अधिकारियों के निर्देशों की अनदेखी की, जो खिलाड़ियों और टीम की सुरक्षा के लिए बनाए गए थे।

साल की सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज बनीं शीतल देवी

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)। शीतल देवी को विश्व तीरंदाजी ने साल का सर्वश्रेष्ठ पैरा तीरंदाज चुना है। इस भारतीय तीरंदाज ने इस सम्मान के लिए दिल से आभार जताया है। वैश्विक शासी निकाय ने पिछले एक साल में इस खेल में उनके बेहतरीन प्रदर्शन और योगदान के लिए शीतल देवी को इस खिताब से सम्मानित किया है। शीतल देवी का यह पुरस्कार एक ऐतिहासिक सीजन की शानदार परिणति है, जिसमें उन्होंने ग्वांगजू में आयोजित वर्ल्ड आर्चरी पैरा चैंपियनशिप में अपना पहला विश्व खिताब जीता था। शीतल देवी बिना हाथों के पैरा आर्चरी विश्व चैंपियनशिप जीतने वाली पहली महिला बनी थीं। उन्होंने कंपाउंड महिला व्यक्तिगत फाइनल में पैरालंपिक चैंपियन ओज्नुर क्यूर गिर्दी को हराया था। इसके अलावा उन्होंने महिला टीम स्पर्धा में रजत और मिश्रित टीम प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता। शीतल देवी साल 2025 में 'बीबीसी इमर्जिंग एथलीट ऑफ द ईयर' पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय तीरंदाज बनीं थीं। यह सम्मान उन्हें पेरिस 2024 पैरालंपिक गेम्स में राकेश कुमार के साथ मिश्रित टीम में कांस्य पदक जीतने के बाद मिला। शीतल देवी को 2023 में विश्व तीरंदाजी पैरा महिला ऑफ द ईयर और एशियाई पैरालंपिक समिति की सर्वश्रेष्ठ युवा एथलीट के रूप में भी मान्यता मिली है।

आईपीएल सट्टेबाजी में 10 गिरफ्तार, नकदी व सामान बरामद

आदिलाबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद के इचोडा मंडल में सोमवार रात इंडियन प्रीमियर लीग मैचों पर सट्टेबाजी के आरोप में पुलिस ने दस लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से तीन मोटरसाइकिल, नौ मोबाइल फोन और 4,470 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, गोलुसुला अजय, दंडुगुला मुरली, जाधव रामू, कांबले आकाश, सिदाम रवि, कांबले राज कुमार, कांबले अरुण, दासन्ना, सीपेली श्रीनिवास और कांबले शशिकुमार को इचोडा मंडल के एक कॉलोनी में छापेमारी के दौरान पकड़ा गया। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई थी। इचोडा इंस्पेक्टर बंदारी राजू ने लोगों को आईपीएल मैचों पर सट्टेबाजी से दूर रहने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि सट्टेबाजी में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और इस तरह की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

मूसी नदी के पुनर्जीवन कार्य लोकतांत्रिक तरीके से किए जाएंगे : भट्टी

जनमत 31 मार्च से 15 अप्रैल तक

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उप-मुख्यमंत्री और मूसी कैबिनेट उप-समिति के अध्यक्ष भट्टी विक्रमार्का ने कहा कि मूसी नदी के पुनर्जीवन कार्य लोकतांत्रिक तरीके से किए जाएंगे।

भट्टी विक्रमार्का ने मंगलवार को डॉ.बी.आर. आंबेडकर सचिवालय में अधिकारियों के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक की, जिसमें मंत्री और मूसी कैबिनेट उप-समिति के सदस्य पोन्नम प्रभाकर भी उपस्थित थे, ताकि मूसी पुनर्जीवन परियोजना की प्रगति का आकलन किया जा सके। उन्होंने घोषणा की कि मूसी पुनर्जीवन पर जनमत 31 मार्च से 15 अप्रैल तक ईमेल आईडी के माध्यम से ऑनलाइन आमंत्रित किए जाएंगे। ऑनलाइन प्राप्त सभी महत्वपूर्ण सुझावों का अधिकारियों के साथ परामर्श कर

ने बताया कि 28 मार्च को मूसी नदी के किनारे ओंकारेश्वर मंदिर के कार्यों के लिए शिलान्यास

जिसमें मूसी फेज-1 और फेज-2 शामिल होंगे।

उन्होंने अधिकारियों को

परिवारों से परामर्श, निर्माण डिजाइनों को अंतिम रूप देना और बैंकों के साथ चर्चा शामिल

बढ़ने का आग्रह किया और कहा कि यह परियोजना उनके करियर में एक मील का पत्थर साबित होगी।

उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि मूसी उप-समिति के सदस्य अधिकारियों को किसी भी सुझाव या आवश्यकता के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगे। विशेष मुख्य सचिव रंजन, मूसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के एमडी ई.वी. नरसिम्हा रेड्डी, संयुक्त प्रबंध निदेशक गौतमी, अधिकारी विनय कृष्णा रेड्डी और अशोक रेड्डी, कलेक्टर हरिचंदना, नारायण रेड्डी और मनु चौधरी, जीएचएमसी आयुक्त कर्णन तथा अन्य इस बैठक में शामिल हुए।

उस्मानिया विश्वविद्यालय में संविदा शिक्षकों की ज्यादा नियुक्ति, सीएजी ने उठाए सवाल

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित उस्मानिया विश्वविद्यालय में संविदा सहायक प्रोफेसरों की अत्यधिक नियुक्ति का मामला सामने आया है। यह खुलासा भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की ऑडिट रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों के तहत संविदा शिक्षकों की नियुक्ति केवल आवश्यकता होने पर की जानी चाहिए और उनकी संख्या कुल स्वीकृत पदों के 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए। साथ ही, कुल कर्मचारियों की संख्या भी स्वीकृत पदों से अधिक नहीं हो सकती। लेखापरीक्षा अवधि 2017-22 के दौरान विश्वविद्यालय में कुल 1,267 स्वीकृत शिक्षण पद थे, जिसके अनुसार केवल 127 संविदा शिक्षकों की नियुक्ति की अनुमति थी। इसके बावजूद विश्वविद्यालय ने इस सीमा से अधिक संविदा सहायक प्रोफेसरों की नियुक्ति की।

रिपोर्ट में बताया गया कि वर्ष 2017-18 में स्वीकृत सहायक प्रोफेसर पद 601 थे, जबकि कुल 892 सहायक प्रोफेसर कार्यरत थे, जिनमें 430 संविदा शिक्षक शामिल थे।

यानी 291 पदों पर अतिरिक्त नियुक्ति की गई। इसी तरह 2018-19 में 265, 2019-20 में 232, 2020-21 में 203 और 2021-22 में 160 अतिरिक्त संविदा नियुक्तियां दर्ज की गईं। सीएजी ने इस पर सवाल उठाते हुए विश्वविद्यालय से स्पष्टीकरण मांगा कि बिना सरकारी मंजूरी के की गई इन अतिरिक्त नियुक्तियों की पहचान कर उन्हें समाप्त करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। हालांकि, विश्वविद्यालय की ओर से इस संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई।

जूपल्ली ने श्रीशैलम में बिजली उत्पादन को लेकर आंध्र प्रदेश की आलोचना की

तेलंगाना की सिंचाई और पेयजल आवश्यकताओं पर प्रतिकूल प्रभाव

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन, संस्कृति और आबकारी मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश सरकार पर श्रीशैलम जलाशय से पानी के उपयोग में स्थापित मानकों का उल्लंघन करने और तेलंगाना के हितों की अनदेखी करते हुए बिजली उत्पादन करने का आरोप लगाया।

गांधी भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, अचंपेट विधायक डॉ. चिक्कुडु वंसी कृष्णा और नागरकर्नूल विधायक डॉ. राजेश रेड्डी के साथ, जूपल्ली कृष्णा राव ने कहा कि स्पष्ट दिशानिर्देशों के अनुसार जलाशय का जलस्तर न्यूनतम ड्रॉडाउन स्तर 834 फीट (254.2 मीटर) तक पहुंचने के बाद बिजली उत्पादन निषिद्ध है।

उन्होंने आरोप लगाया कि इन मानकों की अनदेखी की जा रही है, जिससे तेलंगाना की सिंचाई और पेयजल आवश्यकताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। मंत्री ने चिंता व्यक्त की कि आंध्र प्रदेश सरकार को बार-बार किए गए प्रतिनिधित्व के बावजूद कोई परिणाम नहीं निकला और उसके रवैये को असंवेदनशील बताया। उन्होंने कहा कि पूर्व महबूबनगर जिले के निर्वाचित प्रतिनिधियों ने इस मुद्दे को उजागर करने और कृष्णा बेसिन के किसानों एवं निवासियों के हितों की रक्षा के लिए श्रीशैलम में 'वंटा-वरपू' कार्यक्रम का आह्वान किया है। जूपल्ली कृष्णा राव ने कहा कि इन चिंताओं को जोरदार ढंग से उठाए जाने के बाद ही आंध्र प्रदेश सरकार ने बिजली उत्पादन रोका। उन्होंने दोहराया कि राज्य सरकार तेलंगाना के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में सभी आवश्यक कदम उठाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि श्रीशैलम परियोजना में जल बंटवारे को लेकर पहले भी चिंताएं उठ चुकी हैं, यहां तक कि अविभाजित आंध्र प्रदेश के समय भी, जब कानूनी सहारा लिया गया था। तेलंगाना अपने वैध जल हिस्से पर कोई समझौता नहीं करेगा, इस बात पर जोर देते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार अपने लोगों के हितों की रक्षा करती रहेगी।

राज्यपाल ने महावीर जयंती की शुभकामनाएं दीं

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने महावीर जयंती के अवसर पर राज्य के सभी जैन भाई-बहनों को शुभकामनाएं दी हैं। मंगलवार को यहां जारी एक बयान में राज्यपाल ने कहा कि भगवान महावीर (जो सबसे पूजनीय आध्यात्मिक नेताओं में से एक हैं) ने सत्य, अहिंसा, करुणा और तपस्या के शाश्वत मूल्यों का प्रचार किया।

उनके उपदेश आज भी मानवता को शांति, सद्भाव और धर्मपूर्ण जीवन के मार्ग की ओर मार्गदर्शन करते हैं। राज्यपाल ने आगे कहा कि भगवान महावीर का जीवन और उनके आदर्श सभी के लिए एक कालातीत प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं, जो हमें नैतिक मूल्यों और पारस्परिक सम्मान पर आधारित जीवन जीने के लिए प्रेरित करते हैं।

हनुमान जयंती रैली पर कड़ी सुरक्षा, ट्रैफिक प्लान तैयार

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। इस वर्ष 2 अप्रैल को हनुमान जयंती से पहले, शहर पुलिस ने गौलिगुड़ा राम मंदिर से ताडबंन हनुमान मंदिर तक आयोजित होने वाली वार्षिक रैली के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है।

सिटी पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रूट का निरीक्षण किया और भीड़ नियंत्रण उपायों, ट्रैफिक डायवर्जन तथा तैनाती योजनाओं की समीक्षा की। मार्ग के प्रमुख बिंदुओं का आकलन किया गया ताकि श्रद्धालुओं की आवाजाही सुचारू रूप से हो सके। कमिश्नर ने मीडिया से कहा, हमारी प्राथमिकता हनुमान जयंती का शांतिपूर्ण आयोजन सुनिश्चित करना है। पर्याप्त बल तैनात किया जाएगा और संवेदनशील क्षेत्रों की विशेष टीमों द्वारा कड़ी निगरानी की जाएगी। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी बढ़ा

दी है, बैरिकेड्स लगाए हैं और बड़ी भीड़ को संभालने के लिए विभिन्न विभागों के साथ समन्वय किया है।

यात्रियों को असुविधा कम करने के लिए ट्रैफिक नियंत्रण योजनाएं भी तैयार की गई हैं। अधिकारियों ने श्रद्धालुओं से पुलिस के निर्देशों का पालन करने और अनुशासित तरीके से रैली में भाग लेने की अपील की, साथ ही सांप्रदायिक सौहार्द और सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया।

सीआईडी ने विधायक कौशिक रेड्डी को जातरा घटना पर नोटिस जारी किया

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सीआईडी ने बीआरएस विधायक कौशिक रेड्डी को नोटिस जारी किया है, जिसमें बीएनएसएस की धारा 35(3) लागू करते हुए उन्हें हुजूराबाद पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले की जांच में शामिल होने के लिए बाध्य किया गया है। यह मामला उनके गृह नगर वीनवंका में सम्मक्का-सरलम्मा जातरा के दौरान हुई एक घटना से संबंधित है।

विधायक पर लगाए गए आरोपों में सड़क जाम कर यातायात को बाधित करना शामिल है, जिससे आम जनता को असुविधा हुई। इसके अलावा, उन पर कानून प्रवर्तन अधिकारियों के कर्तव्यों के निर्वहन में बाधा डालने, अधिकारियों के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियां करने और सार्वजनिक व्यवस्था को भंग करने के आरोप भी हैं। कौशिक रेड्डी को 4 अप्रैल को सीआईडी के समक्ष उपस्थित होने के लिए समन किया गया है, और उनसे संबंधित दस्तावेजों तथा पहचान पत्र के साथ आने को कहा गया है।

उन्हें जांच में सहयोग करने के लिए कहा गया है और चेतावनी दी गई है कि ऐसा न करने पर कानूनी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। नोटिस पर अपनी प्रतिक्रिया में, बीआरएस विधायक ने इसे उत्पीड़न करार दिया और दावा किया कि उनके परिवार तथा पार्टी सहयोगियों को उनके खिलाफ राजनीतिक बदले की कार्रवाई के तहत निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने यह भी जोर दिया कि वह कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा कथित दबाव के बावजूद सरकार की अधूरी प्रतिबद्धताओं पर सवाल उठाते रहेंगे।

करंट लगने से महिला की मौत, कपड़े सुखाते समय हादसा

मंचेरियल, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल जिले के चेन्नूर मंडल के कोम्मेरा गांव में मंगलवार को कपड़े सुखाते समय एक महिला की करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान मेदानोनी ज्योति (50) के रूप में हुई है। बताया गया कि कपड़े सुखाने के दौरान उन्होंने बिजली के तार को छू लिया, जिससे उन्हें जोरदार करंट लगा और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक महिला लोहे और टिन की छत वाले घर में रहती थीं। घर की वायरिंग में खराबी के कारण टिन के तारों में करंट प्रवाहित हो रहा था, जिससे यह हादसा हुआ। घटना की जानकारी मिलने पर आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और जांच शुरू कर दी है। मृतका के परिवार में दो बेटियां और एक बेटा हैं। पुलिस ने परिजनों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दक्षिणी राज्य भारत की आर्थिक वृद्धि के प्रमुख इंजन : सीआईआई

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने 'राइजिंग साउथ: नेक्स्ट वेव ऑफ ग्रोथ' शीर्षक से अपनी रिपोर्ट साउथ इंडिया वार्षिक सम्मेलन 2026 में जारी की, जिसमें दक्षिण भारत को देश के आर्थिक परिवर्तन का प्रमुख प्रेरक बताया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और तेलंगाना जैसे दक्षिणी राज्य भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं तथा विनिर्माण, प्रौद्योगिकी, निर्यात और नवाचार के क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। प्रमुख योगदानकर्ताओं में तमिलनाडु और कर्नाटक मिलकर क्षेत्र के कुल सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का आधे से अधिक हिस्सा उत्पन्न करते हैं। चेन्नई की औद्योगिक शक्ति और बेंगलुरू की वैश्विक तकनीकी नेतृत्व क्षमता इसका प्रमुख आधार हैं। आंध्र प्रदेश बंदरगाहों, नवीकरणीय ऊर्जा और शहरी विकास के माध्यम से बुनियादी ढांचे पर आधारित तेज़ी से विकास कर रहा है, जबकि तेलंगाना ने हैदराबाद को जीवन विज्ञान और उन्नत डिजिटल प्रौद्योगिकियों का प्रमुख केंद्र बना दिया है। केरल स्वास्थ्य सेवा और पर्यटन क्षेत्रों में अपनी मजबूती का लाभ उठा रहा है। विनिर्माण क्षेत्र में भी दक्षिण भारत की स्थिति सुदृढ़ बनी हुई है। तमिलनाडु ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और वस्त्र उद्योग में अग्रणी है, जबकि कर्नाटक एयरोस्पेस और सटीक अभियांत्रिकी में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। तेलंगाना का जीनोम वैली क्षेत्र औषधि और जीवन विज्ञान का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था में भी दक्षिण भारत अग्रणी है, जहां बड़ी संख्या में वैश्विक क्षमता केंद्र स्थापित हैं और कर्नाटक इसमें सबसे आगे है। यह क्षेत्र भारत के लगभग 30 प्रतिशत यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स में योगदान देता है, जो मजबूत उद्यमिता को दर्शाता है। व्यापार के क्षेत्र में दक्षिणी राज्य भारत के कुल वस्तु निर्यात का लगभग 38 से 40 प्रतिशत हिस्सा प्रदान करते हैं, जिसे प्रमुख बंदरगाहों और लॉजिस्टिक्स गलियारों का मजबूत समर्थन प्राप्त है। केरल का विजिंजम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह चालू होने से वैश्विक व्यापार संपर्क और सुदृढ़ हुआ है। रिपोर्ट में विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप नीतिगत ढांचे, कारोबार सुगमता में सुधार और निरंतर विदेशी निवेश प्रवाह, विशेषकर कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना में, को भी रेखांकित किया गया है।

सीआईआई ने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को सशक्त बनाना, लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार करना तथा सतत शहरीकरण को बढ़ावा देना आवश्यक होगा, ताकि दक्षिण भारत देश की आर्थिक वृद्धि के अगले चरण का मजबूत आधार बना रहे। रिपोर्ट में निष्कर्ष रूप में कहा गया है कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ते हुए दक्षिण भारत अपनी मजबूत औद्योगिक आधारशिला, नवाचार-प्रधान अर्थव्यवस्था और प्रभावी नीतिगत नेतृत्व के माध्यम से देश की अगली विकास लहर को गति देने में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

खतरनाक बाइक स्टंट करने वाले चार गिरफ्तार

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अत्तापुर पुलिस ने बीते 27 मार्च को खतरनाक बाइक स्टंट करने वाले चार युवकों को गिरफ्तार किया। पुलिस कांस्टेबल सी. सबिता ने बताया कि वे और अपने सहयोगी मो. अहमद पेट्रोल ड्यूटी पर थी। उसी दौरान अत्तापुर क्षेत्र में पिलर नं. 143 से आरामघर रोड की ओर जाते समय एक होंडा डियो बाइक खतरनाक स्टंट्स करते पाए गए। जब पुलिस ने बाइक को रोकने का प्रयास किया, तब चालक ने वाहन को तेज गति और लापरवाह तरीके से चलाते हुए भागने की कोशिश की। इस दौरान उन्होंने सड़क पर उपस्थित आम जनता की सुरक्षा को गंभीर खतरे में डाल दिया। पुलिस ने बताया कि इस तरह की लापरवाह ड्राइविंग सड़क पर दुर्घटनाओं और जनहानि का कारण बन सकती है। इस मामले में पुलिस ने चार आरोपियों मो. आमेर बाबा, (21 वर्ष) एसी, टेक्ननिशियन, न्यू अल्लापुर, बोराबंडा, हैदराबाद, मोहम्मद अशवाक, (19 वर्ष), बाइक मैकेनिक, न्यू हफ़ीज़पेट, मियापुर, हैदराबाद, मोहम्मद समीरउद्दीन, (26 वर्ष), कार ड्राइवर, बीएसमक्ता, बेगमपेट, हैदराबाद, मोहम्मद नाशिद अतास मोहम्मद नसीर, (20 वर्ष) डिलीवरी बॉय, बीएसमक्ता, खैरताबाद, हैदराबाद को गिरफ्तार किया है। अत्तापुर पुलिस ने जनता से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को कानूनविरुद्ध या असामाजिक गतिविधियों में लिप्त पाया जाए, तो तुरंत पुलिस को सूचित किया जाए।

3 अप्रैल से ग्लोबल लॉ-टेक मेगा समिट का आयोजन

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ग्लोबल एकेडमी ऑफ लॉ-टेक एजुकेशन एंड रिसर्च द्वारा 'एटीएलईजी-2026' नामक तीन दिवसीय वैश्विक सम्मेलन 'एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, लॉ, एथिक्स एंड गवर्नेंस' विषय पर 3 से 5 अप्रैल तक तेलंगाना टूरिज्म होटल, बेगमपेट में आयोजित किया जाएगा। हैदराबाद स्थित एनएसएस में मीडिया से बातचीत करते हुए समिट निदेशक प्रो.एम.के. भंडारी ने बताया कि यह मेगा समिट पहली बार हैदराबाद में आयोजित किया जा रहा है।

इसमें अमेरिका, इंग्लैंड, जापान, जर्मनी, इटली, स्पेन, आयरलैंड, रूस, नेपाल, श्रीलंका तथा भारत के विभिन्न शहरों से विशेषज्ञ प्रत्यक्ष और ऑनलाइन भाग लेंगे। भारत और विदेशों से न्यायपालिका, विधि व्यवसाय, शिक्षाविदों, तकनीकी विशेषज्ञों, बैंकरों, प्रबंधन विशेषज्ञों और सामाजिक-आर्थिक कार्यकर्ताओं सहित 200 से अधिक प्रतिनिधि इसमें भाग लेंगे। 75 से अधिक सत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), साइबर सुरक्षा, ब्लॉकचेन, फिनटेक और डिजिटल एसेट्स जैसे विषयों पर चर्चा होगी। कानूनी विशेषज्ञ और तकनीकी विशेषज्ञ साइबर अपराध, डेटा गोपनीयता और नैतिक शासन पर विचार-विमर्श करेंगे तथा एक प्रारूप कानूनी ढांचा भी प्रस्तावित करेंगे।

इस सम्मेलन में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति संदीप मेहता, पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति एम.आर. शाह, न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी (वर्तमान में विधि आयोग के अध्यक्ष), श्रीलंका के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मोहन पीरिस, तेलंगाना हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति एस. नंदा, कर्नाटक हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति सूरज गोविंदराज, राजस्थान हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति जे.के. रांका और न्यायमूर्ति डॉ. विनीत कोठारी सहित कई प्रमुख विधि विशेषज्ञ अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। इसके अलावा, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली के कुलपति प्रो.जी.एस. बाजपेयी, जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी (हरियाणा) के कुलपति प्रो.डॉ. सी. राज कुमार, अमेरिका से डॉ. जोसीना, आयरलैंड से टोनी मोरोनी तथा जर्मनी से प्रो.डॉ. जोएर्ग मोल्ट भी भाग लेंगे। प्रो. बाजपेयी और प्रो.सी. राज कुमार को विधि के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित द्वितीय प्रो.एस.आर. भंसाली मेमोरियल राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। प्रो.एम.के. भंडारी द्वारा लिखित विधि और प्रौद्योगिकी पर 750 पृष्ठों की पुस्तक का भी विमोचन किया जाएगा।

आज से देशभर में ई20 पेट्रोल लागू
फायदे और चिंताओं पर बहस तेज

हैदराबाद, 31 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 1 अप्रैल 2026 से देशभर में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई20) लागू करने की घोषणा की है। यह भारत की ऊर्जा नीति में एक बड़ा कदम माना जा रहा है, जिसका उद्देश्य कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना और प्रदूषण घटाना है। मंत्रालय के अनुसार, इस नए ईंधन का न्यूनतम रिसर्च ऑक्टेन नंबर (आरओवन) 95 होगा, जिससे इंजन का प्रदर्शन बेहतर बना रहेगा। यह ईंधन भारतीय मानक ब्यूरो के मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है।

हालांकि, इस फैसले को लेकर उपभोक्ताओं और वाहन मालिकों में कई चिंताएं भी सामने आई हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इथेनॉल की ऊर्जा क्षमता कम होने के कारण ईंधन दक्षता में 2 से 7 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है, खासकर पुराने वाहनों में। साथ ही, लंबे समय में इंजन के कुछ हिस्सों पर असर पड़ने की आशंका भी जताई जा रही है।

वहीं ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया और सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स जैसे उद्योग संगठनों का कहना है कि ई20 ईंधन सुरक्षित है और इससे इंजन को कोई बड़ा नुकसान नहीं होगा।

पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार, इससे कार्बन मोनोऑक्साइड और हाइड्रोकार्बन जैसे प्रदूषकों में कमी आ सकती है, लेकिन नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसे अन्य गैसों में वृद्धि संभव है। इस नीति का असर अन्य उद्योगों पर भी पड़ रहा है। इथेनॉल की बढ़ती मांग के कारण फार्मा, रसायन और पेय उद्योगों में इसकी उपलब्धता प्रभावित हो रही है।

साथ ही, गन्ना और मक्का जैसी फसलों के उपयोग से खाद्य कीमतों और जल संसाधनों पर भी दबाव बढ़ सकता है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के समर्थन को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं, हालांकि इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भी तैयारियां जारी हैं। नए वाहन ई20 के अनुकूल बनाए जा रहे हैं, जबकि पुराने वाहनों के लिए सीमित विकल्प उपलब्ध हैं। रॉयल एनफील्ड और मारुति सुजुकी जैसी कंपनियां इस दिशा में समाधान विकसित कर रही हैं। कुल मिलाकर, ई20 ईंधन को लेकर जहां इसे स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है, वहीं इसके प्रभावों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.